भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर

वार्षिक प्रतिवेदन 2020 - 21

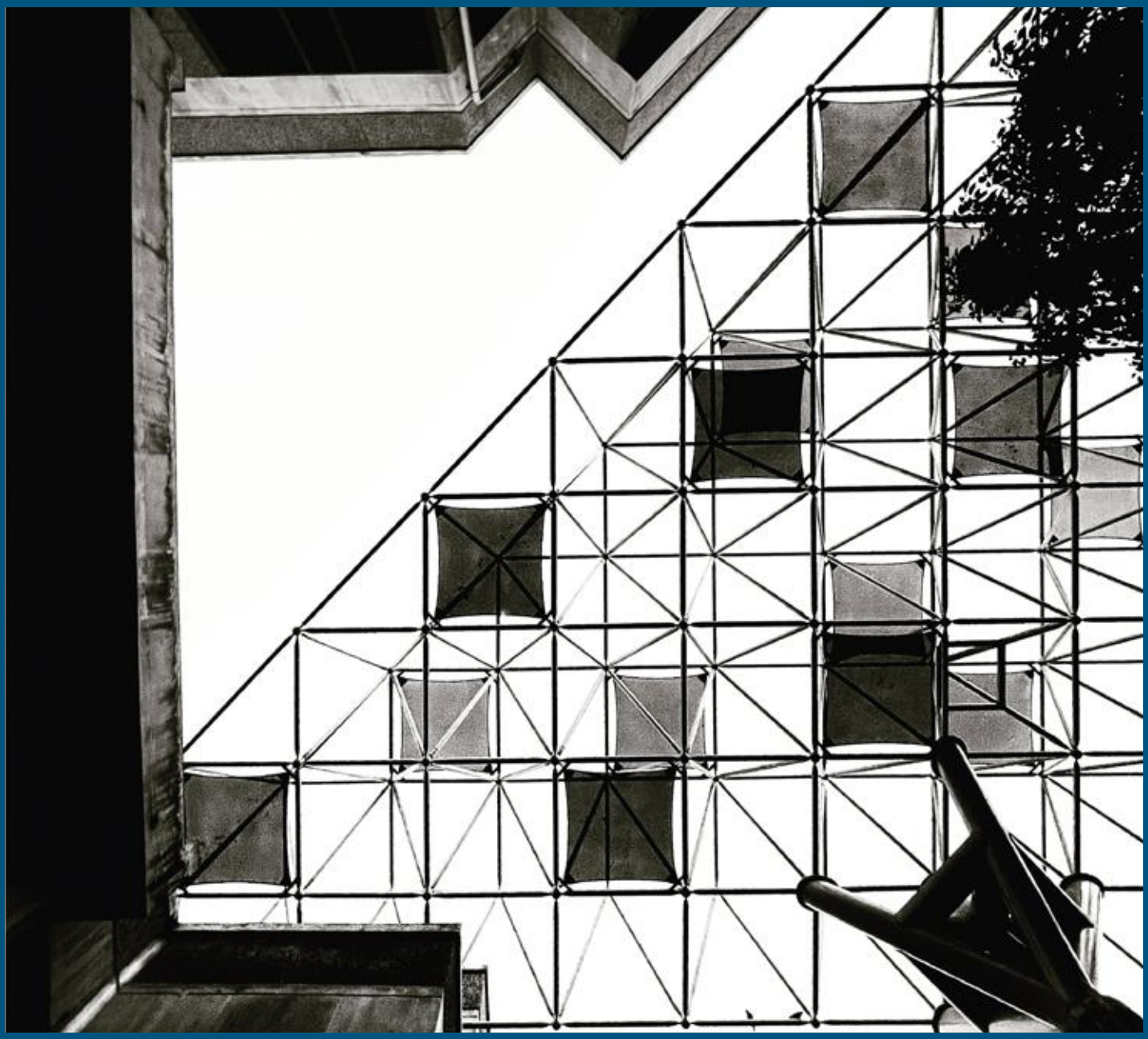

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
पालज, गांधीनगर, गुजरात – 382 055

वार्षिक प्रतिवेदन 2020 - 21

विषय-सूची

दृष्टि, ध्येय एवं मूल्य 04

निदेशक की कलम से 06

संगठन 08

महामारी पर प्रतिक्रिया 16

शैक्षणिक 20

छात्र मामले 34

अनुसंधान और विकास 50

बाह्य संबंध 82

पुरस्कार एवं अभिज्ञान 88

आउटरीच 96

आयोजन एवं गतिविधियां 100

परिसर 108

संस्थान को सहयोग 114

लोग 126

पूर्व छात्रों के साथ संबंध 136

दृष्टि, ध्येय एवं मूल्य

मूल विशेषताएं

- एक सुरक्षित व शांत वातावरण
- समाज एवं छात्रों की बदलती जरूरतों के अनुरुप क्रियाएं
- शैक्षणिक स्वायत्तता व लचीलापन
- शोध परिवेश
- संकाय सदस्यों एवं छात्रों की प्रकृति
  - संकाय नियुक्ति मापदंड भारत के ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों से कहीं ऊँचा है।
  - छात्रों का चयन पूर्णत: यग्यता के आधार पर होता है।
- समुदाय हितकारी नीतियों के साथ सर्वांगीण विकास
- आधारभूत सुविधाएं- प्रयोगशाला सुविधा को विश्वस्तरीय बनाने के लिए उदार निधिकरण।
- प्रशासन- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का विशिष्ट सरोकार व आंतरिक प्रबंधन
  - निदेशक को प्रशासनिक, वित्तीय व शैक्षणिक मामलों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त विशेषाधिकार (ढांचागत) प्राप्त हैं।
- आवासीय परिसरः
  - छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच करीबी शैक्षणिक व सामाजिक मेल-मिलाप की ओर प्रेरित करता है।
  - ज्यादा घनिष्ठ सामुदायिक भावना का विकास करता है तथा एक दूसरे से सीखने का अवसर देता है।
  - सदैव शिक्षा का माहौल बनाए रखता है जिससे सभी की ओर से सृजनात्मकता आती है।

सिद्धान्त

- आजीवन सीखते रहने की प्रतिबद्धता
- योग्यता को बढ़ावा
- कार्य के प्रति उत्साह एवं अभिप्रेरणा
- व्यवसायिकता
- कानून का सम्मान
- सामाजिक सुधार से सरोकार
- संस्थान के कामकाज में पारदर्शिता
- संस्थान के प्रति समर्पण

मूल्य

- प्रतिभातंत्र
- अतुलनीय गुणवत्ता और उत्कृष्टता
- ईमानदारी, अखंडता, लगन और अनुशासन
- विश्वास व जवाबदेही युक्त आजादी
- सृजनात्मकता के प्रोत्साहन एवं सम्मान
- नए विचारों का स्वागत गलती करने की अनुमति
- सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी
- प्रत्येक व्यक्ति व विविधता का सम्मान
- सहयोग, सहयोजन व मिलकर कार्य करना

ध्येय

- एक विश्वस्तरीय संस्था का निर्माण व विकास करना जहाँ स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरल स्तर पर ऐसा ज्ञान प्रदान किया जाए जो सम्पूर्ण मानवता के विकास के लिए योगदान दे।
- ऐसे दूरदर्शी नेतृत्व का विकास करना जिसमें सृजनात्मक सोच व सामाजिक जागरुकता हो और जो हमारे मूल्यों का आदर करे।
- सार्वभौमिक प्रभाव के लिए शिक्षण व शोध में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।
- राष्ट्रीय नीतियों को प्रभावित करने वाले पथ-निर्धारक शोध के लिए संलग्नित रहना।
- सामाजिक समस्याओं के लिए चिर स्थायी रहने वाले प्रौद्योगिकी समाधान का लक्ष्य प्राप्त करना।
- सदा बने रहने वाले विकास के लिए प्रौद्योगिकी पर ध्यान बनाए रखना।
- राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विषयों में शैक्षणिक व औद्योगिकी सहयोग के क्षेत्र में अग्रणी बनना।
- ज्ञान अर्जित करने व शिक्षा देने के वास्तविक महत्व के प्रति जागरुकता पैदा करना।
- मूल्यों पर आधारित पारस्परिक आदान-प्रदान के माध्यम से स्थानीय विद्यालयों व समुदायों को समृद्ध करना।
- संस्थागत संस्कृति के एक हिस्से की तरह उत्तम भाषा-कौशल को प्रोत्साहन देना।
- छात्रों को न केवल उनकी पहली नियुक्ति के लिए अपितु उनकी अन्तिम नौकरी के लिए तैयार करना।

लक्ष्य

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर प्रौद्योगिकी व संबंधित क्षेत्रों में एक उच्चतर शिक्षण संस्थान के रूप में वर्तमान व भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए उच्च कोटि के वैज्ञानिकों, अभियंताओं व उद्दमिओं के विकास की आकांक्षा रखता है। इससे बढ़कर महात्मा गांधी की इस भूमि पर उनके उच्च नैतिक मूल्यों व समाज सेवा के भाव को ध्यान में रखते हुए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर शोध के लिए प्रथम कदम बढ़ाने और कठिनाइयों से उभारने वाले ऐसे उत्पाद विकसित करने की जिम्मेदारी लेता है जो हमारे समुदायों की जंदिगी को बेहतर बनाएगी।

दृष्टि

- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर को ज्ञान अर्जित करने, शिक्षा व शोध के लिए एक दिलचस्प स्थान के रूप में ढालना।
- ज्ञान अर्जन करने वाली ऐसी व्यवस्था को स्थापित करना जो आजादी के साथ पूर्णता व आनन्द का अनुभव कराने वाली हो।
- एक ऐसा सुगम वातावरण तैयार करना जो समालोचनात्मक व सृजनात्मक मस्तिष्क का परिपोषण करे और उत्कृष्टता तक ले जाने के लिए प्रेरित करे।
- एक ऐसा वातावरण तैयार करना जो आने वाले कल के लिए अग्रणी अन्वेषक, वैज्ञानिक, अभियंता, उद्दमी, शिक्षक तथा विचारक पैदा करे।
- छात्रों के लिए ऐसे अवसर प्रदान करना ताकि वे जहां से, जैसे भी और जो भी चाहें पढ़ सकें।
- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगरको भावी पीढ़ी के छात्रों, कर्मचारियों व संकायों के लिए वरीयता प्राप्त स्थान बनाना।

निदेशक की कलम से

इस वर्ष महामारी के कारण विश्वभर में जिस प्रकार जन-जीवन प्रभावित हुआ है, उससे कई संस्थानों का विकास और आकार भी परिभाषित हुआ है। हमारे समुदाय ने इस चुनौती का सामना करते हुए प्रेरणादायक नेतृत्व, परानुभूति और सहभागिता का प्रदर्शन दिया है। छात्रों को परिसर में असीमित समय तक रुकने का विकल्प हो, अथवा कोरोना की दूसरी लहर के शीर्ष समय में परिसर में 240 से भी अधिक कोविड मरीज़ों की देखभाल के लिए हमारी सुविधाएं हो, हम उस चुनौतीपूर्ण समय में और भी अधिक मजबूती से उभर कर सामने आए हैं। महामारी द्वारा उत्पन्न अभूतपूर्व परिस्थितियों से लड़ने की हमारी प्रतिक्रिया के विषय में हम इस वार्षिक प्रतिवेदन में अलग से वर्णन करेंगे।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में हमारा संस्थान पहला था जिसका वार्षिक दीक्षांत समारोह आभासी रूप में अगस्त 23, 2020 को आयोजित किया गया। यह उल्लेखनीय है कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में पिछले वर्ष के मुकाबले दोगुनी पीएचडी उपाधियां प्रदान की गईं, जो हमारे विकासशील अनुसंधान परितंत्र का संकेत है।

जेईई एडवांस्ड परीक्षा देरी से आयोजित होने के कारण बीटेक छात्रों के नए बैच का प्रथम सत्र भी देरी से नवम्बर 12 को शुरू हो सका। हमें पता था कि इस बैच ने पहले ही अत्यधिक अनिश्चितता के साथ असाधारण परिस्थितियों का सामना किया है। विलंब से आरंभ हुए सत्र के प्रभाव को कम करने के लिए हमने पाठ्यक्रम को आधा कर प्रथम सत्र को आधी अवधि का कर दिया। इससे बैच को नियमित शैक्षणिक कैलेंडर के साथ सामन्जस्य बैठाने में कुछ ही महीनों का समय लगा। पहले छः साप्ताहिक सत्र में कम्प्यूटिंग, लेखन, सीखने की कला, तथा एक नव कल्पनीय ऑनलाइन फाउन्डेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

हम प्रमुख दानकर्ताओं की उदारता के लिए बहुत आभारी हैं जिन्होंने इस वर्ष कई नई पहलों को सहयोग प्रदान किया है। श्री गोर्वधनभाई बी गेहलोत ने अपनी दिवंगत माता की याद में कंकुबेन बक्शीरामभाई गेहलोत चेयर के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा विज्ञान के लिए गोवर्धनभाई बी गेहलोत प्रयोगशाला की स्थापना की है। डॉ दिनेश ओ शाह ने डॉ दिनेश ओ शाह चेयर के लिए अनुदान दिया है। डॉ हेमंत कनकिया तथा मेकर भवन प्रतिष्ठान ने संस्थान में कनकिया युवा अनुसंधानकर्ता संगोष्ठी श्रंखला स्थापित करने में सहायता की है।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के पूर्व छात्रों ने असाधारण स्नेह दर्शाते हुए वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 55% से भी अधिक मात्रा में संस्थान को योगदान दिया है, यह विश्व के किसी भी संस्थान के लिए दान देने का एक असाधारण स्तर है, खासकर के तब जब वे छात्र संस्थान से कुछ ही समय पहले स्नातक हुए हों। पांच अन्य पूर्व छात्रों ने अवरस्नातक विद्यार्थियों के लिए रु 1 लाख की वार्षिक अध्येतावृत्ति अनुदान में दी है। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर से पूर्व छात्रों के जुड़ाव के स्तर का यह एक मजबूत प्रतीक है।

अगली निर्माणाधीन शैक्षणिक इमारतों के चलते हमें आशा है कि हमारी प्रयोगात्मक सुविधाओं के स्तर में काफी बढ़ोत्तरी होगी। अनुसंधान पार्क का कार्य पूर्ण होने के कगार पर है जिससे उद्योग भागीदारियों को अभूतपूर्व अवसर मिलेंगे। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने संस्थान में निधि-प्रयास केंद्र की स्थापना पारित की है जिससे नवीनता व उद्यमिता केंद्र में युवा शोधकर्ताओं को अपने विचारों को मूल रूप देने में मदद मिलेगी। डीएसटी ने एक 650 टीएफटी सुपरकम्प्यूटिंग प्रणाली (70:30 सीपीयू व जीपीयू) भी स्थापित किया है, जिसमें संचयन क्षमता के साथ समुचित डेटा केंद्र हैं। संस्थान ने इस सुविधा के लिए राष्ट्रीय सुपरकम्प्यूटिंग मिशन के तहत उन्नत कम्प्यूटिंग विकास केंद्र के साथ सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं, जिसका संचालन डीएसटी के साथ इलेक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय कर रहा है।

हमारे अतिथि गृह तथा केंद्रीय तोरणिका (आर्केड) का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। बैंक तथा चिकित्सा केंद्र पहले ही केंद्रीय तोरणिका (आर्केड) में अपनी कार्यप्रणाली स्थापित कर चुके हैं। इस साल दो नए छात्रावास शुरू किये गए हैं तथा अत्याधुनिक सुविधाओं से पूर्ण खेल-कूद परिसर का कार्य पूर्ण होने को है। रंग मंच (एक खुले मंच) के भूभाग का कार्य

निदेशक

सुधीर कु. जैन

अपने अंतिम चरण में है, जिसके पश्चात यथासंभव वह लोक आयोजनों के लिए उपलब्ध करा दिया जाएगा। परिसर में एक पशु देखभाल सुविधा भी स्थापित की गई है जिसमें परिसर के पशुओं (लावारिस पशुओं सहित) की चिकित्सा सम्बन्धित या चिकित्सीय देखरेख की जा सकती है।

संस्थान में संकाय सदस्यों की नियुक्ति पूरी ऊर्जा से चल रही है और हमने उच्च-कौशल युक्त पोस्ट-डॉक्टोरल शोधकर्ताओं की नियुक्ति के लिए अर्ली करियर अध्येतावृत्ति तथा 50-50 योजना शुरू की है। अंतिम वर्ष के वे छात्र जिनकी उच्च शिक्षा की योजनाएं महामारी के कारण बाधित हो गई थीं, उनको शोध अवसर प्रदान करने के लिए हमने साबरमती पुल अध्येतावृत्ति स्थापित की है। हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में छात्र व संकाय नियुक्ति का ऑनलाइन माध्यम हमारी नीति का एक बड़ा हिस्सा बनेगा, जिससे भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में निरंतर विकास का एक नया मार्ग खुलेगा।

विश्व में इस समय एक असाधारण उथल-पुथल की स्थित है, किंतु पूरे साल जिस तरह परिसर समुदाय ने इस आपदा के सामने अपनी प्रतिक्रिया दर्शाई है वह भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की उत्कृष्ट संस्कृति और लोकाचार का साक्ष्य है। संस्थान के परिसर निवासियों का 100% टीकाकरण करवाने के हमारे प्रयासों के चलते हमें आशा है कि हम फिर एक नए सामान्य जीवन की तरफ लौट सकेंगे, जहां पूरा भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर परिवार अपने महामारी के अनुभव से सीख लेकर सभी क्षेत्रों में उन्नति के साथ खड़ा होगा।

प्रो सुधीर कुमार जैन

संगठन

शासकीय मण्डल

(मार्च 31, 2021 तक)

सभापति

डॉ० संजीव गोयनका
अध्यक्ष
आर०पी०-संजीव गोयनका समूह
कोलकाता

सदस्य

डॉ० बी एन गंगाधर
डॉ० बी एन गंगाधर
पूर्व निदेशक
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और स्नायु विज्ञान संस्थान
बेंगलुरु

श्री बी सी त्रिपाठी
पूर्व अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
जीएआईएल (भारत) लि०
नई दिल्ली

श्री कमल बाली
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
वॉल्वो समूह भारत प्रा० लि०
बेंगलुरु

श्री राकेश रंजन, भाप्रसे
अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा)
उच्चतर शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री अनिल मुकिम, भाप्रसे
मुख्य सचिव
गुजरात सरकार
गांधीनगर

श्री प्रफुल्लभाई के पटेल
प्रशासक
दमन एवं दीव यूटी प्रशासन
दमन (यूटी)

प्रो सुधीर कुमार जैन
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो अमित प्रशांत
प्रोफेसर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो प्रणब कु मोहापात्रा
प्रोफेसर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सचिव

श्री प्रेम कुमार चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

वित्तीय समिति

(मार्च 31, 2021 तक)

सभापति

डॉ॰ संजीव गोयनका
अध्यक्ष
आर॰पी॰-संजीव गोयनका समूह
कोलकाता

सदस्य

प्रो सुधीर कुमार जैन
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

श्री राकेश रंजन, भाप्रसे
अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा)
उच्चतर शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

श्रीमती दर्शना एम डबराल
संयुक्त सचिव (एकीकृत वित्त ब्यूरो) एवं वित्तीय सलाहकार
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री भद्रेश मेहता
चार्टर्ड एकाण्टेंट
अहमदाबाद

प्रो प्रतीक मूथा
सह-प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सचिव

श्री प्रेम कुमार चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

भवन व निर्माण समिति

(मार्च 31, 2021 तक)

सभापति

प्रो सुधीर कुमार जैन
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सदस्य

प्रो नीलकंठ छाया
पूर्व डीन
वास्तुशिल्प संकाय
सीईपीटी विवि
अहमदाबाद

श्री एम बी भलाला
पूर्व प्रमुख अभियंता
सड़क और भवन विभाग
गुजरात सरकार
गांधीनगर

श्री के एस वाघ
मुख्य सलाहकार (सिविल आधारभूत ढांचा)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे

श्री ए के जैन
पूर्व विशेष महानिदेशक
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री एल पी श्रीवास्तव
सलाहकार (निर्माण)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो गौरव एस
डीन (परिसर विकास)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सचिव

श्री प्रेम कुमार चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

अभिषद् सभा

(मार्च 31, 2021 तक)

सभापति

प्रो सुधीर कुमार जैन
निदेशक

सदस्य

प्रो डी पी रॉय
प्रो जी के शर्मा
प्रो एस पी मेहरोत्रा
प्रो अमित प्रशांत
प्रो प्रणब कु मोहापात्रा
प्रो विक्रांत जैन
प्रो जयसन मंजली
प्रो चिण्मय घोरोई
प्रो समीर दलवी
प्रो निहार रंजन मोहापात्र
प्रो अनिर्बन दासगुप्ता
प्रो दीपक कुंञ्जू
प्रो नमित महाजन
प्रो गायत्री मेनन
श्री आनंद पारेख
श्री सुनील पारेख
प्रो कबीर जसूजा
प्रो गौरव एस
प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण
प्रो शर्मिष्ठा मजुमदार
प्रो भास्कर दत्ता
प्रो विमल मिश्रा
प्रो मनीष कुमार (सिविल)
प्रो सौम्यकांति खटुआ
प्रो सुदीप्ता बासु
प्रो प्रत्युश दयाल
प्रो मिथुन राधाकृष्ण
प्रो कृष्णा मियापुरम
प्रो प्रतीक मूथा
प्रो नीलधारा मिश्रा
प्रो शंमुगनाथन आर
प्रो नारण पिंडोरिया
प्रो नितिन वी जॉर्ज
प्रो संजय सिंह बोरा
प्रो अंबिका अय्यादुराई
प्रो शर्मिता लाहिड़ी
प्रो जगमोहन त्यागी
प्रो अक्षा वटवानी
प्रो विनोद नारायणन
प्रो दिलीप श्रीनिवास सुंदरम
प्रो सुपर्ब मिश्रा
प्रो अभिजीत मिश्रा
प्रो विनोद चंद्रा
प्रो कृष्ण कांति डे

सचिव

श्री प्रेम कुमार चोपड़ा
कुलसचिव

स्थायी अतिथि

डॉ॰ टी एस कुंम्भार
पुस्तकालयाध्यक्ष

आमंत्रित छात्र

जैनम शाह, महा सचिव, छात्र परिषद
उत्कर्ष गंगवाल, संयोजक, छात्र अभिषद् सभा
अनुकेश के ए (पीएचडी 2016)
जयनेन्द्र जैन (एमटेक 2019)
दीपिका सोनी (बीटेक 2017)

अभिषद् सभा की स्थाई समितियां

अभिषद् सभा शैक्षिक कार्य मूल्यांकन समिति (एसएपीईसी)

प्रो प्रतीक मूथा, संयोजक
प्रो कबीर जसूजा (डीन, शैक्षिक मामले)
प्रो दिलीप श्रीनिवास सुंदरम
प्रो कृष्ण कांति डे
प्रो भास्कर दत्ता
प्रो जॉयसी मेकी
प्रो अंबिका अय्यादुराई
प्रो नितिन खन्ना
प्रो एस राजेन्द्रन
प्रो श्रीहरिता राउतू

अभिषद् सभा शैक्षिक कार्यक्रम समिति (एसएपीसी)

प्रो कबीर जसूजा, सभापति (डीन, शैक्षिक मामले)
प्रो दिलीप श्रीनिवास सुंदरम
प्रो कृष्ण कांति डे
प्रो समीर दलवी
प्रो विक्रांत जैन
प्रो जयसन मंजली
प्रो शर्मिष्ठा मजुमदार
प्रो प्रत्युष दयाल
प्रो सुदीप्ता बासु
प्रो कृष्ण प्रसाद मियापुरम
प्रो अनिर्बन दासगुप्ता
प्रो नारण पिंडोरिया
प्रो अंबिका अय्यादुराई
प्रो सुपर्ब मिश्रा
प्रो जगमोहन त्यागी
प्रो विनोद नारायणन
प्रो विनोद चंद्रा
शांतनु जना (छात्र नामिती)
प्रत्युष भट्ट (छात्र नामिती)

अभिषद् सभा छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार समिति (एसएसपीसी)

प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण, सभापति (डीन, छात्र मामले)
प्रो नारण पिंडोरिया
प्रो मनीष कुमार (सीई)
प्रो चेतन पहलाजानी

अभिषद् सभा छात्र मामले समिति (एसएसएसी)

प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण, सभापति (डीन, छात्र मामले)
प्रो एंगस मेकब्लेन
प्रो मीरा एम सनी
प्रो शर्मिष्ठा मजुमदार
प्रो चंद्रकुमार अप्पाई
प्रो अर्णब साहा
जैनम शाह (महासचिव, छात्र परिषद्)
उत्कर्ष गंगवाल (संयोजक, छात्र अभिषद् सभा)
यषि गौर (छात्र नामिती)
अमर दीप (छात्र नामिती)

अभिषद् सभा पुस्तकालय समिति (एसएलसी)

प्रो अनिर्बन दासगुप्ता, सभापति
डॉ॰ टी एस कुंम्भार
श्री निर्मल झा
प्रो निशांत चौकसी
प्रो इन्द्रनाथ सेनगुप्ता
प्रो रवि शास्त्री अय्यागरी
एन एस एस संजीवी (छात्र नामिती)
सोहम सोलंकी (छात्र नामिती)

शैक्षिक पदाधिकारी

निदेशक
प्रो सुधीर कुमार जैन

शैक्षिक मामले
प्रो कबीर जसूजा
डीन, शैक्षिक मामले

प्रो दिलीप श्रीनिवास सुंदरम
सह-डीन, अवरस्नातक अध्ययन

प्रो कृष्ण कांति डे
सह-डीन, अधिस्नातक अध्ययन

छात्र मामले
प्रो हरीष पी एम
डीन, छात्र मामले (अप्रैल 1, 2020 –दिसम्बर 31, 2020)

प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण
डीन, छात्र मामले (जनवरी 1, 2021 – मार्च 31, 2021)
सह-डीन, छात्र कल्याण (सितम्बर 1, 2020 – दिसम्बर 31, 2020)

प्रो अभिजीत मिश्रा
सह-डीन, छात्र विकास

प्रो अभय राज सिंह गौतम
प्रमुख, कैरियर विकास सेवाएं (एवं समन्वयक, नियुक्ति)

प्रो शंमुगनाथन रमण
समन्वयक, अंत:शिक्षुता

प्रो हिमांशु शेखर
समन्वयक, भावी संकाय कार्यक्रम एवं उच्चतर शिक्षा

प्रो राघवन रंगनाथन
वार्डन, छात्र कल्याण I

प्रो प्राची थरेजा
वार्डन, छात्र कल्याण II

प्रो सत्यजीत प्रमाणिक
वार्डन, छात्र कल्याण III

प्रो अर्नब साहा
वार्डन, भोजनालय व ढाबे

प्रो भास्कर दत्ता
प्रमुख, परामर्श सेवाएं

प्रो अक्षा वटवानी
सह-प्रमुख, परामर्श सेवाएं

प्रो अनिर्बन दासगुप्ता
सलाहकार, तकनीकी गतिविधियां

प्रो मिथुन राधाकृष्णन
सलाहकार, सांस्कृतिक गतिविधियां
प्रो जयचंदर स्वामीनाथन
सलाहकार, अमलथिया

प्रो हिमांशु शेखर
सलाहकार, ब्लिथक्रॉन

प्रो लेसली लाज़र
समन्वयक, टिंकरर प्रयोगशाला

प्रो जयसन मंजली
समन्वयक, क्ले स्टूडियो

प्रो मधु वडाली
प्रमुख, खेल-कूद

प्रो गोपीनाधन केलन
सलाहकार, शारीरिक शिक्षा व खेल-कूद गतिविधियां तथा
समन्वयक, सीखते हुए कमाएं

प्रो भारद्वाज कोलप्पा
सलाहकार, व्यायामशाला

प्रो उदित भाटिया
प्रमुख, छात्र नेतृत्व कार्यक्रम एवं समन्वयक, संचार, जीवन
कौशल तथा नेतृत्व कार्यक्रम

प्रो शारदा सी वी
समन्वयक, न्यासा

प्रो प्रदीप्ता घोष व प्रो जूयंग किम
समन्वयक, छात्र समाकलन

प्रो बिपुल सौरभ व प्रो जगमोहन त्यागी
समन्वयक, डेटा प्रबंधन

प्रो शर्मिष्ठा मजुमदार
समिति, वित्तीय अनुदान व ऋण

संकाय मामले
प्रो जी के शर्मा
प्राध्यापक प्रभारी, संकाय मामले

प्रो नितिन जॉर्ज
सह-डीन, संकाय संबंध

प्रो प्रसन्ना वेंकटेश बी
सह-डीन, संकाय नियुक्ति
(अप्रैल 1, 2020 – दिसम्बर 31, 2020)

प्रो उदित भाटिया
सह-डीन, संकाय नियुक्ति (जनवरी 1, 2021 – मार्च 31, 2021)

बाह्य संबंध
प्रो एस पी मेहरोत्रा
प्राध्यापक प्रभारी, बाह्य संबंध

डॉ॰ रविकुमार भास्करण
माननीय सलाहकार, बाह्य संबंध

प्रो नीलधारा मिश्रा
सह-डीन, बाह्य संचार
टीम लीडर - संचार

श्री निर्मल झा
टीम लीडर – बाह्य संबंध

प्रो अचल मेहरा
टीम लीडर – विदेश साझेदारी

सामान्य प्रशासन
प्रो डी पी रॉय
प्राध्यापक-प्रभारी, सामान्य प्रशासन

अनुसंधान एवं विकास
प्रो अमित प्रशांत
डीन, अनुसंधान एवं विकास

प्रो शरद गुप्ता
सह-डीन, बाह्य परियोजनाएं

प्रो उमाशंकर सिंह
समन्वयक, जारी शिक्षा कार्यक्रम

परिसर विकास
प्रो गौरव एस
डीन, परिसर विकास

प्रो चिण्मय घोरोई
सह-डीन, परिसर प्रबंधन

सूचना प्रणाली तथा प्रौद्योगिकी सुविधा (आईएसटीएफ)
प्रो जयसन ए मंजली
समन्वयक, सूचना प्रणाली तथा प्रौद्योगिकी सुविधा

प्रो मयंक सिंह
सह-समन्वयक, सूचना प्रणाली तथा प्रौद्योगिकी सुविधा

प्रो दिलीप सुंदरम
सह-समन्वयक, सूचना प्रणाली तथा प्रौद्योगिकी सुविधा

संस्थान प्रबंधन प्रणाली
प्रो अमित प्रशांत
सभापति, आईएमएस

प्रो शंमुगनाथन रमण
समन्वयक, आईएमएस

प्रो जयचंदर स्वामीनाथन
आईएमएस संपर्क

प्रमुख
प्रो समीर दलवी
प्रमुख, अभियांत्रिकी संकाय

प्रो जयसन ए मंजली
प्रमुख, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

प्रो विक्रांत जैन
प्रमुख, प्राकृतिक विज्ञान

प्रमुख सतर्कता अधिकारी
प्रो प्रणब कु मोहापात्रा
प्रमुख सतर्कता अधिकारी

विषय समन्वयक
(31 मार्च 2021 तक)
प्रो शर्मिष्ठा मज़ुमदार
जीवविज्ञान अभियांत्रिकी

प्रो प्रत्युष दयाल
रसायनिक अभियांत्रिकी

प्रो सुदीप्ता बासु
रसायन विज्ञान

प्रो विमल मिश्रा
सिविल अभियांत्रिकी

प्रो कृष्ण प्रसाद मियापुरम
संज्ञानात्मक विज्ञान

प्रो अनिर्बन दासगुप्ता
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

प्रो नारण पिंडोरिया
विद्युत अभियांत्रिकी

प्रो अंबिका अय्यादुराई
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

प्रो सुपर्ब मिश्रा
पदार्थ अभियांत्रिकी

प्रो जमगोहन त्यागी
गणित

प्रो विनोद नारायणन
यांत्रिक अभियांत्रिकी

प्रो विनोद चंद्रा
भौतिक विज्ञान

प्रो विक्रांत जैन
भू विज्ञान

केंद्र समन्वयक
पुरातत्व विज्ञान केंद्र
समन्वयक: प्रो मिशेल डेनीनो
सह-समन्वयक: प्रो एस पी मेहरोत्रा

जैविकचिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र
समन्वयक: प्रो उत्तमा लाहिड़ी
सह-समन्वयक: प्रो कारला पी मरकाडो-शेखर

क्रिएटिव लर्निंग केंद्र
समन्वयक: प्रो मनीष जैन
सह-समन्वयक: प्रो नीलधारा मिश्रा

संज्ञानात्मक विज्ञान व मस्तिष्क विज्ञान केंद्र
समन्वयक: प्रो कृष्ण प्रसाद मियापुरम
सह-समन्वयक: प्रो मीरा मेरी सनी

अभिकल्प एवं नवीनता केंद्र
समन्वयक: प्रो लेसली लाज़र
सह-समन्वयक: प्रो अमित अरोड़ा

डॉ॰ किरण सी पटेल स्थिरता विकास केंद्र
समन्वयक: प्रो अचल मेहरा
सह-समन्वयक: प्रो विमल मिश्रा

सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र
समन्वयक: प्रो चिण्मय घोरोई
सह-समन्वयक: प्रो गौरव एस

छात्र नेतृत्व

निम्नलिखित छात्र शैक्षिक वर्ष 2020-21 के लिए पदाधिकारी के रूप में निर्वाचित किए गए:

संयोजक, छात्र अभिषद् सभा	: उत्कर्ष संदीप गंगवाल
महासचिव	: जैनम शाह
कल्याण सचिव	: शिवांग पारीख
शैक्षणिक सचिव	: शांतनु शक्ति जना
तकनीकी सचिव	: कनिष्क कालरा
सांस्कृतिक सचिव	: निशांत कंबोज
खेल-कूद सचिव	: वाला वेदांगराज राजेन्द्रसिंह
पेशेवर विकास समिति (पीडीसी) सचिव	: मोहित मीणा
उद्योग संबंध एवं परियोजना (आईआर व पी) सचिव	: कौशिक कुमार भइया
भोजनालय सचिव	: अर्पित पटेल

महामारी पर प्रतिक्रिया

वर्ष 2020 तथा 2021 का अधिकांश समय कोरोना वायरस आपदा का रहा, जब अधिकतर प्रतिष्ठानों में दूरस्थ तरीकों से कार्य जारी रह सका व केवल आवश्यक सेवाएं ही संचालित रह पाईं, जिसकी वजह से ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई कि देशभर के विद्यार्थियों को अपने सामान के साथ परिसरों को छोड़ना पड़ा।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में छात्रों को अपने मुद्दों की जिम्मेवारी लेने की एक पुरानी परंपरा है जो उन्हें सीधे प्रभावित करते हैं, इस कारण संस्थान एक प्रतिक्रिया तैयार करने में सक्षम हुआ है जो अपेक्षाकृत सूक्ष्म है। विशेष रूप से, देशव्यापी तालाबंदी लागू होने से ठीक पहले छात्रों के पास परिसर में रहने अथवा छोड़ देने का विकल्प चुनने की छूट थी। संस्थान तालाबंदी के विभिन्न चरणों के दौरान अपने भोजनालय कर्मचारियों, लॉन्ड्री सेवाओं, रख-रखाव टीम और खाद्य विक्रेताओं के साथ सफलतापूर्वक काम करने में सक्षम था। परिसर के अंदर की दुकानें और आउटलेट सभी एहतियाती मानदंडों का पालन करते हुए कार्य करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय को सभी आवश्यक सेवाएं सुरक्षित रूप से प्राप्त होती रहें। परिसर के प्रवेश और निकास प्रोटोकॉल को भी उचित रूप से अभिकल्प और लागू किया गया था।

छात्रों ने 17 मार्च, 2020 को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्रावास परिसर से **24×7 नियंत्रण कक्ष** का संचालन शुरू किया। इस पहल का उद्देश्य छात्र निकाय और संस्थान के अधिकारियों के बीच इस संकट से संबंधित सभी मामलों के बारे में सहज संचार की सुविधा प्रदान करना है।

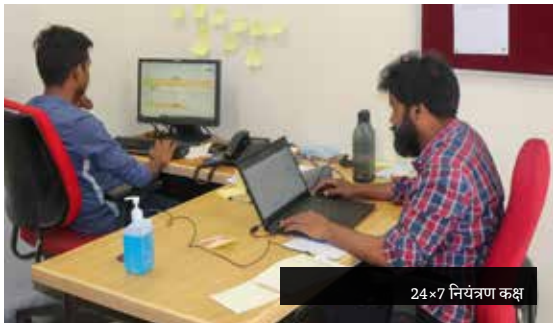

24×7 नियंत्रण कक्ष

एक **संकट प्रबंधन समूह**, जिसमें संकाय और कर्मचारी सदस्य शामिल थे, 13 मार्च, 2020 को बना, जब यह स्पष्ट हो गया कि हम वास्तव में एक वैश्विक आपातकाल से निपट रहे हैं। यह एक तेजी से प्रतिक्रिया करने वाला समूह था जिसने समुदाय को बदलती स्थिति में प्रभावी ढंग से मदद प्रदान की। परिसर के विभिन्न वर्गों और कार्यालयों के साथ समन्वय करते हुए, इसने विभिन्न महामारी परिदृश्यों के तहत उपयुक्त प्रतिक्रिया की योजना बनाई जो कि वर्ष के दौरान विकसित होती गई। इसके अलावा, संस्थान की चिकित्सा प्रतिक्रिया के संबंध में समग्र नेतृत्व और समन्वय प्रदान करने के लिए 24 जून, 2020 को एक **कोविड चिकित्सीय प्रतिक्रिया टीम** की स्थापना की गई।

प्रतिक्रिया स्वरूप छात्रों, संकाय, कर्मचारी तथा समुदाय सदस्यों ने एक **विशेष स्वयंसेवक बल** का निर्माण भी किया। इसका उद्देश्य विभिन्न सेवाएं प्रदान करना था जैसे सुरक्षा देना, अनिवार्य चीजों के वितरण का समन्वय, आवश्यक सेवा कर्मचारियों को सहयोग प्रदान करना, खादान्न वितरण में सहयोग प्रदान करना, आदि।

वैश्विक महामारी में लागू किए गए बचाव तरीकों को पूर्ण करने के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने गुजरात सरकार की चिकित्सा टीमों की सहायता से अक्टूबर 2020 के दूसरे सप्ताह में अपने पूरे परिसर समुदाय के लिए **कोविड-19 परीक्षण** की एक मुहिम चलाई। करीब 1800 समुदाय सदस्यों ने रेपिड एंटिजन टेस्ट करवाए जिसमें संकाय, कर्मचारी, परिसर निवासी, आउटसोर्स सहायक कर्मचारी, तथा परिसर में मौजूद विद्यार्थी गण शामिल हैं। संस्थान ने परिसर निर्माण कर्मचारियों के लिए भी परीक्षण की सुविधा प्राप्त कराई।

दूसरी लहर के समय परिसर में बढ़े कोविड के हल्के व मध्यम लक्षण वाले संक्रमित मरीज़ों का उपचार करने के लिए हालही में निर्मित अतिथि घर को **190-बिस्तर की कोविड देखभाल सुविधा** में तब्दील कर दिया गया। इस सुविधा में अप्रैल 1 से मई 15, 2021 के दौरान 240 से अधिक कोविड मरीज़ों को सहायता प्रदान की गई, जिसमें 95 की अधिकतम संख्या मध्य-अप्रैल में रही। इस सुविधा में मौलिक चिकित्सा सुविधाएं शामिल हैं जैसे, नियमित ताप तथा ऑक्सीजन जांच, संस्थान के डॉक्टर व नर्सों से परामर्श, दवाएं, रक्त व आरटी-पीसीआर परीक्षण, मुश्किल से प्राप्त होने वाली स्वास्थ सेवाएं, जैसे ऑक्सीजन कॉनसनट्रेटर तथा टंकी, व चार समय का पौष्टिक आहार, इत्यादि। संस्थान का चिकित्सा स्टाफ व ऐम्बुलैन्स सुविधा 24x7 उपलब्ध है। इस सुविधा से मरीज़ों को अस्पतालों में बेड प्राप्त करने में भी लाभ हुआ। मरीज़ों, चिकित्सा स्टाफ, तथा उनके परिवारों को परामर्श सेवा से मानसिक सहयोग भी प्रदान किया गया।

हमारी संयुक्त प्रतिक्रिया व सहयोग पर हमें गर्व है जो हमारे समुदाय के सुभेद्य सदस्यों व पड़ोसी गांव को प्राप्त हुआ है। अप्रैल 1, 2020 को कें॰लो॰नि॰वि॰ की सहायता से स्थापित **श्रमिक कल्याण समिति** ने महामारी के समय निर्माण श्रमिकों को स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा देखभाल प्रदान की। मई 7, 2020 को स्थापित **पड़ोसी ग्राम सहयोग समिति** की मदद से पड़ोसी ग्रामों में खादान्न व सुरक्षा संबंधित राशन का वितरण किया गया जिससे हमारे आपसी संबंध और मज़बूत हुए हैं।

पड़ोसी ग्राम सहयोग समिति

प्रो प्रसन्ना बी के नेतृत्व में पड़ोसी ग्राम सहयोग सिमिति (वर्ष 2020 में गठित) संस्थान के पड़ोसी गांव, पालज व बासन के निवासियों के लिए लगातार वचनबद्ध है। समिति ने उद्यमी ग्रामीणों का एक स्वयंसेवी बल बनाने में मदद की है जो गांव में घर-घर जा कर टीकाकरण के प्रति जागरुकता फैलाता है व कोविड लक्षणों की महत्वपूर्ण चिकित्सा स्थिति (तापमान व ऑक्सीजन संतृप्ति) का पता लगाता है। संस्थान के बाहरी मरीज़ विभाग ने गांव में कई चिकित्सा शिविर आयोजित किये हैं। इसके साथ ही, पालज में महामारी के कारण कम आय या आजीविका के नुकसान के कारण सहायता की आवश्यकता वाले कई जरूरतमंद परिवारों की पहचान की गई, और समिति ने तेल, आटा और दाल जैसे उच्च पोषण वाले आवश्यक खाद्य पदार्थों से युक्त खाद्य किट वितरित करने के लिए एक अभियान का आयोजन किया। **कर्नल विनीत अग्रवाल** ने भी जिम्मेदारी लेते हुए मार्च 2021 से समिति को पालज व बासन में कई कल्याणकारी गतिविधियां समन्वय करवाने में मार्गदर्शन दिया है।

152
ज़रूरतमंद परिवारों को पालज व बासन में खादान्न-पेटियां प्रदान की गईं

1512
परिवारों को पालज व बासन में मास्क, सेनिटाइज़र तथा पत्रक बांटे गए

160
पुलिसकर्मियों तथा ग्राम रक्षक दल के कार्यकर्ताओं को सेनिटाइज़र व मास्क वितरित किए गए

श्रमिक कल्याण समिति

संस्थान अपने स्थापना के समय से ही निर्माण कर्मियों के कल्याण के लिए अग्रणी रहा है। कोविड-19 महामारी के चलते भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के साथ मिलकर संस्थान में कार्यरत निर्माण परियोजनाओं के अनेक प्रवासी मजदूरों के लाभ के लिए कल्याणकारी कदम उठाए। संस्थान ने **प्रो गौरव एस** के नेतृत्व में श्रमिक कल्याण समिति (मज़दूर कल्याण समिति) का गठन किया तथा अनेक स्वयंसेवकों की भागीदारी से नियमित तौर पर कर्मचारियों को कोविड-19 के प्रति जागरुक किया व उससे बचाव के उपाय कार्यान्वयन में लाए। संस्थान ने चिकित्सा केन्द्र के परामर्श से प्रथमोपचार पेटी, ऐम्बुलेंस सेवा, मोबाइल रीचार्ज, राहत सामग्री का वितरण, सेनिटरी नेपकिन, तथा कपड़े के मास्क का प्रबंध कार्मिकों व उनके परिवारों के लिए किया, तथा यह सुनिश्चित किया कि निर्माण कर्मचारियों की कॉलोनी तथा बार-बार छुई जाने वाली सतहों का नियमित विसंक्रमण होता रहे। संस्थान की बाहरी मरीज़ विभाग तथा कोविड देखभाल सुविधा सभी निर्माण कर्मचारियों के लिए खुली हैं जहां वे मूलभूत चिकित्सा सेवाओं जैसे शारीरिक जांच, परीक्षण तथा दवा आदि का लाभ ले सकते हैं।

श्रमिक कल्याण समिति द्वारा आयोजित विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों के लाभार्थी (800 श्रमिक)

कल्याणकारी गतिविधि	वितरण का विवरण (लगभग)
मास्क वितरण	5300 मास्क
मच्छर भगाने वाली कॉइलों का वितरण	233 पैकेट
सैनिटरी पैड वितरण	4000 पैकेट
निरोध वितरण	180 पैकेट
मोबाइल रीचार्ज	382 पैकेट
बिस्कुट वितरण	2171 पैकेट
मिठाई व नाश्ता विवरण	560 पैकेट
अमूल दूध पाउडर वितरण	500 पैकेट
नमकीन व पानी की बोतलों का वितरण	144 पैकेट
पौष्टिक खादान्न वितरण (कोविड संक्रमित मरीज़ो के लिए सेब, संतरा तथा अमूल टेट्रा पैक)	8 व्यक्ति

2020-21 के दौरान कुल 15 वितरण अभियान चलाए गए

हर आने वाली विपत्ति उससे लड़ने वाले इन्सान के लिए स्वयं को जांचने का एक अवसर भी प्रदान करती है। अभूतपूर्व वैश्विक महामारी ने हमें कई शैक्षिक नवाचारों को लागू करने के लिए प्रेरित किया है। यदि प्रारंभ से देखें तो, जब प्रथम राष्ट्रीय तालाबंदी हुई और शैक्षणिक वर्ष 2019-20 का द्वितीय सत्र बाधित हुआ, तो हमने एकाएक बाधित सत्र को ऑनलाइन तरीके से चलाने के स्थान पर 2020 की गर्मियों की छुट्टियों की पहले ही घोषणा करने का निर्णय किया। इससे सभी संकाय सदस्यों को ऑनलाइन पढ़ाने के लिए तैयारी करने का समय मिल गया। कुछ संकाय सदस्यों ने गर्मियों के दौरान कुछ ऑनलाइन पाठ्यक्रम आयोजित किये जिससे पूरे संकाय निकाय को उनके संकलित अनुभवों का लाभ मिला। इन संकाय सदस्यों ने विभिन्न तकनीकें अपनाईं, अलग-अलग मंचों का उपयोग किया तथा अपनी सहज विशेषताओं और सीमाओं के बारे में जाना। इसके पश्चात संस्थान ने **ऑनलाइन शिक्षा पर कार्यशालाएं** आयोजित की जिसमें इन संकाय सदस्यों ने अपने अनुभव साझा किये। सभी आवश्यक सहायता और उपकरण प्रदान किए गए और इसने संकाय सदस्यों को जल्दी से अनुकूलित करने और प्रभावी ढंग से ऑनलाइन पढ़ाने में सक्षम बनाया।

हमने 8 जून, 2020 से **शिक्षण और अधिगम के ऑनलाइन मोड** पर स्विच किया, और बाधित शैक्षणिक अवधि के लिए एक **नई ग्रेडिंग प्रणाली** शुरू की, जिसके तहत शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के दूसरे सत्र में किसी भी पाठ्यक्रम के लिए कोई लेटर ग्रेड नहीं दिया गया। इसके स्थान पर सभी पाठ्यक्रमों के लिए दो नए ग्रेड प्रस्तावित किए गए – 'पी(ई)' (उत्तीर्ण आपातकाल) तथा 'आई/एफ' (अपूर्ण/अनुत्तीर्ण)। इसके अतिरिक्त 'आई/एफ' ग्रेड पाने वाले छात्रों को अपने पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं को पूर्ण कर के 'पी(ई)' ग्रेड पाने के लिए एक और अवसर प्रदान किया गया। यह संशोधित ग्रेडिंग नीति निरंतर सीखने को प्रतिबिंबित करने, निष्पक्षता सुनिश्चित करने और शैक्षिक प्रणाली पर महामारी के विघटनकारी प्रभाव को प्रतिबिंबित करने के लिए डिज़ाइन की गई थी।

महामारी के कारण नए बीटेक छात्रों का प्रवेश मध्य-नवम्बर तक विलंबित हो गया। इन छात्रों के लिए हमारे प्रमुख **फाउन्डेशन कार्यक्रम** को आभासी स्वरूप के लिए पुनः रचित किया गया। हमने इस बैच के लिए प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम को भी पुन: कॉन्फ़िगर किया और वर्ष को क्रमशः 6 सप्ताह, 15 सप्ताह और 8 सप्ताह के तीन पदों में विभाजित किया। छह सप्ताह के पहले कार्यकाल में कंप्यूटिंग, लेखन, अधिगम के लिए सीखने पर पाठ्यक्रम शामिल थे। इस टाइमलाइन के साथ जनवरी 2021 से सभी छात्रों का शैक्षणिक सत्र सिंक्रोनाइज़ किया गया।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने **ज़रूरतमंद विद्यार्थियों** के लिए हमेशा एक उदारवादी **वित्तीय सहायता नीति** अपनाई है, खासकर के महामारी के समय में। अमरीका में स्थापित भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर प्रतिष्ठान की मदद से हमने **सहानुभूति निधि** में 1.4 करोड़ रुपया जमा किया जिससे महामारी की चपेट में आए विभिन्न छात्रों और समुदाय सदस्यों को मदद मिली। इस सहयोग ने संस्थान को वित्तीय रूप से प्रभावित 160 छात्रों को उदार सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाया, जिसमें लैपटॉप की खरीद के लिए अनुदान, और शिक्षण शुल्क में छूट शामिल है।

हमने कई **ग्रेजुएटिंग छात्रों** को भी **मदद मुहैया कराई** जिनके भावी कार्यक्रम कोविड-19 महामारी के कारण बाधित हुए। संस्थान ने स्नातक होने वाले छात्रों के लिए शैक्षणिक वर्ष (2020-21) में एक-वर्ष का अधिस्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम (पीजीडीआईआईटी) प्रारंभ किया। इस अधिस्नातक डिप्लोमा का उद्देश्य उन छात्रों को स्नातक करने में मदद करना है जो खोज में रुचि रखते हैं लेकिन अधिस्नातक कार्यक्रम के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध नहीं हैं। पीजीडीआईआईटी पूरा करने वाला उम्मीदवार बाद में एमटेक डिग्री के लिए नामांकन के लिए आवेदन करने का विकल्प चुन सकता है। इसके अतिरिक्त संस्थान ने 'साबरमती पुल अध्येतावृत्ति' भी प्रस्तावित की जो विद्यार्थियों को अपने समय का सदुपयोग कर अत्याधुनिक शोध की ओर अग्रसित करने में सहायक होती है। अंत में, हमने परिसर में रोज़गार अवसर और यूजी शिक्षण सहायक पद भी शुरू किये, ताकि छात्रों को पढ़ाई के दौरान अपनी नौकरी कौशल और नेतृत्व क्षमता को बेहतर बनाने में सक्षम बनाया जा सके। संस्थान ने एक कार्य और एमटेक अध्ययन कार्यक्रम भी शुरू किया।

आइज़ैक शोकेस परियोजना

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने जनवरी 20, 2021 को छात्रों के कौशल और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए जीवंत संगीत प्रदर्शन, वाचन, चित्रों और रेखाचित्रों के आभासी दीर्घा वॉक थ्रू, प्रश्नोत्तरी और पुरस्कारों के साथ एक रोमांचक और मौज-मस्ती से भरा कार्यक्रम, 'आइज़ैक शोकेस परियोजना' आयोजित किया। इस आभासी कार्यक्रम में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के विद्यार्थियों के सर्वश्रेष्ठ और सर्वाधिक रूप से रचनात्मक कार्यों को 'आइज़ैक परियोजना' के हिस्से के तौर पर प्रदर्शित किया गया, जो भारत में कोविड-19 के चलते तालाबंदी के दौरान, छात्रों में लेखन, चित्रकारी, कोडिंग, संगीत, रचनात्मकता की अभिव्यक्ति, आदि जगाने के लिए अभिकल्पन किया गया था। कार्यक्रम का संचालन **प्रो अचल मेहरा**, अभ्यागत प्राध्यापक, एचएसएस, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने किया था।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्र अक्षत बंसल द्वारा निर्मित एक विजेता तस्वीर

शैक्षणिक

प्रदत्त कार्यक्रम

बीटेक ● **एमएससी** ✦ **एमए** ▣

एमटेक/ पीजीडीआईआईटी ■ **पीएचडी** ⊙

विषय

जैविक अभियांत्रिकी ■ ⊙

रासायनिक अभियांत्रिकी ● ■ ⊙

रसायन विज्ञान ✦ ⊙

सिविल अभियांत्रिकी ● ■ ⊙

संज्ञानात्मक विज्ञान ✦ ⊙

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी ● ■ ⊙

भू विज्ञान ⊙

भू प्रणाली विज्ञान ■

विद्युत अभियांत्रिकी ● ■ ⊙

मानविकी एवं समाज विज्ञान ⊙

पदार्थ अभियांत्रिकी ● ■ ⊙

गणित ✦ ⊙

यांत्रिक अभियांत्रिकी ● ■ ⊙

भौतिक विज्ञान ✦ ⊙

समाज एवं संस्कृति ▣

उपरोक्त दिए कार्यक्रमों के अतिरिक्त, बीटेक में डुअल मेजर कार्यक्रम, बीटेक-एमटेक दोहरी उपाधि तथा बीटेक-एमएससी दोहरी उपाधि भी प्रदान की जाती हैं।

डुअल मेजर बीटेक कार्यक्रम

- जब एक विद्यार्थी एक अतिरिक्त वर्ष बिता कर दो विषयों में उपाधि ग्रहण कर सकता है

बीटेक-एमटेक दोहरी उपाधि

- जब एक विद्यार्थी पांच वर्षों में दोनों बीटेक व एमटेक की उपाधि ग्रहण कर सकता है

बीटेक-एमएससी दोहरी उपाधि

- जिससे एक विद्यार्थी पांच वर्षों में दोनों बीटेक व एमएससी की उपाधि ग्रहण कर सकता है

बीएससी (अभियांत्रिकी)

- तीन वर्ष का यह बीएससी कार्यक्रम एक तीन वर्ष की "निर्गम" उपाधि है तथा इस कार्यक्रम में अलग से प्रवेश नहीं दिया जाता है। बीएससी अभियांत्रिकी में कोई उप-विशेषज्ञता नहीं है।

गैर उपाधि कार्यक्रम

-एक छात्र जो भारत या विदेश में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय में डिग्री के लिए पंजीकृत है, और जो उस संस्थान या विश्वविद्यालय द्वारा आधिकारिक रूप से भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में उसकी शैक्षणिक आवश्यकताओं का हिस्सा पूरा करने के लिए प्रायोजित है, एक गैर डिग्री छात्र के रूप में भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है।

नवीन पाठ्यक्रम तथा सक्रिय विद्यार्जन

आउट-ऑफ-बॉक्स तथा अरैखिक सोच को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार प्राप्त पाठ्यक्रम, परियोजना आधारित विद्यार्जन, रचनात्मकता, उद्यमिता, डिज़ाइन पर ज़ोर, मानविकी, तथा जीवन विज्ञान।

- **40%** अवरस्नातक तथा **77%** पीएचडी छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्राप्त
- क्रियामूलक अधिगम तथा सक्रिय अधिगम के लिए अधिक प्रयास
- निडरता के साथ प्रयोग करने के लिए टिंकरर प्रयोगशाला
- नवीनता तथा आविष्कारों को बढ़ावा देने के लिए इनवेंट@आईआईटीजीएन जैसे कार्यक्रम
- क्रियाशील अधिगम तथा शोध में नवीनीकरण के लिए मेकर भवन
- नई शैक्षणिक पद्धतियों के लिए स्वतंत्रता, लचीलापन, स्वायत्तता तथा सहयोग

9वां दीक्षांत समारोह

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर अगस्त 23, 2020 को अपना 9वां दीक्षांत समारोह एक अनोखे आभासी ढंग से मनाने वाला प्रथम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बना। कुल 455 छात्रों को डिजिटल तरीके से उपाधियां सौंपी गईं। इसमें 173 बीटेक, 1 बीटेक-एमटेक दोहरी उपाधि, 1 बीटेक-एमएससी दोहरी उपाधि, 115 एमटेक, 84 एमएससी, 19 एमए, 55 पीएचडी, तथा 7 पीजीडीआईआईटी उपाधियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, छात्रों को विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्टता के लिए 25 स्वर्ण पदक, 15 रजत पदक, तथा अन्य क्षेत्रों में 16 पदक दिए गए। इस वर्ष भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने अपने संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के प्रथम बीटेक बैच को भी स्नातक की उपाधि प्रदान किया। आभासी होने के बाद भी संस्थान की ओर से यही प्रयास रहा कि ग्रेजुएशन समारोह में छात्रों को एक वैयक्तिक स्पर्श का अनुभव मिले। इस अवसर पर **श्री नंदन निलेकनी**, अध्यक्ष एवं सह-संस्थापक, इंफोसिस लिमिटेड, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को जीवन भर अधिगम जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। **प्रो सुधीर कुमार जैन**, निदेशक, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, ने सभी स्नातक छात्रों तथा पदक विजेताओं को बधाई दी तथा भा०प्रौ०सं० गांधीनगर द्वारा शैक्षिक वर्ष 2019-20 के दौरान किए गए कुछ अद्वितीय कार्यक्रमों, नवीन पहलों तथा उपलब्धियों को दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के विद्यार्थियों को सबसे मुश्किल हालातों के लिए तैयार रहने पर अपना भरोसा जताते हुए उन्हें भविष्य में अच्छे कार्य करने की प्रेरणा दी। यह पूरा समारोह भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के यूट्यूब चैनल तथा फेसबुक पृष्ठ पर जीवंत प्रसारित किया गया।

अतिशय जैन को बीटेक के लिए अध्यक्ष स्वर्ण पदक, **आशीष तिवारी** को एमटेक के लिए अध्यक्ष स्वर्ण पदक, तथा **समृद्धि दामले** को एमएससी व एमए के लिए अध्यक्ष स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। **अनिमेश रस्तोगी** ने बीटेक के लिए निदेशक स्वर्ण पदक, **आशीष तिवारी** ने एमटेक के लिए निदेशक स्वर्ण पदक, **वसुंधरा कृष्णन** ने एमएससी एवं एमए के लिए निदेशक स्वर्ण पदक, तथा **द्वायपायन रे** ने पीएचडी के लिए निदेशक स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

2012-2016 के स्नातक होने वाले बैच की बीटेक उपाधियों का वितरण

वर्ष	बीटेक	ऑनर्स के साथ बीटेक	एक माइनर के साथ बीटेक	दो माइनर के साथ बीटेक	ऑनर्स व एक माइनर के साथ बीटेक	कुल संख्या
बैच 2012	75	6	31	0	2	114
बैच 2013	64	15	44	0	1	124
बैच 2014	42	28	37	2	3	112
बैच 2015	94	21	26	0	4	145
बैच 2016	116	24	32	1	0	173

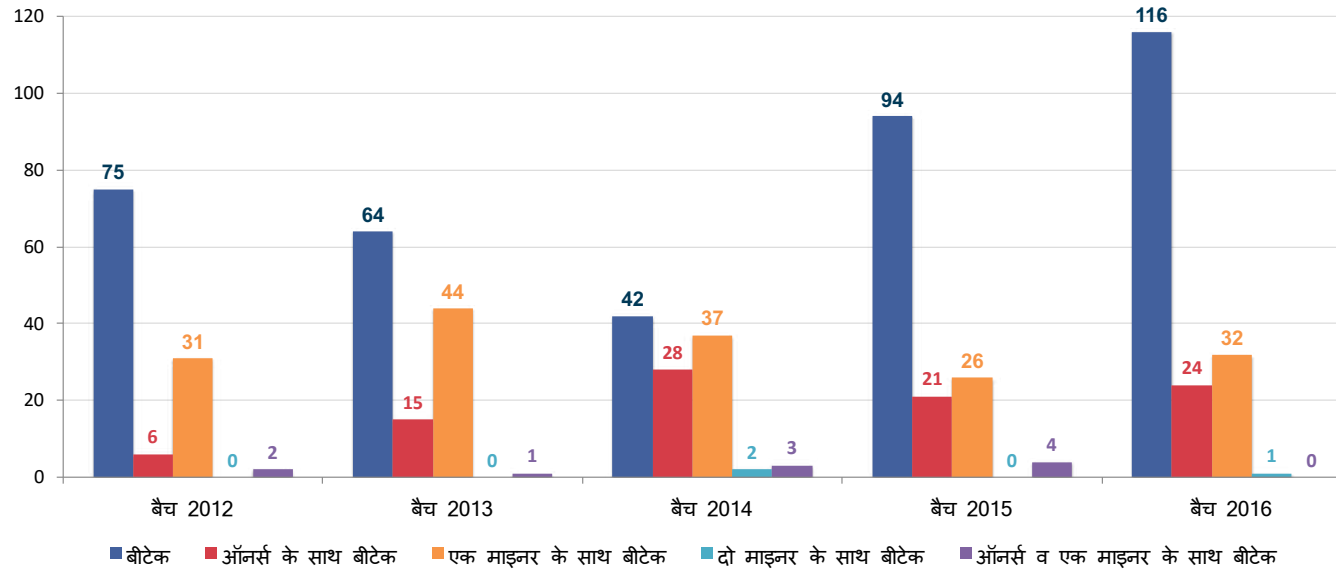

प्रौद्योगिकी स्नातक उपाधि के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
14110151	नवदीप प्रकाश	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
15110099	राजीव कुमार महतो	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110003	अभिषेक दुबे	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110014	अनीश दुबे	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110033	भूमिका सांडलिया	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110036	बुदिति पृथ्वी	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110056	गमेती नीरव राजेशभाई	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110071	कामले मयंक श्रीकांत	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110077	खिली खमेसरा	रासायनिक अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110086	लखन अग्रवाल	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110088	मंजोत सिंह	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110109	पटेल मिलनभाई भगुभाई	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110131	रमण	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110139	ऋतिक जैन	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110140	रोहन गुप्ता	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110156	सिंह शिवम राज केशर	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110158	सौरभ सैनी	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110159	स्पंद भरत मेहता	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110160	स्पर्श जैन	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110173	वर्षा सिंह	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110179	यश मकवाना	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
13110081	प्रवीण पाण्डे	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110005	अजय भारद्वाज	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110006	अखिल अनिल राजपूत	सिविल अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110009	अक्षय मित्तल	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110010	अमर बरोलिया	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110012	अनिमेश रस्तोगी	सिविल अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110018	अनुभव मीणा	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110021	आरा श्रिया	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110028	आयुष सिंह	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110041	चेक्कला साई श्रीशाल	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110043	चिण्मय गिरीश कुलकर्णी	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110045	दानिश मंसूर	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110061	हंसराज बिजारनिया	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110064	इशांक सिंह	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110067	जितेश मित्तल	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110074	कौशल चिम्पा	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110078	किशन खिची	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110079	कोक्कोंडा प्रशांत	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110081	कृष्ण कुमार	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110090	मयंक कुमार	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110093	मोहित गढवाल	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110097	मुहम्मद सिनान आर के	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110098	मुकेश कुमार	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110113	पियूश चंद्रा	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110117	प्रणव पीपरे	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110138	ऋषभ जैन	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110144	साहिल जैन	सिविल अभियांत्रिकी में माइनर के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110171	उत्कर्श मीणा	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

16110178	वाणी तेजस सखाहारी	सिविल अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110016	अनमोल गौतम	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110020	अपूर्व अग्निहोत्री	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110024	अतिशय जैन	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110026	आयुष गर्ग	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110027	आयुष गर्ग	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110047	देविंदर सिंह	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110048	देबनुज नायक	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110053	ऋतिक दत्त	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110059	गोहिल वरुण चंद्रशेखर	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110062	हीर अंबावी	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110083	कुकुनुरी साई वेण्कट रत्न ऋतिक	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110084	कुणाल वर्मा	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110091	मीत पंचाल	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110094	मोनिका चौहान	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110095	मृदुल शर्मा	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110100	नमन जैन	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110103	नितीक्षा जैन	गणित में माइनर के साथ संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110104	पी जयकृष्ण सहित	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110105	पचपांडे सोहम किशोर	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110108	परमार मोनार्क उपेन्द्रभाई	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110110	पथलावत प्रशांत	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110119	प्रांजलि जैन	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110120	प्रतीक जैन	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110125	राहुल चल्ला	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110136	रायन गात	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110137	रेंदला आदित्य	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110141	रोहित शर्मा	गणित में माइनर के साथ संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110142	एस दीपक नारायणन	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110143	एस वीणू शंकर	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110147	सम्मेद शांतिनाथ कागी	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110148	शिवांश चौधरी	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110149	शिवजी भगत	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110150	श्रेयश सिंह	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110157	स्मीत वोरा	प्रबंधन में माइनर के साथ संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
15110050	गौरव सिंह खातना	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
15110074	मोरे ऋषिकेश बाबू	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
15110081	पंकज कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
15110100	रवि जांगिर	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110002	अभिनव नारायण हरीश	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110011	अमित कुमार सिंह यादव	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110017	अंशुल शिवहरे	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110029	बालानी मोहित मनोज	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110031	बेदमूथा मानस सतीश	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110039	चक्का स्नेहित	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110040	चावली भरत चंद्रा	विद्युत अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110049	देशपाण्डे अजीत उमेश	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110057	गिरीश चंद्र जी	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110060	गुप्ता सागर राजीव	रोबोटिक्स में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110065	जय परमार	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110066	जतिन आशीष ढोलकिया	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

16110069	के एस संतोष कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110080	कृतिका भगतानी	विद्युत अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110107	पंकज वटवानी	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110112	पेनुमका गोपी किशोर	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110118	प्रांजल दारडा	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110121	प्रतीक पुरी गोस्वामी	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110122	प्रियोलकर नेहा सत्येन्द्र	अभिकल्प में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110128	राहुल यादव	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110132	रमेश मीणा	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110145	साई प्रणीत मद्दी	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110152	शुभम अशोक कालगुंडे	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110154	शुभ्रांशु सिंह	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110155	सिद्धार्थ कृष्ण	भौतिक विज्ञान में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110162	सुमित वालिया	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110163	सूरज कुमार मीणा	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110174	वासु भलोतिया	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
14110017	अंतिमा मीणा	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
15110055	हिमानी वर्मा	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
15110060	जयशंकर शर्मा	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
15110132	सुजीत सिंह माथुर	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110015	अंजली कमारी	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110019	अनुशिखा	प्रबंधन में माइनर के साथ पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110025	अयान रक्षित	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110034	बिद्यान बसुमतारी	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110037	बिुकया विनय	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110038	सी आर ग्रीष्मा	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110051	धर्मेन्द्र साबलनिया	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110063	इंगले वराड जितेन्द्रकुमार	प्रबंधन में माइनर के साथ पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110068	जोशी कवन संजयभाई	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110085	कुंवर शिवम प्रताप	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110106	पंकज कुमार सैनी	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110126	राहुल राजीव	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110135	रातुल चक्रवर्ती	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110151	श्रेयश श्रीराम	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110161	श्रीराम श्रीहर्श	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110167	तनीशा अग्रवाल	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110170	उत्कर्श बलोडी	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110172	वारी वेण्कट साई अखिल	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110176	विकास दुडी	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110182	नेहा मीणा	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110183	शुभम गोंड	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
14110034	दाभी पार्थ ललितकुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
14110138	वैभव एस पाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
14110152	पन्ना लाल सैनी	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
15110013	अमित जांगिड	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
15110018	अनिलराज मीणा	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
15110126	भीड़े श्रीनिधि दिलीप	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110008	अक्षत बंसल	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110023	अशर अखिल पराग	यांत्रिक अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110032	भार्ग जिगेश मेहता	रोबोटिक्स में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110044	चिटिपोलू गौतम	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

16110046	चिण्मय दाशपुटे	विद्युत अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110054	जी रमणन	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110070	कदम ओमकार देवीदास	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110072	कार्तिक सुभ्रमण्य करवाजे	रोबोटिक्स में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110073	कथरोथ पवन कल्याण	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110076	केविन पटेल	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110082	क्षितिज सेंद्रे	प्रबंधन में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110089	मानवेन्द्र सिंह चौहान	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110096	मुदित जांगिड़	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110099	मुकुल लवास	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110123	पुतसला अनिरुद्ध	रोबोटिक्स में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110124	राहिल सांवला	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110129	रजत बिलुनिया	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110134	रथी आदित्य मनीश	रोबोटिक्स में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110146	सखालिकर पुश्पकराज श्यामप्पा	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110164	सुरवे सुश्रुत सुदर्शन	विद्युत अभियांत्रिकी व रोबोटिक्स में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110165	सुयश पाटीदार	यांत्रिक अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110166	तंडले अथर्व मधुकर	यांत्रिक अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
16110169	उकेय विशाल हेमराज	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110175	वेदांत राजेन्द्र गोटे	प्रबंधन में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110180	योगेश मीणा	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110184	उपेन्द्र कुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

कला स्नातक उपाधि के प्राप्तकर्ता

समाज व संस्कृति

अनुक्रमांक संख्या	नाम
17520009	देविका जयसेल
18520001	अहिला एस
18520005	देबस्मिता घोष
18520006	देवदत्त चक्रवर्ती
18520007	देविका मेनन
18520008	डिंपल खट्टर
18520009	एस ग्रना सेलवम
18520011	कृतिका गोसाईं
18520013	नोयोनिका दास
18520014	खोबरागड़े प्रेरणा पवनकुमार
18520015	पुण्य लोकेश सूरी
18520016	रुजाता नायक
18520018	सायंतनी सरस्वती
18520019	सेवगी देमीरोगलू
18520020	नायर श्रुति सुधाकरण
18520021	सिमरित कौर हुंडल
18520023	स्वरूप मनीश भटकर
18520024	वसुंधरा कृष्णन
18520025	ज़ाफया जना

विज्ञान स्नातक उपाधि के प्राप्तकर्ता

रसायन विज्ञान

अनुक्रमांक संख्या	नाम
18510002	अभिनव गौतम
18510008	अंजलि शर्मा
18510028	हर्ष कुमार
18510031	जया भारती
18510034	कृतिका जयसवाल
18510041	मानसी पोरवाल
18510044	मोनिका
18510048	निलेश माथुर
18510055	ओजस्वी वर्मा
18510056	पंकज कुमार
18510057	पारुल
18510061	प्रिया
18510062	प्रियव्रत वशिष्ठ
18510070	रिमझिम
18510076	शाइबोरलांग रपसांग
18510077	शिवम कुमार
18510087	तन्नु
18510089	तरुण

संज्ञानात्मक विज्ञान

अनुक्रमांक संख्या	नाम
17510027	ग्रीष्मा मोहन
18510006	अनादि मेहता
18510009	अनुष्का ओज़ा
18510024	दिव्या रेजी
18510025	एकता खेमचंदानी
18510026	शर्मा ईशा राजेश नेहा
18510029	इहसान के
18510030	इशिता अरुण
18510058	आर पूजा
18510060	प्रशांति गणेश ए
18510064	रेशेल चंद्रन
18510067	स्वर्णकार रौनक रघुनंदन
18510072	भानुप रूही प्रसाद सुजाता
18510073	समृद्धि राजेश दामले

गणित

अनुक्रमांक संख्या	नाम
16510035	कामराज पी
17510080	शुभम कुमार
18510001	आशिमा कौशल
18510005	अंभोरे सिद्धि बालू मंजुला
18510018	भवानी शंकर
18510021	मिहिर विलास देव
18510027	गौतम बिस्वास
18510032	जोशी भाविन रसिकभाई
18510035	क्षमा सेहरा
18510036	कुंटल बनर्जी
18510037	लखानी देवांशी रमेशभाई
18510038	लोकेश शर्मा
18510042	मुहम्मद काशिफ जमाल

18510047	निकिता शर्मा
18510065	राहुल रोहिल्ला
18510066	राकेश कुमार रथ
18510068	रवि महला
18510080	स्नेहा कुमारी
18510084	सुरभि वरकड़े
18510085	सुरेन्द्र चौधरी
18510086	सुरेश सुमन
18510088	तन्नु कुमारी
18510090	वैभव श्रीवास्तव
18510091	विकाश जांगिड़
18510092	विनीत कुमार
18510095	योगेश कुमार गुप्ता

भौतिक विज्ञान

अनुक्रमांक संख्या	नाम
17510037	कंशोकमी तुइथुंग
17510062	रवि कुमार
18510003	अदेश कुशवाहा
18510007	अनिल कुमार
18510010	अपर्णा रथी
18510012	अरित्र सेन
18510016	आयुश कांत रंगा
18510017	भरत सिंह
18510020	देबत्रोय सेन
18510023	दिप्तेश गायन
18510043	मुहम्मद शाहनवाज़ आलम
18510045	नीरज कुमार मीणा
18510046	नेहा सिंह
18510052	नितिन कुमारी
18510053	नितीश गोयल
18510054	निविधा
18510059	प्रशांत कुमार
18510063	रचना चौधरी
18510069	रवि शंकर बंकर
18510074	सरोज यादव
18510075	सर्वदीप सांगवान
18510079	सियाराम मीणा
18510081	स्नेहा यादव
18510093	विशाल बडोलिया
18510094	विवेक ढाका
18510096	ज़ायद अहमद

संस्थान के अधिस्नातक डिप्लोमा (पीजीडीआईआईटी) के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
18210070	रोहिताश्व कुमार सिंह	सिविल अभियांत्रिकी में अधिस्नातक डिप्लोमा
18250003	कज़ानी अमन सिराजभाई	सिविल अभियांत्रिकी में अधिस्नातक डिप्लोमा
18250037	वाघेला विशाल घनश्यामभाई	सिविल अभियांत्रिकी में अधिस्नातक डिप्लोमा
18310031	प्रशांत कुमार झा	विद्युत अभियांत्रिकी में अधिस्नातक डिप्लोमा
18210102	जितेन्द्र प्रसाद अग्रवाल	विद्युत अभियांत्रिकी में अधिस्नातक डिप्लोमा
19210088	पियूश कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी में अधिस्नातक डिप्लोमा
19210117	अमन वर्मा	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में अधिस्नातक डिप्लोमा

अधिस्नातक
उपाधि के प्राप्तकर्ता

जीवविज्ञान अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
18210012	अरविंथा शिवा एम
18210013	आरती हरिहरन
18210023	चिण्मय पाण्डा
18210024	देवअर्पण घोष
18210036	होमी बनर्जी
18210044	कुलदीप शर्मा
18210056	प्रगति सक्सेना
18210086	सुमित खरबंदा
18210087	सुरभि शर्मा
18250028	रूपशा मुखर्जी
18210116	दिव्यदर्शी नेपाल

रासायनिक अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
17210023	आयुश नेमा
17210043	कंचन शर्मा
18210005	वर्मा आकाश किरण
18210048	महेन्द्र जगदीश चौधरी
18210061	ज़ोपे रजत सुनील
18210067	ऋषभ पाटीदार
18210074	साम्यव्रत चटर्जी
18210075	देशमुख सौरभ धोंडिराज
18210090	सुरवासे स्वरूपकुमार हरीशचंद्र
18210096	विशेष शर्मा
18210105	कृष्ण पटेल
18250020	मुहम्मद ज़ाफर अहमद
18250002	अहतेशामुल हक
18250019	मुहम्मद नसरे आलम

सिविल अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
16210020	सृष्टि बाला हर्ष तेजा
17210034	गौरव खंडेलवाल
17210056	लखानी मोहित सुरेशकुमार
17210058	निखिल ओ
17210067	प्रज्वल पाटीदार
17210084	रवि शंकर
17210109	सुकृति शर्मा
17210120	यश गोयल
17250019	प्रेरणा सरकार
18210001	आदर्श सिंह ठाकुर
18210016	अविसिना चरितेज रेड्डी
18210025	दीपक कुमार
18210045	कुणाल भारद्वाज
18210049	मनु माथुर
18210078	शीतल गुजराती
18210091	तान्या मुक्ति
18210109	एम सतीश
18250021	निवेदिता प्रधान
18250025	राहुल नूतनभाई खत्री
18250030	शालिनी भरत

संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
18210030	सोनवाने धनंजय किशोर वर्षा
18210040	करण कुमार
18210042	कृष्ण कांत कुंज
18210046	कुशपाल सिंह यादव
18210053	उपाध्याय नीलय जगदीप खुशमान
18210058	प्रथमेश उपाध्याय
18210071	रूप चौधरी
18210076	सायक चौधरी
18210083	सौविक रॉय
18210097	विवेक श्रीवास्तव
18250008	चंदन कुमार
18250009	दर्शिता जैन
18250032	सौमिता कुंदू

भू प्रणाली विज्ञान

अनुक्रमांक संख्या	नाम
18210007	आलोक कुमार ठाकुर
18210011	अनुष्का वशिष्ठ
18210038	इंद्र मणि त्रिपाठी
16510001	जूलियाना रेक्स

विद्युत अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
17250003	अजय कुमार उचेनिया
18210014	आशीश कुमार
18210015	आशीश तिवारी
18210027	दीपांशु
18210033	दीप्तेश दत्ता
18210043	कृष्ण कुमार
18210054	नेहा भदानी
18210080	शुभम जैन
18210088	सुरेन्द्र कुमार मौर्य

18210095	विशाल रंजन प्रसाद
18210101	ज्ञानेन्द्र के तिवारी
18210103	जितेश शाह
18210107	राकेश कुमार पोथल
18210111	शुभम गर्ग
18210112	शुभम पाटिल
18250004	चौहान आनंदसिंह पूरणसिंह
18250005	अंकिता नंदी
18250007	बिपलोब नाथ
18250010	दीपेश अग्रवाल
18250017	कौशल दाडसेना
18250023	पियूश देवंगन
18250027	अग्रवाल रौशनी प्रवीणभाई
18250024	प्रियंजन पाल

पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
18210006	अक्षय श्रीवास्तव
18210008	अंकित अग्रवाल
18210057	त्रिवेदी प्रणव मित्तलभाई
18210059	प्रिया तिवारी
18210064	पिदाथला रंगा तेजा
18210068	दहुले रोहित संजय
18210081	सिद्धार्थ सरमाह
18210085	सुधा गौतम
18210098	यादव गौरव अनिलकुमार
18250029	सौरभ सोनी
18250034	स्वागत दास
18410001	निश्कर्ष श्रीवास्तव

यांत्रिक अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
16210090	लांजे सौरभ यशवंत
17210003	अभिमन्यु
17210015	अरुणव चौधरी
17210091	संजीव कुमार
18210021	चंदन कुमार
18210026	दीपम दुबे
18210028	देवकी वर्मा
18210029	देवांश श्रीवास्तव
18210032	दिनेश बावस्कर
18210034	हरवंश दांडेलिया
18210035	हेमंत कृष्णन आर
18210072	रुचि अनिल थोसरे
18210073	चल्ला साई अजय नरेन्द्र
18210077	जाधव सयाली नितिन
18250006	इकबाल अहमद
18250026	पटेल ऋषभ राकेशकुमार
18250035	उत्कर्ष संजयभाई उपाध्याय
15310067	ऋषभ माथुर

बी.टेक-एम.टेक दोहरी उपाधि के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
14110026	बी प्रणव चक्रवर्ती	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक और सिविल अभियांत्रिकी में अधिस्नातक

बी.टेक-एम.एससी दोहरी उपाधि के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
15110045	चित्ता साई पवन	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक और भौतिक विज्ञान स्नातक

डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	विषय
12310036	पल्लवी चिल्का	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
13310002	कृतिका रालहन	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
13310003	पूनम पाण्डे	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
13310034	रश्मि भाकुनि	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
13310035	अभिजीत ओझा	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
14310001	संजय कुमार	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
14310002	गायत्री पी	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
13310037	आशा लीज़ा जेम्स	रासायनिक अभियांत्रिकी
13310039	सोफिया वर्गीश	रासायनिक अभियांत्रिकी
14310004	दीपा दीक्षित	रासायनिक अभियांत्रिकी
11310011	कातला जगदीश कुमार	रसायन विज्ञान
13310006	शेख अलताफ	रसायन विज्ञान
13310007	भानु प्रताप सिंह गंगवार	रसायन विज्ञान
13310008	दीक्षी अंगिरा	रसायन विज्ञान
13310040	अनुज बिश्ट	रसायन विज्ञान
14310044	कुतवल महेश शांताराम	रसायन विज्ञान
15310033	बीना कुमारी	रसायन विज्ञान
14350006	माजिद हुस्सैन	सिविल अभियांत्रिकी
10104701	मेहता कृष्नेश शांतीलाल	संज्ञानात्मक विज्ञान
14310043	अभिषेक सहाय	संज्ञानात्मक विज्ञान
14310045	श्रुति गोयल	संज्ञानात्मक विज्ञान
14310057	प्रदीप राज के बी	संज्ञानात्मक विज्ञान
14310058	चौधरी जयेश तुलसीदास	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
13310016	रमेन्द्र साहू	भू विज्ञान
14310060	आकर्श ए	भू विज्ञान
12350007	वी नवीन दीपक	विद्युत अभियांत्रिकी
13210022	सोलंकी धवल शशिकांतभाई	विद्युत अभियांत्रिकी
13210024	भोइर मंदर सुरेश	विद्युत अभियांत्रिकी
13210026	गनेरीवाला मोहित दिनेशकुमार	विद्युत अभियांत्रिकी
13310018	बच्चु राज शेखर	विद्युत अभियांत्रिकी
13310023	स्नेहा नितिन वेद	विद्युत अभियांत्रिकी
14310020	अनिर्बन रॉय	विद्युत अभियांत्रिकी
14310037	पटेल दीप्तीबेन नवीनचन्द्र	विद्युत अभियांत्रिकी
14350004	द्ववायपायन रे	विद्युत अभियांत्रिकी
15310015	अद्याशा दाश	विद्युत अभियांत्रिकी
12310030	नागिरेड्डि नीलकण्टेश्वर रेड्डि	मानविकी व सामाजिक विज्ञान
13310055	द्योतना बनर्जी	मानविकी व सामाजिक विज्ञान
14310068	जाहनू भारद्वाज	मानविकी व सामाजिक विज्ञान

14310069	मुक्ता माधव गुंडी	मानविकी व सामाजिक विज्ञान
12310026	त्वरित अशोकभाई पटेल	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी
13310032	महेश वी पी	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी
13310033	नरेन्द्र बंडारू	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी
13350009	सस्मिता माझी	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी
14310047	धर्मेन्द्र कुमार	गणित
13310029	रवि कांत	यांत्रिक अभियांत्रिकी
14310026	सरोदे अजिंक्या अशोक	यांत्रिक अभियांत्रिकी
13330002	रुकमणी बाई	भौतिक विज्ञान

14330001	अमन अभिषेक	भौतिक विज्ञान
14330003	चौहान भावेश जयकुमार	भौतिक विज्ञान
14330004	भारती	भौतिक विज्ञान
14330005	विष्णुदथ के एन	भौतिक विज्ञान
14330006	निजिल लाल सी के	भौतिक विज्ञान
14330007	सौमिक बंदोपाध्याय	भौतिक विज्ञान
15310026	फैरूस सी	भौतिक विज्ञान
15330014	वरुण शर्मा	भौतिक विज्ञान

पदक श्रेणी

पदक श्रेणी	छात्रों के नाम
राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, बीटेक	अतिशय जैन
राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, एमटेक	आशीश तिवारी
राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, एमएससी तथा एमए	समृद्धि राजेश दामले
संस्थान स्वर्ण पदक, रासायनिक अभियांत्रिकी, बीटेक	खिली खमेसरा
संस्थान स्वर्ण पदक, सिविल अभियांत्रिकी, बीटेक	चिण्मय गिरीश कुलकर्णी
संस्थान स्वर्ण पदक, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी, बीटेक	अतिशय जैन
संस्थान स्वर्ण पदक, विद्युत अभियांत्रिकी, बीटेक	शुभ्रांशु सिंह
संस्थान स्वर्ण पदक, पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी, बीटेक	अयान रक्षित
संस्थान स्वर्ण पदक, यांत्रिक अभियांत्रिकी, बीटेक	राहिल सांवला
संस्थान स्वर्ण पदक, जीवविज्ञान अभियांत्रिकी, एमटेक	चिण्मय पाण्डा
संस्थान स्वर्ण पदक, रासायनिक अभियांत्रिकी, एमटेक	विशेष शर्मा
संस्थान स्वर्ण पदक, सिविल अभियांत्रिकी, एमटेक	शालिनी भरत
संस्थान स्वर्ण पदक, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी, एमटेक	सोनवाने धनंजय किशोर वर्षा
संस्थान स्वर्ण पदक, विद्युत अभियांत्रिकी, एमटेक	आशीश तिवारी
संस्थान स्वर्ण पदक, पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी, एमटेक	अंकित जयसवाल
संस्थान स्वर्ण पदक, यांत्रिक अभियांत्रिकी, एमटेक	जाधव सयाली नितिन
संस्थान स्वर्ण पदक, संज्ञानात्मक विज्ञान, एमएससी	समृद्धि राजेश दामले
संस्थान स्वर्ण पदक, रसायन विज्ञान, एमएससी	मानसी पोरवाल
संस्थान स्वर्ण पदक, गणित, एमएससी	कुंटल बनर्जी
संस्थान स्वर्ण पदक, भौतिक विज्ञान, एमएससी	आदेश कुशवाहा
संस्थान स्वर्ण पदक, समाज व संस्कृति, एमए	ज़फया जेना
संस्थान रजत पदक, रासायनिक अभियांत्रिकी, बीटेक	रमण
संस्थान रजत पदक, सिविल अभियांत्रिकी, बीटेक	अनिमेश रस्तोगी
संस्थान रजत पदक, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी, बीटेक	आयुश गर्ग
संस्थान रजत पदक, विद्युत अभियांत्रिकी, बीटेक	अभिनव नारायण हरीश
संस्थान रजत पदक, पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी, बीटेक	वारी वेण्कट साई अखिल
संस्थान रजत पदक, यांत्रिक अभियांत्रिकी, बीटेक	अशर अखिल पराग
संस्थान रजत पदक, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी, एमटेक	रूप चौधरी
संस्थान रजत पदक, विद्युत अभियांत्रिकी, एमटेक	दीपेश अग्रवाल
संस्थान रजत पदक, गणित, एमएससी	मिहिर विलास देव
संस्थान रजत पदक, भौतिक विज्ञान, एमएससी	स्नेहा यादव
संस्थान रजत पदक, समाज व संस्कृति, एमए	पुण्य लोकेश सूरी
निदेशक स्वर्ण पदक, बीटेक	अनिमेश रस्तोगी
निदेशक स्वर्ण पदक, एमटेक	आशीश तिवारी
निदेशक स्वर्ण पदक, पीएचडी	द्वायपायन रे
निदेशक स्वर्ण पदक, एमएससी व एमए	वसुन्धरा कृष्णन
निदेशक रजत पदक, रासायनिक अभियांत्रिकी, बीटेक	ऋतिक जैन
निदेशक रजत पदक, सिविल अभियांत्रिकी, बीटेक	साहिल जैन
निदेशक रजत पदक, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी, बीटेक	एस वीणू शंकर
निदेशक रजत पदक, विद्युत अभियांत्रिकी, बीटेक	अमित कुमार सिंह यादव

निदेशक रजत पदक, पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी, बीटेक	अनुशिखा
निदेशक रजत पदक, यांत्रिक अभियांत्रिकी, बीटेक	सुर्वे सुश्रुत सुदर्शन
उत्कृष्ट नवीनता पुरस्कार	संजय कुमार
उत्कृष्ट सामाजिक सेवा पुरस्कार	मयंक कुमार
ईमानदारी और अनुकरणीय मानवीय गुण पुरस्कार	भूमिका सांदिलया
उत्कृष्ट शोध पुरस्कार, बीटेक	नमन जैन
उत्कृष्ट शोध पुरस्कार, एमटेक	कृष्ण कुमार
उत्कृष्ट शोध पुरस्कार, पीएचडी	भोइर मंदर सुरेश
उत्कृष्ट शोध पुरस्कार, एमएससी व एमए	मोनिका
खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार	जूलियाना रेक्स
तैराकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार	द्वायपायन रे
कला व संस्कृति में उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार	अक्षत बंसल
आरंभिक बैच का उत्कृष्ट नेतृत्व पुरस्कार	क्षितिज सेंद्रे
अभियांत्रिकी ग्राफिक्स, तथा उत्पादन और कार्यशाला अभ्यास के मुख्य पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार	आयुश गर्ग
गणित के मुख्य पाठ्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार	आयुश गर्ग
भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा जीवन विज्ञान के मुख्य पाठ्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार	एस दीपक नारायणन
मानविकी व सामाजिक विज्ञान के समस्त मुख्य पाठ्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार	अयान रक्षित
मानविकी व सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार	नितीक्षा

विद्यार्थी

कार्यक्रम अनुसार भा0प्रौ0सं0गांधीनगर के विद्यार्थियों का सारांश

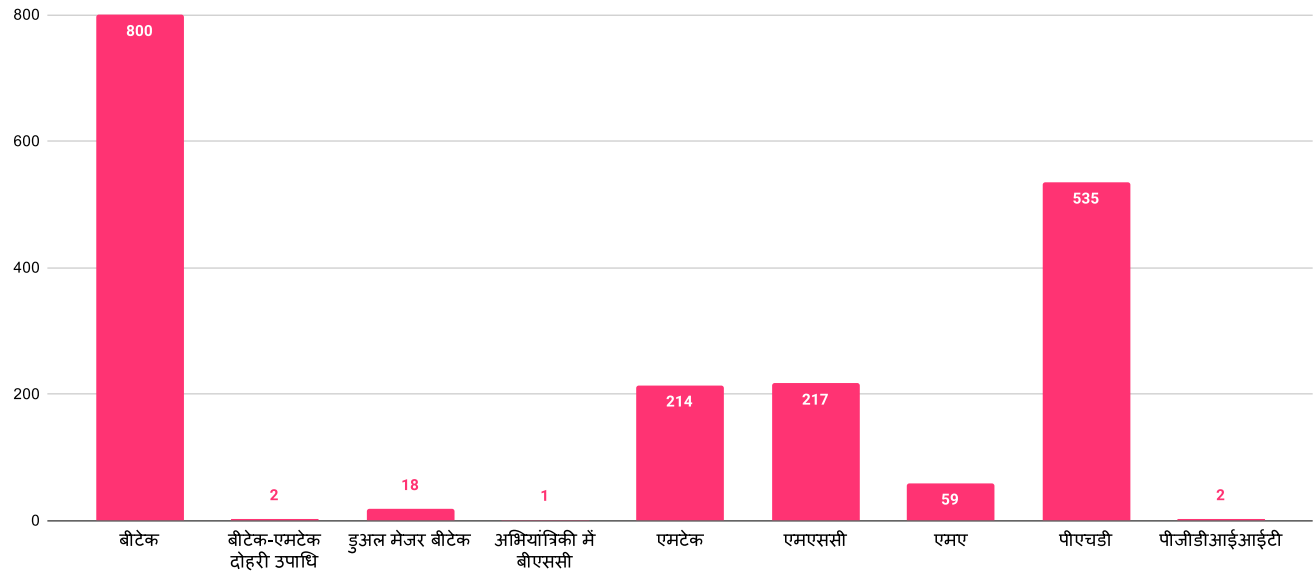

मार्च 31, 2021 तक

लघु पाठ्यक्रम

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर 2010 से ही लघु पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है। यह आम तौर पर 10 से 12 घंटे के पाठ्यकाल के होते हैं। संस्थान में औसतन 8-9 पाठ्यक्रम प्रत्येक सत्र में प्रदान किये जाते हैं जिसकी अब तक की कुल संख्या 168 है। संस्थान में विशेषतः जून 2020 – अगस्त 2021 के शैक्षिक वर्ष के दौरान 14 पाठ्यक्रम प्रदान किये गए हैं। इसमें विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम शामिल हैं जैसे श्री जे पी गुप्ता द्वारा "भारत के शासन का ढांचा" व प्रो कृष्णेंदु सेनगुप्ता द्वारा "संस्थानिक व ठंडे आणविक प्रणालियों के कुछ पहलू"। इन पाठ्यक्रमों से विभिन्न विषयों के 300 से अधिक विद्यार्थियों को लाभ हुआ है। लघु पाठ्यक्रम संस्थान की सर्व-समावेशी सिद्धांत का प्रतीक हैं।

ऐसे कई कारण हैं कि इन पाठ्यक्रमों का इस प्रारूप में जारी रहना इतना महत्वपूर्ण है। लघु पाठ्यक्रम निम्न अनुमतियां प्रदान करते हैं:

क) वैश्विक स्तर पर शोधकर्ताओं से सक्रिय बातचीत तथा इन-हाउस पोर्टफोलियो में बदलाव
ख) विस्तृत विषयों को समेकित करने के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम में शामिल होना
ग) सभी के लिए खुले मंच द्वारा अंतर विषयक विचारों को बढ़ावा देना

अप्रैल 2020 से मार्च 2021 के मध्य आयोजित लघु पाठ्यक्रमों की सूची इस प्रकार है:

- जुलाई से अगस्त 2020 के बीच प्रत्येक सप्ताहांत में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के **लेखन स्टूडियो** ने बोल-चाल की अंग्रेजी पर पाठ्यक्रम लिया।
- जुलाई 27 – अगस्त 2, 2020, **डॉ॰ ज्ञान विकास**, सहायक प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी, शिव नादर विवि, नॉएडा द्वारा, कॉन्सटीट्यूटिव मॉडलिंग में टेंसर गणित पर पाठ्यक्रम लिया गया।
- सक्रिय टेकटोनिक्स व भूकंप भूगर्भविद्या: सतही खतरों के अन्वेषण के लिए एक उपकरण, सितम्बर 21- 30, 2020, **प्रो जावेद एन मलिक**, प्रोफेसर, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर द्वारा आयोजित।
- **डॉ॰ मोनल के देसाई**, लेखन स्टूडियो, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, ने सितम्बर व अक्टूबर 2020 में पांच सप्ताह तक प्रत्येक सोमवार व मंगलवार को वैज्ञानिक लेखन (अनुखंड 1-5) पर कक्षाएं आयोजित की हैं।
- **प्रो राजीव राजन शर्मा**, प्रोफेसर, अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली, ने अक्टूबर 24 से नवम्बर 29, 2020 के बीच सहस्र वर्षों के लिए कार्यस्थल नेतृत्व पर पाठ्यक्रम लिया।
- फिशर अंतर्राष्ट्रीय में वरिष्ठ सलाहकार, **डॉ॰ सुभाष देवधर** द्वारा अक्टूबर 26 से नवम्बर 13, 2020 के बीच रासायनिक प्रक्रियाओं पर कक्षा आयोजित की गई।
- फिशर अंतर्राष्ट्रीय में वरिष्ठ सलाहकार, **डॉ॰ सुभाष देवधर** द्वारा नवम्बर 16 से दिसम्बर 04, 2020 के बीच रासायनिक प्रक्रियाओं पर कक्षा आयोजित की गई।
- **सुश्री आकांक्षा त्रिपाठी**, भूतपूर्व शिक्षण सहायक, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने नवम्बर से दिसम्बर 2020 के बीच स्टाफ के लिए बोलचाल की अंग्रेजी (बुनियादी) पर कक्षाएं ली हैं।
- **सुश्री आकांक्षा त्रिपाठी**, भूतपूर्व शिक्षण सहायक, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने जनवरी 2020 में चार सप्ताह के लिए स्टाफ के लिए बोलचाल की अंग्रेजी (बुनियादी) पर कक्षाएं ली हैं।
- **श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता**, 1991 के गुजरात काडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी द्वारा, जनवरी 23 से मार्च 6, 2021 तक प्रत्येक सप्ताह भारत में शासन का ढांचा पर कक्षाएं ली गईं।
- मार्च 16, 18, 20, 22, तथा 24, 2021, लेखक, अनुवादक, संपादक, लोक वक्ता एवं शोध विद्यार्थी, **श्री निविद देसाई** ने बोलचाल की कविता – पृष्ठ से मंच तक पर पाठ्यक्रम लिया।
- **डॉ॰ मोनल के देसाई**, लेखन स्टूडियो, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, द्वारा मार्च 19 से अप्रैल 17, 2021 के बीच 5 सप्ताह तक प्रत्येक सप्ताह वैज्ञानिक लेखन पर दो सत्र आयोजित किये।
- **श्री संजय जैन**, प्रोफेसर एमेरिटस, अवंतिका विवि व एसएजीई विवि, ने मार्च 20 से अप्रैल 24, 2021 के मध्य प्रत्येक सप्ताह 2 घंटे, पृक्रति-प्रेरित अभिकल्प पर कक्षाएं आयोजित की हैं।

छात्र मामले

नियुक्ति, अंतःशिक्षुता तथा उच्च शिक्षा 2020

परिसर नियुक्ति 2020

निम्नलिखित संगठनों ने 2020 में निवर्तमान स्नातक बैच के लिए परिसर नियुक्ति की पेशकश की।

संगठनों ने नाम:

आकाश शिक्षण सेवा लि
आरती उद्योग लि
आकनेट प्रौद्योगिक इंक
एडवर्ब प्रौद्योगिकी प्रा लि
ऐफीन एनेलिटिक्स प्रा लि
अजमेरा इनफोटेक प्रा लि
एलूवियम आईओटी घोल प्रा लि
अमूल
बांको उत्पाद (भारत) लि
बारक्लेस
केडिला फार्मास्यूटिकल्स लि
सीजीआई आईएनसी
केम अकादमी
क्लूमियो प्रौद्योगिकी भारत एलएलपी
कॉगनीजेंट
दाय-इची
दीपक नाइट्राइट लि
दीपेन एआई
डायवर्टा इंक-जापान
डाउटनट
अर्तकॉन प्रणाली भारत प्रा लि
अर्थकिड्स मानवता फाउंडेशन
ईक्लर्क्स सेवा लि
एनफेज़ सौर उर्जा प्रा लि
जीएआईएल
गोल्डमेन साक्स सेवा प्रा लि
जीएसपीएल
हिंदप्रकाश समूह
एचएलई गल्सकोट लि
एचपीसीएल
एचएसबीसी प्रौद्योगिकी भारत
इनफोस्ट्रेच
इंसपायर्ड स्वचालन आगामी प्रौद्योगिकी
संस्थान प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस),
भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर
जय रसायन
जूबिलेंट जीवन विज्ञान लि
के12 टेक्नोसेवा प्रा लि
कूकेन कोगयो कं लि, जापान
एल एवं टी कंस्ट्रक्शन
लार्सन एवं टूब्रो इनफोटेक लि
लिंडे अभियांत्रिकी भारत प्रा लि
मक्काडेमिया शिक्षण संस्थान
नेसा इलूमिनेशन प्रौद्योगिकी प्रा लि
नूटानिक्स प्रौद्योगिकी भारत प्रा लि
एनएक्सपी सेमीकंडक्टर
क्वीक्सोटे ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी प्रा लि
राम समूह
रेडपाइन सिग्नल भारत प्रा लि
आरकेसी इन्फ्राबिल्ट प्रा लि
एस एवं पी वैश्विक
सेमसंग शोध एवं अनुसंधान संस्थान भारत,
नॉयडा
एस-क्यूब
सिगमोइड
सिलीकोंक प्रणाली प्रा लि
एसआरएफ लि
टाटा सलाहकार सेवा (अनुसंधान एवं नवीनता
समूह)
टाटा परामर्श अभियंता लि
टेस्टबुक
थॉर्टन तोमासेट्टी
तोनिची इनसातसू कं लि - जापान
ट्रेडिंग प्रौद्योगिकी भारत प्रा लि
विप्रो लि
वरली
ज़ोपस्मार्ट
जेडएस एसोसिएट्स भारत प्रा लि

ग्रीष्मकालीन अंतःशिक्षुता 2020

भा॰प्रौ॰सं॰गांधीनगर अंतःशिक्षुता को एक मूल्यवान तंत्र के रूप में मानता है, जिसके माध्यम से छात्र प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों में काम करके दुनिया की वास्तविक समस्याओं और अत्याधुनिक अनुसंधान का अनुभव प्राप्त करते हैं। छात्रों को उनकी खोजपूर्ण प्रवृत्ति और भविष्य की योजनाओं के अनुरूप अंतःशिक्षुता लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इस वर्ष कुल 14 छात्रों ने आभासी रूप में निम्नलिखित संस्थानों में अपनी अंतर्राष्ट्रीय अंतःशिक्षुता प्राप्त कीः

विदेशी संस्थानों की सूची

छात्रों के नाम	विषय	संस्थान का नाम
वेदांत कृष्ण भूटानी	विद्युत अभियांत्रिकी	केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, संराअ
ऋभु वाजपयी	विद्युत अभियांत्रिकी	कार्नेजी मेलन विश्वविद्यालय, संराअ
मुहम्मद आसिम शेख	विद्युत अभियांत्रिकी	किंग अबदुल्लाह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, सउदी अरब
परदेशी श्वेता राजेश	विद्युत अभियांत्रिकी	नानयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सिंगापोर
निधिन हरिलाल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	उत्तरीपूर्व विश्वविद्यालय, संराअ
प्रांजली अनिल बोरसे	सिविल अभियांत्रिकी	उत्तरीपूर्व विश्वविद्यालय, संराअ
लवप्रीत सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	शानतोउ विश्वविद्यालय, चायना
किशन एन गौड़ा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	बर्गन विश्वविद्यालय, नॉरवे
व्रज पटेल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	बर्गन विश्वविद्यालय, नॉरवे
कौशिक रौनक नितिन	विद्युत अभियांत्रिकी	केलिफोर्निया सेंटा बारबरा विश्वविद्यालय, संराअ
जैन हर्षिल राकेश	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	मेनहीम विश्वविद्यालय, जर्मनी
चौहान जैनीश निलेशकुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	दक्षिण केरोलीना विश्वविद्यालय, संराअ
दीपिका सोनी	विद्युत अभियांत्रिकी	दक्षिण केरोलीना विश्वविद्यालय, संराअ
मुलस्थम अमिता रानी	पदार्थ अभियांत्रिकी	वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, संराअ

भारतीय संगठनों की सूची

छात्रों को दूसरे समूह (116 ग्रीष्मकाल के दौरान तथा 39 सर्दी के समय) ने भारत के अग्रणी उद्योगों तथा संस्थानों में अपनी अंतःशिक्षुता प्राप्त की:

स्थानीय अंतःशिक्षुता (ग्रीष्मकालीन)

छात्रों के नाम	विषय	संस्थान का नाम
शौर्य अग्रवाल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एक्सेंचर
शिवम साहनी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एविड प्रौद्योगिकी
पटेल अज्जकुमार दहयालाल	विद्युत अभियांत्रिकी	एपी एनोलिटिका एलएलपी
वरुण जैन	विद्युत अभियांत्रिकी	एविड टेकविज़न
पार्थ उपाध्याय	रासायनिक अभियांत्रिकी	बारक्लेस
एम मोहित मीणा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
सोनी अनिरुद्ध प्रदीपकुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी	
ऐशना अग्रवाल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	केपजेमिनी
जानवी विनोदकुमार ठक्कर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
जोशी देवव्रत शैलेश	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
अथावे प्रसाद देवीदास	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
प्रियम टोंगिया	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
सिद्धार्थ सोनी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
विवेक मोदी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
जानी ध्येय हरेशभाई	विद्युत अभियांत्रिकी	
जयेश द्व्यानेश्वर सलुंखे	विद्युत अभियांत्रिकी	
कुमार आयुष परमहंस	विद्युत अभियांत्रिकी	
जय राहुलभाई शाह	विद्युत अभियांत्रिकी	
मोदी श्रिल परेश	विद्युत अभियांत्रिकी	
सचिन यादव	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	कोडशेफ

छात्रों के नाम	विषय	संस्थान का नाम
आस्था जीवरजनी	पदार्थ अभियांत्रिकी	क्यूमेथ
नरनी विष्णु कार्तिकेय	विद्युत अभियांत्रिकी	डीई शॉ
प्रकाश आर	विद्युत अभियांत्रिकी	
अभीष्ट तिवारी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	अर्लीसेलरी
आयुष अग्रवाल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
रचित रे	रासायनिक अभियांत्रिकी	एडविज़ो मीडिया लि
प्रांजल सिंह	सिविल अभियांत्रिकी	
धनेश जगदीश भुटाडा	रासायनिक अभियांत्रिकी	फेयर इनसाइट्स
शुची धीरेन्द्र सानन्द्या	पदार्थ अभियांत्रिकी	फोर्ब्स मार्शल
शाह मीत पराग	यांत्रिक अभियांत्रिकी	
परिमी शिव कृष्ण सरमा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	फ्रेंकलिन टेंपलटन इनवेस्टमेंट्स
निशीकांत परमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	फ्रोले एआई
यन्नावर प्रणव समीर	यांत्रिक अभियांत्रिकी	फ्यूचर्स फर्स्ट
अगलावे अनूप रवीन्द्र	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	गोल्डमेन साक्स
कविता वैश्णव	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
भव्य गुप्ता	रासायनिक अभियांत्रिकी	ग्रोफिक्स
मिथबावकर ओजस शशिकांत	विद्युत अभियांत्रिकी	आई3 प्रणालियां
श्रेया पमेचा	विद्युत अभियांत्रिकी	भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे
अंशुमान यादव	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर
मृणाल आनंद	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
बी ध्यानेश	पदार्थ अभियांत्रिकी	
शाह ध्रुवल सुरेश	पदार्थ अभियांत्रिकी	
प्रसन्ना डी	रासायनिक अभियांत्रिकी	
तन्मय शर्मा	रासायनिक अभियांत्रिकी	
अभिनव कुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
काबरा अर्पिता संजय	विद्युत अभियांत्रिकी	
ध्रुवी प्रकाश लोधाविया	विद्युत अभियांत्रिकी	
शास्त्री हेतवी हीरेन	विद्युत अभियांत्रिकी	
पलक पुरोहित	विद्युत अभियांत्रिकी	
उदित	विद्युत अभियांत्रिकी	
ध्रुव मेनन	पदार्थ अभियांत्रिकी	
राहुल गुप्ता	यांत्रिक अभियांत्रिकी	
श्रुति प्रकाश गुप्ता	विद्युत अभियांत्रिकी	भा॰प्रौ॰सं॰ गुवाहाटी
ऋक राणा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर
क्रिस फ्रांसिस	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलोर
विराज कल्पेश शाह	विद्युत अभियांत्रिकी	बुद्धिमान औद्योगिक इंटरनेट प्रणालियां
तन्मय गुप्ता	विद्युत अभियांत्रिकी	आईटीसी लि
मैत्रेय ठाकुर	रासायनिक अभियांत्रिकी	जे के लक्ष्मी सीमेंट लि
शिवांशु शर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी	
पूजन मोदी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	
वंदित गोयल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	जेएसडब्लू समूह
राहुल धमानिया	रासायनिक अभियांत्रिकी	जूबिलेंट जीवन विज्ञान
राजस प्रसाद शाह	रासायनिक अभियांत्रिकी	
तांडले अक्षय जय	यांत्रिक अभियांत्रिकी	केपीआईटी
शाह ध्रुविन	यांत्रिक अभियांत्रिकी	
पटेल उर्विशकुमार जयरामभाई	विद्युत अभियांत्रिकी	लंडन कस्बा समूह
लोधा आयुश मनोजकुमार	सिविल अभियांत्रिकी	
जेठवा उत्सव	विद्युत अभियांत्रिकी	महिन्द्रा एवं महिन्द्रा

छात्रों के नाम	विषय	संस्थान का नाम
हर्ष महेन्द्र भाई	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमसीजी एआई
यष गौतम कांबले	विद्युत अभियांत्रिकी	एमआईसीओबी प्रा लि
अक्षत मंगल	रासायनिक अभियांत्रिकी	मैसुरू परामर्श समूह
गौरव सोनकुसले	रासायनिक अभियांत्रिकी	
अजिंक्या शिरीश पवार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
अमिरेड्डि मनीषा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
प्रीति चिलुवेरू	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
पुष्कर मुजुमदार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
राघव गोयल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
शाह जय आशीष	रासायनिक अभियांत्रिकी	एनईसी प्रयोगशाला
मृत्युंजय सर्राफ	रासायनिक अभियांत्रिकी	नेसिसेरियो नवीनता प्रा लि
खांदरे वैभव दिलीप	रासायनिक अभियांत्रिकी	
प्रजापति प्रदीपभाई दहयाभाई	विद्युत अभियांत्रिकी	
मेशराम यश अरुण	यांत्रिक अभियांत्रिकी	
देबार्य दास	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	न्यूज़ेरा टेक प्रयोगशाला
ओनटेडु रामा कृष्ण रेड्डि	विद्युत अभियांत्रिकी	
आदित्य त्रिपाठी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
दिशांक गोयल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
आदित्य गर्ग	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	नूटेनिक्स प्रौद्योगिकी
अनुभव जैन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
लक्ष्य	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
आनंद हीरेन मर्चेंट	रासायनिक अभियांत्रिकी	ओयो रूम्स
संजीत कुमार यादव	रासायनिक अभियांत्रिकी	
नयन चौधरी	विद्युत अभियांत्रिकी	
पुंडुरू चंद्रहास	विद्युत अभियांत्रिकी	
उज्जवल गौतम	पदार्थ अभियांत्रिकी	
रवि राठोड़	विद्युत अभियांत्रिकी	पीकॉक सोलर
पार्थ शिंडे	यांत्रिक अभियांत्रिकी	पीरामल इंटरप्राइज़ लि
चंदन माजी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पबलिसिस सेपिएंट
राम भगवान प्रजापत	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
रोहित शांताराम पाटिल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
बहेती साक्षी प्रभुलाल	रासायनिक अभियांत्रिकी	प्योरस्केन एआई
दागा पार्थ प्रकाश	रासायनिक अभियांत्रिकी	रेको
शाह जैनम	यांत्रिक अभियांत्रिकी	सन इंजीनियर्स
वृतिक चंद्रेश शाह	विद्युत अभियांत्रिकी	टाटा परामर्श सेवाएं
ध्रुव महेश बुकिनकेरे	पदार्थ अभियांत्रिकी	थर्मेक्स लि
शुभि महेश्वरी	रासायनिक अभियांत्रिकी	टीआरए अनुसंधान
अंकुश मिश्रा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	उदयपुर सीमेंट वर्क्स लि
शिवांग पारेख	यांत्रिक अभियांत्रिकी	
अदिति गेरा	रासायनिक अभियांत्रिकी	
गोंडालिया ध्रुवि रमणीकलाल	सिविल अभियांत्रिकी	
वैभव शर्मा	सिविल अभियांत्रिकी	
भसीन अभिराज	यांत्रिक अभियांत्रिकी	
जयेश खन्ना	यांत्रिक अभियांत्रिकी	
रचित श्रीमल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	
शिरोडकर रोहन निनाद	यांत्रिक अभियांत्रिकी	
दीप नीलिम दास	यांत्रिक अभियांत्रिकी	व्हाइट पांडा
भट्ट प्रत्युश हेमंत	रासायनिक अभियांत्रिकी	योर एचआर बडी

स्थानीय अंतःशिक्षुता (शीतकाल)

छात्रों के नाम	विषय	संगठन/संस्थान का नाम
आस्था जीवरजनी	पदार्थ अभियांत्रिकी	आद एक्सप्रेस
चेन्ना केसव तरुनागरी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एलूवियम आईओटी
लवप्रीत सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	बेन्नेट विश्वविद्यालय
नरनी विष्णु कार्तिकेय	विद्युत अभियांत्रिकी	केपजेमिनी
पटेल अज्जकुमार दहयालाल	विद्युत अभियांत्रिकी	
गुडिवडा वेण्कट पृद्वी तेज	विद्युत अभियांत्रिकी	
काटिके प्रणय दीप रेड्डि	पदार्थ अभियांत्रिकी	
काटपारा श्रुति अशोककुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
पुष्कर मजुमदार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
रेड्डि वेण्कट नीरज कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	
विराज कल्पेश शाह	विद्युत अभियांत्रिकी	
अभिज्ञान मार्टिन नीनामा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
पलक पुरोहित	विद्युत अभियांत्रिकी	एनफोचिप्स
अदिति गेरा	रासायनिक अभियांत्रिकी	अर्न्स्ट एंड यंग
भव्या गुप्ता	रासायनिक अभियांत्रिकी	
हर्ष महेन्द्र भाई	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
मैत्रेय ठाकुर	रासायनिक अभियांत्रिकी	
पूजन मोदी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	गुजरात पॉलीटेकनिक
अनुभव जैन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा॰प्र॰सं॰ अहमदाबाद
शुची धीरेन्द्र सानन्द्या	पदार्थ अभियांत्रिकी	भा॰वि॰सं॰ बेंगलोर
प्रीती	सिविल अभियांत्रिकी	भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे
चौहान जैनीश निलेशकुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर
काकुमणि पृथ्वी राज	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
लोधा आयुश मनोज कुमार	सिविल अभियांत्रिकी	
हार्दिक खीची	सिविल अभियांत्रिकी	
अशोक कुमार	सिविल अभियांत्रिकी	
अभिनव	यांत्रिक अभियांत्रिकी	इसरो
खानडरे वैभव दिलीप	रासायनिक अभियांत्रिकी	जे के लक्ष्मी सीमेंट
जसप्रीत सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी	
प्रीत गोकुलेश पटेल	विद्युत अभियांत्रिकी	
मोहम्मद असलम	रासायनिक अभियांत्रिकी	लीडिंगईंडिया.एआई
हरीश मेघवाल	विद्युत अभियांत्रिकी	न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
पटेल स्मित भुपेशभाई	पदार्थ अभियांत्रिकी	फोटोम प्रौद्योगिकी, अहमदाबाद
उत्सव प्रशांत राका	सिविल अभियांत्रिकी	संभावना लोक नीति संस्थान
कर्णम अविनाश	यांत्रिक अभियांत्रिकी	सांदविक
एस गणेश	यांत्रिक अभियांत्रिकी	यूफ्लेक्स
उन्नत निखिल दवे	विद्युत अभियांत्रिकी	वरजियो एड्डटेक
बोडला यजुर्वेद	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	
सायन बिस्वास	पदार्थ अभियांत्रिकी	

विदेशों में उच्च शिक्षा पाने वाले कक्षा 2020 के अवरस्नातक छात्र

छात्र का नाम	विषय	कार्यक्रम	संस्थान का नाम	राष्ट्र
बीटेक				
प्रांजलि जैन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमएस	इकोल पॉलीटेकनीक फेडराले डे लौसाने	स्विटज़रलेंड
एस वीनू शंकर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पीएचडी	दि यूनिवर्सिटी ऑफ मेरीलेंड	संराअ
अभिनव हरीश	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	जॉर्जिया टेक	संराअ
अखिल अनिल राजपूत	सिविल अभियांत्रिकी	पीएचडी	टेक्सस ए एवं एम विश्वविद्यालय	संराअ
अनिमेश रस्तोगी	सिविल अभियांत्रिकी	एकीकृत अधिस्नातक व पीएचडी	ऑस्टिन का टेक्सस विश्ववद्यालय	संराअ
अनुशिखा	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमएस	कारनेजी मेलन विश्वविद्यालय	संराअ
अशर अखिल पराग	यांत्रिक अभियांत्रिकी	पीएचडी	माइन्स का कोलोराडो विद्यालय	संराअ
अतिशय जैन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पीएचडी	ब्राउन विश्वविद्यालय	संराअ
अयान रक्षित	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमआरईएस+ पीएचडी	केमब्रिज विश्वविद्यालय	यूके
भार्ग मेहता	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एमएस	पेंसिलवेनिया विश्वविद्यालय	संराअ
चिण्मय दशपुटे	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एमएस	अरबाना-केमपेन का इलिनॉइस विश्वविद्यालय	संराअ
चिण्मय गिरीश कुलकर्णी	सिविल अभियांत्रिकी	एमएस	बफेलो विश्वविद्यालय का न्यू यॉर्क राजकीय विश्वविद्यालय	संराअ
गिरीश चंदर जी	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	मिशीगन विश्वविद्यालय	संराअ
कवन जोशी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमएस	केलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस	संराअ
राहुल राजीव	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पीएचडी	क्लेमसन विश्वविद्यालय	संराअ
ऋतिक दत्ता	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमएस	अरबाना-केमपेन का इलिनॉइस विश्वविद्यालय	संराअ
श्रेयश सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पीएचडी	दि यूनिवर्सिटी ऑफ उटा	संराअ
शुभ्रांशु सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	कारनेजी मेलन विश्वविद्यालय	संराअ
सिद्धार्थ कृष्णन	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	अरबाना-केमपेन का इलिनॉइस विश्वविद्यालय	संराअ
सुश्रुत सुरवे	यांत्रिक अभियांत्रिकी	पीएचडी	कॉरनेल विश्वविद्यालय	संराअ
वारी वेण्कट साई अखिल	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पीएचडी	मुन्सटर विश्वविद्यालय	जर्मनी
वरुण गोहिल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पीएचडी	कॉरनेल विश्वविद्यालय	संराअ
वाणी तेजस सखाहारी	सिविल अभियांत्रिकी	एमएस	जॉर्जिया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	संराअ
बीटेक-एमएससी दोहरी उपाधि				
चित्ता साई पवन	बीटेक - विद्युत अभियांत्रिकी | एमएससी भौतिक विज्ञान	पीएचडी	उत्तरदक्षिणी विश्वविद्यालय	संराअ
एमएससी				
कुंतल बनर्जी	गणित	पीएचडी	सासकाचवान विश्वविद्यालय	कनाडा

छात्र का नाम	विषय	कार्यक्रम	संस्थान का नाम	राष्ट्र
जया भारती	रसायन विज्ञान	पीएचडी	पेरिस विश्वविद्यालय	फ्रांस
प्रशांति गणेश	संज्ञानात्मक विज्ञान	पीएचडी	बर्लिन का हमबोल्ट विश्वविद्यालय	जर्मनी
पारुल	रसायन विज्ञान	पीएचडी	कार्बनिक रसायनशास्त्र विश्वविद्यालय, पॉलिश विज्ञान अकादमी	पोलेंड
इशिता अरुण	संज्ञानात्मक विज्ञान	पीएचडी	डार्टमाउथ विद्यालय	संराअ
मानसी पोरवाल	रसायन विज्ञान	पीएचडी	इलिनॉइस शिकागो विश्वविद्यालय	संराअ
ओजस्वी वर्मा	रसायन विज्ञान	पीएचडी	राइस विश्वविद्यालय	संराअ
वैभव श्रीवास्तव	गणित	पीएचडी	आयओवा राजकीय विश्वविद्यालय	संराअ
एमटेक				
सिद्धार्थ सरमाह	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पीएचडी	मेकगिल विश्वविद्यालय	कनाडा
देबार्पण घोष	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी	पीएचडी	इंस्टिट्यूट क्यूरी (पीएसएल विश्वविद्यालय)	फ्रांस
अकबल अहमद	यांत्रिक अभियांत्रिकी	पीएचडी	राजा फहाद पेट्रोलियम व खनिज विश्वविद्यालय	सउदी अरब
अरविंद शिव एम	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी	पीएचडी	मिशिगन विश्वविद्यायल	संराअ
दीपेश अग्रवाल	विद्युत अभियांत्रिकी	पीएचडी	केंसस राजकीय विश्वविद्यालय	संराअ
रंगा तेजा पिदाथला	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पीएचडी	लुईविले विश्वविद्यालय	संराअ
रोहिताश्व कुमार सिंह	सिविल अभियांत्रिकी	पीएचडी	टेक्सस विश्वविद्यालय	संराअ
शीतल गुजराती	सिविल अभियांत्रिकी	पीएचडी	टेन्नेसी विश्वविद्यालय	संराअ
एमए				
नोयोनिका दास	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	पीएचडी	एम्सटरडेम विश्वविद्यालय	नीदरलेंड
पीजीडीआईआईटी				
काज़नी अमन सिराजभाई	सिविल अभियांत्रिकी	अभियांत्रिकी में अधिस्नातक	ओट्टावा विश्वविद्यालय	कनाडा

भारत में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले कक्षा 2020 के अवरस्नातक छात्र

छात्र का नाम	विषय	कार्यक्रम	संस्थान का नाम
बीटेक			
अक्षय मित्तल	सिविल अभियांत्रिकी	एमटेक	भा॰प्रौ॰सं॰ मद्रास
दानिश मंसूर	सिविल अभियांत्रिकी	एमटेक	भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर
धर्मेन्द्र सबलानिया	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमटेक	भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर
इशांक सिंह	सिविल अभियांत्रिकी	एमटेक	भा॰प्रौ॰सं॰ मद्रास
कार्तिक सुब्रमण्य करवजे	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एमटेक	भा॰प्रौ॰सं॰ मद्रास
कुणाल वर्मा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमटेक	भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे
वसु भलोतिया	विद्युत अभियांत्रिकी	पीजीपीडीएम	भा॰प्र॰सं॰ अहमदाबाद
वेदांत गोटे	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एमबीए	भा॰प्र॰सं॰ कलकत्ता
एमएससी			
नेहा सिंह	भौतिक विज्ञान	पीएचडी	भा॰प्रौ॰सं॰ दिल्ली
सियाराम मीणा	भौतिक विज्ञान	पीएचडी	राजस्थान विश्वविद्यालय
एमटेक			
आशीष तिवारी	विद्युत अभियांत्रिकी	पीएचडी	भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर
चल्ला साई अजय नरेन्द्र	यांत्रिक अभियांत्रिकी	पीजीडीआईई	राष्ट्रीय औद्योगिक अभियांत्रिकी संस्थान
हरवंश दांडेलिया	यांत्रिक अभियांत्रिकी	पीएचडी	भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर
कृष्ण कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	पीएचडी	भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर
शुभम पाटिल	विद्युत अभियांत्रिकी	पीएचडी	भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे
जाधव सयाली नितिन	यांत्रिक अभियांत्रिकी	पीएचडी	भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर
आलोक कुमार ठाकुर	भू विज्ञान	पीएचडी	भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर
मुहम्मद नसरे आलम	रासायनिक अभियांत्रिकी	पीएचडी	भा॰प्रौ॰सं॰ दिल्ली
प्रिया तिवारी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पीएचडी	भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे
सृष्टि बाला हर्षा तेजा	सिविल अभियांत्रिकी	पीएचडी	भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर

शोध प्रकाशनों के लिए नकद पुरस्कार

28 मार्च, 2013 को अपनी 9वीं बैठक में, शासी मंडल ने अवरस्नातक और अधिस्नातक छात्रों को सहकर्मी-समीक्षा पत्रिकाओं में प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहन के रूप में एक नकद पुरस्कार योजना की मंजूरी दी थी। वर्ष 2020-21 के दौरान निम्नलिखित छात्रों को नकद पुरस्कार प्रदान किये गए:

छात्रों के नाम	कार्यक्रम	राशि (रु)
एस वीनू शंकर	बीटेक	25,000
रोहित शर्मा	बीटेक	3,500
नमन जैन	बीटेक	4,000
कुकुनुरी साई वेण्कट रत्ना ऋत्विक	बीटेक	25,000
साई अपर्णा अकेती	बीटेक (भूतपूर्व छात्र)	12,500
बारथ कन्ना महादेवन	बीटेक (भूतपूर्व छात्र)	8,000
अथीरा हरिदास	एमटेक (भूतपूर्व छात्र)	25,000
त्रिसरोता देब	एमटेक (भूतपूर्व छात्र)	12,500
पिंकी	एमटेक (भूतपूर्व छात्र)	12,500
स्मृति गुप्ता	एमटेक (भूतपूर्व छात्र)	12,500
रोहित सारस्वत	एमटेक (भूतपूर्व छात्र)	12,500
ओजस्वी वर्मा	एमएससी	25,000
जया भारती	एमएससी	5,000
शिवम कुमार	एमएससी	5,000
पंकज कुमार	एमएससी	5,000
अनुपम शर्मा	एमए (भूतपूर्व छात्र)	25,000
अनुपम शर्मा	एमए (भूतपूर्व छात्र)	25,000

छात्रों के लिए छात्रवृत्तियां एवं वित्तीय सहयोग

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर का मानना है कि वित्तीय बाध्यताएं किसी भी छात्र के शैक्षणिक सफर में रुकावट न बनें। संस्थान वित्तीय सहायता प्रदान करने में बहुत उदार हैं तथा यहां के छात्रवृत्ति कार्यक्रम यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी छात्र उसके/उसकी वित्तीय परिस्थिति के कारण वंचित न महसूस करे। इसके लिए संस्थान ने कई छात्रवृत्तियों तथा वित्तीय सहायता प्रणालियां स्थापित की हैं जैसे दानदाता छात्रवृत्ति, उत्कृष्टता छात्रवृत्ति, टीएमएल-एफएपी (टाटा मोटर वित्तीय सहायता कार्यक्रम), ट्यूशन शुल्क में छूट आदि। उपरोक्त के अलावा, संस्थान वित्तीय अनुदान, ब्याज मुक्त लघु / दीर्घकालिक ऋण के रूप में वित्तीय छात्रों को अपनी आवश्यकताओं के लिए शैक्षणिक शुल्क, छात्रावास और छात्रावास शुल्क, किताबें, कंप्यूटर, जेब खर्च, चिकित्सा आपात स्थिति (बीमा से आच्छादित), सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों, अंत:शिक्षुता और शैक्षिक पर्यटन जैसे खर्चों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

ब्याज मुक्त ऋण और वित्तीय अनुदान की शर्तें नीचे दी गई हैं:

- अल्पकालिक ऋण छात्र हितैषी कोष से उपर्युक्त प्रयोजनों के लिए योग्य छात्रों को प्रदान किए जाते हैं। छात्र वजीफे या व्यक्तिगत स्रोतों के माध्यम से ऋण चुका सकते हैं या ओसीईओ कार्यक्रम से धन कमा सकते हैं।
- छात्र हितैषी कोष से उपर्युक्त प्रयोजनों के लिए योग्य छात्रों को दीर्घकालिक ऋण प्रदान किए जाते हैं। लंबी अवधि के ऋण के लिए चुकौती की तारीख प्राप्तकर्ता छात्र की स्नातक की तारीख से अधिकतम 36 महीने तक बढ़ सकती है।
- छात्र हितैषी कोष से उपर्युक्त प्रयोजनों के लिए योग्य छात्रों को दीर्घकालिक ऋण प्रदान किए जाते हैं। अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऋणों के विपरीत, इस तरह के अनुदान से प्राप्त वित्तीय सहायता को लाभार्थी छात्रों द्वारा चुकाया जाना नहीं माना जाता है।

छात्रों को प्राप्त कुल छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता		
छात्रवृत्ति एवं वित्तीय सहायताओं के प्रकार	2020-21	
	लाभार्थियों की संख्या	छात्रवृत्ति की राशि (रु में)
दस माह की अवधि तक प्रति माह रु.250/- प्रति माह की मुफ्त मौलिक भोजनालय व जेब खर्च राशि	73	25,52,740
दानदाता छात्रवृत्ति	42	49,65,000
उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	28	5,30,000
टीएमएल-एफएपी सहयोग	47	22,29,000
शैक्षिक शुल्क में छूट (यूजी)	186	3,29,00,042
शैक्षिक शुल्क में छूट (पीजी)	88	8,65,000
ब्याज मुक्त ऋण व अनुदान (छात्र हितैषी कोष से प्राप्त वित्तीय सहायता)	101	50,91,837
लैपटॉप अनुदान	79	31,64,000
कुल (रुपया में)	**644**	**5,22,97,619**

छात्रों के लिए वित्तीय सहायता

अवरस्नातक छात्रों के लिए वित्तीय सहायता

वे छात्र जिनकी पैतृक आय रु॰ 1 लाख से रु॰ 2.5 लाख के बीच है, उनके ट्यूशन शुल्क में 1/3 की अतिरिक्त प्रतिपूर्ति की जाती है जिससे कि भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में अध्ययन कर रहे छात्रों को ट्यूशन शुल्क में प्रभावी रूप से पूरी छूट मिल सके। यह सहायता छात्र हितैषी और कल्याणकारी कोष या अक्षय निधि के उत्कृष्टता कोष से प्रदान की जाती है।

कुल 48 बीटेक विद्यार्थियों को 2020-21 के दौरान इस अतिरिक्त 1/3 ट्यूशन शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ प्राप्त हुआ।

अधिस्नातक छात्रों के लिए वित्तीय सहायता

वे छात्र जिनकी पैतृक आय रु॰ 2.5 लाख तक है, उनकी ट्यूशन शुल्क में पूरी प्रतिपूर्ति की जाती है। यह सहायता छात्र हितैषी और कल्याणकारी कोष या अक्षय निधि के उत्कृष्टता कोष से प्रदान की जाती है।

वर्ष 2020-21 के दौरान कुल 88 अधिस्नातक (एमटेक, एमएससी तथा एमए) छात्रों को ट्यूशन शुल्क में पूरी छूट दी गई।

मुफ्त बुनियादी भोजनालय व जेब खर्च सहायता

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के सभी छात्र पूर्ण शिक्षण शुल्क माफी का लाभ उठाते हैं। इसके अलावा, संस्थान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों, जिनकी वार्षिक पैतृक आय 4.5 लाख रुपये तक है, को दस महीने के लिए 250 रुपये प्रति माह का मुफ्त बुनियादी भोजनालय व जेब खर्च प्रदान करता है। यह सहायता बीटेक और एमएससी (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) के एससी/एसटी छात्रों को प्रदान की जाती है।

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के कुल 55 अवरस्नातक और 18 अधिस्नातक छात्र, जिनकी वार्षिक पैतृक आय इस सहायता के लिए निर्धारित सीमा के भीतर थी, को मुफ्त बुनियादी भोजन की सुविधा और दस महीने के लिए 250 रुपये प्रति माह का जेब खर्च प्रदान किया गया।

उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

भा0प्रौ0सं0 गांधीनगर ने शिक्षण, खेल, कला व संस्कृति, तथा लोक सेवा व नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कई उत्कृष्टता छात्रवृत्तियां स्थापित की हैं। ये छात्रवृत्तियां संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के आधार पर प्रदान की जाती हैं। छात्रवृत्ति के अंतर्गत 10 माह तक प्रति माह रु2,000 प्रदान करने का प्रावधान है। हालांकि यदि प्राप्तकर्ता को समान या उससे अधिक मूल्य की कोई अन्य छात्रवृत्ति मिल रही है तो उसे मात्र रु5,000 प्रदान किए जाते हैं। 2020-21 के शैक्षणिक वर्ष के दौरान निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध कराई गई हैं:

शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

बीटेक 2017 बैच के **उत्कर्ष संदीप गंगवाल, शांतनु शक्ति जना, व्रज पटेल, प्रकास आर, शाह ध्रुविन तथा वरुण बिरेन** को शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति प्राप्त हुई है।

बीटेक 2018 बैच से **दवे हरि मनीष, बहेती साक्षी प्रभुलाल, कुशाग्र शर्मा, रूपक शर्मा, जयेश खन्ना,** तथा **ध्रुव मेनन** को शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति प्राप्त हुई है।

पल्लव जैन, श्रेयशि सिंह, मानस मुलपुरी, श्रेया सिंह, सागर पारिख, तथा **इशिका पाठक** ने बीटेक 2019 बैच के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति प्राप्त की है।

खेलों में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

2020-21 के शैक्षणिक वर्ष में खेल उत्कृष्टता छात्रवृत्ति पाने वाले विद्यार्थियों में शामिल हैं **वाला वेदांगराज राजेन्द्रसिंह, मुलस्थम अमिता रानी, बोड्डु साई गोउरी झांसी, दीपेन्द्र कुमार, साक्षी योगेश काबरा,** तथा **शाह ध्रुवल सुरेश।**

कला व संस्कृति में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

खोट कृतार्थ तथा **ऐशना अग्रवाल** को वर्ष 2020-21 के शैक्षणिक वर्ष के लिए कला व संस्कृति उत्कृष्टता छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।

समाज सेवा व नेतृत्व उत्कृष्टता

पार्थ शिंडे व **दीपिका सोनी** को 2020-21 के शैक्षणिक वर्ष के लिए समाज सेवा तथा नेतृत्व उत्कृष्टता छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता

उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	
छात्रवृत्ति	**प्राप्तकर्ता का नाम**
शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति बीटेक 2017 बैच	उत्कर्ष संदीप गंगवाल, शांतनु शक्ति जना, व्रज पटेल, शाह ध्रुविन, व वरुण बिरेन डोलिया
शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति बीटेक 2018 बैच	दवे हरि मनीष, बहेती साक्षी प्रभुलाल, कुशाग्र शर्मा, रूपक शर्मा, जयेश खन्ना, एवं ध्रुव मेनन
शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति बीटेक 2019 बैच	पल्लव जैन, श्रेयशी सिंह, मानस मुलपुरी, श्रेया सिंह, सागर पारिख, एवं इशिका पाठक
कला व संस्कृति उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	खोट कृतार्थ हेमंत एवं एशना अग्रवाल
समाज सेवा व नेतृत्व उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	पार्थ शिंडे एवं दीपिका सोनी
खेल उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	वाला वेदांगराज राजेन्द्रसिंह, मुलस्थम अमिता रानी, बोड्डु साई गोउरी झांसी, दीपेन्द्र कुमार, साक्षी योगेश काबरा, एवं शाह ध्रुवल सुरेश
विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति	
छात्रवृत्ति	**प्राप्तकर्ता का नाम**
चंद्रकांत एवं पेट्रीशिया देसाई छात्रवृत्ति	त्रिवेदी शुभांग कृष्णकांत
प्रो एम एच दिवेकर छात्रवृत्ति	शांतनु शक्ति जना
कंकुबेन बक्शीरामभाई गेलोत छात्रवृत्ति	परदेशी श्वेता राजेश
सीमा जैन छात्रवृत्ति	गौरव कुमार
श्रीमती सीता झा स्मारक छात्रवृत्ति	साक्षी योगेश काबरा
पी के केलकर छात्रवृत्ति	जानवी विनोदकुमार ठक्कर
एस सी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति	रेनसी पिपलिया
एरक एवं मेहरू मेहता योग्यता छात्रवृत्ति	हितार्थ गांधी, वीरमगामी गौरव, लवती शुभ सुनील, तुमती रोहित कुमार रेड्डी, धैर्य शाह, सात्विक राव, भावेश जैन, वेण्कट श्रीमन नारायण मल्ली एवं कनिष्क सिंघल
भाई कृष्ण मोहन मित्तल छात्रवृत्ति	संस्कार अनिल नलकंडे
भाई सुरेश मोहन मित्तल छात्रवृत्ति	लोधा आयुश मनोजकुमार
प्रो के वी वेण्कटेश मूर्ति छात्रवृत्ति	पंडित शुभम भगवानदास
डॉ जे एल नय्यर छात्रवृत्ति	क्रिस फ्रांसिस
प्रोफेसर डी वी पाई छात्रवृत्ति	शिव
बिपिन एवं रेखा शाह छात्रवृत्ति	उदित
प्रो एस पी सुखात्मे छात्रवृत्ति	ध्वनि मनीष शाह
दुर्गा देवी सुल्तानिया छात्रवृत्ति	राघव गोयल
महाबीर प्रसाद सुल्तानिया छात्रवृत्ति	जितेन्द्र कुमार
संतोष रानी टंडन छात्रवृत्ति	प्रांजलि अनिल बोरसे
प्रो नितेश ठाकोर छात्रवृत्ति	मृणाल आनंद
सत्यराम छात्रवृत्ति	अग्रवाल पार्थ सुनीलकुमार, आयुष कुमार गुप्ता, नरनी विष्णु कार्तिकेय, पटेल वंदन, राम उदित साध, अमलीन जोसे, तेल्ला सेल्वा सौम्या रानी व यशि गौर
वेगशक्ति महिला कल्याण संगठन छात्रवृत्ति	प्रिया गुप्ता एवं वीणा के
नेहा व विनय गुप्ता छात्रवृत्ति	भव्या गुप्ता
अशोक जैन छात्रवृत्ति	सचिन यादव
ललिता जे शाह व जयंतीलाल बी शाह छात्रवृत्ति	ठाकुर देवांशु निलेश
विमला श्रीनिवास छात्रवृत्ति	सोलंकी सोहम प्रतीक
दया शंकर व शकुंतला छात्रवृत्ति	दीप समीर ठक्कर

विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्तियां

चंद्रकांत एवं पेट्रीशिया देसाई छात्रवृत्ति

चंद्रकांत एवं पेट्रीशिया देसाई छात्रवृत्ति वर्ष 2017 में स्थापित की गई थी जो कि सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **त्रिवेदी शुभांग कृष्णकांत** को शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

प्रो एम एच दिवेकर छात्रवृत्ति

प्रो एम एच दिवेकर छात्रवृत्ति वर्ष 2014 में स्थापित की गई थी और रासायनिक अभियांत्रिकी के तीसरे वर्ष के बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि 40,000 / - रुपये है और हर साल तृतीय वर्ष के अंत में रासायनिक अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम में उच्चतम ग्रेड हासिल करने वाले छात्र को प्रदान की जाती है। **शांतनु शक्ति जना** को शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

कंकुबेन बक्शीरामभाई गेलोत छात्रवृत्ति

कंकुबेन बक्शीरामाभाई गेलोत छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में स्थापित की गई थी और यह सभी महिला बीटेक छात्राओं के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये है और यह अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए **परदेशी श्वेता राजेश** को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

नेहा व विनय गुप्ता छात्रवृत्ति

नेहा व विनय गुप्ता छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **भव्या गुप्ता** शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

अशोक जैन छात्रवृत्ति

अशोक जैन छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। न्यूनतम सीपीआई 6.5 के साथ बीटेक छात्र इसके पात्र हैं। **सचिन यादव** 2020-21 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

सीमा जैन छात्रवृत्ति

सीमा जैन छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **गौरव कुमार** शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्रीमती सीता झा स्मारक छात्रवृत्ति

श्रीमती सीता झा स्मारक छात्रवृत्ति वर्ष 2018 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। महिला विद्यार्थियों को आमतौर पर प्राथमिकता दी जाती है। **साक्षी योगेश काबरा** को शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

पी के केलकर छात्रवृत्ति

पी के केलकर छात्रवृत्ति वर्ष 2016 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **जानवी विनोदकुमार ठक्कर** को शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

एस सी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति

एस सी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति वर्ष 2010 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों, आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को सम्मानित किया जाता है। **रेनसी पिपालिया** को शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

एरक व मेहरू मेहता छात्रवृत्ति

एरक व मेहरू मेरिट छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में गठित हुई तथा अब यह भा.प्रौ.सं. गांधीनगर को शै.व. 2019-20, शै.व. 2020-21 तथा शै.व. 2021-22 के बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। प्रति छात्र 8 लाख रुपये की कुल छात्रवृत्ति राशि के साथ चार साल की अवधि के लिए छात्रवृति प्रति वर्ष 2 लाख रुपये प्रति छात्र है। भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में बीटेक कार्यक्रम में दाखिला लेने वाले शीर्ष पांच छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है और उन छात्रों को जिन्होंने किसी भी मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 1000 या उससे बेहतर या एक जेईई एडवांस्ड रैंक हासिल की है। छात्रवृत्ति हर साल नए सिरे से संतोषजनक शैक्षिक प्रगति {8.5 के एसपीआई या 8.00 के न्यूनतम सीपीआई (न्यूनतम सामान्य शैक्षणिक भार और बिना किसी असफल ग्रेड के साथ)} के अधीन नवीनीकृत की जाती है और किसी भी अनुशासनात्मक मंजूरी के तहत नहीं है। हितार्थ गांधी, वीरमगामी गौरव, लवती शुभ सुनील, तुमती रोहित कुमार रेड्डी, धैर्य शाह, सात्विक राव, भावेश जैन, वेण्कट श्रीमान नारायण मल्ली तथा कनिष्क सिंघल शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

भाई सुरेश मोहन मित्तल छात्रवृत्ति और भाई कृष्ण मोहन मित्तल छात्रवृत्ति

यह छात्रवृत्ति वर्ष 2018 और 2019 में स्थापित की गई हैं और संस्थान के सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति 1 लाख रुपये की है जो कि अंत:शिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रत्येक वर्ष प्रदान की जाती है। **लोधा आयुष मनोजकुमार** वर्ष 2020-21 के लिए भाई सुरेश मोहन मित्तल छात्रवृतित के प्राप्तकर्ता हैं तथा वर्ष 2020-21 के लिए **संस्कार अनिल नलकांडे** भाई कृष्ण मोहन मित्तल छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

प्रो के वी वेण्कटेश मूर्ति छात्रवृत्ति

प्रो के वी वेण्कटेश मूर्ति छात्रवृत्ति वर्ष 2017 में स्थापित की गई जो विद्युत अभियांत्रिकी के सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष विद्युत अभियांत्रिकी के एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **पण्डित शुभम भगवानदास** को शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

डॉ जे एल नय्यर छात्रवृत्ति

डा जे एल नय्यर छात्रवृत्ति वर्ष 2017 में स्थापित की गई जो सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **क्रिस फ्रांसिस** को शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

प्रोफेसर डी वी पाई छात्रवृत्ति

प्रोफेसर डी वी पाई छात्रवृत्ति वर्ष 2018 में संस्थान में स्थापित की गई जो भा.प्रौ. सं. गांधीनगर में चल रहे एमएससी गणित कार्यक्रम के द्वितीय वर्ष के सभी छात्रों के लिए उपलब्ध है जिनकी न्यूनतम सीपीआई 7.0 तथा पैतृक वार्षिक आय 8 लाख प्रति माह या उससे कम है। छात्रवृत्ति की राशि रु. 25,000 प्रति शैक्षिक वर्ष रखी गई है। इसके अतिरिक्त छात्र पुस्तकों की वास्तविक खरीद पर खर्च की गई राशि रु. 5,000 तक का अनुदान ग्रहण कर सकता है। **शिवा** को शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

सत्यराम छात्रवृत्ति

सत्यराम छात्रवृत्ति वर्ष 2016 में स्थापित की गई थी। 6.5 की न्यूनतम सीपीआई वाले छात्र और जिनकी वार्षिक पैतृक आय 3 लाख से अधिक नहीं है, वे इस छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं। छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और वर्ष 2020-21 में कुल 8 छात्रों को सत्यराम छात्रवृत्ति प्रदान की गई। प्राप्तकर्ता छात्र पात्रता मानदंड को पूरा करने के अधीन, भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में अपने बीटेक कार्यक्रम के पूरा होने तक छात्रवृत्ति समर्थन प्राप्त करना जारी रखता है। छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता से यह उम्मीद रखी जाती है कि भविष्य में वह कम से कम एक भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के ज़रूरतमंद छात्र की सहायता करेगा। **अग्रवाल पार्थ सुनीलकुमार, आयुष कुमार गुप्ता, नरनी विष्णु कार्तिकेय, पटेल वंदन, राम उदित साध, अमलीन जोसे, तेल्ला सेलवा सौम्या रानी** तथा **यशि गौर** को शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

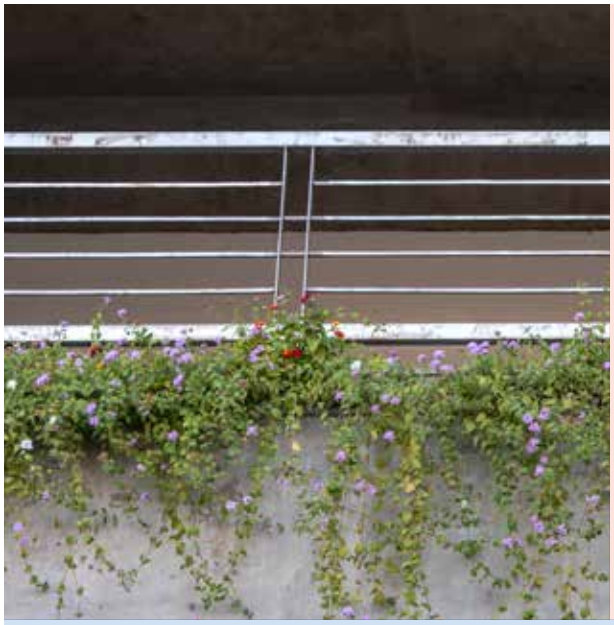

ललिता जे शाह और जयंतीलाल बी शाह छात्रवृत्ति

ललिता जे शाह और जयंतीलाल बी शाह छात्रवृत्ति वर्ष 2016 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का सहयोग करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **ठक्कर देवांशु निलेश** को शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

बिपिन और रेखा शाह छात्रवृत्ति

बिपिन और रेखा शाह छात्रवृत्ति वर्ष 2018 में स्थापित की गई थी और विद्युत अभियांत्रिकी के सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रत्येक शैक्षिक वर्ष में 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए हर साल कुल दो छात्रवृत्ति प्रदान की जाती हैं। **उदित** को शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

दया शंकर व शकुंतला छात्रवृत्ति

दया शंकर व शकुंतला छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **दीप समीर ठक्कर** शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

विमला श्रीनिवास छात्रवृत्ति

विमला श्रीनिवास छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई है और भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। न्यूनतम सीपीआई 6.5 के साथ बीटेक छात्र इसे प्राप्त कर सकते हैं। **सोलंकी सोहम प्रतीक** को शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

प्रो एस पी सुखात्मे छात्रवृत्ति

प्रो एस पी सुखात्मे छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई है और भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **ध्वनि मनीश शाह** वर्ष 2020-21 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

महावीर प्रसाद सुल्तानिया छात्रवृत्ति एवं दुर्गा देवी सुल्तानिया छात्रवृत्ति

यह छात्रवृत्तियां वर्ष 2016 में संस्थान ने स्थापित की हैं तथा सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। यह राशि अंत:शिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों तथा वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये तक की छात्रवृत्ति राशि है। **जितेन्द्र कुमार** शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए महावीर प्रसाद सुल्तानिया छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं तथा **राघव गोयल** को शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए दुर्गा देवी सुल्तानिया छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

संतोष रानी टंडन छात्रवृत्ति

संतोष रानी टंडन छात्रवृत्ति 2018 में स्थापित की गई थी और सिविल अभियांत्रिकी के सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक सिविल अभियांत्रिकी छात्र को दिया जाता है। स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी में रुचि रखने वाली महिला छात्रों को वरीयता दी जाती है। **प्रांजलि अनिल बोरसे** 2020-21 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

प्रोफेसर नीतीश ठाकोर छात्रवृत्ति

प्रोफेसर नीतीश ठाकोर छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **मृणाल आनंद** शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

वेगशक्ति महिला कल्याण संगठन छात्रवृत्ति

वीएमकेएस छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में स्थापित की गई थी और यह प्रथम वर्ष की सभी महिला छात्राओं के लिए उपलब्ध है। इसकी राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र रु 1 लाख रखी गई है जो कि भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की दो प्रथम वर्ष की बीटेक छात्राओं को उनके शैक्षणिक व्यय को सहयोग प्रदान करने के लिए दी जाती है। छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ताओं को चार वर्षों तक उनके यूजी कार्यक्रम के दौरान इसका लाभ मिलता है, बशर्ते वे छात्रवृत्ति के शैक्षणिक मानकों को पूर्ण कर सकें। **प्रिया गुप्ता** एवं **वीणा के** शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

अनुसंधान और विकास

प्रकाशन

अप्रैल 2020 - मार्च 2021 तक के शोध प्रकाशनों की संख्या

दस्तावेजों का प्रकार	प्रकाशनों की संख्या
पुस्तकों के पाठ	38
पुस्तकें	7
संपादित पुस्तकें	6
पुस्तक समीक्षाएं	6
ई-प्रिंट अभिलेखागार	130
पत्रिका लेख	504
पत्रिका/समाचार लेख/लघु कहानी	25

दस्तावेजों का प्रकार	प्रकाशनों की संख्या
सम्मेलनों में प्रस्तुत पत्र	146
प्रस्तुत पोस्टर	18
एकस्व अधिकार	2
जारी पत्र	2
अन्य	71
कुल	**955**

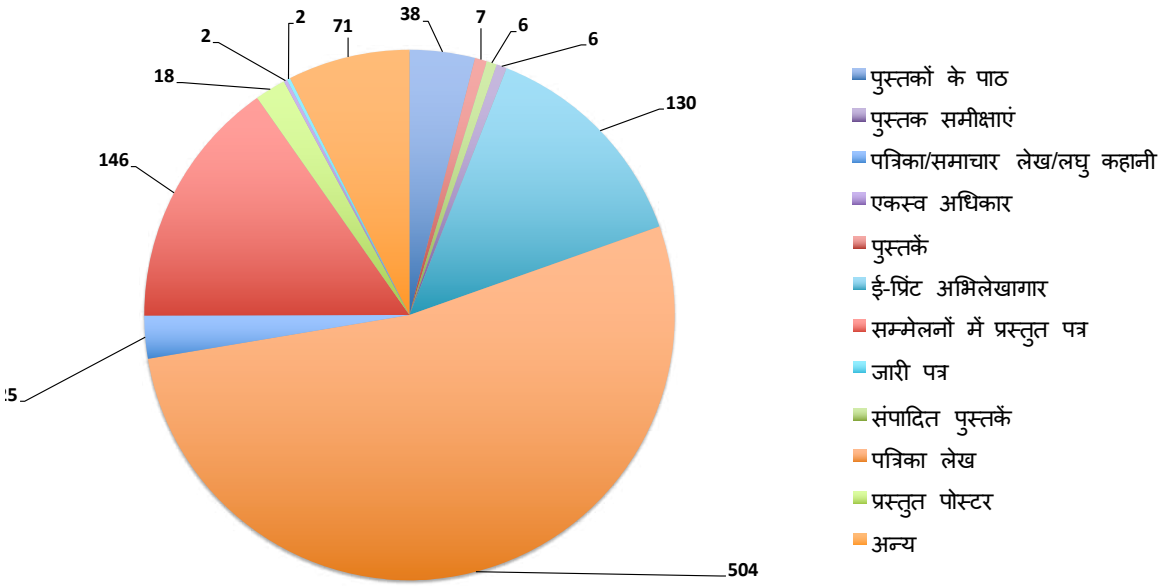

प्रायोजित शोध परियोजनाएं

2020-21 के दौरान स्वीकृत परियोजनाएं

- जल विज्ञान प्रक्रियाओं का भविष्य बताने वाली समझ के लिए भौतिकी निर्देशित डेटा विज्ञान दृष्टिकोण, **(मासंविमं)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उदित भाटिया,** सिविल अभियांत्रिकी
- मार्जिन क्लीयरेंस के लिए मुंह के कैंसर और स्वस्थ ऊतक का सीमांकन करने के लिए बायोमार्कर की पहचान करने के लिए मल्टी-ओमिक विश्लेषण, **(जीएसबीटीएम)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अनिर्बन दासगुप्ता**, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- स्केलेबल संख्यात्मक बहुरेखीय बीजगणित के लिए यादृच्छिक एल्गोरिदम, **(गूगल)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अनिर्बन दासगुप्ता**, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- स्तरित हाइब्रिड पेरोव्स्काइट्स पर आधारित कम लागत, उच्च दक्षता वाले स्थिर फोटोवोल्टिक का उपयोग करना, **(मासंविमं)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो रूपक बनर्जी**, भौतिक विज्ञान
- भावनात्मक चेहरा पहचान: ऑटिज्म के साथ उच्च कार्य करने वाले किशोरों में अंतर्निहित तंत्रिका संपर्क को समझना, **(डीएसटी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उत्तमा लाहिड़ी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- चाल सहायता के लिए केबल एक्चुएशन का कार्यान्वयन और नियंत्रण, **(डीआरडीओ)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विनीत वशिष्ट**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- तेज, मजबूत, ऊर्जा के प्रति जागरूक इन-मेमोरी संगणक वास्तुशिल्प, **(एसआरसी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जॉयसी मेकी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- स्वच्छ ईंधन के रूप में सौर ऊर्जा के कुशल भंडारण के लिए नए प्लास्मोनिक एंटीना-रिएक्टर प्लेटफॉर्म का विकास करना, **(गुजकोस्ट)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सौम्यकांति खटुआ,** रसायन विज्ञान
- अगली पीढ़ी के कीमो फोटो थर्मल थेरेपी के लिए कैंसर में पावरिंग का गोल्ड नैनो हीटर मध्यस्थता लक्ष्यीकरण, **(गुजकोस्ट)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुदीप्ता बसु**, रसायन विज्ञान
- तार चालित लचीले रोबोटिक नियंत्रक का गतिशील अध्ययन और नियंत्रण, **(गुजकोस्ट)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मधु वडाली**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- शहरी वायु गुणवत्ता पर औद्योगिक उत्सर्जन के प्रभावों की निगरानी के लिए वायुमंडलीय प्रदूषक गैसों की उच्च संवेदनशील जांच, **(गुजकोस्ट)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती**, विद्युत अभियांत्रिकी
- उच्च प्रदर्शन फाइबर प्रबलित कंक्रीट (एचपीएफआरसी): क्षमता आधारित मिश्रण डिजाइन ढांचे की प्रस्तुति, **(गुजकोस्ट)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीमन बसु**, सिविल अभियांत्रिकी
- वायु प्रदूषण का कोविड से संबंधित सेकेंडरी एक्ससेर्बेशन पर प्रभाव, **(गूगल)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निपुन बत्रा**, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- निचले स्तर की सांद्रता पर कोविड-19 आरएनए की विशिष्ट पहचान के लिए पुन: प्रयोज्य प्लास्मोनिक मंच का विकास, **(बीआरएनएस)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सौम्यकांति खटुआ,** रसायन विज्ञान
- आरएफ अनुप्रयोगों के लिए स्व-संरेखित डबल पॉली सिलिकॉन एमिटर द्विध्रुवी प्रौद्योगिकी, **(डीएसटी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निहार रंजन मोहापात्रा**, विद्युत अभियांत्रिकी
- सतत विकास लक्ष्यों के लिए एक सूत्रधार के रूप में स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत, **(फ्लिंडर्स विवि)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो आलोक कानूनगो, एचएसएस**
- महामारी वक्र निगरानी के लिए अहमदाबाद में एसएआरएस-कोव-2 जीन का पता लगाने के लिए अपशिष्ट जल की साप्ताहिक निगरानी, **(यूनीसेफ)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार**, भू विज्ञान
- तरल गर्भवती सूक्ष्म गुहाओं के फिसलन गुण, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो श्रीहरिता रोउतु**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- स्थानीय जीवाणु संक्रमण के लिए सोनोडायनामिक थेरेपी, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो हिमांशु शेखर**, विद्युत अभियांत्रिकी
- डेल्टा ज्यामिति, मॉड्यूलर रूप और पी-एडिक हॉज सिद्धांत, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अर्नब साहा**, गणित
- वायु गुणवत्ता निगरानी के लिए एआई और सेंसर नेटवर्क, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निपुन बत्रा**, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- परिमाणित झूठ के समूहों के भागफल रिक्त स्थान के लिए इक्विवेरिएंट स्पेक्ट्रल ट्रिपल, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो बिपुल सौरभ**, गणित
- लो स्टैकिंग फॉल्ट एकल ऊर्जा फेज फेस-सेंटर्ड-क्यूबिक एलॉय में माइक्रोस्ट्रक्चर आधारित यूनिवर्सल स्ट्रेन हार्डनिंग मॉडल की तलाश में, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो प्रदीप्ता घोष**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- भारत के कोविड -19 से प्रेरित तालाबंदी के बाद स्वदेशी समुदायों पर उल्टे स्थानांतरण का प्रभाव, **(एसएसआरसी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निशांत चोकसी**, एचएसएस
- क्वांटम सूचना सैद्धांतिक उपकरणों का उपयोग करके गुरुत्वाकर्षण की जांच करना, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अर्पण भट्टाचार्य**, भौतिक विज्ञान
- उच्च आवृत्ति इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशाला का विकास, **(डीएसटी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निहार रंजन मोहापात्रा**, विद्युत अभियांत्रिकी
- दोषपूर्ण-अभियांत्रिकी के उच्च एन्ट्रॉपी मिश्र धातुओं में विस्कोलेस्टिक डंपिंग का बहु-स्तरीय मॉडलिंग, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो राघवन रंगनाथन**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- "बायोथेराबबल" बायोएक्टिव अल्ट्रासाउंड-चालित माइक्रोबबल फॉर थेरानोस्टिक्स, **(डीएसटी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कृष्ण कांति डे**, भौतिक विज्ञान
- "स्मार्ट" सोखने वालों के तर्कसंगत डिजाइन की सहायता के लिए थर्मोडायनामिक मॉडल और मोंटे कार्लो सिमुलेशन का उपयोग करके एक तरल चरण में सह-विलेय सहायक सोखना या विलेय के अवशोषण पर सोखना की रासायनिक प्रकृति की भूमिका को समझना।, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कौस्तुभ राणे**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- अगली पीढ़ी के कीमो-फोटो-थेरेपी के लिए कैंसर में पावरहाउस का लघु अणु-मध्यस्थता लक्ष्यीकरण, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुदीप्ता बसु**, रसायन विज्ञान
- उच्च शक्ति हाइड्रोजेल - संश्लेषण, रियोलॉजी और अनुप्रयोग, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो प्राची थरेजा**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- हॉट मैग्नेटाइज्ड और विस्कोस क्यूसीडी माध्यम में हेवी-क्वार्क डायनामिक्स पर जांच, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विनोद चंद्रा**, भौतिक विज्ञान
- स्तन कैंसर मेटास्टेसिस के उपशमन में ऑटोफैगी न्यूनाधिक के प्रभावों का अध्ययन करना, (डीबीटी-आरए) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण**, रसायन विज्ञान
- एएमआर प्रवाह: एंटीमाइक्रोबियल्स और विनिर्माण प्रवाह से प्रतिरोध लोगों के लिए - जुड़े हुए प्रयोग, गणितीय मॉडलिंग और जोखिम विश्लेषण, **(डीबीटी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो प्रणब कु मोहापात्रा,** सिविल अभियांत्रिकी
- एज नॉन-इनट्रूसिव लोड का नियंत्रण, **(सीआईएससीओ)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निपुन बत्रा**, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- विशिष्ट फोटोकैटलिटिक रेडॉक्स प्रतिक्रियाओं को चलाने के लिए प्लास्मोनिक उत्प्रेरक डिजाइन का अनुकूलन, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सौम्यकांति खटुआ,** रसायन विज्ञान
- एलएचसी में मानक मॉडल से परे हिग्स भौतिकी, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो भारद्वाज कोलप्पा**, भौतिक विज्ञान
- आणविक प्रणालियों की गतिशीलता का अनुमान लगाने के लिए टीटीटी पहचान के उल्लंघन की मात्रा निर्धारित करना, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कौस्तुभ राणे**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- गुरुत्वाकर्षण भौतिकी पर सैद्धांतिक और अवलोकन संबंधी बाधाएं, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुदीप्ता सरकार**, भौतिक विज्ञान
- कुछ परिवर्तनों का संख्या-सैद्धांतिक विश्लेषण और रामानुजन मास्टर प्रमेय का विस्तार, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अतुल दीक्षित**, गणित
- विकास और रोग में वायरस, **(सीआईएससीओ)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शर्मिष्ठा मजुमदार**, जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- मॉड्यूलर विलवणीकरण और नमकीन सांद्रता के लिए बहु-प्रभाव झिल्ली आसवन, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जयचंदर स्वामीनाथन**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- चरम पक्की समीकरणों और संबंधित समरूपता और लिउविल प्रकार के परिणामों के लिए अतिनिर्धारित समस्याएं, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जगमोहन त्यागी**, गणित
- 6-घटक भूकंपीय उत्तेजनाओं के लिए दिशात्मक संयोजन नियम विकसित करना, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीमन बसु**, सिविल अभियांत्रिकी
- सौर सेल अनुप्रयोगों के लिए MoS2, SnS2 और MoS2-SnS2 हाइब्रिड नैनोस्ट्रक्चर्ड पतली फिल्मों के ऑप्टिकल, इलेक्ट्रिकल और माइक्रोस्ट्रक्चरल गुणों पर अध्ययन, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो एमिला पांडा**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- हाई-स्पीड रेलवे प्रणाली के लिए जियोसिंथेटिक प्रबलित मिट्टी की दीवारें और एबटमेंट्स, **(एचएसआरआईसी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित प्रशांत**, सिविल अभियांत्रिकी
- ब्राइन ट्रीटमेंट के लिए लगभग शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करना, **(डीएसटी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जयचंदर स्वामीनाथन**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- बाहरी हवाई परिवहन अनुप्रयोगों के लिए एक अनोखा सहयोगी मानव - क्वाडकॉप्टर इंटरफ़ेस, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विनीत वशिष्ट**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- सामान्यीकृत एन्सेम्बल में आणविक प्रणालियों के संक्रमण मैट्रिक्स मोंटे कार्लो सिमुलेशन के लिए एक कुशल एल्गोरिदम विकसित करना, **(डीएसटी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कौस्तुभ राणे**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- ट्रेस प्रदूषकों को हटाने के लिए चुंबकीय उत्प्रेरक लेपित सूक्ष्म बुलबुले का संश्लेषण, **(डीएसटी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो समीर दलवी**, रासायनिक अभियांत्रिकी

- डीएनए अनुक्रमण के लिए कार्यात्मक सामग्री के रूप में ग्राफीन नैनोपोर्स का अध्ययन करने के लिए आणविक गतिकी सिमुलेशन का उपयोग करना, **(डीएसटी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो श्रीराम एस मल्लाजोसयुला**, रसायन विज्ञान
- लोड कैरिज नियंत्रण के लिए केबल संचालित हाइब्रिड एक्चुएशन, **(डीआरडीओ)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विनीत वशिष्ट**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- मधुमेह से जुड़े एडी के नियमन में संभावित ऑटोफैगी न्यूनाधिक के रूप में प्राकृतिक फ्लेवोनोइड्स की स्क्रीनिंग, **(एसईआरबी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शरद गुप्ता**, जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- एकल अणुओं से जीवित कोशिकाओं तक: डीएनए-नेनो तकनीक के साथ स्वस्थानी, बहुसंकेतन, उच्च-थ्रूपुट इमेजिंग में, **(गुजकोस्ट)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीरज भाटिया**, जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- संरचनाओं के भूकंप संरक्षण के लिए स्लाइडिंग बियरिंग का विकास, **(डीएसटी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार**, सिविल अभियांत्रिकी
- ब्रेन ट्यूमर के चित्रण के लिए बायोमोडल इंट्रा-ऑपरेटिव जांच, **(डीएसटी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कारला पेट्रीशिया मरकाडो-शेखर**, जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- नेनो-स्केल लिथोग्राफी सिमुलेशन के लिए बहु-स्तरीय कुशल ओपीसी ढांचे का विकास, **(डीएसटी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निहार रंजन मोहापात्रा**, विद्युत अभियांत्रिकी
- शहरी और ग्रामीण भारत में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की यूएवी आधारित लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपिक निगरानी, **(आरएई)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती**, विद्युत अभियांत्रिकी
- शिकारी और शिकार के बीच संवाद: हेमीप्टेरा में रासायनिक रक्षा: पेंटाटोमिडी बग (गोंधी बग) और इसके ग्रंथि स्राव, **(डीबीटी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीरज भाटिया**, जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- पार्किंसनिज़्म में चाल विकारों की निगरानी और उपचार के लिए स्मार्टवियर, **(डीएसटी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उत्तमा लाहिड़ी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- लिथियम बैटरी में सॉलिड-इलेक्ट्रोलाइट इंटरफेज के बहु-चरण मॉडल: एक्सास्केल सिमुलेशन की ओर, **(डीएसटी)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो राघवन रंगनाथन**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- अत्यधिक प्रतिक्रियाशील, गैर विषैले और पारदर्शी विषाणु रोधी सतह परत बनाने के लिए उद्योग के अनुकूल प्रौद्योगिकी का विकास, **(गुजकोस्ट)** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो एमिला पांडा,** पदार्थ अभियांत्रिकी

चालू प्रायोजित परियोजनाएं

- विशेष जनशक्ति विकास परियोजना- चिप्स से प्रणाली तक अभिकल्पन (एसएमडीपी-सी2एसडी), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (डीईआईटीवाई-सीईईआरआई)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निहार रंजन मोहापात्रा**, विद्युत अभियांत्रिकी
- इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी के लिए विश्वेस्वरय्या पीएचडी योजना, इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उत्तमा लाहिड़ी,** विद्युत अभियांत्रिकी
- डीएसआईआर - सामान्य अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास केंद्र - रासायनिक प्रक्रिया, वैज्ञानिक व औद्योगिकी अनुसंधान विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो चिन्मय घोरोई**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- काइनेसिन-3 आधारित कार्गो परिवहन, विनियमन और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में उनके प्रभाव का तंत्र, जैवप्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो वीरुपक्षी सोप्पिना,** जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- स्मार्ट निहित परिसर ऊर्जा निगरानी व प्रबंधन प्रणाली, विज्ञान व अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो नारण पिंडोरिया,** विद्युत अभियांत्रिकी
- कीटनाशकों और शाकनाशियों का पता लगाने के लिए पुन: प्रयोज्य और क्षेत्र-तैनाती नैनोबायोकैटालिस्ट्स, इमप्रिंट परियोजना, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो भास्कर दत्ता,** रसायन विज्ञान
- विश्वविद्यालयों और उच्च शैक्षणिक संस्थानों (एफआईएसटी) कार्यक्रम - 2016 में एस एंड टी बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए डीएसटी निधि के तहत स्वीकृत एकल क्रिस्टल एक्सआरडी उपकरण। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण,** रसायन विज्ञान
- नौसेना अनुप्रयोगों के लिए डीजल ऑटोथर्मल सुधारक का 5 kWe से 30 kWe तक का स्केल-अप, इमप्रिंट परियोजना, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अतुल भार्गव**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- सीजीजीबीपी1-सीटीसीएफ अक्ष द्वारा अंतर-युग्मक एपिजेनेटिक अंतर का विनियमन, जैवप्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उमाशंकर सिंह**, जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- SmCo आधारित स्थायी चुम्बकों के चुंबकीय गुणों पर ऑक्सीकरण का प्रभाव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ). प्रमुख अन्वेषक: **प्रो एमिला पांडा**, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- साबरमती नदी की तलहटी में जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, जल संसाधन मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विमल मिश्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- उद्योग के अनुकूल मैग्नेट्रोन स्पटरिंग और आरटीपी (रैपिड थर्मल प्रोसेसिंग) सल्फराइजेशन प्रक्रिया का उपयोग कर सीजेडटीएस (Cu2ZnSnS4) अवशोषक आधारित सौर सेल के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी का विकास, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो एमिला पांडा,** पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- ईको-वेट- स्मार्ट शहरों के लिए पानी और ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का कुशल युग्मन, भारत-जर्मनी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो नारण पिंडोरिया**, विद्युत अभियांत्रिकी
- एक चौथाई शताब्दी से उत्तर-पश्चिम हिमालय में तलछट मार्ग की परिवर्तनशीलता पर विवर्तनिक और जलवायु नियंत्रण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विक्रांत जैन** (सप्तऋषि डे), भू विज्ञान
- ऊर्जा भंडारण नैनोकम्पोजिट्स के एक नए वर्ग के विकास के लिए ग्रेफीन के बोरॉन एनालॉग्स को संश्लेषित करने के लिए स्तरित धातु डाइबोराइड्स की उच्च उपज का छूटना, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कबीर जसूजा**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- छिद्रिल माध्यम में रासायनिक परिवहन (रामानुजन), विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उद्दीप्ता घोष**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- अत्यधिक आंशिक वीसी-आयाम और बारीक-बारीक फोल्ड-कट समस्याएं, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो नीलधारा मिश्रा**, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- 0.18μm सीएमओएस प्रौद्योगिकी में एनालॉग और आरएफ अनुप्रयोगों के लिए कम लागत वाले द्विध्रुवी ट्रांजिस्टर का विकास करना, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निहार रंजन मोहापात्रा**, विद्युत अभियांत्रिकी
- उच्च वक्रता गुरुत्वाकर्षण में ब्लैक होल की टोपोलॉजी और विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: प्रो सुदीप्ता सरकार**,** भौतिक विज्ञान
- एक उपभोक्ता संचालित एकीकृत स्मार्ट ग्रिड का विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो नारण पिंडोरिया**, विद्युत अभियांत्रिकी
- दानेदार मेटामटेरियल्स में तरंग प्रसार का सैद्धांतिक और प्रायोगिक अध्ययन, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जयप्रकाश के आर,** यांत्रिक अभियांत्रिकी
- शहरी वातावरण में जल गुणवत्ता प्रबंधन के लिए सुभेद्यता मूल्यांकन और टिकाऊ समाधान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार**, भू विज्ञान
- पानी की खपत के अंतिम उपयोग के सूक्ष्म घटक मात्रा का ठहराव कम आय सेटिंग्स में, विन फाउंडेशन।, विन प्रतिष्ठान। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार**, भू विज्ञान
- भूजल से आर्सेनिक और फ्लोराइड हटाने के लिए पायलट पैमाने पर स्वस्थानी अनुप्रयोग: एक सुरक्षित पेयजल उत्पादन परिप्रेक्ष्य, विन प्रतिष्ठान। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार**, भू विज्ञान
- सतत नदी प्रबंधन के लिए एक उपकरण के रूप में भविष्य कहनेवाला भू-आकृति मॉडल का विकास, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विक्रांत जैन**, भू विज्ञान
- गतिशील दृश्यों के लिए एचडीआर-जीआईएफ और एचडीआर वीडियो का उत्पादन, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शंमुगनाथन रमण**, विद्युत अभियांत्रिकी
- ज्यामितीय रूप से कुंठित स्तरित संरचना: संश्लेषण और गुण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुधांशु शर्मा** एवं सेतुलक्ष्मी एन, रसायन विज्ञान
- मौखिक कैंसर की दवा वितरण के लिए इलेक्ट्रोहाइड्रोडायनामिक केंद्रित उपकरण का उपयोग करते हुए अल्ट्रासाउंड-रिस्पांसिव बहु-स्तरित सूक्ष्म बुलबुले, यूजीसी-यूकेआईईआरआई संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम (यूकेआईईआरआई - III)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो समीर दलवी**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- वज्र संकाय योजना: आरएमआईटी विश्वविद्यालय से प्रो दिनेश कांत कुमार की सहयोगी शोध यात्रा, ऑस्ट्रेलिया, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उत्तमा लाहिड़ी**, प्रो दिनेश कांत, विद्युत अभियांत्रिकी
- रामानुजन अध्येतावृत्ति – मूल कोषिका को प्रोग्राम करने के लिए डीएनए नेनो उपकरण, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीरज भाटिया**, जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- न्यूरोनल यातायात प्रणाली के तंत्र और उनके नियमों की जांच, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण**, जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- डिजिटल 3डी मॉडल का उपयोग करके सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और बहाली, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शंमुगनाथन रमण**, विद्युत अभियांत्रिकी
- स्मार्ट चाल: स्नायविक विकारों में चाल की निगरानी और पुनर्वास के लिए बुद्धिमान सेंसर-फिट जूते, जैवप्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद्। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उत्तमा लाहिड़ी,** विद्युत अभियांत्रिकी
- एनजीएस डेटासेट में निष्पक्ष पैटर्न खनन: एक अनोखा संगणक जीव विज्ञान दृष्टिकोण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उमाशंकर सिंह**, जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- सामग्री बिंदु विधि का उपयोग करके थर्मल और यांत्रिक इनसल्ट के अधीन ऊर्जावान सामग्री की संगणक प्रतिमान, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो गौरव एस**, सिविल अभियांत्रिकी
- इंसपायर संकाय पुरस्कार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अक्षा वटवानी**, गणित
- भारत के लिए नदी के तलछट का जल विज्ञान और चरम सीमाओं के लिए एक प्रायोगिक परिचालन जलविद्युत प्रतिमान और पूर्वानुमान प्रणाली, भारतीय उष्टकटिबंधीय मौसमविज्ञान संस्थान। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विमल मिश्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- कैंसर में काइमेरिक नैनोपार्टिकल द्वारा माइटोकॉन्ड्रियल केंद्रीय हठधर्मिता को लक्षित करना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुदीप्ता बसु**, रसायन विज्ञान
- बुजुर्गों के लिए प्रौद्योगिकी-सहायता प्राप्त श्रोणि गति लक्षण वर्णन और चाल पुनर्वास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उत्तमा लाहिड़ी**, विद्युत अभियांत्रिकी

- एक सतही भार के आंकलन के लिए उपकरण, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल (इमप्रिंट)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो प्रणब कु मोहापात्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- साइटोसोलिक परिवेश में एंजाइम गतिकी: इंट्रासेल्युलर यांत्रिकी और परिवहन पर एक नया परिप्रेक्ष्य, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कृष्ण कांति डे**, भौतिक विज्ञान
- सोने के नैनोरोड डिमर में नैनोगैप्स के बीच हॉट-स्पॉट को फिर से कॉन्फ़िगर करने के लिए एक फोटो-स्विचेबल प्लास्मोनिक प्रणाली – एनपीडीएफ, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सौम्यकांती खटुआ** (गायत्री जोशी), रसायन विज्ञान
- यादृच्छिक संख्यात्मक रैखिक बीजगणित का उपयोग करके एक उच्च-थ्रूपुट गुरुत्वाकर्षण-लहर खोज पाइपलाइन को बढ़ाना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो आनंद सेनगुप्ता**, भौतिक विज्ञान
- $\mathcal{C}^2$ (2m+1) और एक बेसेल श्रृंखला के लिए रामानुजन-प्रकार के सूत्र, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अतुल अभय दीक्षित**, गणित
- परवलयिक शीश और फ़िल्टर किए गए क्रोनकर मॉड्यूल, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो संजयकुमार अमृत्या**, गणित
- असंतृप्त ऐल्डिहाइडों के स्टिरियोसेलेक्टिव विनालोगस फंक्शनलाइज़ेशन के लिए अनोखा बाइसाइक्लिक सेकेंडरी एमाइन उत्प्रेरक का विकास, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो चंद्रकुमार अप्पायी**, रसायन विज्ञान
- अमाइलॉइडोजेनिक पेप्टाइड और प्रोटीन एकत्रीकरण पर यूरिडो प्रोटीन अपक्षयी संशोधनों का प्रभाव: न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों के लिए निहितार्थ, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शरद गुप्ता**, जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- असमान सामग्री के योगात्मक निर्माण की ऊष्मा स्थानांतरण और पदार्थ बहाव प्रतिमान, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित अरोड़ा**, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- कुछ क्वाड्रिक्स पर बीजगणित संरचनाएं, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो इंद्रनाथ सेनगुप्ता**, गणित
- तुलनात्मक चार्ट और तालिकाओं से विद्वानों की जानकारी निकालना, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मयंक सिंह**, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- मुक्त सीमा मान समस्याएं और एकवचन परवलयिक आंशिक अंतर समीकरण, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जगमोहन त्यागी**, गणित
- मनो-ध्वनिक एकीकरण के साथ सुनने योग्य यंत्रों का डिज़ाइन, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो नितिन वी जॉर्ज**, विद्युत अभियांत्रिकी
- सनकी घूर्णन सिलेंडरों के बीच प्रवाह का वैश्विक स्थिरता विश्लेषण, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विनोद नारायणन**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- भारतीय उपमहाद्वीप और उसके द्वीपों (मिशन-एसजीडी) के साथ पनडुब्बी भूजल निर्वहन (एसजीडी) क्षेत्रों को खोलना– पायलट अध्ययन, भू विज्ञान अध्ययन केंद्र। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार**, भू विज्ञान
- नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए पर्यावरण और आर्थिक रूप से टिकाऊ समग्र समाधान का विकास, गुजरात राजकीय जैवप्रौद्योगिकी मिशन। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार**, भू विज्ञान
- धोलावीरा, कच्छ, भारत की हड़प्पा बस्ती के पतन पर समुद्र के स्तर में उतार-चढ़ाव, जलवायु परिवर्तन या विवर्तनिक गतिविधि का प्रभाव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विक्रांत जैन,** भू विज्ञान
- प्रोटीन समुच्चय की खोज और चित्रण के लिए आणविक जांच का प्रतिमान और संश्लेषण। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो श्रीराम कण्वाह**, रसायन विज्ञान
- स्वास्थ्य और रोग में मस्तिष्क कार्यप्रमाली की कनेक्टिविटी - उन्नत अनुसंधान के लिए भारत-ट्रेंटो कार्यक्रम के तहत।प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कृष्ण प्रसाद मियापुरम**, संज्ञानात्मक विज्ञान
- स्वस्थानी भूजल/मृदा उपचार के लिए कम लागत वाली नई जैविकपदार्थों का विकास: एक सुरक्षित पेयजल उत्पादन परिप्रेक्ष्य। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार** (शांतनु मुखर्जी), भू विज्ञान
- विश्लेषणात्मक संख्या सिद्धांत में प्रश्न - शास्त्रीय और संख्या क्षेत्र सेटिंग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अक्षा वटवानी**, गणित
- स्तन कैंसर के सेल कल्चर मॉडल में ऑटोफैगी को शामिल करने पर छोटे अणु मध्यस्था वाले जी-क्वाड्रप्लेक्स स्थिरीकरण के प्रभावों का अध्ययन करें। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो भास्कर दत्ता** (पियाली मज़ुमदार), जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- गुजरात राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र की स्थापना। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विक्रांत जैन**, भू विज्ञान
- स्कूलों में अधिगमन और प्रेरणा में सहायता करने की जिज्ञासा। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जयसन मंजली**, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
- सॉफ्ट एरर टॉलरेंट सिंक्रोनस और एसिंक्रोनस प्रोसेसर का तुलनात्मक अध्ययन। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जॉयसी मेकी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- अक्षय ऊर्जा स्रोतों के कारण अनिश्चितताओं के लिए लेखांकन द्वारा भविष्य के स्मार्ट ग्रिड के लिए अनुकूली संपीड़न और वितरित राज्य अनुमान एल्गोरिदम का विकास: भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के आवासीय ग्रिड पर अध्ययन का प्रदर्शन। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो बाबजी श्रीनिवासन**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- सामाजिक पसंद के संगणक पहलू: सिद्धांत और व्यवहार। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो नीलधारा मिश्रा**, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- एफएससी का उपयोग करके सक्रिय रूप से कूल्ड Cu घटकों में चैनलों को ठंडा करने के लिए Alt Mfg प्रक्रिया का विकास। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित अरोड़ा**, पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी
- ड्रग इंटरमीडिएट्स और उनके अनुप्रयोगों में बहुरूपता का अध्ययन। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण**, रसायन विज्ञान; सह-अन्वेषक: **प्रो विजय थिरुवेण्कटम**, जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- लीशमैनियासिस के अनोखे निदान के लिए रसायन शास्त्र का नेतृत्व करने के लिए हिट करें। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण**, रसायन विज्ञान
- ऊर्जा सामग्री के रूप में आवेदन के लिए धातु हलाइड पेरोसाइट नैनोक्रिस्टल की सतह पर जटिलता, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कृष्ण कांति डे** (सत्यप्रिय भंडारी), भौतिक विज्ञान
- गांधीपीडिया: गांधीवादी साहित्य, जीवन-घटनाओं और उनके सामाजिक नेटवर्क को ब्राउज़ करने के लिए एक-स्टॉप एआई-सक्षम पोर्टल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मयंक सिंह** (सह-अन्वेषक की तरह), संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- शहरी भारत में इनडोर वीओसी और पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) की सांद्रता और स्रोतों का आकलन करना और चीन और अमेरिका में स्तरों की तुलना करना। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो चिण्मय घोरोई**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- पॉइंट-ऑफ-यूज़ (पीओयू) पानी कीटाणुशोधन के लिए कम लागत वाला और गैर-विद्युत पानी का फ़िल्टर। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो चिण्मय घोरोई**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- शहरी भारत में इनडोर वीओसी और पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) की सांद्रता और स्रोतों का आकलन करना और चीन और अमेरिका में स्तरों की तुलना करना। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो चिण्मय घोरोई**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- परिवर्तन के लिए पानी: तेजी से बढ़ते रहने योग्य शहरों के लिए एकीकृत और उद्देश्य के लिए उपयुक्त जल संवेदनशील डिजाइन ढांचा। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो प्रणब कु मोहापात्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- ऊर्जा-दक्ष कपड़े की रंगाई के अपशिष्ट के पुनःप्रयोज्य के लिए ब्राइन को प्रथक्करण। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जयचंदर स्वामीनाथन**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- उच्च ऊर्जा घनत्व अनुप्रयोगों के लिए ग्राफ सिद्धांत और आणविक सिमुलेशन द्वारा निर्देशित अनोखी झरझरा वास्तुकला के साथ मजबूत और लचीले 3 डी मुद्रित इलेक्ट्रोड का अभिकल्पन और परीक्षण। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मिथुन राधाकृष्ण**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- Co2 के विस्तार द्वारा विस्फोटक का सूक्ष्मनीकरण और एनकैप्सुलेशन - विस्तारित समाधान। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो समीर दलवी**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- भारत भर में सक्रिय उथले क्रस्टल क्षेत्रों में ग्राउंड मोशन मॉडलिंग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो संजय सिंह बोरा**, भू विज्ञान
- हल्के विस्फोट-प्रतिरोधी कवचों को डिजाइन करने के लिए बोरॉन-आधारित नैनोशीट्स प्रबलित बहुलक मैट्रिक्स का विकास करना। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कबीर जसूजा**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- क्वांटम हीट इंजन के काम में उतार-चढ़ाव का अनुकूलन। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो बी प्रसन्ना वेण्कटेश**, भौतिक विज्ञान
- प्राकृतिक रूप से उपलब्ध गैर-विषाक्त स्थिर सामग्री और औद्योगिक ठोस कचरे का उपयोग करके Co2 कैप्चर के लिए कम लागत प्रभावी और स्केलेबल सामग्री का विकास।प्रमुख अन्वेषक: **प्रो चिण्मय घोरोई**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- पृथ्वी प्रणाली मॉडल आउटपुट को कम करने के लिए भौतिकी निर्देशित सुपर-रिज़ॉल्यूशन दृष्टिकोण और मूल्यांकन रणनीतियों का विकास करना। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उदित भाटिया**, सिविल अभियांत्रिकी
- फिक्स्ड-बेस और पृथक जेनेरिक फास्ट रिएक्टर का भूकंपीय प्रदर्शन मूल्यांकन। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार**, सिविल अभियांत्रिकी
- आरएफ अनुप्रयोगों के लिए स्व-संरेखित डबल पॉलीसिलिकॉन एमिटर सिलिकॉन बाइपोलर ट्रांजिस्टर की डिजाइन सक्षमता। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निहार रंजन मोहापात्रा**, विद्युत अभियांत्रिकी
- मल्टीकंपोनेंट भूकंपीय उत्तेजना: डिजाइन स्पेक्ट्रा की विशेषता और संयोजन नियम विकसित करना। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीमन बसु**, सिविल अभियांत्रिकी
- बिजली से चलने वाले प्रवाह में मिश्रण: रियोलॉजी के प्रभाव। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उद्दीप्ता घोष**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- बायोमेडिकल एप्लीकेशन में कॉम्बिनेटरियल थेरेपी के लिए अनोखी सामग्री विकास के लिए एक अभियांत्रिकी दृष्टिकोण। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुपर्ब के मिश्रा**, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- धातु-तरल ऑक्सीडाइज़र ऊर्जावान सामग्री में गणितीय मॉडलिंग और लौ प्रसार का अनुकरण। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो दिलीप श्रीनिवास सुंदरम**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- विद्युत, टेम्पोरल और तार्किक मास्किंग पर जगह अनुप्रयोग आधार के लिए सर्किट में बहु घटना ट्रांसिएंट्स के कारण त्रुटि की संभावना का पता लगाना। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जॉयसी मेकी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- अक्षीय सीमा परतों में रैखिक अस्थिरताओं का नियंत्रण। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विनोद नारायणन**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- अगली पीढ़ी के कैंसर कीमोथेरेपी के लिए चुनिंदा एंटी-एपोप्टोटिक बीसीएल -2 परिवार प्रोटीन द्वारा माइटोकॉन्ड्रियल क्षति को प्रेरित करने के लिए छोटे अणुओं का विकास। प्रमुख अन्वेषक: **डॉ सोपान वलीबा शिंडे** (एनपीडीएफ) व **प्रो सुदीप्ता बसु** (मार्गदर्शक), रसायन विज्ञान
- आयनिक लिक्विड-बायोपॉलिमर मैट्रिक्स में माइक्रोबुल्स का उपयोग करके दवा वितरण और ऊतक पुनर्जनन अनुप्रयोगों के लिए मचानों का निरंतर उत्पादन। प्रमुख अन्वेषक: डॉ मोहित जे मेहता (एनपीडीएफ) व **प्रो समीर दलवी** (मार्गदर्शक), रासायनिक अभियांत्रिकी
- **इलेक्ट्रिक वाहन अनुप्रयोगों के लिए ड्राइव।** प्रमुख अन्वेषक: **प्रो रागवन कनगराज** व **प्रो नारण पिंडोरिया** (सह-अन्वेषक), विद्युत अभियांत्रिकी
- तंत्रिका नेटवर्क और उनके अनुप्रयोगों का ग्राफ़ बनाएं। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शंमुगनाथन रमण**, विद्युत अभियांत्रिकी
- खाद्य सुरक्षा और अनुप्रयुक्त पोषण के लिए वैज्ञानिक

सहयोग के लिए नेटवर्क। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो भास्कर दत्ता,** जीवविज्ञान अभियांत्रिकी

- मार्जिन क्लीयरेंस के लिए ओरल कैंसर और स्वस्थ ऊतक का सीमांकन करने के लिए बायोमार्कर की पहचान करने के लिए मल्टी-ओमिक विश्लेषण। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अनिर्बन दासगुप्ता,** संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, एवं **प्रो शर्मिष्ठा मजुमदार,** जीवविज्ञान अभियांत्रिकी (सह-अन्वेषक)
- आरएफ अनुप्रयोगों के लिए स्व-संरेखित डबल पॉली सिलिकॉन एमिटर सिलिकॉन बाइपोलर ट्रांजिस्टर की डिजाइन सक्षमता। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निहार रंजन मोहापात्रा,** विद्युत अभियांत्रिकी
- टिकाऊ और ऊर्जा कुशल इमारतों के लिए सामग्री, इकोले नॉर्मले सुप्रीयर डी कचन, फ्रांस। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अतुल भार्गव,** यांत्रिक अभियांत्रिकी
- सौर फोटोवोल्टिक पर वायु प्रदूषण के प्रभाव को समझना और सौर संयंत्रों के बेहतर प्रदर्शन के लिए सतह अभियांत्रिकी पैनल सामग्री विकसित करना, ड्यूक विश्वविद्यालय, संराअ। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो चिण्मय घोरोई,** रासायनिक अभियांत्रिकी
- हिमालयी नदी प्रणाली के सतत प्रबंधन के लिए भू-आकृतिक उपकरण का विकास और अनुप्रयोग, भारत, ऑकलेंड विवि, न्यू जीलेंड. प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विक्रांत जैन,** भू विज्ञान
- गैर-रेखीय ध्वनिक मेटामटेरियल्स का विश्लेषणात्मक और कम्प्यूटेशनल अध्ययन, टेकनियन- इज़राइल प्रौद्योगिकी संस्थान, इजरायल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जयप्रकाश के आर,** यांत्रिक अभियांत्रिकी
- विश्लेषणात्मक और संयोजक संख्या सिद्धांत में समस्याएं, किंग्सटन का क्वींस विश्विद्यालय, कनाडा। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अतुल दीक्षित,** गणित
- सतत विकास लक्ष्यों के लिए एक सूत्रधार के रूप में स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत, फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो आलोक कुमार कानूनगो,** मानविकी
- सिंगल डिग्री-ऑफ-फ्रीडम द्विपक्षीय गैट ट्रेनर का उपयोग करके लोकोमोटर अनुकूलन का अध्ययन, ऑस्टिन में टेक्सस विश्वविद्यालय, संराअ। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विनीत वशिष्ट,** यांत्रिक अभियांत्रिकी
- शरीर में पहने जाने वाले सेंसर का उपयोग करके चलने के दौरान चाल और संतुलन का आकलन करना, कोलंबिया विश्वविद्यालय, संराअ। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विनीत वशिष्ट,** यांत्रिक अभियांत्रिकी
- बहु-रंग आणविक इमेजिंग जांच के रूप में एनआईआर पोर्फिरिन-सूक्ष्मबुलबुले। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो समीर दलवी,** रासायनिक अभियांत्रिकी
- झरझरा धातु संरचनाओं के उत्पादन के लिए एक नई वैक्यूम आधारित प्रक्रिया का विकास। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अभय राज सिंह गौतम,** पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- न्यूरोइमेजिंग गाइडेड नॉन-इनवेसिव इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेशन के संयोजन के साथ वीआर-आधारित एक्सर्जिंग प्लेटफॉर्म। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उत्तमा लाहिड़ी,** विद्युत अभियांत्रिकी
- उच्च प्रदर्शन संख्यात्मक सिमुलेशन और घूर्णी प्रवाह में कण परिवहन और अशांति की प्रयोगात्मक जांच: इसेंट्रिक और शंक्वाकार टेलर-कूएट कॉन्फ़िगरेशन के लिए अनुप्रयोग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उद्दीप्ता घोष,** यांत्रिक अभियांत्रिकी
- CO2 के शुष्क सुधार के लिए उच्च एन्ट्रापी मिश्र धातु नैनोकणों के CeO2 उत्प्रेरक, (एसटीएआरएस) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुधांशु शर्मा,** रसायन विज्ञान
- साइट विशिष्ट जोखिम विश्लेषण के लिए ज़मीनी गतिविधि की भविष्यवाणी: गुजरात, पश्चिमी भारत से प्रदर्शित केस अध्ययन, (एसटीएआरएस) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो संडय सिंह बोरा,** भू विज्ञान
- हाइड्रोलॉजिकल प्रक्रियाओं की भविष्य कहनेवाला समझ के लिए भौतिकी निर्देशित डेटा विज्ञान दृष्टिकोण, (एसटीएआरएस) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उदित भाटिया,** सिविल अभियांत्रिकी
- भूकंपीय उत्तेजना के लिए महत्वपूर्ण अभिविन्यास को समझना और भारतीय उपमहाद्वीप के लिए संबद्ध जीएमपीई विकसित करना, (एसटीएआरएस) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीमन बसु,** सिविल अभियांत्रिकी
- हाइड्रो जियोमॉर्फिक मॉडलिंग का उपयोग करके जलवायु परिवर्तन परिदृश्य के तहत एंथ्रोपोसीन में उष्णकटिबंधीय नदियों में बाढ़ जोखिम का मूल्यांकन, (एसटीएआरएस) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विक्रांत जैन,** भू विज्ञान
- स्तरित हाइब्रिड पेरोव्स्काइट्स पर आधारित कम लागत, उच्च दक्षता वाले स्थिर फोटोवोल्टिक का उपयोग करना, (एसटीएआरएस) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो रूपक बनर्जी,** भौतिक विज्ञान
- अलवणीकरण अनुप्रयोगों के लिए अभ्रक और सी-नाइट्राइड शीट पर उप-एनएम छिद्रों का विद्युत रासायनिक निर्माण, (एसटीएआरएस) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो गोपीनाधन केलन,** भौतिक विज्ञान
- दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया का मुकाबला करने के लिए जीवाणुरोधी पॉलिमर, (एसटीएआरएस) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अभिजीत मिश्रा,** पदार्ध विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

परामर्श परियोजनाएं

2020-21 के दौरान प्रायोजित परियोजनाएं

- स्केलेबल ऊर्जा पृथक्करण के लिए तकनीकों का विकास करना, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निपुन बत्रा,** संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- जलवायु परिवर्तन के दृष्टिकोण से गुजरात राज्य पर कोविड-19 के प्रभाव, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विमल मिश्रा,** सिविल अभियांत्रिकी
- मेहसाणा में अंबुजा सेटअप के लिए भूजल गुणवत्ता की जांच, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार** (ईएस)
- मेहसाणा में गोपीनाथ केम-टेक लिमिटेड की स्थापना के लिए भूजल गुणवत्ता की निगरानी, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार** (ईएस)
- प्रोत्साहन उत्तरदायी दवा वितरण अनुप्रयोगों के लिए डीएनए हाइड्रोजेल, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीरज भाटिया,** जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- लिफ्ट दरवाजे के लिए रैखिक इलेक्ट्रिक मशीन, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो रागवन के,** विद्युत अभियांत्रिकी
- गुजरात में एमएच-141 पर एलसी-236 पर इंटरचेंज सह रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण से संबंधित जमीनी सुधार उपायों की समीक्षा, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित प्रशांत,** सिविल अभियांत्रिकी
- वैकल्पिक तरीकों और कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स (सीएफडी) सिमुलेशन के माध्यम से बाद में हटाने के लिए मलबे/गंदगी की पहचान और लक्षण वर्णन, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो रवि शास्त्री अय्यागरी वेंकट एस, प्रो विनोद नारायणन,** यांत्रिक अभियांत्रिकी
- मेसर्स सिनर्जिया लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड से किण्वन के नमूने का मेटागेनोमिक्स अध्ययन, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार** (ईएस), भू विज्ञान
- तापी नदी के पास सूरत में पाइपलाइन के लिए संरक्षण कार्य, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित प्रशांत,** सिविल अभियांत्रिकी
- चक्र गैस पर्ज लाइन के लिए एमओसी के रूप में कार्बन स्टील के लिए संक्षारण भत्ता विश्लेषण, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित अरोड़ा,** पदार्थ अभियांत्रिकी
- ऑल इंडिया रेडियो, अहमदाबाद में 175 मीटर ऊंचे मस्तूल की ऊर्ध्वाधरता और मोड़ की जाँच करना, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार,** सिविल अभियांत्रिकी
- एकीकृत बाल सेवा योजना की टेक होम राशन सेवा: भारत के चुनिंदा राज्यों में स्थिति का दस्तावेजीकरण, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मालविका ए सुब्रमण्यम,** एचएसएस
- मानव अपशिष्ट प्रसंस्करण के माध्यम से उपयोगी उत्पाद तैयार करना, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो भास्कर दत्ता,** जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- सीईटीपी आईईपीएस सिविल कार्यों, परियोजना सुविधाओं और ईएमआई के लिए रिग्रेशन विश्लेषण, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उदित भाटिया,** सिविल अभियांत्रिकी
- जलवायु विज्ञान और मॉडलिंग पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उदित भाटिया,** सिविल अभियांत्रिकी
- जूनागढ़ और गीर सोमनाथ जिले में अवैध चूना पत्थर खनन के लिए मौद्रिक दृष्टि से शुद्ध वर्तमान मूल्य और पर्यावरणीय क्षति के मूल्यांकन के लिए अध्ययन रिपोर्ट, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार,** भू विज्ञान
- सीयू/सीडी त्रिअक्षीय परीक्षण के लिए अभियंताओं का प्रशिक्षण, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अजंता सचान,** सिविल अभियांत्रिकी
- कच्छ के रण में 5 गीगावाट पवन-सौर हाइब्रिड परियोजना के लिए क्षेत्र जल निकासी अध्ययन, सड़क नेटवर्क डिजाइन और रसद समर्थन, गुजरात, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित प्रशांत,** सिविल अभियांत्रिकी
- एपीआई और 3डी-संरचना पहचान के लिए अनुकूलन क्रिस्टलीकरण परीक्षण, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विजय थिरुवेण्कटम,** जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- प्रोटीन का अनुकूलन और शुद्धिकरण, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विजय थिरुवेण्कटम,** जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- स्वास्थ्य संबंधी उपकरणों और समाधानों के लिए परामर्श, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीरज भाटिया,** जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
- अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना, फेज-1, वस्त्रल गाम से अपैरल पार्क तक की प्राथमिकता पहुंच में चयनित संरचनात्मक सदस्यों का तकनीकी ऑडिट, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीश कुमार,** सिविल अभियांत्रिकी
- सीवेज उपचार संयंत्र सिविल कार्यों, परियोजना सुविधाओं और ईएमआई के लिए प्रतिगमन विश्लेषण, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उदित भाटिया,** सिविल अभियांत्रिकी
- सीओएमएसओएल बहुभौतिकी परिमित तत्व टीटीआईपी तरल के वाष्प में रूपांतरण का अनुकरण, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो गोपीनाधन केलन,** पदार्थ अभियांत्रिकी
- मीथेन समृद्ध गैस उत्पन्न करने के लिए बायोमास पायरोलिसिस/गैसीकरण, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुधांशु शर्मा,** रसायन विज्ञान
- ऑल इंडिया रेडियो पर 183 मीटर ऊंचे पुरुष मस्तूल की ऊर्ध्वाधरता और मोड़ की जाँच करना, राजकोट, प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीश कुमार,** सिविल अभियांत्रिकी

बौद्धिक संपदा

2020-21 के दौरान सौंपे गए एकस्व अधिकार इस प्रकार हैं:

1. फार्मास्युटिकल संरचना और उसको तैयार करने की प्रक्रिया: आविष्कारक **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण, प्रोफेसर विजय थिरुवेंकटम, कपिल जुवाले, विजय सिंह, गायत्री पुरुषोत्तम** और **अल्ताफ शेख** हैं। एकस्व अधिकार संख्या: 347060
2. विसूमोटर डिसफंक्शन निदान और इसके संचालक कंडीशनिंग के लिए स्मार्ट नेत्र प्रणाली: आविष्कारक **प्रो उत्तमा लाहिड़ी, अनिर्बन दत्ता** और **अभिजीत दास** हैं। अमेरिकी एकस्व अधिकार संख्या: 10,973,408

2020-21 के दौरान फाइल किए गए एकस्व अधिकार इस प्रकार हैं:

1. चुंबकीय हाइब्रिड नेनोकॉमपोजिट तथा उसके निर्माण की प्रक्रिया: आविष्कारक **मनीष कुमार सिंह** तथा **नीरवकुमार प्रद्युमन रावल** हैं।
2. एक स्मार्ट संकेत ट्रेकर बेंड: आविष्कारक **रुज़वान अरीज़ खबट्टा** तथा **चंदन कुमार झा** हैं।
3. हाथ का नियंत्रण और उंगलियों की हरकत जांचने वाली प्रणाली: आविष्कारक **चंदन कुमार झा** और **प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती** हैं।
4. एंटी-वायरल सतही परत और एक परत चढ़ाने की प्रक्रिया: आविष्कारक **प्रो एमिला पांडा, प्रो वीरुपक्षी सोपिन्ना, रवि तेजा मित्तिरेड्डी** और **निशाबेन एम पटेल** हैं।
5. एक उत्प्रेरक की संरचना तथा उसके निर्माण की प्रक्रिया: आविष्कारक **प्रो सुधांशु शर्मा** तथा **प्रदीप कुमार यादव** हैं।
6. एक फ्यूरोफोर अणु तथा उसके प्रसंस्करण की प्रक्रिया: आविष्कारक **प्रो श्रीराम कण्वाह गुंडिमेदा, तरुश्याम मुखर्जी,** तथा **प्रो वीरुपक्षी सोप्पिना** हैं।
7. इंडज़ोल डेरीवेटिव तथा उसके निर्माण की प्रक्रिया: आविष्कारक **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण, कपिल जुवले, प्रो विजय थिरुवेंकटम, सचिन पुरी, नमिता हेगड़े, ऐश्वर्या मेनन** तथा **अल्ताफ शेख** हैं।

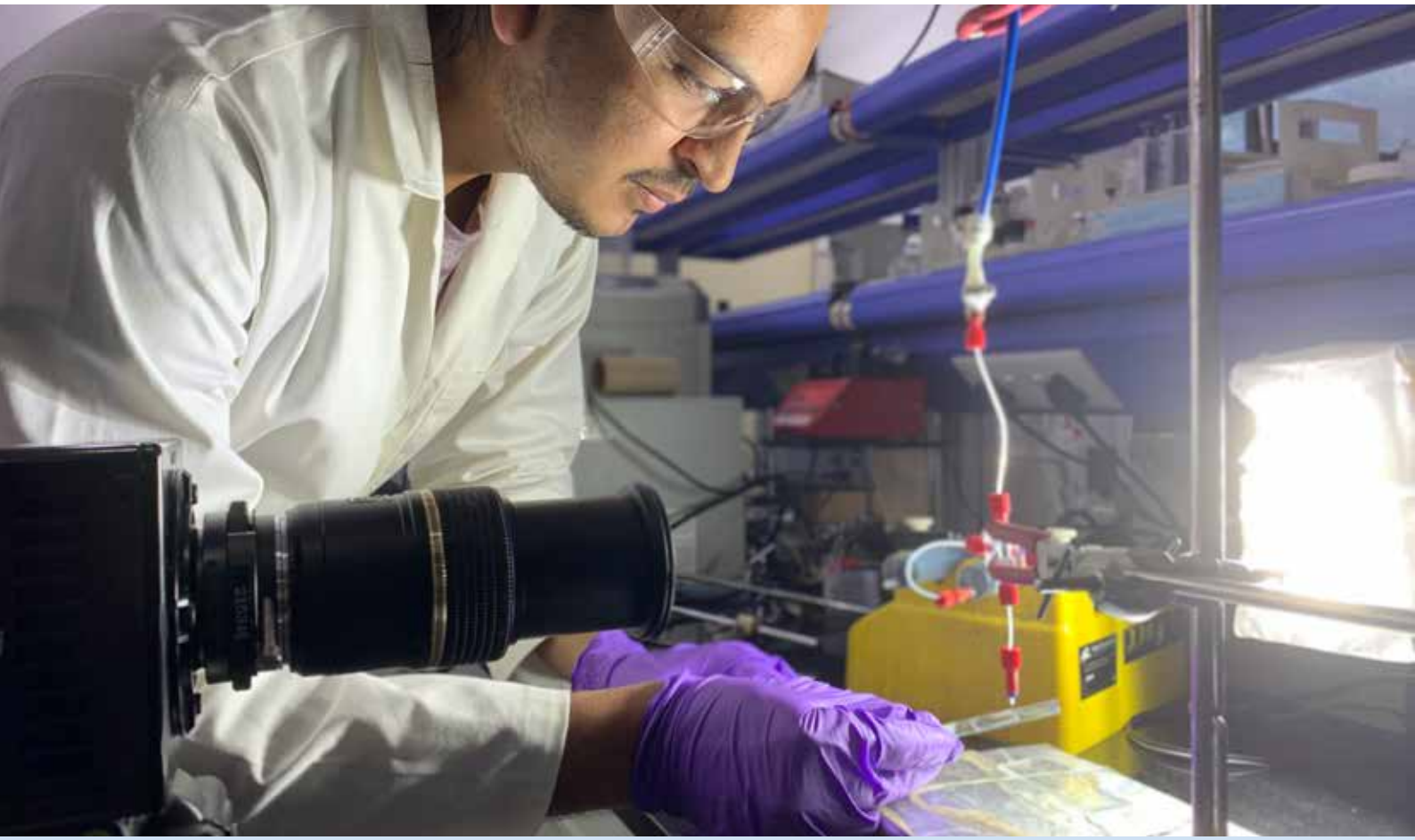

शोध गतिविधियां
आयोजन एवं बाहरी पहुंच

अनुसंधान और सहयोगी कार्यक्रम जैसे सम्मेलन, कार्यशालाएं, परिसंवाद और संगोष्ठियां अकादमिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं जो महत्वपूर्ण विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला पर चर्चा को प्रोत्साहित करने में मदद करते हैं। इनमें से कई गतिविधियां अन्य संगठनों से भागीदारी को आमंत्रित करती हैं और विभिन्न स्तरों पर संस्थान की दृश्यता को बढ़ाती हैं। 2020-21 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया:

सम्मेलन

केमाथन 1.0

रसायन विज्ञान ने जुलाई 11-12, 2020 को आभासी रूप से केमाथन 1.0 का आयोजन किया। इस सम्मेलन में युवा शोधकर्ताओं को हेटेरोजीनियस केटेलिसिस के क्षेत्र में ज्ञान अर्जन करने का एक मंच प्रदान किया, जो स्थायी भविष्य के लिए केंद्रीय विज्ञान माना जाता है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में भाप्रौसं, सीएसआईआर, टीआईएफआर तथा बीआईटीएस जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रसिद्ध वक्ताओं ने ऊर्जा रूपांतरण व ईंधन कोषिका अनुसंधान के वर्तमान व भावी शोध निहितार्थ पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन **प्रो सुधांशु शर्मा** ने किया था।

एनपीएससी 2020

राष्ट्रीय विद्युत प्रणाली सम्मेलन (एनपीएससी 2020) का 21वां संस्करण भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के विद्युत अभियांत्रिक विषय द्वारा 17-19 दिसंबर, 2020 के दौरान 'सतत ऊर्जा और लचीला भविष्य ग्रिड' विषय पर ऑनलाइन आयोजित किया गया था। सम्मेलन में दो उद्योग-अकादमिक पैनल सत्र, चार ट्यूटोरियल सत्र और 132 तकनीकी पेपर प्रस्तुतियाँ और 14 मुख्य वार्ताएं थीं। भारत और विदेशों से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। सम्मेलन के आयोजक अध्यक्ष **प्रो नारण पिंडोरिया** थे।

31वीं आईएजीआरजी बैठक

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में भौतिक विज्ञान में 19-20 दिसंबर, 2020 को एक वेब सम्मेलन के रूप में भारतीय सामान्य सापेक्षता व गुरुत्वाकर्षण संगठन (आईएजीआरजी) की 31 वीं बैठक का आयोजन किया। वेब सम्मेलन का व्यापक विषय था - 'ब्लैक होल्स से क्वासिनॉर्मल मोड्स'। सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों और विषय विशेषज्ञों को वक्ताओं के रूप में आमंत्रित किया गया था। सम्मेलन का संचालन **प्रो सुदीप्ता सरकार, अर्पण भट्टाचार्य** और **आनंद सेनगुप्ता** ने किया।

कार्यशालाएं

- संकाय आवेदन प्रक्रिया नेविगेट करना, प्रो हिमांशु शेखर द्वारा मई 15, तथा जून 13, 2020, तथा **प्रो हरीश पी एम** द्वारा जून 20, 2020।
- भावनात्मक लचीलापन पर कार्यशाला, **सुश्रि रश्मि दत्त**, एक संगठन विकास परामर्शदाता द्वारा, मई 27, 2020।
- एसीएम-डब्लू ग्रेकोहोर्ट 2020, महिलाओं के लिए कम्प्यूटिंग पर भारत भर में तीसरा संस्करण, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, एसीएम-डब्लू भारत परिषद् तथा गूगल व टीसीएस द्वारा सहयोग प्राप्त, जुलाई 24 से 26, 2020। **प्रो नीलधारा मिश्रा** ने इस कार्यशाला का संचालन किया था।
- क्यूएफटी व एडएस/सीएफटी में क्वांटम सूचना, अगस्त 6-7, 2020। सह-आयोजक, **प्रो अर्पण भट्टाचार्य**, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर; **प्रो शुभो रॉय**, आईआईटीएच; तथा **प्रो अनिंदा सिन्हा**, भाविसं बेंगलोर।
- गुरुत्वाकर्षण तरंगों का उपयोग करके सामान्य सापेक्षता का परीक्षण, अगस्त 13-14, 2020। सह-आयोजक, **प्रो सुदीप्ता सरकार**, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर; तथा **प्रो सुमंता चक्रवर्ती**, आईएसीएस, कलकत्ता। इस कार्यक्रम में **प्रो अभय अशेतकर**, निदेशक, गुरुत्वाकर्षण भौतिकी व ज्यामिती, पेंसिलवेनिया राजकीय विवि, संराअ, द्वारा एक विशेष वक्तव्य भी दिया गया।
- भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के स्टाफ सदस्यों के लिए फिल्म व ऑडियो निर्माण, **श्री देवर्श बरभाया**, संचार सहायक, बाह्य संचार, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, सितम्बर 30 - अक्टूबर 1, 2020।
- ईक्यूएएल- प्रामाणिक नेतृत्व के लिए भावनात्मक भागफल, **सुश्री रश्मि दत्त**, एक संगठन विकास परामर्शदाता व प्रशिक्षक, अक्टूबर 3, 2020।
- लिंग को समझना, **सुश्री मानविता बराडी**, निदेशक, यूएमसी एशिया, अक्टूबर 16, 2020।
- भविष्य के संकाय सदस्य: विज्ञान की छाया के पीछे एक वैज्ञानिक का जीवन, **प्रो हार्दिक पांड्या**, सहायक प्राध्यापक, विद्युत प्रणाली अभियांत्रिकी विभाग, भाविसं बेंगलोर, अक्टूबर 25, 2020।
- कारगर अवरस्नातक विद्यालय अनुप्रयोग निर्माण, **प्रो हिमांशु शेखर**, अक्टूबर 24, 31, तथा नवम्बर 1, 2020।
- शिक्षण प्रोत्साहन संस्थान के अनुसंधान व शिक्षण का संतोलन, **डॉ मयूरी रेगे**, डीएसटी-इंसपायर संकाय, सूक्ष्मजैविकी विभाग, रामानरियन रुइया स्वायत्त विद्यालय, मुंबई, नवम्बर 7, 2020।
- राइनोसेरॉस (पाठ 6) के प्रयोग से मूलभूत 3डी प्रतिरूपण कार्यशाला, **श्री सिंहरा कन्नप्पन**, अभिकल्प व नवीनता केंद्र, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, नवम्बर 21, 2020।
- तकनीकी स्टाप के लिए उपकरण-प्रयोग व नियंत्रण, **प्रो एस राजेन्द्रन, प्रो गोपीनाथन केलन**, तथा **श्री प्रगनेश पारेख**, दिसम्बर 14-24, 2020।
- सोच। अभिकल्प। छपाई। - 3डी छपाई कार्यशाला, **श्री तनवीर खोरजिया**, मेकर भवन, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, जनवरी 21 & 22, 2021।
- आईईईई प्रकाशनों के प्रयोग से शोध व नवीनता का प्रोत्साहन (आईईईई एक्सप्लोर), **डॉ धनुकुमार पट्टनाशेट्टी**, वरिष्ठ क्लाइंड सेवा प्रबंधक, आईईईई, जनवरी 25, 2021।
- साईफाइंडर-एन के उपयोग से अपने शोध की उन्नति, **श्री रोहन कोहोक**, उपभोक्ता सफलता विशेषज्ञ, एसीएसआई भारत, जनवरी 27, 2021।
- विज्ञान का वेब: अपने शोध को नए स्तर ले जाएं, **डॉ सुभाश्री नाग**, निदान परामर्शदाता, वैज्ञानिक अनुसंधान अनुबाग, क्लेरीवेट एनेलिटिक्स, फरवरी 1, 2021।
- आखिरी टिप्पणी-उद्धरण प्रबंधन को सरल बनाएं, **डॉ सुभाश्री नाग**, निदान परामर्शदाता, वैज्ञानिक अनुसंधान अनुबाग, क्लेरीवेट एनेलिटिक्स, फरवरी 05, 2021।
- मूडल कार्यशाला, **सुश्री नेहा महेश्वरी**, आईएमएस, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, फरवरी 22, 2021।
- लेखन की मौलिकता तथा एक गुणवान तकनीकी पत्र को प्रकाशित कराना, **डॉ धनुकुमार पट्टनाशेट्टी**, वरिष्ठ क्लाइंड सेवा प्रबंधक, आईईईई, फरवरी 23, 2021।
- अनुसंधान कार्यप्रवाह में स्कोपस को निहित करना, **डॉ शुभ्रा दत्ता**, उपभोक्ता परामर्शदाता (प्रमुख अन्तर्वस्तु) - दक्षिण एशिया तथा ए व जी टीम, एलजेवियर प्रकाशक, फरवरी 25, 2021।
- जेएआईएसटी -भा०प्रौ०सं० गांधीनगर अतंरराष्ट्रीय कार्यशाला: भा०प्रौ०सं० गांधीनगर तथा जापान उन्नत विज्ञान व प्रौद्योगिकी संस्थान (जेएआईएसटी) ने संयुक्त रूप से 'महामारी व उसके पश्चात शिक्षा' शीर्षक पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की, मार्च 8-9, 2021। इसके उद्घाटन समारोह में **प्रो सुधीर कुमार जैन**, निदेशक, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, तथा **प्रो तेरानो मिनोरू**, अध्यक्ष, जेएआईएसटी उपस्थित थे। **प्रो शुंगो कवनशी**, अनुसंधान प्राध्यापक, विश्व संचार केंद्र, जेएआईएसटी ने मुख्य व्याख्यान दिया। दो दिवसीय कार्यशाला में दोनों संस्थानों के कुल आठ संकाय सदस्यों, आठ स्टाफ सदस्यों और 16 छात्रों ने भाग लिया।
- राइनोसेरॉस के प्रयोग से मूलभूत 3डी प्रतिरूपण, **श्री सिंहरा कन्नप्पन**, उत्पादन अभिकल्पक, अभिकल्प व नवीनता केंद्र, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, मार्च 8, 10, 12, 2021।
- पीएचडी का रहस्योद्घाटन: वास्तविकता तथा उम्मीदों का प्रबंधन, **प्रो हिमांशु शेखर**, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, मार्च 13 & 14, 2021।
- सोच। अभिकल्प। काटो। - लेजर से काटने की कार्यशाला, **श्री तनवीर खोरजिया**, मेकर भवन, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, मार्च 17-19, 2021।
- मेनडेले को निहित करना - अपने अनुसंधान कार्यप्रवाह में उद्धरण प्रबंधन सॉफ्टवेयर, **डॉ शुभ्रा दत्ता**, उपभोक्ता परामर्शदाता, दक्षिण एशिया ए व जी टीम, एलजेवियर प्रकाशक, मार्च 18, 2021।

परिसंवाद/संगोष्ठियां/वेबीनार

आभासी सम्मेलन श्रंखला

सीखना कभी नहीं रुकना चाहिए, इस विचार का प्रतिनिधित्व करते हुए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने अपने संकाय सदस्यों द्वारा एक आभासी संगोष्ठी श्रृंखला शुरू की, जो 24 अप्रैल, 2020 से शुरू हुई, और 2020 की गर्मी की छुट्टी के अंत तक जारी रही। कुल 11 संगोष्ठियों में गैर-सामान्य दर्शकों के लिए प्रकृति में तकनीकी और ब्लैक होल भौतिकी, नेनो प्रौद्योगिकी, नागाओं की संस्कृति और परंपरा के आकर्षक पहलुओं, मनुष्यों और वायरस के बीच संबंध, विभाजन के सिद्धांत में रामानुजन की प्रगति, कांच की सामग्री के गुण, भाषाओं सहित भारत की लिपियों, द्रव यांत्रिकी आदि, विविध विषयों को समाहित किया गया। श्रृंखला का समन्वय **प्रो सुदीप्ता सरकार** द्वारा किया गया था।

भूसंरचनाओं पर आईजीआरआईपी वेबीनार श्रंखला

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में भूतकनीकी अनुसंधान व नवीनता अभ्यास पहल (आईजीआरआईपी) ने अप्रैल 27, 2020 को एक वेबीनार श्रंखला का आयोजन किया जिसमें विशेषज्ञों को अपने अनुभव साझा करने का एक मंच प्रदान हुआ। 9 वेबीनार आयोजित की गईं जिसमें सिविल अभियांत्रिकी के विश्व भर के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया जिसमें, **डॉ नरेश सी समतानी, श्री विवेक कपाड़िया, प्रो मिशेल डेनीनो, डॉ आर चित्रा, डॉ केंजी वतनबे, श्री विनय कुमार सिंह, डॉ यू एस सरमा, श्री अचल खरे**, और **डॉ वल्लम सुंदर** शामल थे। कुल मिलाकर, लगभग 2800 छात्रों, पेशेवरों और शोधकर्ताओं ने इन वेबिनार में भाग लिया। श्रृंखला का संचालन **प्रो अजंता सचान** ने किया।

प्रो जैन के साथ फायरसाइड बातचीत

प्रो सुधीर कु जैन, निदेशक, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, ने 9 जुलाई, 2020 को संकाय भर्ती पर एक ऑनलाइन फायरसाइड बातचीत वेबिनार शुरू किया। वेबिनार में भा०प्रौ०सं० गांधीनगर की वैश्विक ख्याति और इसकी नवीन रणनीतियों का संस्थान बनने की महत्वाकांक्षी यात्रा तथा सभी विषयों में विश्व स्तरीय शिक्षकों की भर्ती करने पर प्रो जैन के साथ एक फ्री-व्हीलिंग बातचीत दिखाई गई। उन्होंने भा०प्रौ०सं० गांधीनगर की वैश्विक दृष्टि, अकादमिक नवाचारों, अनुसंधान आकांक्षाओं, अंतःविषय, कार्यक्रम के उद्देश्यों और पुरस्कार विजेता परिसर पर भी चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन **प्रो मेहरा** और **प्रो बी प्रसन्ना वेंकटेश** ने किया।

नेतृत्व बातचीत श्रंखला

इंदिरा नेतृत्व विकास पहल प्रतिष्ठान ने भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में एक ऑनलाइन बातचीत श्रंखला शुरू की जिसका शीर्षक था नेतृत्व बातचीत, जिसमें भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों ने नेतृत्व पर अपने अनुभव, दृष्टिकोण तथा विचारों को विद्यार्थियों व बाहरी प्रतिभागियों के समक्ष रखा। सितम्बर 2020 से मार्च 2021 तक कुल पाच सत्र आयोजित हुए जिसमें विश्वभर के छः विशेषज्ञ/

श्री एम पंत

श्री ए गुप्ता

सुश्री एल बोटेलहो

श्री आर एल गुप्ता

श्री एन राकेश

डॉ जे विंड

उद्योगपतियों ने उपस्थिति दी, जिसमें **श्री मुक्तेश पंत, श्री अंशु गुप्ता, सुश्री एलेना एल बोटेलहो, श्री राज एल गुप्ता**, तथा **श्री नितिन राकेश** व **डॉ जेरी विंड** आभासी रूप से मौजूद प्रतिभागियों के समक्ष आए। **श्री मुकुल पांड्या**, पूर्व प्रमुख संपादक, नॉलेज@व्हार्टन तथा **प्रो अचल मेहरा**, अभ्यागत प्राध्यापक, एचएसएस, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने इस कार्यक्रम का संचालन किया।

गांधी तथा आदिवासियों के सवाल पर वेबीनार

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर और फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया, एसपीएआरसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के समर्थन से, 1 अक्टूबर, 2020 को 'गांधी और आदिवासी प्रश्न' पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। कई गांधीवादी विशेषज्ञ, विद्वान और आदिवासी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न विषयों पर अंतःविषय पैनल चर्चा के लिए वेबिनार में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन **प्रो निशांत चौकसी** और **प्रो आलोक कुमार कानूनगो** ने किया।

कहानी कहने पर वेबीनार श्रंखला

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने 'कहानी कहने, ट्रांसमेडियेलिटी, तथा दृष्यता का सौंदर्य शास्त्र' शीर्षक पर नवम्बर 3-9, 2020, को एक वेबीनार श्रंखला चालू शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) के तहत आयोजित की। सप्ताह-भर चलने वाले आभासी कार्यक्रम में लंबे व्याख्यान, वार्ताएं, आलोचनात्मक/सृजनात्मक सुझाव तथा विभिन्न संचार माध्यमों की अनोखी कहानियों पर लेक-डेम्स शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन **प्रो अर्नपूर्णा रथ** ने किया।

भारतीय वैज्ञानिक 2.0 पर श्रंखला

नवम्बर 21, 2020 को भारतीय वैज्ञानिक 2.0 संगोष्ठी श्रंखला के दूसरे संस्करण में हरीश-चंद्र तथा सी वी रमण के जीवन के ऊपर दो आभासी संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। **प्रो सी एस अरविंद**, टीआईएफआर सीएएम, बेंगलोर ने "हरी-चंद्रः गणित विद्वान तथा जादूगर" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया। भा०प्रौ०सं० गांधीनगर से **प्रो रूपक बनर्जी** ने "प्रो सी वी रमण का जीवन, कार्य तथा विरासत" पर व्याख्यान दिया। इस संगोष्ठी श्रंखला का संचालन **प्रो सुदीप्ता सरकार** तथा **प्रो मिशेल डेनीनो** ने किया था।

मशीन अधिगम पर भारतीय परिसंवाद

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर और भा०प्रौ०सं० खड़गपुर ने संयुक्त रूप से 16-18 दिसंबर, 2020 के दौरान 'विज्ञान के लिए दृष्टि तथा दृष्टि के लिए विज्ञान' विषय पर मशीन अधिगम (इंडोएमएल) पर पहली भारतीय परिसंवाद का आयोजन किया। दुनिया भर के 20 से अधिक विशेषज्ञों ने अत्याधुनिक मशीन अधिगम अनुसंधान और संबंधित विषयों पर चर्चा की। दुनिया भर से आभासी आयोजन में लगभग 3000 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। इस कार्यक्रम का संचालन भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के **प्रो अनिर्बन दासगुप्ता, मयंक सिंह** और **उदित भाटिया** और भा०प्रौ०सं० खड़गपुर के **प्रो अनिमेश मुखर्जी** और **निलॉय गांगुली** ने किया।

टीईक्यूआईपी-III

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में **टीईक्यूआईपी-III** परियोजना ने दिसंबर 2017 में अपने तीसरे चरण में प्रवेश किया और स्थानीय अभियांत्रिकी विद्यालयों के साथ काम करना शुरू कर दिया। तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी) संकाय, छात्रों और प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए विभिन्न लघु पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित करता है। भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने जनवरी से मार्च 2021 तक टीईक्यूआईपी -III के तहत अभियांत्रिकी संकाय के लिए कुल चार ऑनलाइन लघु पाठ्यक्रम आयोजित किए। चार लघु पाठ्यक्रमों का शीर्षक था - 1) 'डेटा विज्ञान व विश्लेषणात्मक'; 2) 'फ्रंटियर्स इन द एनर्जी-वाटर नेक्सस'; 3) 'सीएमओएस ऑपरेशनल एम्पलीफायर आईसी का डिजाइन- एक अद्वितीय शैक्षणिक दृष्टिकोण'; और 4) 'ऊर्जा अभियांत्रिकी में ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स की भूमिका'। इन पाठ्यक्रमों में देश के करीब 100 अभियांत्रिकी संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के संकाय सदस्यों ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और प्रभावी शिक्षण के लिए नई अवधारणाओं और शिक्षाशास्त्र की शुरुआत की।

साबरमती युवा अनुसंधानकर्ता संगोष्ठी श्रंखला

- प्रोबेबिलिस्टिक सीसमिक खतरे: आधुनिक भूकंपीय प्रतिमान तथा खतरे का आकलन करने की नींव, **डॉ अभिनीत गुप्ता**, रेजीलिएंस अनुसंधान के निदेशक, वन कनसर्न इंक, अक्टूबर 16, 2020
- फुटपाथ पदार्थ परीक्षण में डिजिटल चित्र संबंध तकनीक का अनुप्रयोग, **डॉ नितिन सुदर्शनन**, पोस्टडॉक्टोरल अनुसंधानकर्ता, उत्तरी केरोलीना राजकीय विश्वविद्यालय, संराअ, नवम्बर 12, 2020

आमंत्रित व्याख्यान

- भौतिव विज्ञान में कनफर्वल इनवेरिएंस, **प्रो सुनील मुखी**, आईआईएसईआर पुणे, मई 28, 2020
- होलोग्राफी व ब्लेक होल सूचना पेराडॉक्स, **श्री पुश्कल श्रीवास्तव**, स्नातक छात्र, आईसीटीएस बेंगलोर, जून 2, 2020
- भारत सम्मान परियोजना: अप्राप्य को प्राप्त करना, **श्री अनुराग सक्सेना**, सिंगापोर आधारित लेखक व वक्ता, जून 6, 2020
- क्वांटम एनटेंगलमेंट से ब्रम्हांड की उत्पत्ति, **प्रो तदाशी तकयानागी**, युकावा सैद्धांतिक भौतिक विज्ञान संस्थान, क्योटो विश्वविद्यालय, जापान, जून 9, 2020
- भारतीय संदर्भ में उपनिवेशवाद, **श्री जे साई दीपक**, मुकदमेबाज/वकील, जून 13, 2020
- विजयनगर का कृष्णदेवआर्य: भारत का प्रथम वैश्विक नायक, **प्रो श्रीनिवास रेड्डी**, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, जून 17, 2020
- लेजर-कूल्ड ट्रैप्ड आयनों के साथ क्वांटम वर्ल्ड का अनुकरण, **प्रो काजी रजीबुल इस्लाम**, क्वांटम कंप्यूटिंग संस्थान (आईक्यूसी) और भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग, वॉटरलू विवि, कनाडा, जून 19, 2020
- प्रयोगशाला में हॉकिंग विकिरण, **प्रो टेड जेकबसन**, मेरीलेंड विवि, संराअ, जून 26, 2020
- क्या भारत अपनी शिक्षा प्रणाली को बदलने के लिए तैयार है?, **श्री आदित्य अय्यर**, टेडएक्स वक्ता, जून 27, 2020
- "माई सोल इज मूनबर्न": बॉब कॉफ़मैन, और द एबोमुनिस्ट मेनिफेस्टो, या "डाडा प्रोडिगीज़ ऑफ़ ब्लैक" **प्रो डेनियल कात्ज**, वॉरविक विश्वविद्यालय, जून 29, 2020
- 'अश्वेतों की जिंदगी महत्वपूर्ण है आंदोलन तथा उसके विश्व राजनीति पर परिणाम' पर एक चर्चा, **प्रो हायदार दारिची**, वॉशिंगटन डीसी में अमरीकी विश्वविद्यालय; तथा **प्रो अन्नीत कौर हुंडल**, केलिफोर्निया विवि, इरविन, जुलाई 2, 2020
- अशुद्धता वाले सिस्टम का उपयोग करने वाले क्वांटम उपकरण, **प्रो उज्जवल सेन**, हरीश-चंद्र अनुसंधान संस्थान, प्रयागराज, जुलाई 3, 2020
- [भाग I] Li-अणु बैटरी सूरक्षा, **डॉ जूडी जीवराजन**, अंडरराइटर्स प्रयोगशाला (यूएल), शिकागो, जुलाई 6, 2020
- [भाग II] Li- अणु बैटरी सूरक्षा, **डॉ जूडी जीवराजन**, अंडरराइटर्स प्रयोगशाला (यूएल), शिकागो, जुलाई 7, 2020
- टिप-प्रेरित अतिचालकता, **प्रो गौतम शीत**, आईआईएसईआर मोहाली, जुलाई 13, 2020
- दि टेमपेस्ट, **श्री ग्लेन कार्ले**, एक लेखक व पूर्व सीआईए कर्मी, जुलाई 14, 2020
- स्कूल स्तर पर विज्ञान शिक्षा का संवर्धन, **श्री अतुल कुमार विज**, ऋषि घाटी विद्यालय (केएफआई), मदनपल्ली, आंप्र, जुलाई 16, 2020
- स्पेस-टाइम का पुनर्निर्माण, **प्रो सुमित आर दास**, केंटकी विवि, संराअ, जुलाई 16, 2020
- अल्ट्रारिलेटिविस्टिक टकराव में गठित बड़े और छोटे सिस्टम में सामूहिकता, **प्रो राजीव भालेराव**, आईआईएसईआर पुणे, जुलाई 17, 2020
- कोई भी संक्षेपण और (कुछ) इसके अनुप्रयोग, **प्रो लिंग-येन हंग**, फुदान विवि, शांघाई, जुलाई 21, 2020
- भारी-आयन टकराव के लिए सापेक्षतावादी हाइड्रोडायनामिक्स सिद्धांत में हालिया विकास, **प्रो अमरेश जयसवाल**, राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा व शोध संस्थान, भुवनेश्वर, जुलाई 23, 2020
- बायोसेंसिंग और बायोइमेजिंग के लिए ब्राइट फ्लोरोसेंट प्रोब के रूप में दर्जी से बने डाई और नैनोपार्टिकल्स, **प्रो आंद्रे क्लिमचेंको**, स्ट्रेसबर्ग विवि, फ्रांस, जुलाई 24, 2020
- प्रथम और स्थायी प्रभाव बनाने की कला, **मेजर सुमन बज़ाद**, पूर्व-भारतीय सेना तथा कॉरपोरेट प्रशिक्षक, जुलाई 25, 2020
- भंवर से प्रेरित कंपन के दौर से गुजर रहे एक परिपत्र सिलेंडर की वैश्विक गतिशीलता पर एक स्थानीय आंतरिक नॉनलाइनियर अटैचमेंट का प्रभाव, **डॉ रवि कुमार तुमकुर**, मेथवर्क्स, जुलाई 29, 2020
- मेरे द्वारा तालाबंदी की कुंजी, **एसडीसी, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर**, अगस्त 8, 2020
- गुरुत्वाकर्षण का शोर, **प्रो मौलिक पारिख**, एरिजोना राजकीय विवि, अगस्त 10, 2020
- स्तरित हाइड्रॉक्साइड्स उम्मीदवार असंगत चरणों के रूप में, **प्रो विष्णु कामथ**, बेंगलुरु विवि, अगस्त 14, 2020
- जहां कुत्ते गपशप और उल्लू शमान हैं: बहुप्रजाति संबंध और प्रकृति के स्वदेशी विचार, **डॉ साहिल निझावन**, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल), अगस्त 21, 2020
- धातु-उत्प्रेरित C-H अल्केनाइलेशन रिएक्शन, **प्रो जेगनमोहन एम**, भा०प्रौ०सं० मद्रास, अगस्त 21, 2020
- इलेक्ट्रोड सतह पर pH क्या होता है? **प्रो केथेरीन बी होल्ट**, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल), अगस्त 28, 2020
- एंजाइम-सक्षम सामग्री, **डॉ क्रिस्टोफर ब्लेनफोर्ड**, मेंचेस्टर विवि, सितम्बर 11, 2020
- अण्डाकार वक्रों के अंकगणित पर एक सर्वेक्षण, **प्रो अर्नब साहा**, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, सितम्बर 16, 2020
- नैरेटिव एंड नॉन-नैरेटिव टेंडेंसीज़ - वर्नाक्यूलर और अंग्रेजी में भारतीय साहित्य: अमित चौधरी के साथ बातचीत, **डॉ अमित चौधरी**, उपन्यासकार, कवि, निबंधकार, संगीतकार व प्राध्यापक, पूर्वी एंगलिया विवि, इंगलेंड, सितम्बर 16, 2020
- हिस्टीरिया: लक्षण, संरचना और प्रवचन, **श्री अरुणवा बनर्जी**, लेकेनियन ओरिएंडेशन में मनोविश्लेषक, नई दिल्ली, सितम्बर 18, 2020
- अल्जाइमर एक बहुक्रियात्मक रोग है, **प्रो गोविंदराजू**, नयी रसायन विज्ञान इकाई, जेएनसीएएसआर, बेंगलुरु, सितम्बर 18, 2020
- संक्रामक रोगों का तेजी से पता लगाने के लिए पोर्टेबल मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म, **डॉ आशीश प्रिये**, सिनसिनाटी विवि, सितम्बर 18, 2020
- मीडिया और सामाजिक न्याय: आज के मीडिया में दलित और आदिवासी प्रतिनिधित्व, **श्री रॉक्सी गागदेकर**, बीबीसी गुजराती, सितम्बर 22, 2020
- लॉन्च करने में विफलता: बोरियत की प्रवृत्ति, अन्वेषण और एजेंसी, **डॉ जेम्स डेंकर्ट**, वॉटरलू विवि, सितम्बर 22, 2020
- एक प्रायिकता नमूना, **प्रो चेतन पहलाजानी**, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, सितम्बर 23, 2020
- गोल्ड नैनोडिमर एंटेना द्वारा सक्षम पोर्फिरिन से एकल-अणु प्रतिदीप्ति, **डॉ पेड्रो एम आर पौलो**, इंसटिट्यूटो सुपीरियोर टेकनिको, सितम्बर 24, 2020
- एकाधिक सक्रिय साइटों के साथ नैनोकैटालिस्ट्स की प्रतिक्रिया गतिशीलता का सैद्धांतिक अध्ययन, **प्रो श्रबंती चौधरी**, आईआईएसईआर पुणे, सितम्बर 25, 2020
- भूजल संसाधन का असंधारणीय उपयोग: खाद्य और पेयजल सुरक्षा के लिए खतरा, **श्री दीपांकर साहा**, पूर्व सीजीडब्लूबी सदस्य, तथा पूर्व सदस्य सचिव, सीजीडब्लूबए, सितम्बर 28, 2020
- छाया, गूँज और स्मृति, **प्रो सयान कर**, भा०प्रौ०सं० खड़गपुर, सितम्बर 30, 2020
- देशभक्ति का विचार: एक अवधारणा का इतिहास,**सुश्री संगबिदा लाहिड़ी**, डॉक्टोरल फेलो, कलकत्ता विवि, तथा **डॉ सम्राट सेनगुप्ता**, सम्मिलानी महाविद्यालय, कलकत्ता विवि, सितम्बर 30, 2020
- सक्षम समूह और बनच-तर्स्की विरोधाभास, **प्रो इस्सान पत्नी**, आईएसआई दिल्ली, अक्टूबर 7, 2020
- राजा, न्यायविद, तपस्वी और बहिष्कृत: दक्षिण एशिया में 'संप्रभुता' के असंतत इतिहास, **प्रो प्रथम बनर्जी**, विकासशील सोसायटी अध्ययन केंद्र, दिल्ली, अक्टूबर 7, 2020
- कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग से अंतर्दृष्टि: जैव-अणुओं, कटैलिसीस और सॉफ्ट मैटर के लिए अनुप्रयोग, **डॉ प्रसाद पाठक**, पीएएसएफ भारत, अक्टूबर 8, 2020
- भारत में स्वच्छता - अपशिष्ट, जाति और पर्यावरण के बीच संबंधों की खोज, **श्री कांति स्वरूप**, पीएचडी छात्र, भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, अक्टूबर 9, 2020
- निकट परिवेशीय दबावों पर फोटोइलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी: इन-सीटू/ऑपरैंडो स्थितियों के तहत सामग्री का पता लगाने के लिए एक आवश्यक उपकरण, **डॉ सी एस गोपीनाथ**, राष्ट्रीय रसायन विज्ञान प्रयोगशाला (एनसीएल), पुणे, अक्टूबर 9, 2020
- हिमालयी मेगा रिवर बेसिन एक्वीफर्स स्रोत और प्रक्रियाओं में भूजल आर्सेनिक, **प्रो अभिजीत मुखर्जी**, भा०प्रौ०सं० खड़गपुर, अक्टूबर 13, 2020
- फायर बर्न, और कौल्ड्रॉन बबल: रेडियो ऑब्जर्वेशन का उपयोग करके मिल्की वे स्टार फॉर्मेशन और इंटरस्टेलर माध्यम की जांच करना, **प्रो निरुपमा रॉय**, भाविसं बेंगलोर, अक्टूबर 14, 2020
- मैं अपने अगले मानसिक मॉडल पर कैसे जाऊं? **डॉ ब्रिट एंडरसन**, वॉटरलू विवि, अक्टूबर 15, 2020
- पेटेंट, इनोवेशन और स्टार्ट अप द्वारा, **डॉ इंद्रनील साहा**, संस्थापक, एचआईआईएनएक्सएलईजीएएल, अक्टूबर 16, 2020
- राष्ट्र के नाम पर: भारत और उसका पूर्वोत्तर, **प्रो सांजिब बरुआ**, बार्ड विद्यालय, न्यू यॉर्क, अक्टूबर 20, 2020
- क्वांटम सूचना का संरक्षण, **प्रो अरुण के**, हरीश-चंद्र अनुसंधान संस्थान (एचआरआई), इलाहाबाद, अक्टूबर 21, 2020
- गणित दुनिया को स्वच्छ रखने में कैसे मदद कर सकता है? **प्रो इयान ग्रिफित्स**, ऑक्सफोर्ड विवि, अक्टूबर 21, 2020
- सिलिका पार्टिकल्स के सतह अभियांत्रिकी के माध्यम से डिज़ाइन किया गया एक पॉइंट-ऑफ-यूज़, गैर-विद्युतीय, वहनीय सेप-आधारित वाटर फ़िल्टर, **डॉ दीपा दीक्षित**, पोस्टडॉक्टोरल फेलो, भा०प्रौ०सं० दिल्ली, अक्टूबर 22, 2020
- ट्विस्टेड वैन डेर वाल्स हेटरोस्ट्रक्चर, **प्रो प्रमोद नायक**, भा०प्रौ०सं० मद्रास, अक्टूबर 22, 2020
- fMRI और मशीन लर्निंग, **डॉ अयान सेनगुप्ता**, केमब्रिज विवि में शोध एफिलिएट तथा रॉयल होलोवे में एमआरआई शोध फेलो, लंदन विवि, अक्टूबर 23, 2020
- लेबल-मुक्त रमन और एसईआरएस की भूमिका - नैनो-बायो इंटरफेस को डिकोड करने से लेकर सटीक चिकित्सा तक, **प्रो सौमिक सिद्धांत**, भा०प्रौ०सं० दिल्ली, अक्टूबर 23, 2020
- जाति, कामुकता, सीमांतता, **श्री ध्रुबे ज्योति**, दलित क्वीर पत्रकार, हिन्दुस्तान टाइम्स, अक्टूबर 27, 2020
- आकस्मिकता में/और उपन्यास: काफ्का, मलौफ, और साहित्य की घटना, **डॉ चिण्मय लाल ठाकुर**, डॉक्टोरल विद्वान, ला ट्रोब विवि, ऑस्ट्रेलिया, तथा **डा आरका चट्टोपाध्याय**, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, अक्टूबर 28, 2020
- मॉड्युलर स्क्वायर रूट्स, **प्रो एलेक्सांद्रू ज़ाहरेस्कू**, इलिनोइस विवि, अरबाना-शेमपेन, संराअ, अक्टूबर 28, 2020
- लैब बेंच से ट्रांसलेटेबल और स्केलेबल ट्रांसडर्मल डिलीवरी टेक्नोलॉजी तक: द स्टोरी ऑफ़ ड्रॉपलेट, **डॉ रथी श्रीनिवास**, संस्थापक व प्रतअ, ड्रॉपलेट इंक तथा सहसंस्थापक, नोवोपिक्स, अक्टूबर 29, 2020
- सार्वजनिक नीति और नेतृत्व में करियर की संभावनाएं, **श्री अंकित भाटिया**, संस्थापक, मूल्य प्रतिष्ठान, नेतृत्व विकास पहल (एलडीआई), अक्टूबर 29, 2020
- सतत कार्बनिक रसायन विज्ञान के लिए अनोखी सिंथेटिक पद्धति की खोज, **प्रो डी बी रामचारी**, हैदराबाद विवि, अक्टूबर 30, 2020
- डेटा विज्ञान के अनुप्रयोग, **सुश्री मथांगी श्री,** गोजेक, अक्टूबर 30, 2020
- बदलते जलवायु में वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य का बोझ: भारत के लिए परिप्रेक्ष्य, **डॉ सागनिक डे**,भा०प्रौ०सं० दिल्ली, नवम्बर 2, 2020
- फोटोनिक क्वांटम विज्ञान व प्रौद्योगिकी, प्रो उरबसी सिन्हा, रमण अनुसंधान संस्थान (आरआरआई), बेंगलुरु, नवम्बर 4, 2020
- फ्रैक्शनल हीट इक्वेशन के लिए बाधा समस्या में फ्री बाउंड्री के रेगुलर और सिंगुलर सेट की संरचना, **प्रो अगनिद बनर्जी**, एप्लीकेबल गणित का टीआईएफआर केंद्र (सीएएम), बेंगलुरु, नवम्बर 4, 2020
- बैक्टीरियल से कोलाइडल स्ट्रीमर तक: बायोफिजिकल फेनोमेना का सामान्यीकरण, **डॉ आलोक कुमार**, भाविसं बेंगलोर, नवम्बर 5, 2020
- भौतिक विज्ञान में नोबल पुरस्कार 2020, **प्रो बानीब्रत मुखोपाध्याय**, भाविसं बेंगलोर, तथा **प्रो बद्री कृष्णन**, मेक्स प्लांक गुरुत्वाकर्षण संस्थान (एलबर्ट आइंसटाइन विवि), जर्मनी, नवम्बर 6, 2020
- शिखर सम्मेलन तनाव: एवरेस्टर के साथ बातचीत, लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) **रोमिल बारथवाल**, एक पर्वतारोही, धावक व खिलाड़ी, नवम्बर 7, 2020
- वायु प्रदूषण-भूमि उपयोग-बादल अंतःक्रियाएं: जलवायु परिवर्तन, कृषि, जल विज्ञान चक्र, मानव स्वास्थ्य और स्मारकीय विरासतों पर प्रभाव, **डॉ सच्चिदा नंद त्रिपाठी**, भा०प्रौ०सं० कानपुर, नवम्बर 9, 2020
- एसओवी भाषाओं में अनुकूलन क्षमता की सीमाएं, **डॉ**

समर हुसैन, भा०प्रौ०सं० कानपुर, नवम्बर 11, 2020
- **डॉ अरविंद पनगरिया** द्वारा वेबीनार, कोलंबिया विवि, नवम्बर 13, 2020
- क्या बायोमास जलने से कोई फर्क पड़ता है? **प्रो रज़ा आर होकी**, तेज़पुर विवि, नवम्बर 16, 2020
- स्ट्रोक के इतिहास वाले और बिना इतिहास वाले लोगों में सेंसरीमोटर प्रदर्शन पर नींद के दौरान लक्षित स्मृति पुनर्सक्रियन की जांच, **डॉ ब्रायन जॉनसन**, पोस्टडॉक्टोरल फेलो, हेल्थ्स राष्ट्रीय विवि (एनआईएच), नवम्बर 17, 2020
- ब्रह्मांड विज्ञान की प्रेक्षण जांच, **प्रो शांतनु देसाई**, भा०प्रौ०सं० हैदराबाद, नवम्बर 18, 2020
- संगीत के लिए एक संक्षिप्त एक्सपोजर हमारे निर्णय और निर्णय लेने को कैसे प्रभावित करता है, **प्रो जॉयदीप भट्टाचार्य**, लंदन गोल्ड्समिथ्स विव, नवम्बर 18, 2020
- हिल्बर्ट के नलस्टेलेंसैट्ज़ और इसके अनुप्रयोग, **डॉ कृति गोयल**, अर्ली करियर फेलो, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, नवम्बर 18, 2020
- बैटरी सामग्री में सिमुलेशन दृष्टिकोण: कोक्रिस्टलाइन इलेक्ट्रोलाइट्स में संरचनात्मक और गतिशील जटिलताएं, **डॉ प्रभात प्रकाश**, अर्ली करियर फेलो, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, नवम्बर 19, 2020
- बायोमास से ऊर्जा का विज्ञान, **प्रो एच एस मुकुंद**, सलाहकार, एबीईटीएस, भाविप्र बेंगलोर, नवम्बर 20, 2020
- जलवायु और संबद्ध जोखिमों को कम करने में जल अनुकूलन प्रतिक्रियाओं की प्रभावशीलता: मेटा समीक्षा से प्रारंभिक निष्कर्ष, **डॉ अदिति मुखर्जी**, अंतरराष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान, नवम्बर 23, 2020
- दलित कैमरे का निर्माण, **डॉ रईस मोहम्मद**, संस्थापक, दलित केमेरा मीडिया प्रतिष्ठान, नवम्बर 24, 2020
- बेजूट थियोरम व फल, **प्रो इंद्रनाथ सेनगुप्ता**, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, नवम्बर 25, 2020
- स्ट्रोक और दर्दनाक मस्तिष्क चोट आबादी में मोटर पुनर्वास के लिए न्यूरोइंजीनियरिंग दृष्टिकोण, **डॉ विक्रम शिनॉय**, न्यू जर्सी केस्लर प्रतिष्ठान, संराअ, नवम्बर 27, 2020
- डिजिटल हियरिंग एड के लिए तेज़ और कम जटिलता अनुकूली सिग्नल प्रोसेसिंग एल्गोरिदम, **डॉ संखा सुभ्रा भट्टाचार्जी**, पोस्टडॉक्टोरल फेलो, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, दिसम्बर 4, 2020
- एकाधिक पैमानों की विधि का परिचय, **प्रो सत्यजीत प्रमाणिक**, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, दिसम्बर 9, 2020
- दृश्य प्रभाव: असंभव को संभव बनाना, **श्री श्रीनिवास मोहन**, वीएफएक्स विशेषज्ञ, दिसम्बर 10, 2020
- रचनात्मकता: विघटनकारी योगदानकर्ता बनने का यंत्र, **डॉ अर्पण यागनिक**, सृजनात्मक एयरोबिक्स विशेषज्ञ तथा एक लेखक, दिसम्बर 16, 2020
- अर्ध-शुष्क पश्चिमी भारत में मौसमी नदी नेटवर्क की भू-आकृतिक विशेषता, **डॉ सोनम**, शोधकर्ता सहायक, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, दिसम्बर 18, 2020
- सुपरकंडक्टिंग क्यूबिट्स की क्वांटम अभियांत्रिकी, **डॉ विलियम डी ओलिवर**, मेसेशुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान, दिसम्बर 22, 2020
- द्रव से भरे स्ट्रक्चरल एकॉस्टिक वेवगाइड्स में तरंगों की धारा, **डॉ बिस्वजीत भरत**, पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, दिसम्बर 23-24, 2020
- आराम और उसके असंतोष: लिंग, परिवार और उम्र बढ़ने पर समाजशास्त्रीय अंतर्दृष्टि, **सुश्री अश्विन त्रिपाठी**, पीएचडी विद्यार्थी, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, दिसम्बर 24, 2020
- भारतीय सभ्यता से आर्थिक विचार, **प्रो सतीश देवधर**, भा०प्र०सं० अहमदाबाद, दिसम्बर 24, 2020
- भारतीय सभ्यता की वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियां, **प्रो बाल राम सिंह**, उन्नत विज्ञान संस्थान (आईएनएडीएस), मेसेशुसेट्स अमरीका, जनवरी 7, 2021
- अंतरिक्ष से पृथ्वी: चुनौतियों और अवसरों की विरासत, **डॉ मिलस्वामी अन्नादुराई**, चंद्रयान--I व II परियोजना निदेशक तथा मंगलयान मिशन कार्यक्रम निदेशक, जनवरी 9, 2021
- मानव आंदोलनों को चिह्नित करने और पुनर्स्थापित करने के लिए रोबोटिक्स, **प्रो सुनील अग्रवाल**, कोलंबिया विवि, संराअ, जनवरी 11, 2021
- स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं आधुनिक युवाओं के लिए एक बेहतर कल, स्वामी निखिलेश्वरानंद, **श्री रामकृष्ण आश्रम**, राजकोट, जनवरी 12, 2021
- क्षार धातु बैटरियों के लिए अन्य ठोस-राज्य इलेक्ट्रोलाइट्स: आणविक डिजाइन और तंत्र, **डॉ प्रभात प्रकाश**, अर्ली करियर फेलो, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, जनवरी 15, 2021
- हायरार्किकल-एमएफआई जिओलाइट पर समर्थित नैनोफे-को से फिशर-ट्रॉप्स डीजल के लिए लो रिबलेट रेशियो सिनगैस, **प्रो श्रीदेवी उपाध्याय**, भा०प्रौ०सं० दिल्ली, जनवरी 15, 2021
- जर्मनी में अनुसंधान के अवसर और अनुसंधान के लिए डीएएडी अनुदान कार्यक्रम, **सुश्री धनश्री देवधर** तथा **सुश्री गिरिजा जोशी**, डीएएडी, भारत, जनवरी 16, 2021
- लिक्डइन पर सत्र, **सुश्री अर्चना विलियमसन**, लिक्डइन, जनवरी 16, 2021
- आरक्षण आधारित भेदभाव के लिए मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रियाएँ: एक प्रमुख भारतीय विश्वविद्यालय में सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़े युवाओं का गुणात्मक अध्ययन, **अनुपम शर्मा**, डॉक्टोरल विद्वान, मानविकी व सामाजिक विज्ञान, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, जनवरी 18, 2021
- कविता, अश्लीलता और भूखी पीढ़ी, **मलय रॉय चौधरी**, प्रसिद्ध बंगाली कवि व लेखक ने वार्ता की, डेनियेला केप्पेलो, डॉक्टोरल उम्मीदवार, हीडलबर्ग विवि, जनवरी 25, 2021
- केस स्टडी: रासायनिक उद्योग में अनुसंधान, **डॉ दीपक शर्मा**, बेयर, संयुक्त राज्य, जनवरी 28, 2021
- हार्मनी एक्सोस्केलेटन: ए जर्नी फ्रॉम रोबोटिक्स लैब टू स्ट्रोक पेशेंट्स, **प्रो आशीश डी देशपांडे**, ऑस्टिन की टेक्सस विवि, संराअ, जनवरी 29, 2021
- पांचवा तत्व-बोरोन, **प्रो ई डी जेम्मिस**, भाविसं बेंगलुरु, जनवरी 29, 2021
- भूभाग फंक्शन के महत्वपूर्ण बिंदु, **प्रो कौशिक रामचंद्रन**, टीआईएफआर बेंगलोर, जनवरी 29, 2021
- सांस्कृतिकराष्ट्रवादी-नवऔपनिवेशक "विकास", लिंग भेद और कश्मीर, **प्रो अतहर ज़िया**, उत्तरी कोलोराडो विवि, ग्रीले, जनवरी 29, 2021
- नेटवर्क नेट-वर्थ है - लिंक्डइन से अधिकतम लाभ, **श्री सौमिल शाह**, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, जनवरी 31, 2021
- आणविक घड़ियां: मॉडलिंग, संरचना और गतिशीलता, **प्रो आशुतोष श्रीवास्तव**, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, फरवरी 4, 2021
- वायुयान की गतिशीलता द्वारा नियंत्रण हानि, **डॉ जी रोहित**, पोस्टडॉक्टोरल फेलो, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, फरवरी 5, 2021
- निरंतर भिन्न, फ्रेडहोम निर्धारक और आदर्श तरल पदार्थ के अस्थिर आइजनवैल्यू, **डॉ शिबि वासुदेवन**, पोस्टडॉक्टोरल फेलो, आईसीटीएस बेंगलोर, फरवरी 5, 2021
- तारों के बीच चलना, चंद्र के साथ एक 3डी डेटा यात्रा, **डॉ आरकंद**, नासा के चंद्र एक्स-रे वेधशाला, फरवरी 9, 2021
- छोटे नैनोस्ट्रक्चर पर उत्प्रेरण में अल्पसंख्यक स्थलों की आवश्यक भूमिका, **प्रो अली हैदर**, भा०प्रौ०सं० दिल्ली, फरवरी 11, 2021
- प्रतिमान नियंत्रकों की सामान्य प्राप्ति, **डॉ कौशिक धारा**, आईएसआई बेंगलोर, फरवरी 12, 2021
- शोर का नियंत्रण, **प्रो सुदेशना सिन्हा**, आईआईएसईआर मोहाली, फरवरी 13, 2021
- चलने के दौरान गतिशील संतुलन के आकलन और प्रशिक्षण के लिए रोबोटिक्स, **प्रो ज़्लेटको मतजासी**, लिजुबजना विवि तथा पुनर्सुधार विवि संस्थान, स्लोवेनिया गणराज्य, फरवरी 15, 2021
- कार्बनिक ठोस अवस्था रसायन विज्ञान में सह-क्रिस्टलीकरण की खोज, **प्रो दीपक चोपड़ा**, आईआईएसईआर भोपाल, फरवरी 19, 2021
- जेकब व एबल के परे, **प्रो कपिल परांजपे**, आईआईएसईआर मोहाली, फरवरी 19, 2021
- चुंबकीय क्षेत्रों के मानचित्रण के लिए एक क्वांटम डायमंड सूक्ष्मदर्शक यंत्र, **प्रो कस्तूरी साहा**, भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, फरवरी 20, 2021
- भारत का 2030 तक ऊर्जा क्षेत्र में परिवर्तन: प्रतिमान और अंतर्दृष्टि, **श्री राघव पचौरी**, ऊर्जा व अनुसंधान संस्थान (टीईआरआई), फरवरी 22, 2021
- सतत भविष्य के लिए प्रतिमान पर विचार, **सुश्री लक्ष्मी मेनन**, अभिकल्पक व सामाजिक उद्यमी, फरवरी 22, 2021
- कोटिंग्स द्वारा संक्षारण नियंत्रण, **श्री उर्वेश वाला**, एल व टी चियोडा लि, फरवरी 25, 2021
- नियंत्रित रिलीज फॉर्मूलेशन के फार्माकोकाइनेटिक्स - सिलिको और इन विट्रो मॉडल में, **प्रो प्रतीक कुमार झा**, भा०प्रौ०सं० रूड़की, फरवरी 25, 2021
- छोटे अणुओं में फोटो-प्रेरित विखंडन का अध्ययन करने के लिए एक त्रि-आयामी आयन इमेजिंग स्पेक्ट्रोमीटर, **प्रो वंदना शर्मा**, भा०प्रौ०सं० हैदराबाद, फरवरी 26, 2021
- जब आदिवासी बोलते हैं: एजेंसी, लचीलापन और पुनरुत्थान, **सुश्री रूबी हेमब्रोम**, संस्थापक व निदेशक, आदिवाणी, फरवरी 26, 2021
- एक "पूर्ण-उद्देश्य" एरडॉस-काक सिद्धांत, **प्रो एम राम मूर्ती**, क्वींस विवि, कनाडा, फरवरी 26, 2021
- भौतिक विज्ञान में संगतियां, **प्रो नबामिता बनर्जी**, आईआईएसईआर-भोपाल, फरवरी 27, 2021
- सूक्ष्म प्रणालियों में अपव्यय का उल्लेख, **डॉ श्रीकांत माणिकंदन**, नॉरदिता फेलो, नॉरडिक सैद्धांतिक भौतिकी संस्थान (एनओआरडीआईटीए), स्टॉकहोम, स्वीडन, मार्च 1, 2021
- विरासत पर्यटन और सतत विकास लक्ष्यों के बीच एक संभावित तालमेल: नागा दफन स्थलों पर एक अंतर्दृष्टि, **डॉ एलीनो सूमी**, पोस्टडॉक्टोरल फेलो, पुरातत्व विज्ञान केंद्र, मार्च 3, 2021
- पुरातत्व विज्ञान में दफन करने पर एक सतत दृष्टिकोण: भारत में हड़प्पन कब्रें, **डॉ तोशबंता पधान**, पोस्टडॉक्टोरल फेलो, पुरातत्व विज्ञान केंद्र, मार्च 3, 2021
- स्ट्रोक के रोगियों के न्यूरो-पुनर्वास के लिए हाथ और पैर के एक्सोस्केलेटन का डिजाइन और नियंत्रण, **प्रो आशीश दत्ता**, भा०प्रौ०सं० कानपुर, मार्च 3, 2021
- जाति, कलंक और आरक्षण: ज्यादातर पिछड़ी जातियां अनुसूचित जाति का दर्जा क्यों चाहती हैं? **श्री अरविंद कुमार**, पीएचडी विद्वान, लंदन विवि, मार्च 4, 2021
- अणु से सामग्री: एकल अणु से बहु-कार्य, **प्रो जी प्रभु शंकर**, भा०प्रौ०सं० हैदराबाद, मार्च 12, 2021
- अंग्रेजों से पहले भारत का विचार, **डॉ शोनालीका कौल**, जवाहरलाल नेहरू विवि, मार्च 13, 2021
- चरम भौतिकी की जांच के लिए एक उपकरण के रूप में गुरुत्वाकर्षण तरंगें, **प्रो देबरति चटर्जी**, खोगोल विज्ञान व खगोल भौतिकी अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र, मार्च 14, 2021
- स्वराज, हिंद और गांधी का अनुवाद, **डॉ जावेद खत्री**, नवरचना विवि, वडोदरा, मार्च 17, 2021
- डायनेमिक एलोस्ट्री का एक थर्मोडायनामिक व्यू: हाइड्रोजन बॉन्ड नेटवर्क को पुनर्व्यवस्थित करने की भूमिका, **डॉ सुमन चक्रवर्ती**, एस एन बोस राष्ट्रीय मूलभूत विज्ञान केंद्र, कलकत्ता, मार्च 19, 2021
- दूसरे क्रम के लिए अनुकूली परिमित तत्व विधि रैखिक गैर-स्व-सम्मिलित अण्डाकार समस्याएं, **प्रो आशा दोंड**, आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम, मार्च 19, 2021
- छिद्रित पैनलों के संरचनात्मक ध्वनिकी, **प्रो वेण्कट सोंती**, भाविसं बेंगलोर, मार्च 19, 2021
- आर्यन आक्रमण वाद-विवाद पर अपडेट, **डॉ कोइनराद एल्सट**, पुरातत्वविद् व इतिहासकार, मार्च 22, 2021
- द लाइफ एंड डेथ नॉट ट्रांसजेंडर मनोविश्लेषण, **डॉ पेट्रीशिया घेरोविची**, पेंसिलवेनिया विवि (पीएसवाईएस), संराअ, मार्च 22, 2021
- टिकाऊ कल्याण के लिए पहनने योग्य रोबोटिक्स, **प्रो निकोला विटिएलो**, जैवरोबोटिक संस्थान, एसएसएसए, पीसा, इटली, मार्च 24, 2021
- इलेक्ट्रोकेमिकल वाटर स्प्लिटिंग के माध्यम से सतत हाइड्रोजन उत्पादन को आगे बढ़ाने के लिए मल्टी-स्केल सिमुलेशन, **डॉ अनंत गोविंद राजन**, भाविसं बेंगलोर, मार्च 25, 2021
- मल्टी-स्पेक्ट्रोस्कोपिक दृष्टिकोण का उपयोग करके पानी और अल्कोहल के साथ डिफेनिलेथर में असामान्य बाध्यकारी व्यवहार को स्पष्ट करना, **डॉ मरियम फातिमा**, पोस्टडॉक्टोरल अनुसंधानकर्ता, ड्यूशेस इलेक्ट्रोनेन-सिंक्रोट्रोन (डीईएसवाई), हेमबर्ग, जर्मनी, मार्च 26, 2021
- प्रतिक्रियाशील परिशोधन में समस्याओं के लिए समरूपीकरण सिद्धांत का सामान्यीकरण, **प्रो इयान ग्रफित्स**, ऑक्सफोर्ड विवि, यूके, मार्च 26, 2021
- दृष्टिकोण लिखना और बोलना, **सुश्री सिंथिया स्टीफन**, एक कवि, स्वतंत्र शिक्षाविद्, मीडिया पेशेवर तथा मानवाधिकार कार्यकर्ता, मार्च 26, 2021
- कैंपस क्वीर कलेक्टिव्स: जागरुकता, समावेश व प्रतिच्छेदन, **प्रो गौरब घोष**, एनएमआईएमएस, मुंबई, मार्च 30, 2021
- सीमियोटिक यात्राएं: भारतीय और फ्रेंच परंपराओं के बीच भाषा विचार, **प्रो हरजीत सिंह गिल**, जवाहरलाल नेहरू विवि, मार्च 31, 2021

प्रयोगशाला व सुविधाएं

पुरातत्व विज्ञान प्रयोगशाला

पुरातत्व विज्ञान प्रयोगशाला अनेक प्रकार के वैज्ञानिक अन्वेषण तथा पुरातत्व संबंधी अनुसंधान के लिए निम्न प्रकार की सुविधाओं से युक्त है: मैदान उत्सर्जन स्केनिंग इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी (एफईएसईएम), एक्स-रे विवर्तन व फ्लूरोसेंस (एक्सआरएफ व एक्सआरडी), मास स्पेक्ट्रोमेट्री (आईसीपी-एमएस व मालडी-टीओएफ), भूमि-भेदी राडार (जीपीआर), 3डी दूर तक तथा कम दूरी के लेज़र स्केनर, तथा पुरातत्वपदार्थों की जांच के लिए एक डिजिटल केमरा युक्त बायनोकूलर सूक्ष्मदर्शी। एएससी ने एक चीनी मिट्टी की पेट्रोलॉजी प्रयोगशाला प्राचीन मिट्टी के पात्रों की जांच के लिए स्थापित की है; इसमें चमकाने और घिसने की इकाई (पतले हस्से बनाने के लिए) और एक पोलेराइजिंग सूक्ष्मदर्शी उपलब्ध है। वर्तमान में एएससी एक स्वच्छ बक्से और सूक्ष्म-छिद्र सुविधा से युक्त एक छोटी हड्डियों/दांतों के नमूने की इकाई की स्थापना कर रहा है।

जीवविज्ञान अभियांत्रिकी

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की जीवविज्ञान अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में आणविक तथा कोषिका जीवविज्ञान सुविधा (एमसीबीएफ), कोषिका कल्चर प्रयोगशाला (सीसीएफ), सी एलिगेंस सुविधा, क्रिस्टलीकरण प्रयोगशाला, सूक्ष्मजीवविज्ञान प्रयोगशाला, प्रोटियोमिक्स तथा पेप्टाइड संश्लेषण (पीपीएसएफ) सुविधा, चिकित्सा अल्ट्रासाउंड अभियांत्रिकी (एमयूएसई) प्रयोगशाला, तथा मूल कोषिका व ऊतक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला की सुविधा उपलब्ध है।

2020-2021 में परिवर्धित सुविधाएं

चिकित्सा अल्ट्रासाउंड अभियांत्रिकी (एमयूएसई) प्रयोगशाला ऊतक लक्षण वर्णन और लोच इमेजिंग, आणविक और कंट्रास्ट-एन्हांस्ड इमेजिंग, अल्ट्रासाउंड-मध्यस्थता चिकित्सा, ध्वनिक मेट्रोलॉजी और सेंसिंग, और इमेजिंग और थेरेपी के लिए ऊतक-नकल फैंटम में नवाचार करने के लिए समर्पित उपकरणों से परिपूर्ण है। इस सुविधा में एक प्रोग्राम करने लायक शोध अल्ट्रासाउंड छवि प्रणाली तथा 1 से 35 मेगाहर्टज तक के अल्ट्रासाउंड क्षेत्र निर्माण करने के उपकरण हैं, जिसमें अल्ट्रासाउंड ट्रांसड्यूसर, हाइड्रोफोन, पल्सर-रिसीवर, आरबिट्रेरी वेवफॉर्म निर्माता, डिजिटल व मिश्रित सिग्नल ऑस्किलोस्कोप, तथा ऊर्जा एंम्पलीफायर शामिल हैं। प्रयोगशाला में जीपीयू के साथ वर्कस्टेशन और मानक वेट लैब उपकरण के साथ एक फैंटम फैब्रिकेशन क्षेत्र, एक वैक्यूम ओवन, एक फ्यूम हुड और एक कैलिब्रेटेड टिशू-मिमिकिंग फैंटम भी शामिल है।

मूल कोशिका एवं ऊतक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में मेसेकाइमल मूल कोशिका तथा प्रमुख कोशिका कल्चर के साथ उतकों को नियंत्रित करने के लिए बीएलएल1+ सुविधाएं हैं। इस प्रयोगशाला में एक कोशिका कक्ष है जिसमें 2 जैविकसुरक्षा अलमारियां, 1 सीओ2 ऊष्मानियंत्रक तथा निर्वात सुविधाएं मौजूद हैं। मूल कोशिका कक्ष में नमूना उत्पादन कक्ष है जिसमें ऊतक जैविकी सुविधाएं हैं जैसे तोलन तराजू, पीएच मीटर, स्टरर, पीसीआर मशीन, एक छोटा सूक्ष्मदर्शी तथा जेल यंत्र।

इस वर्ष परिवर्धित उपकरण:

ऑक्सफोर्ड नेनोपोर प्रौद्योगिकी डीएनए अनुक्रमक: एक मिनीओएन2 डीएनए अनुक्रमक व्यवस्था कार्यात्मक है। इस मंच से लंबे रीड्स का निर्माण किया जा सकता है जो डीएन व आरएनए के अनुक्रमण में इस्तेमाल किया जा सकता है। वर्तमान में, इस व्यवस्था का उपयोग जीनोमिक और एपिजेनोमिक विश्लेषण के लिए किया जा रहा है जो हमें सीजीजीबीपी 1, क्रोमैटिन जीव विज्ञान और ट्यूमरजेनिसिस में प्रासंगिक आनुवंशिक उत्परिवर्तनीय घटनाओं जैसे जीन के कार्यों को समझने में मदद करता है।

नेनोअणु खोज विश्लेशक (एबी4/102): नेनोअणु खोज विश्लेशक (एनटीए) में 405 एनएम तथा 480 एमएम ध्वनितरंग की बिना जीटा पोटेंशियल की दो लेज़र लगी हैं। नमूने (तरल) में कणों को कुल 11 स्थितियों पर पता लगाने के बाद विभिन्न आकारों के लिए ट्रैक और विश्लेषण किया जाता है। कणों को वास्तविक समय में देखा जा सकता है और इस प्रकार विश्लेषण किए जा रहे कणों के स्वरूप और आकार को देखा जा सकता है। परिणाम आकार वितरण प्रोफ़ाइल के रूप में होते हैं, अर्थात विशेष आकार के कणों का प्रतिशत। इस उपकरण का उपयोग ऐसे प्रयोगों में किया जा सकता है जहां अणु निर्माण तथा ज्यामिती का पता लगाने की आवश्यकता रहती है जैसे नेनोअणु संश्लेषण तथा प्रोटीन-एकत्रीकरण अध्ययन।

बहाव साइटोमीटर उच्च स्तरीय कोषिका छंटाई सुविधा (एबी5/केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधा): बीडी एफएसीएसआरिया फ्यूजन बहाव साइटोमीटर उच्च स्तरीय कोषिका छंटाई सुविधा अत्यधिक विषम मिश्रण के बीच विभिन्न जैविक अणुओं तथा कोषिकाओं को नियंत्रित करने वाली बेहद मज़बूत, संवेदनशील तथा अनोखी तकनीक है। यह उपकरण तीन ठोस अवस्था लेज़र का उपयोग एक ही समय में 11 मापदंडों (आगे और किनारे के स्केटर को मिला कर13) को मापने के लिए करता है। साधन के दोनों घटकों अर्थात् फ्लोरेसेंस/स्कैटरिंग विश्लेषक और कोषिका छंटाई सुविधा को एक ही इकाई के भीतर रखा गया है जिसके लिए ऑप्टिक्स के किसी भी कस्टम संरेखण की आवश्यकता नहीं होती है। कोषिका चक्र विश्लेषण, कोषिका

व्यवहार्यता परख और इम्यूनोफेनोटाइपिंग के साथ-साथ कोषिका छंटाई, झिल्ली संभावित माप सहित उच्च स्तरीय अनुप्रयोगों सहित नियमित अनुप्रयोग करने में सक्षम है। इस सुविधा से भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की अनेकों शोध परियोजनाओं को लाभ होगा जिसमें चिकित्सा रसायन विज्ञान, औषधि वितरण प्रणाली, न्यूक्लीक रसायन जैवरसायन विज्ञान, झिल्ली जैविकी, प्रोटीन-न्यूक्लीक रसायन अन्योन्य क्रिया, जैविकपदार्थ विकास, नेनोऔषधि तथा विषविज्ञान शामिल हैं। इस उपकरण की विशिष्ट क्षमताओं का मिलान किसी अन्य एकल उपकरण या यहां तक कि प्रयोगात्मक दृष्टिकोणों के संयोजन से नहीं किया जा सकता है।

प्रोग्रामयोग्य शोध अल्ट्रासाउंड प्रणाली (एबी 6/207): प्रोग्रामयोग्य शोध अल्ट्रासाउंड प्रणाली में हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी है जो अनिर्मित अल्ट्रासाउंड डेटा तक सीधा प्रवेश देता है, साथ ही चिकित्सा-उपयोगी चित्रण फ्रेम दर पर कस्टम सॉफ्टवेयर के साथ वास्तविक-समय में उच्च गुणवत्ता वाले चित्रों को सहेजने में सहायक है। इस प्रणाली को सामान्य प्रोग्रामिंग वातावरण पर आधारित परिचित और शक्तिशाली सॉफ्टवेयर इंटरफेस का उपयोग करते हुए, प्रणाली के प्रत्येक कार्यात्मक घटकों को परिभाषित करने में व्यापक लचीलेपन के साथ शोधकर्ता / डेवलपर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जैसे एमएटीएलएबी® तथा सी++। शोधकर्ता अल्ट्रासाउंड चित्रण तथा अल्ट्रासाउंड चिकित्सा नियंत्रण या वितरण के लिए नई पद्धितियों की कल्पना, कार्यान्वयन और मूल्यांकन कर सकते हैं।

रासायनिक अभियांत्रिकी

रासायनिक अभियांत्रिकी संकाय में बीटेक, एमटेक तथा पीएचडी कार्यक्रमों के विभिन्न पाठ्यक्रमों से संबंधित अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाएं और सेटअप हैं। इस सुविधा में एक विशेष अभिलक्षक, यूवी-विस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एचपीएलसी, जीसी, कण के आकार का विश्लेषक, तथा प्रसंस्करण सिमुलेशन प्रयोगशाला के लिए एक संगणक सुविधा भी शामिल है। सिमुलेशन के लिए एएनएसवाईएस, स्टार-सीसीएम, एसपेन टेक सूट, मैटलैब, तथा कोमसोल जैसे उपकरण भी उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, इस विषय में अवरस्नातक व स्नातक कार्यक्रमों के विभिन्न विषयों के लिए कई प्रयोगशालाएं सक्रिय रूप से कार्यरत हैं:

कोलॉइडल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला: यह प्रयोगशाला फार्मासियूटिकल व जैवचिकित्सा अनुप्रयोगों में सक्रिय रूप से सूक्ष्मकण संश्लेषण, क्रिस्टलीकरण, औषधि पॉलीमोरफिज्म, और सूक्ष्मबुलबुला अभियांत्रिकी में संलग्न है। इस प्रयोगशाला में एक जांचकर्ता सोनिकेटर (सोनिक्स वीसी 505), 40 एनएम –-2 माइक्रोन के कणों का आकार मापने के लिए एक कण के आकार का विश्लेषक (बेकमेन कोल्टर एलएस 13320), सूक्ष्मकणों के एक्वस ससपेंशन के ज़ीटा का आंकलन के लिए कणों के आकार की प्रणालियां (पीएसएसएस) जीटा विश्लेषक (निकोम्प380 जेडएलएस), मार्टिन क्राइस्ट फ्रीज ड्रायर (अल्फा 1-4 एलडी प्लेस और अल्फा 2-4 एलएससी, मार्टिन क्राइस्ट, जर्मनी) उच्च-दबाव पात्र (उपयोगिता स्थिति: 200 बार, व 100o सी) कण आकार विश्लेषक (पीएसएस निकोम्प एक्यूसाइजर 780 एडी), ऑप्टीकल सूक्ष्मदर्शी (निकोन टीएस 100एफ), द्रुत-गति केमेरा (फोट्रोन यूरोप, मॉडल: फास्टकेम मिनी), इन-सिटू रमण जांच (काइसर संराअ, मॉडल: आरएक्सएन-1 785), सोलूशन केलोरीमीटर (पार संराअ, मॉडल: 6755ईई), जल स्नान, कांच की जेकेट युक्त रिएक्टर, स्वच्छ मेज केबिनेट, संगणन कार्यस्थल आदि मौजूद हैं।

मृदु पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी प्रयोगशाला: यह प्रयोगशाला तनाव व दबाव-नियंत्रित घुमावदार रियोमीटर, ऑप्टिकल सूक्ष्मदर्शी, तथा कोलोइडल विशेषीकरण के उपकरणों में प्रयोगात्मक अनुसंधान के लिए सक्रिय रूप से उपयोग में आती है। प्रयोगशाला के उपकरणों में ; ऑप्टिकल सूक्ष्मदर्शी, टेंसियोमीटर, ठंडा व गर्म घूमने वाला स्नान (मॉडल: आईसी301-के3), डीएलएस तथा जीटा संभावित मापन उपकरण (ब्रुकहेवन), रेफ्रिजिरेटेड टेबलटॉप सेंट्रीफ्यूज, तथा एक सर्वो स्टेबिलाइजर युक्त संगणक कार्यस्थल शामिल हैं।

सूखी प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी (ड्राईप्रोटेक) प्रयोगशाला: इस अत्याधुनिक ड्राइप्रोटेक प्रयोगशाला में कई प्रगतिशील उपकरण मौजूद हैं जैसे सतही ऊर्जा विश्लेषक (उलटी गैस क्रोमेटोग्राफी), नेट्स से टीजी-डीएससी, एफटी4 चूर्ण रियोमीटर (फ्रीमेन प्रौद्योगिकी), और सूखे तथा गीली परिस्थित में विशेषीकरण के लिए लेज़र विवर्तन कण के आकार का विश्लेषक (सीआईएलएएस)। इसके अलावा, प्रयोगशाला में वी-मिश्रक और कोन- चक्की (प्रिज़्म फार्मा), आद्रता-नियंत्रक ग्लव बक्सा और इलेक्ट्रोस्टेटिक चार्ज आंकलन सुविधा वाला फेरेडे कप, प्लेनेटरी गेंद चक्की, भट्ठी कक्ष, नलिका भट्ठी, तथा उत्प्रेरक चूर्णों की क्षमता नापने वाला केटेलिटिक संयत्र, इत्यादि मौजूद हैं।

अग्नि अनुसंधान प्रयोगशाला: इस प्रयोगशाला में एक कोन केलोरीमीटर (एफएफटी, संरा; मॉडल: आईकोन मिनी) मौजूद है जो अग्नि जांच के लिए सबसे महत्वपूर्ण मेज माप उपकरण माना जाता है। इस उपकरण को किसी घटना में पदार्थों में गर्मी के प्रवाह की ऊष्मा उत्सर्जन दर (एचआरआर) को नापने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ 5660-1) द्वारा अंगीकृत किया गया है। इसमें नमूने को अधिकतम 100 केडब्लू/एम2 तक का ऊष्मा प्रवाह दिया जा सकता है। यह उपकरण जांच नमूने से उत्पन्न दह्य गैसों और उत्पन्न धुंए के साथ ही आग लगने की गति और पुंज- क्षीणता दर भी नाप सकता है। इस मेज-माप परीक्षण से एकत्रित जानकारी अग्नि मॉडलिंग, वास्तविक स्वरूप में अग्नि व्यवहार का पूर्वानुमान, तथा उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण परीक्षण, इत्यादि के लिए उपयोग में ली जा सकती है।

डीएसआईआर-भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर-सीआरटीडीएच (सामान्य अनुसंधान व प्रौद्योगिकी विकास केंद्र, सीआरटीडीएच): डीएसआईआर-भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर-सीआरटीडीएच में कई सुविधाएं उपलब्ध हैं जैसे आईसीपी विश्लेषक सूट (पर्किन एलमर), फ्लूरोसेंस स्पेक्ट्रोमीटर, मल्टीमोड माइक्रोप्लेट, मास स्पेक्ट्रोमीटर (स्पेक्ट्रम ऑटोमेशन व नियंत्रण) यूवी – वीस स्पेक्ट्रोमीटर (एनेलिटिक जेना एजी), मॉडल – मेक्स300-सीएटी (मेसर्स एक्सट्रेल सीएमएस, एलएलसी, संराअ), बहु—उद्देश्य ऑनलाइन गैस क्रोमेटोग्राफी, टीओसी विश्लेषक (एनेलिटिक जेना एजी), एचपीटीएलसी (सीएएमएजी, स्विटज़रलेंड), कटोरी सेंट्रीफ्यूज, तथा रेफ्रीजरेटर सर्कुलेटर।

पॉलीमर अभियांत्रिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (पीईआरएल): प्रयोगशाला स्व-ऑसिलेटिंग रासायनिक प्रतिक्रियाओं, आकार मेमोरी पॉलिमर, स्मार्ट कोमल सामग्री, बहुलक प्रसंस्करण, बहुलक जैल और कंपोजिट और पैटर्न निर्माण के क्षेत्रों में प्रयोगात्मक और संगणक दोनों कार्यों में शामिल है। प्रयोगशाला में अत्याधुनिक तकनीक के वर्कस्टेशन और उच्च प्रदर्शन क्लस्टर्स के साथ संगणक सुविधाएं भी हैं। प्रयोगात्मक सुविधाओं में जमाकर सुखाने के लिए लायोफिलाइजर (मार्टिन क्राइस्ट, अल्फा 2-4 एलएससी मूलभूत), ठंडा और गर्म परिसंचारी शीतलन स्नान (आईसी 301-के3), स्नान सोनिकेटर, चुंबकीय स्टरर (तापमान संवेदक के साथ), वेक्यूम पंप, साफ पटरी की अलमारी शामिल हैं। हम पेलेट्स या पाउडर के रूप में पॉलिमर ब्लेंडिंग पॉलिमर, गर्म प्रेस मशीन और जेल परमिशन क्रोमैटोग्राफी इंस्ट्रूमेंट के लिए पॉलीमर एक्सट्रूडर/मिक्सर प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं।

संगणक तर्कसंगत डिजाइन प्रयोगशाला: यह प्रयोगशाला प्रसंस्करण-परिस्थिति की अपेक्षित प्रतिक्रिया दर्शाने वाले ठोस पदार्थों

को तर्कसंगत तरीके से विकसित करने में संलग्न है। प्रयोगशाला चार उच्च प्रदर्शन वाले संगणक वर्कस्टेशन से सुसज्जित है जिनका उपयोग आणविक और नेनो स्केल पर सिमुलेशन करने के लिए किया जाता है। वर्कस्टेशन जैविक और कृत्रिम प्रणालियों के आणविक गतिशीलता और मोंटे कार्लो सिमुलेशन करने के लिए सॉफ्टवेयर से लैस हैं, और सिमुलेशन-परिणामों के दृश्य के लिए ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) का उपयोग करता है। यह वर्कस्टेशन उन्नत मोंटे कार्लो सिमुलेशन प्रदर्शित करने के लिए संगणक कार्यक्रमों का परीक्षण और विकास करने में भी सक्षम है।

रसायन विज्ञान

रसायन विज्ञान विषय की प्रयोगशाला अवरस्नातक तथा अधिस्नातक छात्रों की शिक्षण व शोध गतिविधियों के लिए नाना प्रकार की अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। फ्यूम हुड्स युक्त श्लेंक के तार गीले रासायनिक सिंथेटिक कार्यों के बड़े हिस्से के लिए प्रयोग में आते हैं। इस संकाय में निष्क्रिय वातावरण में रासायनिक अभिक्रियाओं के लिए एक ग्लवबॉक्स भी उपलब्ध है। संस्थान के महत्वपूर्ण उपकरणों में 500 मेगाहर्ट्ज एनएमआर, सिनेप्ट जी2एस ईएसआई-क्यू-टीओएफ मास स्पेक्ट्रोमीटर, स्केनिंग इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी (एसईएम), आणविक ऊर्जा सूक्ष्मदर्शी (एएफएम), मालडी-टीओएफ तथा एक क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर (एससीएक्सआरडी)। शोध उपकरणों में सायक्लिक वोल्टामीटर, एक गोल डाइक्रोइज्म स्पेक्ट्रोमीटर, बीईटी सतही क्षेत्र विश्लेषक, आइसोथर्मल टाइट्रेशन केलोरीमीटर, गतिमान प्रोटीन तरल क्रोमेटोग्राफी, टीजीएडीएससी, गैस क्रोमेटोग्राफी, एफटीआईआर स्पेक्ट्रोफ्लोरोमीटर के साथ पेल्टियर कूलिंग, पोलेराइजर तथा ठोस-अवस्था सहयंत्र, शिक्षण व शोध दोनों ही में उपयोग में आते हैं। संकाय में अत्याधुनिक ऑप्टिकल सूक्ष्मदर्शी की भी व्यवस्था है जो एकल अणुओं तथा कोनफोकल व चौड़े क्षेत्र की जांच में नेनोकणों का चित्रण करने में सक्षम है।

ईएमसीसीडी केमरा तथा उन्नत गैस क्रोमेटोग्राफी जैसे उपकरण प्राप्त किये जा रहे हैं। हाल ही में, प्रारंभिक उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमेटोग्राफी (प्री-एचपीएलसी) प्राप्त कर लिया गया है जो जैविकी अध्ययन के लिए उच्च शुद्धता और मात्रा वाले छोटे व प्रभारित अणुओं तथा पेप्टाइड को शुद्ध करने के काम आता है। इसके अलावा, एक प्रवाह साइटोमेट्री उपकरण भी फ्लोरोसेंटली लेबल वाली एकल कोशिकाओं का पता लगाने और छांटने के लिए अधिग्रहित किया जाता है। विभिन्न एपोप्टोटिक अवस्थाओं में कोशिकाओं का पता लगाने के लिए यह प्रवाह साइटोमीटर भी अत्यधिक उपयोगी है। रसायन विज्ञान ने बहु-कोण गत्यात्मक प्रकाश प्रकीर्णन (एमएडीएलएस) भी स्थापित किया है जो माइक्रोलिटर आयतन से उच्च सटीकता वाले नेनो/सूक्ष्म अणुओं की सतहों का चार्ज और आकार मापने में सक्षम है। सी3-उच्च दबाव होमोजेनाइजर भी स्थापित किया गया है। इन उपकरणों से रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान, पदार्थ विज्ञान तथा नेनोफोटोनिक्स जैसे अंतरविषयक क्षेत्रों में संकाय की क्षमताएं अत्यधिक रूप से बढ़ गई हैं।

सिविल अभियांत्रिकी

सिविल अभियांत्रिकी संकाय ने संरचनात्मक अभियांत्रिकी, भूतकनीकी अभियांत्रिकी, जल संसाधन अभियांत्रिकी और सर्वेक्षण/ जीआईएस के क्षेत्र में प्रयोगशालाएं विकसित की हैं।

संरचनात्मक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला: संरचनात्मक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में अवरस्नातक छात्रों के लिए निम्न प्रकार की पदार्थ परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं: मानक अनुरूपता, सीमेंट पेस्ट का प्रारंभिक/अंतिम जमने का समय; सीमेंट की मज़बूती; मृदा की बल्किंग; कार्यसाधक काँक्रीट के लिए स्लंप परीक्षण; कोमपेक्शन कारक परीक्षण; वी बी एकरूपता परीक्षण; सीमेंट का निश्चित गुरुत्व; सीमेंट की बारीकी; बारीक मोड्यूल, निश्चित गुरुत्व, महीन/खर्खर समुच्चय का कुल घनत्व; खर्खर समुच्चय के दीर्घाकरण और फ्लेकीनेस की सूची; समुच्चय प्रभाव परिमाण; समुच्चय घर्षण परिमाण (लॉस एंजिलेस परीक्षण); सीमेंट तथा गारा के टुकड़े की संपीड़न क्षमता; काँक्रीट के टुकड़े की संपीड़न क्षमता (सामान्य मिश्रण के अनुरूप); काँक्रीट के टुकड़े की संपीड़न क्षमता (मिले-जुले मिश्रण के अनुरूप); अल्ट्रासोनिक पल्स चलनवेग परीक्षण द्वारा काँक्रीट की संपीड़न क्षमता; रीबाउंड हथौड़े द्वारा काँक्रीट की संपीड़न क्षमता, काँक्रीट में हवा की खोज; काँक्रीट भेदने का प्रतिरोध; बिटूमेन भेदने की गहराई; बिटुमेन की चमक और ज्वलन बिंदु; तारकोल का गाढ़ापन; ईंट का एफ्लोरोसेंस; लकड़ी की जल शोधक क्षमता; पेंट का गाढ़ापन; तथा पेंट की बारीकी।

जियोतकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला: जियोतकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला मौलिक मृदा प्रयोग के साथ-साथ आधुनिक शोध उपकरणों से लैस है। मृदा गत्यात्मक प्रयोगशाला में एक विशाल (भूकंप) तथा एक छोटी तनाव (कंपन) प्रयोग सुविधा मौजूद है। लिक्विफेक्शन के आंकलन के लिए विशाल तनाव गत्यात्मक प्रभावः चक्र त्रिअक्षीय प्रयोग सेटअप (0.01 हर्ट्ज -2हर्ट्ज, तनाव नियंत्रक); साधारण चक्र शियर सेटअप (0.001 हर्ट्ज -5 हर्ट्ज, तनाव नियंत्रक),10,000 प्रभावी चक्रों तक के लिए मृदा के तनाव मॉड्यूल और डेंपिंग अनुपात सुविधा उपलब्ध है। छोटा तनाव गत्यात्मक प्रभावः के0 के अंतर्गत शियर मॉड्यूल के निर्धारण के लिए बेंडर तत्व प्रणाली, तनाव पथ, आइसोट्रोपिक, यूयू, सीयू, सीडी संकुचन और विस्तार प्रभावी परिस्थितियां मौजूद हैं। शियर बल सुविधा में गैर संसक्ति मृदा के लिए सीधा शियर सेटअप, संसक्ति मृदा के लिए अपरिसीमित संकुचन (यूसी) प्रयोग, कोमल मृदा के लिए वेन शियर प्रयोग, तथा सभी प्रकार की मृदा के लिए डीएक्यू और विश्लेषण सॉफ्टवेयर के साथ लि त मृदा के लि प्रभाव त्रिअक्षीय सेटअप की सुविधा उपलब्ध है। संकुचन/विस्तार प्रभावी (यूयू, सीयू, सीडी प्रयोग) के लिए + पोर दबाव तथा ध्वनि बदलाव मापन सुविधाएं उपलब्ध हैं। के0 समेकित एवं तनाव पथ प्रयोग तथा विशाल सीधे शियर सेटअप भी मौजूद हैं जिससे विभिन्न प्रकार के जियोसिंथेटिक्स-मृदा प्रणाली के विभिन्न प्रकार के इंटरफेस व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। बारीक मृदा कणों की कुल सोखने की शक्ति को नापने के लिए ओस बिंदु पोटेंशियोमीटर उपलब्ध है, तथा सभी प्रकार की मृदा के मेट्रिक सक्शन के लिए एक छन्नी पत्र सेटअप की उपलब्धिता भी है। बिंदु पॉइंट पोटेंशियोमीटर महीन दाने वाली मिट्टी के कुल सक्शन (0-300 एमपीए), मोटे अनाज वाली मिट्टी के लिए पारंपरिक टेन्सियोमीटर और सभी प्रकार की मिट्टी के मैट्रिक सक्शन के लिए फिल्टर पेपर सेटअप निर्धारित करने के लिए उपलब्ध है। इस सुविधा में महीन और मोटे अनाज वाली मिट्टी की पारगम्यता के लिए गिरने वाले और निरंतर हेड डिवाइस, चार 3-गैंग ओडोमीटर (1 डी समेकन) सेटअप, प्रॉक्टर सेटअप, सबग्रेड मिट्टी की ताकत के लिए सीबीआर, चलनी शेकर, हाइड्रोमीटर, एटरबर्ग सीमा (एलएल,पीएल, एसएल), स्वेल दबाव, विशिष्ट गुरुत्व, सापेक्ष घनत्व, कोर कटर, रेत प्रतिस्थापन, कार्बनिक पदार्थ मूल्यांकन के लिए मफल्ड फर्नेस (900oC), ऑप्टिकल और डिजिटल एलसीडी माइक्रोस्कोप शामिल हैं। क्षेत्रीय जांच प्रयोगशाला में मोटराइज्ड एंकरिंग प्रणाली के साथ 300 केएन क्षमता का प्लेट लोड टेस्ट, मानक छेदन प्रयोग (एसपीटी), गत्यात्मक कोन छेदन प्रयोग (डीसीपीटी) के साथ ऑटोमैटिक फ्री-फॉल हैमरिंग प्रणाली, फील्ड कॉम्पैक्शन के लिए वाइब्रेटरी प्लेट कॉम्पेक्टर, तथा फील्ड पारगम्यता सेटअप है। मोनो और बिस्टेटिक संचालन के साथ भूमि छेदन रडार (जीपीआर) 100 मेगाहर्ट्ज के एंटेना, बाइस्टेटिक ऑपरेशन के साथ 400 मेगाहर्ट्ज और 200 मेगाहर्ट्ज और 900 मेगाहर्ट्ज मोनोस्टैटिक ऑपरेशन के साथ 20-80 मल्टी फ्रीक्वेंसी एंटीना, सतह तरंगों के मल्टीचैनल विश्लेषण (एमएएसडब्ल्यू) सेटअप के साथ भूकंपीय अपवर्तन/परावर्तन सर्वेक्षण और डाउनहोल/क्रॉसहोल परीक्षण का प्रावधान प्रदान करता है।

प्रयोगशाला में निम्नलिखित उपकरण विकसित किए गए थे: लचीली सीमा प्रणाली के साथ बहुअक्षीय क्यूबिकल उपकरण के साथ-साथ रीयल-टाइम फीडबैक नियंत्रण प्रणाली जो मिट्टी के सच्चे-त्रिअक्षीय और समतल तनाव परीक्षण करने में सक्षम है, तनाव की निरंतर दर (सीआरएस) समेकन सेटअप, तथा महीन दाने वाली मिट्टी के पुनर्निर्मित नमूने तैयार करने के लिए घोल समेकन सेटअप।

जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में शिक्षण उद्देश्यों के लिए निम्नलिखित उपकरण हैं: एक हाइड्रोलिक बेंच, पिटोट ट्यूब, रेनॉल्ड उपकरण, शार्प-क्रेस्टेड वियर (नॉच), बर्नोली उपकरण, वेंचुरीमीटर और ऑरिफिसमीटर, नोजल मीटर, हाइड्रोलिक टिल्टिंग फ्लूम, मौलिक हाइड्रोलॉजी उपकरण, तथा स्वतंत्र और बाधित भंवर प्रवाह तंत्र। उपरोक्त के अलावा, एक रिवर ट्रे जिसमें लेवी ब्रीच सुविधा है, एक स्वचालित हाइड्रोलिक टिल्टिंग फ्लूम और एक पाइपिंग प्रणाली का अध्ययन करने के लिए ट्रांसिएंटर्स का उपयोग अनुसंधान उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। फ्लूम प्रयोगों में एक 3डी वेग माप उपकरण, ध्वनिक डॉपलर वेलोसीमीटर का उपयोग किया जाता है।

सर्वेक्षण और जीआईएस प्रयोगशाला: को विभिन्न उच्च स्तरीय सर्वेक्षण उपकरण और जीआईएस सॉफ्टवेयर की खरीद के साथ विकसित किया गया है। सर्वेक्षण उपकरण में उन्नत एकीकृत सर्वेक्षण किट शामिल है जिसमें किनेमेटिक जीपीएस, रोबोटिक कुल स्टेशन और संबंधित क्षेत्र और कार्यालय सॉफ्टवेयर शामिल हैं। यह जीपीएस और कुल स्टेशनों के लिए एक आम फाइल और यूजर इंटरफेस प्रदान करता है जो एक दूसरे के पूरक हैं। एकीकृत सर्वेक्षण एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहां जीपीएस तकनीक व्यापक ट्रैवर्सिंग की आवश्यकता के बिना कुल स्टेशन सर्वेक्षण का विस्तार कर सकती है। इसके अलावा कई कुल स्टेशन, ऑटो लेवल, डिजिटल लेवल और हैंडहेल्ड जीपीएस भी खरीदे गए हैं, जिनका उपयोग उन्नत एकीकृत सर्वेक्षण किट के अलावा किया जाएगा। शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में जीआईएस विश्लेषण करने के लिए मल्टीयूजर आर्कजीआईएस इंफो किट की खरीद की जाती है। आर्कजीआईएस पैकेज उपग्रह डेटा को संभालने के लिए पहले से मौजूद इमेज प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर को जोड़ देगा।

संज्ञानात्मक विज्ञान

संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयोगशाला में कई अत्याधुनिक शोध सुविधाएं हैं जिसमें व्यवहारिक क्यूबिकल्स, मनोभौतिकी और साइकोफिजियोलॉजिकल प्रणालियां, नेत्र ट्रेकिंग, आभासी वास्तविकता प्लेटफॉर्म, गति कैप्चर प्रणाली, और एक स्वनिर्मित ड्राइविंग सिमुलेटर शामिल हैं। मस्तिष्क की कार्यप्रणाली का अध्ययन करने वाली शोध सुविधाएं जैसे, उच्च-घनत्व 128 चेनल ईईजी प्रणाली, सीधी धारा का ट्रांसक्रेनियल उत्तेजक और ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजक वाला एमआरआई से लैस तंत्रिका नौचालन प्रणाली, को स्थापित करने के कारण कई शोध संबंधी सवालों पर खोज हो सकती है जिसमें मस्तिष्क प्रक्रिया और मानव बोध दोनों का अध्ययन करना संभव है।

आई-ट्रैकिंग: आई-ट्रैकिंग सुविधा में एक टोबी टीएक्स 300 आई-ट्रैकर शामिल है और यह टोबी स्टूडियो™ आई-ट्रैकिंग सॉफ़्टवेयर के साथ आता है। यह एक अत्याधुनिक आई-ट्रैकिंग सुविधा है जो सैकेड, करेक्शन सैकेड, निर्धारण अवधि, पुतली के आकार और पलकों से संबंधित डेटा एकत्र कर सकती है। सुविधा में टोबी टूलबॉक्स भी शामिल है, जो मैटलैब का उपयोग करके डेटा संग्रह का समर्थन करता है, इस प्रकार प्रयोगात्मक डिजाइन के लिए टोबी स्टूडियो के उपयोग को कम करता है। टोबी से एक्सटेंशन के माध्यम से ई-प्राइम के लिए भी समर्थन उपलब्ध है।

उच्च घनत्व इलेक्ट्रोनसेफेलोग्राफ़ी (ईईजी): एक उच्च घनत्व ईईजी प्रणाली 128 चैनल जियोडेसिक सेंसर नेट के साथ उपलब्ध है जो प्रतिभागियों के लिए त्वरित आवेदन के लिए सेलाइन-आधारित है। प्रोत्साहन प्रस्तुति के लिए प्रणाली को ई-प्राइम और मैटलैब के साथ एकीकृत किया गया है। नेटस्टेशन सॉफ्टवेयर का उपयोग डेटा की रिकॉर्डिंग और प्रोसेसिंग के लिए किया जाता है। डेटा को ओपन-सोर्स और मैटलैब में ईईजीलैब जैसे लोकप्रिय प्रोसेसिंग टूलबॉक्स में भी निर्यात किया जा सकता है। सॉफ्टवेयर क्षमताओं में ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेसिंग अनुप्रयोगों के लिए 8किहर्ट्ज तक के कच्चे डेटा के वास्तविक समय के नमूने के लिए एम्पसर्वर प्रो लाइसेंस शामिल है। ईईजी प्रणाली अब एक साथ आई ट्रैकिंग और ईईजी रिकॉर्डिंग के लिए सेटअप किया गया है।

मस्तिष्क उत्तेजना: सुविधाओं में मस्तिष्क की गैर-आक्रामक उत्तेजना के लिए एक ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना (टीएमएस) प्रणाली शामिल है। टीएमएस प्रणाली को एक न्यूरोनेविगेशन प्रणाली के साथ जोड़ा जाता है जो उत्तेजना के मस्तिष्क क्षेत्रों को स्थानीयकृत करने के लिए एकल या दोहराव वाले चुंबकीय तरंगो के सटीक लक्ष्यीकरण के लिए एक प्रतिभागी के एमआरआई स्कैन का उपयोग कर सकता है। ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) का उपयोग मस्तिष्क के गैर-आक्रामक उत्तेजना के लिए मस्तिष्क के कार्य को व्यवस्थित करने के लिए खोपड़ी में एक छोटे से प्रत्यक्ष प्रवाह का उपयोग करके किया जाता है। यहां तक कि अत्यंत निम्न-स्तर की धाराएं एक साथ एनोड के पास मस्तिष्क की गतिविधि को बढ़ा सकती हैं और कैथोड के पास गतिविधि को कम कर सकती हैं।

रोबोटिक प्रणाली: द्विपक्षीय किनार्म एंड-पॉइंट रोबोट एक ठोस, समझने योग्य रोबोट है जो इंटर-आर्म प्रदर्शन की तुलना और द्वि-मैनुअल समन्वय के अध्ययन के लिए दोनों रोबोटों का एक साथ नियंत्रण सुनिश्चित करता है।

डिजिटाइजिंग टेबलेट: जीटीसीओ केलकोम्प डिजिटाइजिंग टेबलेट भुजा के अंतिम बिंदु में हुई हरकत दर्ज करता है। इसका कार्य क्षेत्र 36X24 सेमी है तथा यह मेज की सतह पर हुई स्टाइलस की गतिविधि दर्ज करता है। यह स्टाइलस की गतिविधि 60 हर्ट्ज की दर से दर्ज कर सकता है।

मोशन कैप्चर प्रणाली: यह कस्टम प्रणाली क्षैतिज तल में किए गए भुजा की हरकत को दर्ज करने के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक संवेदक (असेंशन ट्रैकस्टार, नॉर्दर्न डिजिटल) का उपयोग करता है। यह एक आभासी वास्तविकता वातावरण प्रदान करने के लिए मोशन मॉनिटर (इनस्पोर्ट, शिकागो, आईएल) के साथ-साथ स्वायत्त रूप से विकसित सॉफ्टवेयर के साथ इंटरफेस है, जो विभिन्न कार्य स्थितियों के तहत भुजा की हरकत को दर्ज करने में सक्षम बनाता है। इस प्रणाली को ईएमजी, ईईजी और टीएमएस उपकरण सहित बाहरी उपकरणों की एक श्रृंखला के साथ एकीकृत किया जा सकता है, जो परिमाणीकरण के साथ-साथ भुजा मोटर कार्यों के दौरान तंत्रिका गतिविधि में व्यवधान की अनुमति देता है।

बिहेवियरल क्यूबिकल्स: वर्तमान में, तीन बिहेवियरल क्यूबिकल्स हैं जिनमें ऐसे कंप्यूटर हैं जो बिहेवियरल डेटा कलेक्शन का सहयोग करते हैं। क्यूबिकल ध्वनि-क्षीण अंधेरे कमरे हैं। कंप्यूटर मैटलैब को साइकोफिजिक्स टूलबॉक्स के साथ चलाते हैं और निर्णय लेने, ध्यान, एजेंसी इत्यादि पर शोध के लिए उपयोग किए जाते हैं। वे ई-प्राइम और ब्लिट्ज 3 डी जैसे अन्य सॉफ़्टवेयर का भी समर्थन करते हैं। इन प्रयोगशालाओं का उपयोग कागज और पेंसिल परीक्षणों और प्रश्नावली के लिए निजी स्थान के रूप में भी किया जाता है जिसके लिए बाहरी हस्तक्षेप से मुक्त वातावरण की आवश्यकता होती है। लैब में कई

प्रतिभागियों के बैठने के साथ एक अतिरिक्त सर्वेक्षण कक्ष है। उच्च रीफ्रेश दर मॉनीटर और समायोज्य प्रकाश व्यवस्था के साथ मनो-शारीरिक प्रयोगों के लिए दो अतिरिक्त कक्ष भी इस सुविधा के लिए समर्पित हैं।

सायकोफिजियोलॉजी प्रयोगशाला: वायरलेस फिजियोलॉजी-आधारित डेटा अधिग्रहण प्रणाली (बायोपैक सिस्टम्स इंक) ईसीजी, ईएमजी, ईडीए जैसे शारीरिक संकेतों के वास्तविक समय डेटा अधिग्रहण की सुविधा प्रदान करती है और 16 बिट के उच्च रिज़ॉल्यूशन और कुल 400 किहर्ट्ज तक उच्च गति के साथ डिजिटल ट्रांसमिशन के साथ उत्कृष्ट सिग्नल गुणवत्ता प्रदान करती है। सिस्टम वर्ल्डविज़ इंक के वर्चुअल रियलिटी-आधारित प्रोग्रामिंग प्लेटफॉर्म विजार्ड के साथ कार्य-संगत है।

मल्टीसेंसरी प्रयोगशाला: इस प्रयोगशाला में सराउंड साउंड स्पीकर के साथ सक्रिय शोर रद्दीकरण उपकरण के ध्वनि-क्षीण परीक्षण के लिए अनुसंधान सुविधाएं हैं। लैब में एक ड्राइविंग सिम्युलेटर है जो पूरी तरह से इन-हाउस बनाया गया था।

स्पर्श अनुभव प्रयोगशाला: प्रयोगशाला में स्वनिर्मित आरडीनो आधारित और 3डी छपाई से युक्त उपकरण हैं जिनसे बनावट की भिन्नता, गीलेपन का अनुभव, स्पर्श उत्तेजना के साथ विद्युत पीजो वाइब्रेटर के लिए मनोभौतिक प्रयोग किये जा सकते हैं।

भूविज्ञान

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में भू विज्ञान इसके प्रमुख घटकों जैसे स्थलमंडल, जलमंडल, वायुमंडल और जीवमंडल के बहु-विषयक अध्ययनों और विभिन्न स्थानिक-अस्थायी पैमानों पर उनकी बातचीत के माध्यम से पृथ्वी प्रणाली की समग्र समझ की कल्पना करता है। भू विज्ञान प्रयोगशाला 1 और 2 जल-जियोकेमिकल मॉडलिंग, नैनोपार्टिकल संश्लेषण और उनके आगे के पर्यावरणीय अनुप्रयोगों, "अपशिष्ट से धन" प्रौद्योगिकी, अपशिष्ट जल आधारित महामारी विज्ञान, टिकाऊ के साथ संयुक्त संदूषक भाग्य और परिवहन अध्ययन से शुरू होने वाली विभिन्न बहु / अंतःविषय परियोजनाओं की गतिविधियों का केंद्र है। ये प्रयोगशालाएं विख्यात फंडिंग एजेंसियों (जैसे एमएचआरडी, एसईआरबी, डीएसटी, डीएसटी-यूकेआईईआरआई, इंसपायर, एमटोईएस, एमओईएफ व सीसी, केपीसीएसडी, जीएसबीटीएम) द्वारा वित्त पोषित कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सहयोगी परियोजनाओं के केंद्र हैं। प्रयोगशाला कई अनुरूप परामर्श परियोजनाओं/सेवाओं के माध्यम से सार्वजनिक/निजी भागीदारी को भी बढ़ावा देती है।

पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशाला 1 पानी और मिट्टी के रसायन विज्ञान के प्राथमिक और उन्नत स्तर का संचालन करने के लिए बुनियादी और परिष्कृत अनुसंधान सुविधाओं / उपकरणों से लैस है। इसका उद्देश्य पर्यावरणीय विकृतियों को दूर करना और जमीनी स्तर पर समाज को वैज्ञानिक स्थायी समाधान प्रदान करना है। इस प्रयोगशाला में आयन-क्रोमैटोग्राफी (आईसी), हैना (HI7698194) मल्टीपैरामीटर पीएच/ईसी/डीओ जांच, उच्च शुद्धता मिली-क्यू ग्रेड पानी (18.2 एमΩ सेमी-1, मिली-क्यू® डायरेक्ट 8) शुद्धिकरण प्रणाली, लैमिनार फ्लो हुड, डेसीकेटर, जैविक सुरक्षा कैबिनेट, इनक्यूबेटर, रेफ्रिजरेटर, अल्ट्रासेंट्रीफ्यूज, इलेक्ट्रिक मफल फर्नेस, हॉट एयर ओवन, मैकेनिकल मिश्रण, सोनिकेटर, हॉट प्लेट, तापमान नियंत्रित चुंबकीय उत्तेजक, आटोक्लेव, पीने योग्य पीएच और चालकता मीटर और थर्मोसाइंटिफिक आयन चयनात्मक इलेक्ट्रोड जैसे विभिन्न उपकरणों की सहायता से मैक्रोमोलेक्यूलर स्तर से अल्ट्रा-ट्रेस स्तर तक अनुसंधान की सहायता के लिए कई प्रयोगात्मक सेटअप हैं। प्रयोगशाला बहु-विषयक अध्ययनों के लिए एक सच्चा उदाहरण है, क्योंकि अधिस्नातक और पीएचडी शोध कार्य नैनोमैटेरियल्स, टिकाऊ निर्माण सामग्री जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विस्तारित हैं। साथ ही, विभिन्न विषयों के छात्रों का संघ प्रयोगशाला के वातावरण को बहुत गतिशील और उत्पादक बनाता है।

पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशाला 2 में प्रमुख उपकरणों में विश्लेषण के लिए नमूना तैयार करने की सुविधा शामिल है। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य सूखे के साथ-साथ गीले नमूने भी तैयार करना है। प्रयोगशाला रॉक क्रशिंग और ग्राइंडिंग सुविधा, छलनी, हैंडहेल्ड मजबूत चुंबकीय पृथक्करण, सामान्य और एचएफ विश्लेषण के लिए पूरी तरह कार्यात्मक फ्यूमहुड के माध्यम से अल्ट्रासोनिक सफाई और रेत के दानों की लीचिंग और रासायनिक विश्लेषण से सुसज्जित है।

विद्युत अभियांत्रिकी

विद्युत अभियांत्रिकी विषय वर्तमान में अन्य अभियांत्रिकी विषयों के छात्रों को पांच स्नातक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम और एक बुनियादी प्रयोगशाला पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला मानक परीक्षण और माप उपकरण जैसे डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप, दोहरे चैनल रेंडम फ़ंक्शन जनरेटर, डिजिटल मल्टीमीटर, एलसीआर मीटर, मल्टी आउटपुट डीसी विनियमित बिजली की आपूर्ति, चार-चैनल डिजिटल पावर स्कोप, आठ-चैनल स्कोपकोड, स्रोत और माप इकाइयाँ, सटीक चुंबकीय विश्लेषक, आरएफ स्पेक्ट्रम विश्लेषक, एसी और डीसी डिजिटल बिजली मीटर से सुसज्जित है। इस विषय की अनुसंधान सुविधाएं नीचे दी गई विशेष प्रयोगशालाओं में रखी गई हैं।

वेफर विशेषता प्रयोगशाला: वेफर विशेषता प्रयोगशाला में वर्तमान में एक 6 "वेफर जांच स्टेशन, एक अर्धचालक पैरामीट्रिक विश्लेषक (6 एसएमयू, 1 एलसीआर मीटर, 1 पल्स यूनिट के साथ), एक बिजली उपकरण विश्लेषक, एक 20 गीगाहर्ट्ज वेक्टर नेटवर्क विश्लेषक, एक गतिशील संकेत विश्लेषक, एक कम शोर वाला वर्तमान प्रस्तावक, आईसीसीएपी मॉडलिंग सॉफ्टवेयर और पैकेज्ड उपकरणों को मापने के लिए सेट-अप है। इस प्रयोगशाला में इस वर्ष के अंत तक एक और जांच स्टेशन (8" तापमान सीमा -60 से 300 डिग्री सेल्सियस के साथ) और 43.5गीगाहर्ट्ज वेक्टर नेटवर्क विश्लेषक शामिल किया जाएगा।

नैनोडीसी प्रयोगशाला: नैनो उपकरण और सर्किट (नैनोडीसी) प्रयोगशाला का उपयोग मुख्य रूप से एनालॉग/डिजिटल वीएलएसआई डिजाइन और अर्धचालक उपकरण से संबंधित अनुसंधान के लिए किया जाता है। प्रयोगशाला ताल, मेंटर ग्राफिक्स, सिनोप्सिस, जिलिंक्स आईएसई उपकरण और जीटीएस टीसीएडी उपकरणों के लिए बहु-उपयोगकर्ता लाइसेंस से सुसज्जित है। प्रयोगशाला बेसिस, नेक्सस, स्पार्टन, किनटेक्स -7 बोर्डों सहित विभिन्न एफपीजीए बोर्डों से भी सुसज्जित है। इसके अलावा, लैब में 80-कोर सर्वर, मल्टीपल वर्कस्टेशन और सीएडी टूल्स को होस्ट करने वाली मशीनों सहित अन्य कम्प्यूटेशनल संसाधन हैं।

ऊर्जा प्रणाली और स्मार्ट ग्रिड प्रयोगशाला: प्रयोगशाला पूरी तरह से डिजिटल रियल-टाइम ऊर्जा अभियांत्रिकी सिमुलेशन प्लेटफॉर्म से लैस है जिसमें ओपल-आरटी (ओपी4508 एफ11-3+1) रियल-टाइम डिजिटल सिम्युलेटर-ओपी5600 और हार्डवेयर और फर्मवेयर के लिए अनुकूलित मॉड्यूलर हार्डवेयर-इन-द-लूप (एचआईएल) और रैपिड कंट्रोल प्रोटोटाइप (आरसीपी) बिजली प्रणालियों और स्मार्ट ग्रिड से संबंधित अनुसंधान गतिविधियों में अध्ययन करता है। लैब पावर सिस्टम सिमुलेशन पैकेज - पीएससीएडी, सीवाईएमडीएसटी और जीएएमएस ऑप्टिमाइजेशन टूल से भी लैस है।

बुद्धिमान पुनर्वास और प्रभावी संगणक प्रणाली प्रयोगशाला: बुद्धिमान पुनर्वास और प्रभावी संगणक प्रणाली प्रयोगशाला के पास पांच प्रणालियां हैं जिनके लिए पेटेंट लागू किया गया है (i) संज्ञानात्मक हानि के निदान के लिए स्मार्टआई, (ii) किसी की चाल के लक्षण वर्णन के लिए इंस्ट्रोल, (iii) स्वस्ति जो एआई सक्षम वॉकिंग स्टिक है जो पार्किंसंस रोग वाले लोगों में गैट (एफओजी), और ठंड को रोकने के लिए है। (iv) मानव शरीर के विभिन्न शारीरिक मापदंडों के गैर-आक्रामक माप के लिए ऑनकॉलडॉक्टर प्रणाली और (v) पीट्रेडएक्स जो एक फिजियोलॉजी-संवेदनशील ट्रेडमिल-सहायता प्राप्त वीआर-आधारित गैट एक्सरसाइज प्लेटफॉर्म है। इसके अलावा, यह शोध प्रयोगशाला एक स्प्लिट-बेल्ट ट्रेडमिल प्लेटफॉर्म, रिमोट और पहनने योग्य आई-ट्रैकर्स, शारीरिक डेटा अधिग्रहण के लिए बायोपैक, हैप्टिक डिवाइस, ईईजी डेटा अधिग्रहण, ट्रांसक्रैनियल इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेटर, फंक्शनल इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेटर, साइबरग्लोव और वीआर हेडसेट से लैस है।

कंप्यूटर विजन, इमेजिंग और ग्राफिक्स (सीवीआईजी) प्रयोगशाला: लैब में फ़ारो फोकस 3DX330 और आइंसकैन प्रो+ लेजर स्कैनर हैं, जिनका उपयोग क्रमशः 3डी प्रिंटर के साथ बड़ी संरचनाओं और कलाकृतियों को स्कैन करने के लिए किया जाता है। संभावित अनुप्रयोगों में डिजिटल विरासत, आकार विश्लेषण और ज्यामितीय प्रसंस्करण शामिल हैं। प्रयोगशाला में इसरो-सैक की मदद से कोडित एपर्चर कैमरे भी हैं, जो एक ही छवि से रीफोकस करने और फील्ड रिकवरी की विस्तारित गहराई के लिए हैं। इन कार्यों को प्राप्त करने के लिए किसी भी डीएसएलआर के साथ कोडित एपर्चर कैमरों का उपयोग किया जा सकता है। कई जीपीयू सक्षम वर्कस्टेशन का उपयोग कंप्यूटर विज़न अनुप्रयोगों के लिए गहन शिक्षण से संबंधित कम्प्यूटेशनल रूप से गहन समस्याओं को हल करने के लिए किया जाता है। प्रयोगशाला मानव गतिकी पर अनुसंधान के लिए मानव गति पकड़ने की प्रणाली की भी मेजबानी करेगी।

फोटोनिक सेंसर प्रयोगशाला: फोटोनिक सेंसर प्रयोगशाला निकट-आईआर और मध्य-आईआर ट्यून करने योग्य डायोड लेजर अवशोषण स्पेक्ट्रोस्कोपी, फोटोकॉस्टिक अवशोषण स्पेक्ट्रोस्कोपी, प्लास्मोनिक नैनो-बायोसेंसिंग, माइक्रोबियल विकास अध्ययन और फाइबर-ऑप्टिक बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के अनुप्रयोगों पर काम करती है। प्रयोगशाला 4312 एनएम और 4559 एनएम क्वांटम कैस्केड लेजर (एल्प्स लेजर), एक 1392 एनएम एज-एमिटिंग लेजर डायोड (एब्लाना), 1533 एनएम एज-एमिटिंग लेजर डायोड (टॉपटिका), एक 100 मेगावाट, 4.3-4.7 यूएम) क्वांटम कैस्केड लेजर (डेलाइट सॉल्यूशंस), एक 1650 एनएम एज-एमिटिंग लेजर डायोड (टॉपटिका फोटोनिक्स), वीसीएसईएल (1278 एनएम, 2004 एनएम, वर्टिलास), कूल्ड और अनकूल्ड फोटोडायोड से सुसज्जित है। इसमें एक 50 मेगाहर्ट्ज डुअल-चैनल, लॉक-इन एम्पलीफायर (ज़ूरिख इंस्ट्रूमेंट्स), कई लेजर डायोड करंट और तापमान नियंत्रक (थोरलैब्स, एसआरएस), एक मनमाना तरंग जनरेटर (एगिलेंट), एक 500 मेगाहर्ट्ज, 1 जीएस / एस डिजिटल फॉस्फोर, ऑसिलोस्कोप (टेक्ट्रोनिक्स), एक डिजिटल विलंब और पल्स जनरेटर, (एसआरएस), और एक 3 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम विश्लेषक (एगिलेंट) है।

संगणक नैनोफोटोनिक्स प्रयोगशाला: संगणक नैनोफोटोनिक्स प्रयोगशाला इमेजिंग, सेंसिंग और ऊर्जा संचयन में अनुप्रयोगों की दिशा में एक आंख के साथ नैनोसंरचित सामग्री के साथ प्रकाश बातचीत की मौलिक भौतिकी की जांच करती है। प्रयोगशाला जिन असंख्य अनुप्रयोगों की जांच करती है उनमें उच्च-रिज़ॉल्यूशन और बहुत व्यापक क्षेत्र-दृश्य सूक्ष्मदर्शी, मोनोलिथिक एकीकृत अल्ट्रा-मिनिएचर कैमरे, नैनो-स्केल पर वस्तुओं और गतिशीलता की जांच के लिए अति-संवेदनशील गैर-विनाशकारी ऑप्टिकल माप तकनीक, बायोइन्स्पायर्ड टिकाऊ ऊर्जा संचयन और भंडारण तकनीक शामिल हैं। लैब ब्रॉडबैंड सुपरकॉन्टिनम लेजर, यूवीवीआईएस-एनआईआर स्पेक्ट्रोमीटर और ऑप्टिकल नैनोस्ट्रक्चर और मेटा-सर्फेस के लक्षण वर्णन के लिए अन्य उपकरणों से लैस है।

मल्टीमीडिया विश्लेषण और सुरक्षा (मानस) लैब: मानस लैब वर्तमान में मल्टीमीडिया की सुरक्षा और रिमोट सेंसिंग छवियों के विश्लेषण से संबंधित समस्याओं की जांच पर केंद्रित है। प्रयोगशाला में मल्टीमीडिया के प्रसंस्करण के लिए मानक वाणिज्यिक सॉफ्टवेयर उपकरण हैं और इसमें कस्टम कम्प्यूटेशनल सिस्टम विकसित किया जाता है। प्रयोगशाला मल्टीमीडिया डेटा प्राप्त करने और संसाधित करने के लिए मानक उपकरणों से सुसज्जित है जैसे कच्चे प्रारूप में छवियों और वीडियो को कैप्चर करने के लिए पेशेवर तीन-सेंसर कैमरे, सटीक ग्राउंड ट्रुथिंग के लिए हाई-फिडेलिटी पेन और टच सिस्टम और जीपीयू सक्षम हाई-एंड कम्प्यूटेशनल सर्वर जो मल्टीमीडिया विश्लेषण और सुरक्षा से संबंधित कम्प्यूटेशनल रूप से महंगी उलटी समस्याओं को हल करने के लिए उपयोग किये जाते हैं।

विद्युत मशीनें और ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला: प्रयोगशाला विभिन्न विद्युत मशीनों के डिजाइन, नियंत्रण और निदान पर अनुसंधान कार्य करने के लिए सुसज्जित है। इनमें ट्रांसफॉर्मर, रोटेटिंग इलेक्ट्रिक मशीन और पावर कन्वर्टर्स शामिल हैं। एनसिस मेक्सवेल में 2D और 3D इलेक्ट्रोमैग्नेटिक परिमित तत्व विश्लेषण का उपयोग करके नए और मौजूदा टोपोलॉजी का डिजाइन और विश्लेषण किया जाता है। प्रयोगशाला में विभिन्न रोटेटिंग इलेक्ट्रिक मशीन टोपोलॉजी पर प्रयोग के लिए टेस्ट-सेटअप उपलब्ध हैं। इनमें स्थायी चुंबक ब्रशलेस डीसी मोटर, स्थायी चुंबक तुल्यकालिक मोटर और स्विच्ड अनिच्छा मोटर शामिल हैं। पारंपरिक टोपोलॉजी का विश्लेषण और मॉडलिंग एक एकीकृत परीक्षण बेंच पर किया जाता है जिसमें एक डीसी मशीन, एक इंडक्शन मशीन और एक सिंक्रोनस मशीन होती है। मोटर को लोड करने और टॉर्क वेवफॉर्म प्राप्त करने के लिए प्रयोगशाला एक एडी करंट डायनेमोमीटर से लैस है। मशीन स्वास्थ्य निदान के लिए, एफआरए विश्लेषण करने के लिए सटीक चुंबकीय विश्लेषक और आवेग जनरेटर का उपयोग किया जाता है। प्रयोगशाला सुविधाओं में प्रोग्राम योग्य बिजली आपूर्ति भी शामिल है जिसका उपयोग ग्रिड व्यवहार की नकल करने के लिए संतुलित और असंतुलित आपूर्ति उत्पन्न करने के लिए किया जाता है। प्रयोगशाला में बुनियादी पावर कन्वर्टर्स और उनके संबंधित नियंत्रक और ड्राइवर तैयार किए गए हैं। ये कनवर्टर टोपोलॉजी एसी-डीसी, एसी-एसी, डीसी-एसी और डीसी-डीसी रूपांतरण के कार्यान्वयन की अनुमति देते हैं।

चिकित्सा अल्ट्रासाउंड अभियांत्रिकी (एमयूएसई) प्रयोगशाला: एमयूएसई प्रयोगशाला बायोमेडिकल अल्ट्रासाउंड इमेजिंग, थेरेपी और मेट्रोलॉजी में अनुसंधान करने के लिए सुसज्जित है। प्रयोगशाला के वर्तमान उपकरणों में एकल-तत्व ट्रांसड्यूसर (1 - 20 मेगाहर्ट्ज केंद्र आवृत्ति), उच्च तीव्रता केंद्रित अल्ट्रासाउंड ट्रांसड्यूसर (2 मेगाहर्ट्ज), दो अल्ट्रासाउंड डायथर्मी सिस्टम, पल्सर रिसीवर (1 - 30 मेगाहर्ट्ज) आवृत्ति, मनमाना तरंग जनरेटर (1 - 50 मेगाहर्ट्ज), एक आरएफ पावर एम्पलीफायर, एक प्रोग्रामेबल अल्ट्रासोनिक डेटा एक्विजिशन सिस्टम, एक ब्रॉडबैंड हाइड्रोफोन, डिजिटल स्टोरेज और मिक्स्ड सिग्नल ऑसिलोस्कोप (200 और 100 मेगाहर्ट्ज बैंडविथ), एक मोटराइज्ड 3-एक्सिस पोजिशनिंग सिस्टम, एक प्रीम्प्लीफायर (30 मेगाहर्ट्ज बैंडविड्थ), एक प्रोग्रामेबल पावर सप्लाई, ए वैक्यूम डिगैसर, एक कैलिब्रेटेड ऊतक-नकल अल्ट्रासाउंड प्रेत, एक भंग ऑक्सीजन जांच, गीले प्रयोगशाला उपकरण (पिपेट्स, एक माइक्रोबैलेंस, गर्म / हलचल प्लेट, एक ओवरहेड उत्तेजक, और तापमान नियंत्रित परिसंचरण स्नान), और एक कस्टम ध्वनिक क्षीणन स्पेक्ट्रोस्कोपी प्रणाली शामिल है। प्रयोगशाला जैविक सामग्री और पूर्व विवो ऊतक के प्रयोगों के लिए सुसज्जित है।

ध्वनि संकेत प्रसंस्करण प्रयोगशाला: इस प्रयोगशाला का प्राथमिक ध्येय सक्रिय शोर नियंत्रण हेडफ़ोन, श्रवण यंत्र और श्रवण यंत्र सहित ऑडियो उपकरणों के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग एल्गोरिदम के विकास और कार्यान्वयन पर है। लैब में स्पीडगोट ऑडियो परफॉर्मेंस रियल-टाइम टार्गेट मशीन, न्यूमैन केयू100 डमी हेड माइक्रोफोन, जीआरएएस 45सीए ईयर प्रोटेक्टर टेस्ट मॉड्यूल के अलावा ऑडियो इंटरफेस, मेजरमेंट माइक्रोफोन और स्टूडियो मॉनिटर स्पीकर सहित उपकरण हैं।

पदार्थ अभियांत्रिकी

पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (एमएसई) विषय, जिसे 2020 में पदार्थ अभियांत्रिकी के नाम से रूपांतरित किया गया है, में 4 सक्रिय प्रयोगशालाएँ शामिल हैं, जैसे मेटलोग्राफी प्रयोगशाला, मैटेरियल्स कैरेक्टराइजेशन प्रयोगशाला, वेफर कैरेक्टराइजेशन प्रयोगशाला और बायोनोमैटेरियल्स प्रयोगशाला। मेटलोग्राफी प्रयोगशाला में, मुख्य रूप से सामग्री के प्रसंस्करण और नमूना तैयार करने में सहायता के लिए मैनुअल और स्वचालित पॉलिशिंग मशीन, अपघर्षक काटने की मशीन, विकर्स कठोरता इंडेंटर्स, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, कम ऊर्जा रोलर, फर्नेस, फ्यूम हुड और रासायनिक भंडारण की एक विस्तृत विविधता है। सामग्री लक्षण वर्णन प्रयोगशाला में ऐसे उपकरण हैं जो सतह लक्षण वर्णन (संपर्क कोण गोनियोमीटर, एसईएम, एएफएम, प्रोफिलोमीटर, एफटीआईआर), संरचनात्मक लक्षण वर्णन, थर्मल लक्षण वर्णन (टीजीए, डीएससी, एसटीए), और मौलिक संरचना लक्षण वर्णन (एएएस, आईसीपी-ओईएस, आईसीपी-एमएस, और एक्सआरएफ) कर सकते हैं। वेफर कैरेक्टराइजेशन प्रयोगशाला मुख्य रूप से स्पटरिंग तकनीकों द्वारा ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए पतली फिल्मों की तैयारी पर केंद्रित है। बायोनेनोमैटिरियल्स प्रयोगशाला एक पॉजिटिव-प्रेशर प्रयोगशाला (कक्षा 10,000) है जो नैनोपार्टिकल्स (डीएलएस, सीपीएस, जिगो, हाइपरथर्मिया) को सिंथेसिस और कैरेक्टराइज करने के लिए उपकरणों से लैस है। प्रयोगशाला में विकसित नैनोमेटेरियल्स पर प्रारंभिक टॉक्सिकोलॉजिकल परख करने के लिए एक सेल कल्चर सुविधा भी है। हमने हाल ही में ईडीएस, डब्लूडीएस, और ईबीएसडी की क्षमताओं के साथ अपने फिस्ट-वित्त पोषित विश्लेषणात्मक एसईएम की स्थापना का समापन किया है। पदार्थ अभियांत्रिकी प्रयोगशालाओं की उपकरण क्षमताओं को लगातार नए उपकरण जैसे कि जोमिनी एंड क्वेंच टेस्ट, ट्यूब फर्नेस, और यूवी-विज़ एनआईआर स्पेक्ट्रोस्कोपी को जोड़कर उन्नत किया जा रहा है जो इस वर्ष जोड़े गए हैं। एक नई प्रयोगशाला- पदार्थ प्रसंस्करण प्रयोगशाला वर्तमान में स्थापित की जा रही है और उम्मीद है कि उनके सूखे और गीले स्थितियों में सामग्री को संसाधित करने के लिए रोलिंग मशीन, हॉट प्रेस, ट्राइबोमीटर और कई फ्यूम हुड होंगे।

स्नातक छात्रों के लिए प्रयोगशाला और परियोजना पाठ्यक्रमों के दौरान उपकरणों के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और अभ्यास सत्र होते हैं। अधिस्नातक छात्र नियमित रूप से इन उपकरणों का उपयोग अपनी शोध गतिविधियों के लिए करते हैं। इसके अलावा, सभी उपकरणों तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए उपयोग के लिए समय स्लॉट की आसान बुकिंग को सक्षम करने के लिए एक ऑनलाइन उपकरण एक्सेस सिस्टम तैयार किया गया है। उपयोगकर्ता उपलब्ध स्लॉट और किसी विशेष उपकरण के लिए आवंटित संबंधित टीए पा सकते हैं।

यांत्रिक अभियांत्रिकी

यांत्रिक अभियांत्रिकी संकाय ने विभिन्न विषयों के लिए भौतिक रूप से अलग प्रयोगशालाओं को समाप्त कर दिया है और इसके बजाय भौतिक सुविधाओं के साथ-साथ प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों के संबंध में एक एकीकृत दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया है। सुविधाओं और उपकरणों को लगातार उन्नत किया जा रहा है। कुछ बड़े डेमो प्रयोगों के अलावा, प्रयोगशाला सुविधाओं का एक बहुत बड़ा हिस्सा घटकों और सेंसर के रूप में है जो सीखने-और-करने और 'डू-इट-योरसेल्फ' (डीआईवाई) दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है जिसे संकाय प्रयोगशाला पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम परियोजनाएं, और पाठ्येतर परियोजनाओं में क्रियान्वित किया जाता है।

ठोस एवं तरल यांत्रिकी: ठोस यांत्रिकी प्रयोगशाला ने इस वर्ष सफलतापूर्वक 100 केएन विश्वव्यापी परीक्षण मशीन पुनर्जीवित की है। मशीन के लोड सेल, ग्रिपर और नियंत्रक में बदलाव कर दिया गया है। डीआईवाई दर्शन को बढ़ावा देने के लिए, प्रयोगशाला हाल ही में स्थापित संरचनात्मक उपकरणों के सुइट को इस्तेमाल करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करता है जिससे अवरस्नातक स्तर पर उपलब्ध ठोस की यांत्रिकी और विकृत शरीरों की यांत्रिकी पाठ्यक्रमों में अधिगमन की वृद्धि हो। स्थापित सुइट में 1) बीम में झुकने वाले क्षण, 2) बीम में कतरनी बल, 3) बीम और कैंटिलीवर का विक्षेपण, 4) बीम में झुकने वाला तनाव, 5) असमान झुकाव और कतरनी केंद्र, 6) स्ट्रट्स की बकलिंग और 7) निरंतर और अनिश्चित बीम। इन सामग्रियों का उपयोग कक्षा में प्रदर्शनों और छात्रों की परियोजनाओं, दोनों में होता है। अन्य सुविधाएं इस प्रकार हैं: 450जे क्षमता की चार्पी प्रभाव परीक्षण मशीन (एमटीएस), मरोड़ परीक्षण मशीन (500 एनएम) और रॉकवेल व विकर्स कठोरता परीक्षण मशीन (ज्विक रोएल), तथा एक फटीग परीक्षण मशीन। स्ट्रेन गेज और संबंधित डेटा अधिग्रहण प्रणाली भी प्रयोगों का संचालन करने में छात्रों को अपने हाथों से इस्तेमाल करने के लिए उपलब्ध है।

द्रव यांत्रिकी प्रयोगशाला में द्रव स्थैतिकी और द्रव गतिकी पर प्रयोग करने के लिए सेटअप हैं। कई सामान्य टर्बोमशीन जैसे गियर पंप, सेंट्रीफ्यूगल पंप, पेल्टन व्हील के साथ-साथ विभिन्न प्रवाह मापने वाले उपकरण और सहायक उपकरण भी स्थापित किए गए हैं। इस वर्ष, हमने अतिरिक्त उपकरण जैसे श्रृंखला और समानांतर केन्द्रापसारक पंप, हॉट वायर एनीमोमीटर, सतह दबाव सेंसर और डिजिटल माइक्रोमैनोमीटर और उपकरणों की खरीद की है ताकि प्रयोगों में सहायता के लिए प्रवाह-क्षेत्र की कल्पना की जा सके।

विनिर्माण: विनिर्माण प्रयोगशाला में लेथ, मिलिंग मशीन, वर्टिकल मशीनिंग सेंटर, इलेक्ट्रिक डिस्चार्ज मशीन, वेल्डिंग, फिटिंग और टिन स्मिथी उपकरण जैसी सुविधाएं हैं। यह विनिर्माण प्रथाओं और प्रक्रियाओं पर पाठ्यक्रमों का समर्थन करता है और एकीकृत डिजाइन और विनिर्माण पाठ्यक्रमों में विनिर्माण गतिविधियों का समर्थन करता है। यह स्नातक छात्र परियोजनाओं के निर्माण के साथ-साथ अनुसंधान से संबंधित उपकरण और सहायक उपकरण के लिए एक कार्यशाला के रूप में भी कार्य करता है

नियंत्रण प्रणाली: नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला कई विषयों के बीच साझा की जाती है और इसमें कई प्रकार के प्रयोग शामिल होते हैं जो छात्रों को नियंत्रण प्रणाली के सिद्धांत और डिजाइन दोनों पहलुओं और कार्यान्वयन पहलुओं को समझने में मदद करते हैं। टिंकरर्स लैब में और अनुशासन के भीतर संसाधनों का लाभ उठाते हुए, नियंत्रण प्रणालियों में अधिकांश प्रयोग डीआईवाई दृष्टिकोणों में परिवर्तित हो गए हैं, जिसमें छात्र विभिन्न जटिलताओं के प्रयोगों का निर्माण करने और उन पर विभिन्न नियंत्रण रणनीतियों को लागू करने में सक्षम हैं। इसके अलावा, कुछ परीक्षण रिग प्रदर्शन मानदंडों को पूरा करने के लिए सेंसर, डेटा अधिग्रहण, अंशांकन, स्थिरता विश्लेषण, पीआईडी नियंत्रक ट्यूनिंग, प्रयोगात्मक डेटा से मॉडलिंग, रूट लोकस-आधारित डिज़ाइन के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं। इस तरह की गतिविधियों के लिए उपलब्ध यांत्रिक, विद्युत और उपकरण घटकों को इस दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए इस वर्ष बढ़ा दिया गया था।

ऊर्जा प्रणाली: अक्षय ऊर्जा प्रयोगशाला सुविधा के पीछे प्रेरणा अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में स्नातक और स्नातक छात्रों को प्रयोगात्मक अनुभव की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करना है। इस सुविधा में पवन, तापीय और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले प्रायोगिक सेटअप शामिल हैं। इस प्रायोगिक सुविधा में तापीय ऊर्जा भंडारण प्रशिक्षण प्रणाली, सौर सांद्रक प्रशिक्षण प्रणाली, पवन ऊर्जा प्रशिक्षण प्रणाली और सौर पीवी प्रशिक्षण और अनुसंधान प्रणाली शामिल हैं। एक ईंधन-सेल परीक्षण प्रणाली और एक गर्मी हस्तांतरण प्रयोगात्मक मॉड्यूल प्राप्त किया गया है

रोबोटिक्स: हाल के वर्षों में, रोबोटिक्स शिक्षण और अनुसंधान के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण डोमेन के रूप में उभरा है। रोबोट, अनिवार्य रूप से, प्रोग्राम करने योग्य इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सिस्टम (मशीन) हैं जिन्हें कई अलग-अलग विषयों की समझ और निष्पादन की आवश्यकता होती है। इन प्रणालियों के विकास और परीक्षण की प्रक्रिया भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में छात्रों और संकायों में बहुत रुचि पैदा कर रही है। छात्रों के लिए हर साल कई नियमित और वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं। छात्र परियोजना इन पाठ्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण घटक है, जहां सीखने की पद्धति को अपनाया जाता है। इनमें से कुछ पाठ्यक्रमों के नाम इस प्रकार हैं:

- रोबोटिक्स का परिचय - एक स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम
- मेक्ट्रोनिक्स - एक वैकल्पिक स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम
- गतिशीलता और नियंत्रण - एक अनिवार्य स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस - एक स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम
- मशीन लर्निंग पाठ्यक्रम - एक स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम

इन नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्र हर साल अमलथिया और इग्राइट जैसे तकनीकी कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं, जहां बड़ी संख्या में प्रतियोगिताएं रोबोटिक्स संचालित गतिविधियों पर आधारित होती हैं। प्रत्येक वर्ष, बड़ी संख्या में छात्र बाहरी रूप से आयोजित रोबोटिक्स प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं, जैसे कि भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे ई-यंत्र, डीआरडीओ रोबोटिक्स और मानव रहित प्रणाली प्रदर्शनी (डीआरयूएसई), आदि। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर स्नातक और स्नातक स्तर के छात्रों की कुल 12 टीमें गुजरात विज्ञान, प्रौद्योगिकी व नवाचार (एसटीआई) निधि के तहत रोबोट बनाने की प्रतियोगिता "रोबोफेस्ट- गुजरात-2019" में भाग ले रही हैं।

गतिकी, कंपन और तरंगें: इस सुविधा में वर्तमान में अत्याधुनिक पीजोइलेक्ट्रिक सेंसर जैसे एक्सेलेरोमीटर, अलग-अलग संवेदनशीलता के गतिशील बल सेंसर और विभिन्न अनुप्रयोगों की पूर्ति करने वाले कारक हैं। हमारे पास पोस्ट-प्रोसेसिंग के लिए आवश्यक डेटा अधिग्रहण हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर हैं। हमने प्रभाव हथौड़ों का अधिग्रहण किया है जो मॉडल और संरचनात्मक परीक्षण के लिए नियंत्रित आवेग प्रदान कर सकते हैं। कंपन परीक्षण के लिए, हमारे पास समर्पित नियंत्रक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के साथ 1.6केएन कंपन शेकर और 200एन मोडल एक्सिटर है। हमने संरचनात्मक गतिकी से संबंधित प्रयोगों के संचालन के लिए एक उच्च निष्ठा स्ट्रोबोस्कोप प्राप्त किया है। इसके अलावा, हमारे पास बढ़ते प्रायोगिक सेटअप के लिए उच्च परिशुद्धता सतह प्लेट हैं। हम प्रयोग करने के लिए 2 मीटर एयर-ट्रैक का उपयोग कर रहे हैं और समर्पित जड़त्वीय माप इकाइयाँ (एक्सेलेरोमीटर, जायरोस आदि) हमारे पास उपलब्ध हैं। अंडरग्रेजुएट छात्रों (ईएस321: डायनेमिक्स एंड वाइब्रेशन्स, फॉल 2019) ने अपना टर्म प्रोजेक्ट पूरा कर लिया है। स्नातक छात्रों (ईएस648: नॉनलाइनियर डायनेमिक्स एंड वाइब्रेशन्स, स्प्रिंग 2020) ने अपने कोर्स टर्म-प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में गढ़े हुए प्रयोग किए हैं।

भौतिक विज्ञान

भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर प्रयोग करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। एमएससी प्रयोगशाला में ऑप्टिक्स, सॉलिड-स्टेट फिजिक्स, स्पेक्ट्रोस्कोपी, मॉडर्न फिजिक्स और इलेक्ट्रॉनिक्स में विषयों को कवर करने वाले ग्यारह प्रयोग शामिल हैं। प्रयोगशाला में अर्धचालकों में हॉल प्रभाव और ऊर्जा बैंड अंतराल के माप का अध्ययन करने के लिए उपकरण है, इलेक्ट्रॉन-स्पिन अनुनाद के माध्यम से इलेक्ट्रॉन स्पिन के साथ बाहरी चुंबकीय क्षेत्रों की बातचीत, चुंबकीय क्षेत्र और कक्षीय कोणीय गति से जुड़े चुंबकीय द्विध्रुवीय क्षण के बीच बातचीत ज़ीमैन प्रभाव के माध्यम से इलेक्ट्रॉन का, फैब्री-पेरोट और मच-ज़ेन्डर जैसे इंटरफेरोमीटर, जो प्रकाश की तरंग दैर्ध्य और चरण बदलाव को मापने में बड़े पैमाने पर उपयोग किए जाते हैं। प्रयोगशाला में फाइबर-ऑप्टिक लक्षण वर्णन उपकरण संख्यात्मक एपर्चर और मल्टीमोड फाइबर के झुकने के नुकसान को खोजने में सहायक है। लेजर के साथ प्रयोगों में लेजर बीम प्रोफाइल का अध्ययन और ऑप्टिकल वेवगाइड के सिद्धांत को समझना शामिल है। प्रयोगशाला एफईटी और एमओएसएफईटी पर विभिन्न प्रयोग भी प्रस्तुत करती है, जो अर्धचालक उपकरण हैं तथा जिनका उपयोग इलेक्ट्रॉनिक सर्किट में एम्पलीफायरों के रूप में किया जाता है। लॉजिक गेट्स के साथ प्रयोग छात्रों को गणितीय ऑपरेटरों और एम्पलीफायरों के रूप में लॉजिक सर्किट के कार्यों को समझने में सक्षम बनाते हैं। प्रयोगशाला में विभिन्न परिस्थितियों में आयाम और आवृत्ति मॉड्यूलेशन और डिमॉड्यूलेशन के सिद्धांतों को प्रदर्शित करने के लिए किट भी हैं। स्नातक भौतिकी प्रयोगशाला में आधुनिक भौतिकी, प्रकाशिकी और ध्वनिकी के विषयों को शामिल करने वाले सात प्रयोग हैं। छात्रों को प्रयोगों में अपने कुछ विचारों को जोड़ने और उनकी उपयुक्त वैज्ञानिक व्याख्याओं को खोजने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, स्नातक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम को महत्वपूर्ण सोच पर जोर देने और छात्रों की शोध योग्यता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पाठ्यक्रम में नियमित प्रयोग करने के अलावा, छात्रों को पाठ्यक्रम प्रशिक्षक और सहयोगियों के मार्गदर्शन में समूहों में अल्पकालिक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की सलाह दी जाती है। छात्र भौतिकी के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित प्रस्ताव लेकर आते हैं जो वैज्ञानिक या तकनीकी दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं। प्रस्तावों में पर्याप्त नवीनता होने की उम्मीद है और उनका पीछा करने से पहले भौतिकी संकायों द्वारा कठोरता से समीक्षा की जाती है। अनुमोदित परियोजनाओं को आंशिक रूप से अनुशासन बजट द्वारा समर्थित किया जाता है। छात्र संस्थान की कार्यशाला, अन्य प्रयोगशाला सुविधाओं और भौतिकी अनुशासन के बाहर के केंद्रों का उपयोग करते हैं। यह टिंकरिंग लैब अभ्यास सेमेस्टर के अंत में एक ओपन-टू-ऑल पोस्टर सत्र के साथ समाप्त होता है, जिसके दौरान छात्रों को पूरे भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय को अपनी परियोजनाओं को प्रदर्शित करने, अन्य छात्रों और संकायों के साथ बातचीत करने और अपने निष्कर्षों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है।

भौतिकी संकाय में अनुसंधान प्रयोगशालाएं प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी और नैनो सामग्री के क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान में शामिल हैं। विशेष रूप से, ऊर्जा अनुसंधान, सतहों और इंटरफेस के भौतिकी, नैनोमटेरियल्स और पतली फिल्मों के विकास और लक्षण वर्णन, ग्राफीन-आधारित नैनोफ्लुइडिक्स / विलवणीकरण तकनीक, आयन / प्रोटॉन परिवहन 2डी हेटरोस्ट्रक्चर, सक्रिय पदार्थ और कोलाइडल गतिकी के लिए नैनोमटेरियल्स के क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित अनुसंधान सुविधाएं स्थापित की गई हैं। अनुसंधान के साथ-साथ शिक्षण उद्देश्यों के लिए प्रायोगिक सुविधाओं में भौतिक वाष्प जमाव प्रणाली, ऑप्टिकल लिथोग्राफी प्रणाली, लैंगमुइर-ब्लोडगेट गर्त, ब्रूस्टर एंगल माइक्रोस्कोप, स्पिन कोटर,

उच्च परिशुद्धता वजन संतुलन, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, रियोमीटर, स्रोत-माप इकाइयाँ, मिली-क्यू सिस्टम, परिष्कृत नमूना भंडारण और सेंट्रीफ्यूजेशन सुविधाएं और बहुत कुछ शामिल हैं। अंतःविषय अनुसंधान और सीखने के लिए भौतिकी अनुशासन में एक केंद्र बनाने की व्यापक दृष्टि के तहत छात्रों में अनुसंधान योग्यता को सुविधाजनक बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए अनुसंधान और शिक्षण सुविधाओं को लगातार उन्नत किया जा रहा है।

केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधा (सीआईएफ)

केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधा (सीआईएफ) की स्थापना भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के भीतर और बाहर के शोधकर्ताओं को परिष्कृत लक्षण वर्णन सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। इसमें एसईएम, एक्सआरडी, एएफएम, एनएमआर, एलसी-एमएस, मालडी-टीओएफ, आईसीपी-एमएस और आईसीपी-ओईएस, कन्फोकल माइक्रोस्कोप, सिंगल क्रिस्टल एक्सआरडी, टीईएम, और बहुउद्देशीय एक्सआरडी जैसे कई उच्च-स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण हैं। हमने हाल ही में सामग्री विज्ञान और अनुसंधान के लिए मौलिक विश्लेषण के लिए विभिन्न क्षमताओं के साथ उन्नत विश्लेषणात्मक एफईएसईएम जैसे नए उपकरण जोड़े हैं। सीआईएफ का उद्देश्य बहु-विषयक अनुसंधान की सुविधा के लिए नवीनतम और उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरणों से युक्त एक केंद्रीय सुविधा प्रदान करना है और उच्च अंत सामग्री लक्षण वर्णन के लिए अकादमिक अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों और उद्योगों की जरूरतों को पूरा करना है।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर नियमित रूप से तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, जहां सीआईएफ सुविधा कर्मचारी और छात्र सीआईएफ इंस्ट्रुमेंटेशन के तकनीकी और अनुप्रयोग पहलुओं पर संक्षिप्त व्याख्यान देने में शामिल होते हैं। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर सीआईएफ देश भर में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपयोगकर्ताओं द्वारा सुविधा का उपयोग करने के लिए राष्ट्रीय आई-स्टेम पोर्टल पर है।

उद्योग के साथ भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर सीआईएफ के संबंध

सीआईएफ विभिन्न स्तरों पर उद्योगों की जरूरतों को पूरा करता रहा है। सन फार्मा, पिरामल फार्मा, जायडस शोध केंद्र, कैडिला हेल्थकेयर, टोरेंट फार्मा, सूड-केमी जैसे कई फार्मास्युटिकल उद्योग हमारी सुविधा के नियमित उपयोगकर्ता हैं। लगभग 30 प्रमुख उद्योग सीआईएफ भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के उपयोगकर्ता हैं। कुछ छोटे और मध्यम स्तर के उद्योग भौतिक लक्षण वर्णन, कठोरता परीक्षण, मौलिक विश्लेषण इत्यादि के लिए हमारी सुविधा का उपयोग करते हैं। विश्लेषणात्मक एफईएसईएम, ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (टीईएम), बहुउद्देश्यीय एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर, और इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज़्मा (आईसीपी-एमएस/ओईएस), जैसे नए उपकरणों को जोड़ने के साथ, हम उद्योग के उपयोगकर्ताओं की संख्या में उनके अनुसंधान एवं विकास कार्य के लिए वृद्धि देख रहे हैं।

शैक्षणिक संस्थानों के साथ भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर सीआईएफ के संबंध

लगातार विश्वविद्यालयों, संस्थानों और अनुसंधान एवं विकास विभागों को सेवाएं प्रदान करते रहे हैं। प्रमुख लक्ष्य एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना है जिससे शैक्षणिक संस्थानों के बीच प्रमुख सहयोग हो सके। कुछ संस्थान जो हमारे सीआईएफ के नियमित उपयोगकर्ता हैं, वे हैं एनआईपीईआर, आईआईआईटी-रैम, निरमा विश्वविद्यालय, गुजरात विश्वविद्यालय, आईआईएआर, सीयूजी, पीआरएल, आईपीआर, सीएसएमसीआरआई, एमएसयू, एसपी विश्वविद्यालय, पीडीपीयू आदि। डेंटल कॉलेजों के कई छात्रों ने स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसईएम) का उपयोग करके नमूना विश्लेषण किया है। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में सीआईएफ उन सभी विज्ञान उत्साही लोगों के लिए खुला है जो विज्ञान की खोज करना कभी बंद नहीं करते हैं।

हाल ही में जुड़े सीआईएफ उपकरण

उन्नत विश्लेषणात्मक क्रमवीक्षण इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शकयंत्र हाल ही में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में स्थापित हुआ है। एक अत्याधुनिक विश्लेषणात्मक एइई-एसईएम जो कि उच्च शिक्षा संस्थानों (एफआईएसटी) में एस एवं टी अवसंरचना के तहत आंशिक रूप से विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा निधि प्राप्त है।

इस प्रणाली की मदद से उपयोगकर्ता नमूनों के उच्च विघटन प्रेक्षण, उच्च गति मौलिक व क्रिस्टेलोग्राफिक प्रतिचित्रण का पता लगाते हैं। सूक्ष्मदर्शकयंत्र का प्रयोग बड़ी मात्रा में अकार्बनिक नमूनों का उन्नत सूक्ष्मसंरचना और स्पेक्ट्रोस्कोपी विशेषीकरण का पता करने में होता है। इस उपकरण में कई परिष्कृत क्षमताएं हैं जैसे उच्च विघटन क्रमवीक्षण इलेक्ट्रॉन परिचित्रण, बैकस्केटर इलेक्ट्रॉन परिचित्रण, ऑक्सफोर्ड अल्टीमेक्स का उपयोग करने वाला ऊर्जा बिखेरने का एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी, ऑक्सफोर्ड वेव का उपयोग करने वाला तरंग बिखेरने का एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी और ऑक्सफोर्ड सिमेट्री के उपयोग से माइक्रोटेक्सचर बिखराव का इलेक्ट्रॉन बैकस्केटर बिखराव विश्लेषण।

बीडी फेक्सएरिया फ्यूजन फ्लो साइटोमीटर सेल सॉर्टर
बीडी फेक्सएरिया फ्यूजन फ्लो साइटोमीटर हाई एंड सेल सॉर्टर अत्यधिक विषम मिश्रणों के भीतर बायोमोलेक्यूल्स और कोशिकाओं की विभिन्न आबादी की निगरानी के लिए एक शक्तिशाली, संवेदनशील और बेजोड़ तकनीक प्रदान करता है। यह उपकरण तीन सॉलिड स्टेट लेज़रों का उपयोग एक साथ 11 मापदंडों (13 फॉरवर्ड और साइड स्कैटर सहित) के मापन के लिए करता है। साधन के दोनों घटकों अर्थात् फ्लोरेसेंस/स्कैटरिंग एनालाइजर और सेल सॉर्टर को एक ही इकाई के भीतर रखा गया है जिसके लिए ऑप्टिक्स के किसी भी कस्टम संरेखण की आवश्यकता नहीं होती है। सेल चक्र विश्लेषण, सेल व्यवहार्यता परख और इम्यूनोफेनोटाइपिंग के साथ-साथ सेल सॉर्टिंग, झिल्ली संभावित माप सहित उच्च अंत अनुप्रयोगों सहित नियमित अनुप्रयोगों को करने में सक्षम है। यह उपकरण भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में औषधीय रसायन विज्ञान, दवा वितरण प्रणाली, न्यूक्लिक एसिड जैव रसायन, झिल्ली जीव विज्ञान, प्रोटीन-न्यूक्लिक एसिड इंटरैक्शन, बायोमैटेरियल्स विकास, नैनोमेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी को कवर करने वाली अनुसंधान परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला को लाभान्वित करेगा। उपकरण की विशिष्ट क्षमताओं का मिलान किसी अन्य एकल उपकरण या यहां तक कि प्रयोगात्मक दृष्टिकोणों के संयोजन से नहीं किया जा सकता है।

पुस्तकालय

पुस्तकालय अकादमिक और अनुसंधान कार्यों का एक अभिन्न अंग है जो प्रिंट और डिजिटल दोनों रूपों में अपने संग्रह का विस्तार करना जारी रखता है। यह शिक्षण, सीखने, अनुसंधान और अन्य विद्वानों की गतिविधियों का सहयोग करने के लिए अभिनव सेवाओं को डिजाइन करता है तथा फैलाता है। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने कई महत्वपूर्ण गतिविधियों और सेवाओं की शुरुआत की।

पुस्तकालय संग्रह

प्रिंट और ऑडियो विजुअल संग्रह: पुस्तकालय का अनुसंधान मोनोग्राफ, पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों, सम्मेलन की कार्यवाही, सीडी, वीसीडी, डीवीडी, आदि का तेजी से बढ़ता हुआ संग्रह संस्थान के शैक्षिक और अनुसंधान हितों के क्षेत्रों को पूरा करता है। निम्न तालिका वर्ष **2020-21** के दौरान संग्रह में परिवर्धन प्रस्तुत करती है।

मार्च **31, 2021** तक जोड़ा गया संग्रह**:**

संग्रह का प्रकार	2020-21 में जोड़ा गया	कुल संग्रह
पुस्तकें	1,164	30,216
बाउंड संकलन	90	725
बाल पुस्तकें	31	1404
हिंदी पुस्तकें	1	455
सीडी	1	971
डीवीडी	1	608
तकनीकी प्रतिवेदन	0	456
थीसिस एवं निबंध	172	690
कुल	**1,460**	**35,525**

डिजिटल संसाधन: पुस्तकालय ग्रंथ सूची और पूर्ण पाठ दोनों रूपों में कई प्रमुख ई-संसाधनों की सदस्यता लेता रहा है। वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने 70 से अधिक ई-संसाधनों की सदस्यता को नवीनीकृत किया, जिनमें से 52 को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर पुस्तकालय द्वारा आदेशित और भुगतान किया गया और शेष 18 संसाधनों को ई-शोध सिंधु (उच्च शिक्षा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के लिए एक राष्ट्रीय संघ) द्वारा आदेशित और भुगतान किया गया।

संचालन एवं सूचना सेवाएं

- **पुस्तकों का वितरण**: महामारी के बावजूद, पुस्तकालय ने अपनी सेवाएं जारी रखीं, विशेष रूप से पुस्तकों का प्रसार। वर्ष के दौरान हमारे उपयोगकर्ताओं को जारी पुस्तकों की कुल संख्या पिछले वर्ष के 23,977 की तुलना में 7,146 थी।
- **छोटे-पुस्तकालय का नवीनीकरण और वातानुकूलन**: छोटा-पुस्तकालय, जो चौबीसों घंटे खुला रहता है, जिसमें 30 लोगों के बैठने की क्षमता है, का अब जीर्णोद्धार किया गया है। एक केंद्रीकृत वातानुकूलन सुविधा भी स्थापित की गई है, जो छात्रों को आवश्यक आराम और आरामदायक वातावरण प्रदान करती है।
- **अंतर-पुस्तकालय ऋण**: प्रमुख पुस्तकालयों और पुस्तकालय नेटवर्क के साथ एक उत्कृष्ट व्यवस्था स्थापित करने के बाद, पुस्तकालय ने अपनी संसाधन साझाकरण सेवाएं जारी रखीं। वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने पिछले वर्ष में 142 पुस्तकों की तुलना में 56 पुस्तकें उधार लीं और पिछले वर्ष की 19 पुस्तकों की तुलना में अन्य पुस्तकालयों को 10 पुस्तकें उधार दीं।
- **दस्तावेज़ वितरण सेवा**: अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए, पुस्तकालय ने अन्य पुस्तकालयों से पिछले वर्ष के 3,967 लेखों की तुलना में 1,955 प्राप्त किए और पिछले वर्ष में 216 की तुलना में 257 पत्र अन्य पुस्तकालयों को वितरित किए। हमारे पुस्तकालय से वितरण पत्रों में मामूली वृद्धि हुई है।
- **ग्रामर्ली (प्रीमियम खाते)**: सुविधा का विस्तार करने और पुस्तकालय के सभी उपयोगकर्ताओं को समाहित करने के लिए, लेखन उपकरण 'ग्रामर्ली' तक पहुंचने के लिए खातों की संख्या 3,000 तक बढ़ा दी गई है। यह संस्थान समुदाय द्वारा बहुत अच्छी तरह से प्राप्त और व्यापक रूप से उपयोग किया गया है।
- **साहित्यिक चोरी की जाँच**: पुस्तकालय ने आभासी रूप में इस सेवा की प्रस्तुति जारी रखी और 3,651 से अधिक दस्तावेजों की जाँच की, जिसमें थीसिस, असाइनमेंट और शोध पत्र पांडुलिपियाँ आदि शामिल हैं, जो टर्निटिन और ऑरिगिनल सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं।

सदस्यताएं

जबकि पुस्तकालय 15 से अधिक पेशेवर निकायों, पुस्तकालय नेटवर्क और संघ द्वारा प्रदान किए गए लाभों और बढ़े हुए संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करने का प्रयास करना जारी रखता है, उद्योगों, संस्थानों और व्यक्तियों तक पहुंचने के लिए एक ठोस प्रयास किया गया ताकि बाहरी सदस्यता में वृद्धि हो सके।

पुस्तकालय बाहरी सदस्यता: वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने 16 नए सदस्य जोड़े, जिसमें दो कॉर्पोरेट सदस्य शामिल हैं, जिससे कुल सदस्यता 137 हो गई।

पुस्तकालय अभिविन्यास और कार्यशालाएं

फ्रेशर्स से जुड़ने और पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं को पेश करने के लिए, पुस्तकालय ने पीएचडी, एमटेक, एमएससी, एमए और बीटेक छात्रों के लिए पांच "अपने पुस्तकालय के स्रोतों और सेवाओं को जानें" सत्र आयोजित किए। इसके अलावा, पुस्तकालय ने वरिष्ठ छात्रों के लिए रुचि के विभिन्न विषयों पर निम्नलिखित आठ कार्यशालाओं का भी आयोजन किया। ये सभी सत्र आभासी रूप में ही आयोजित किये गए थे।

विद्वानों के प्रकाशनों का डिजिटल भंडार

एक ओपन सोर्स डीस्पेस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके बनाए गए एक 'डिजिटल भंडार' (http://repository.iitgn.ac.in/) को संस्थान द्वारा उत्पन्न अधिकांश विद्वानों के प्रकाशनों के सार के साथ समुदाय का मेटाडेटा जोड़कर अप-टू-डेट रखा गया है। वर्ष के दौरान, कुल 937 दस्तावेज (पिछले वर्ष में 900 की तुलना में) भंडार में जोड़े गए हैं।

कोविड-19 के दौरान पुस्तकालय सेवाएं

महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, पुस्तकालय कुछ प्रतिबंधों के साथ भौतिक मोड में पूरे वर्ष (मार्च-अप्रैल 2020 में तीन सप्ताह को छोड़कर) संचालित होता रहा और सख्ती से कोविड -19 दिशानिर्देशों का पालन करता रहा। जैसे-जैसे महामारी जारी रही और व्यापक रूप से फैली, ऑन-कैंपस के साथ-साथ ऑफ-कैंपस छात्र समुदाय का समर्थन करने के लिए, पुस्तकालय तेजी से वर्चुअल मोड में चलाया गया और निम्नलिखित सेवाएं शुरू कर दीं:

- सभी उपयोगकर्ताओं के लिए रिमोटएक्स टूल का उपयोग करके सभी पुस्तकालय सदस्यता वाले ई-संसाधनों के लिए ऑफ-कैंपस (रिमोट) पहुंच प्रदान की।
- सभी जारी पुस्तकों की देय तिथि लंबी अवधि के लिए बढ़ा दी गई है।
- दस्तावेज़ वितरण, साहित्यिक चोरी की जाँच, संदर्भ प्रश्नों का उत्तर देने जैसी सेवाएँ प्रदान करना जारी रखा।
- कोविड -19, ई-पाठ्यपुस्तकों, आभासी शिक्षण और सीखना, नकली प्रयोगशाला और अन्य प्रासंगिक विषयों पर मुफ्त संसाधनों की एक सूची तैयार की।
- सीमित समय के लिए अर्थात सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक खुला रखा।
- वर्चुअल ओरिएंटेशन सत्र और कार्यशाला का आयोजन किया।
- स्ट्रीमिंग मीडिया सहित बड़ी संख्या में संभावित संसाधनों की व्यवस्था की गई।
- कोविड -19 दिशानिर्देशों को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं को पुनर्गठित किया और सभी सुरक्षा उपाय किए। उपयोगकर्ताओं द्वारा लौटाई गई सभी पुस्तकों को कीटाणुरहित करने के लिए सपोर्ट कर्मचारियों की सहायता से और प्रो श्रीराम कण्वाह द्वारा डिज़ाइन और निर्मित एक यूवी-आधारित प्रणाली प्राप्त की।
- सभी लौटाई गई पुस्तकों को यूवी मशीन के माध्यम से स्कैन करने और ढेर में बंद करने से पहले तीन दिनों के लिए संगरोध करने का प्रयास किया गया था।

नई शुरू की गई सेवाएं

महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, पुस्तकालय ने के प्रयासों से निम्नलिखित नई सेवाओं को जोड़ा गया है:

- **पुस्तकालय मानद सदस्यता:** पहली बार, पुस्तकालय (सीनेट द्वारा अनुमोदन पर) ने मानद सदस्यता की शुरुआत की, जो उन व्यक्तियों के लिए आमंत्रण और बिना किसी शुल्क के है, जिन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया है या संस्थान को असाधारण सहायता प्रदान की है। पुस्तकालय अब तक लगभग 20 ऐसे व्यक्तियों तक पहुँच चुका है और संस्थान की ओर से इस सक्रिय कदम और भाव को बहुत सराहा गया है।
- **आईआरआईएनएस - भारतीय अनुसंधान सूचना प्रबंधन नेटवर्क प्रणाली:** पुस्तकालय ने आईआरआईएनएस - सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (इनफ्लिबनेट) केंद्र द्वारा विकसित एक वेब-आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन (आरआईएम) सेवा लागू की। पोर्टल संस्थान के 120 से अधिक संकाय सदस्यों के विद्वानों के प्रोफाइल को प्रदर्शित करता है। यह हमारे संकाय सदस्यों के विद्वतापूर्ण कार्य तक पहुंच प्रदान करने के लिए एक अन्य मंच के रूप में कार्य करता है।
- **सामुदायिक सेवा:** संस्थान की आउटरीच सेवाओं के एक हिस्से के रूप में, पुस्तकालय ने एनईईवी के साथ हाथ मिलाया और 30 से अधिक पुस्तकों की खरीद और उनके पुस्तकालय संग्रह को व्यवस्थित करने में पड़ोसी बासन गांव के श्री मध सेवा ट्रस्ट की सहायता की। इसके अलावा, इस ट्रस्ट को भा॰प्रौ॰सं॰ समुदाय द्वारा दान की गई सामान्य प्रकृति की अच्छी संख्या में पुस्तकें भी प्रदान की गई हैं। पुस्तकालय इस ट्रस्ट के संपर्क में बना हुआ है और पुस्तकों के अपने छोटे संग्रह के प्रबंधन में उनकी सहायता करता है।
- **कोरल - ई-संसाधन प्रबंधन सॉफ्टवेयर:** पुस्तकालय द्वारा प्रभावी रूप से सब्सक्राइब किए गए 70 से अधिक ई-संसाधनों से संबंधित वर्कफ़्लो और आवश्यक जानकारी का प्रबंधन करने के लिए, कोरल - एक खुला स्रोत इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रबंधन प्रणाली - जिसमें इलेक्ट्रॉनिक प्रबंधन के मुख्य घटकों के आसपास डिज़ाइन किए गए इंटरऑपरेबल मॉड्यूल शामिल हैं। ऐसे संसाधनों को सफलतापूर्वक लागू किया गया है।
- **डिजिटल भंडारण और इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और निबंध नीतियां:** पुस्तकालय ने एक डिजिटल भंडारण बनाया है जो संस्थान के संकाय और छात्रों द्वारा लिखित सभी विद्वानों के प्रकाशनों और शोध के सार के साथ मेटाडेटा होस्ट करता है। इस काम को आगे बढ़ाने और सामग्री के पूर्ण पाठ के साथ इसे अगले स्तर तक ले जाने के लिए, पुस्तकालय ने सीनेट पुस्तकालय समिति के मार्गदर्शन के साथ दो व्यापक मसौदा नीति दस्तावेज तैयार किए हैं जो संस्थान के समक्ष विचाराधीन हैं।
- कोविड-19 अनुभवों को संग्रहित करना: कोविड-19 महामारी के चुनौतीपूर्ण समय में, पुस्तकालय ने पूरे भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय की प्रतिक्रिया और अनुभव को दर्ज करने के लिए एक पहल की। संकाय, छात्रों, कर्मचारियों, निवासियों, सुरक्षा कर्मियों, भोजनालय श्रमिकों, निर्माण श्रमिकों, गृहिणियों और अन्य व्यक्तियों, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर से जुड़े हैं, के आख्यानों को एकत्र करने और संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। ओमेका - इस संग्रह का डिजिटल संस्करण बनाने की व्यवहार्यता का परीक्षण करने के लिए एक ओपन सोर्स सॉफ़्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है।
- **पढ़ें, समीक्षा करें और रोल करें!:** समुदाय, विशेष रूप से छात्रों के बीच पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करने के लिए, जब वे परिसर से दूर थे, पुस्तकालय ने 'पढ़ें, समीक्षा करें और रोल करें!' नामक एक पहल शुरू की। यह विचार उपयोगकर्ताओं को एक पुस्तक का वर्णन करने वाला एक छोटा वीडियो शूट करने के लिए प्रोत्साहित करना था, जिसका उन पर गहरा प्रभाव पड़ा। चार संकाय सदस्यों और एक छात्र ने अपने वीडियो सबमिट किए हैं, जिन्हें यूट्यूब पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया था।
- **लाइब्रेरी सोशल मीडिया हैंडल:** 31 जुलाई, 2020 को फेसबुक, ट्विटर, पिंटरेस्ट, लिंक्डइन, इंस्टाग्राम और फ़्लिकर पर समर्पित खातों के माध्यम से अधिक छात्रों तक पहुंचने के लिए लाइब्रेरी ने सोशल मीडिया की दुनिया में प्रवेश किया। महत्वपूर्ण पुस्तकालय सूचनाएं समय-समय पर वहां पोस्ट की जाती हैं। इसे बहुत ही कम समय में शानदार प्रतिक्रिया मिली है। इसके अलावा, पुस्तकालय ने अपना ब्लॉग भी शुरू किया।
- **प्रयुक्त पाठ्यपुस्तक संग्रह अभियान:** जरूरतमंद छात्रों की सहायता के लिए, पुस्तकालय ने छात्र समुदाय से प्रयुक्त पाठ्यपुस्तकों को एकत्र करने के लिए एक अभियान शुरू किया। इसके परिणामस्वरूप 300 से अधिक पुस्तकों का संग्रह हुआ है, जिन्हें जरूरतमंद छात्रों के साथ साझा किया जा रहा है। इस पहल में छात्र नेतृत्व व्यापक रूप से शामिल था।

पुस्तकालय कर्मचारी गतिविधियाँ

पुस्तकालय पेशेवर प्रशिक्षुओं का पूर्व छात्र समूह: पुस्तकालय ने अब तक 40 से अधिक पुस्तकालय पेशेवरों को प्रशिक्षित किया है। इन पेशेवरों के लिए 2020 के मध्य में एक मंच बनाया गया था, जहां वे एक साथ आ सकते हैं और बातचीत जारी रख सकते हैं। प्रत्येक पूर्व छात्रों के विवरण के साथ एक वेबसाइट भी बनाई गई है। समूह की गतिविधियों के एक भाग के रूप में, पुस्तकालय के पूर्व छात्रों द्वारा तीन बैठकें और दो वार्ताएं आभासी रूप में आयोजित की गईं।

लाइब्रेरी पेशेवर अंतःशिक्षुता: 1 सितंबर से 31 अक्टूबर, 2020 तक पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्यालय, गुजरात केंद्रीय विवि के चार पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के अवरस्नातक (एमएलआईएससी) के छात्रों के लिए पुस्तकालय टीम द्वारा एक आभासी अंतःशिक्षुता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। यह छात्रों और पुस्तकालय कर्मचारियों दोनों के लिए एक समृद्ध अनुभव था।

स्टाफ प्रकाशन

दास, तपस कुमार, कुम्भार, टी एस एवं **अहीरवार, रामस्वरूप** (2020). पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए क्यूआर कोड का उपयोग: भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर पुस्तकालय की एक केस स्टडी। पुस्तकालय और सूचना अध्ययन की कथा, 67(03), 156-163. (ISSN: 0975-2404).

केंद्र

पुरातत्व विज्ञान केंद्र

वर्ष 2012 में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में नवीनतम सुविधाओं से लैस पुरातत्व विज्ञान केंद्र की स्थापना दो उद्देष्यों के लिए की गई थी, एक तो यह कि समुदाय को पुरातत्व के क्षेत्र में कार्य करने हेतु सुविधा मिले और दूसरा कि पुरातत्व विज्ञान इस क्षेत्र में प्रौद्योगिकी तथा वैज्ञानिकी में स्वयं का शोध कार्य कर सके। यह इस प्रकार मानविकी एवं वैज्ञानिकी विषयों के बीच स्वयं को स्थापित करता है।

केंद्र की परियोजनाएं

पूरी हो चुकी परियोजनाएं

प्रो शारदा सी वी ने भगत्रव खुदाई पर एक फौनल प्रतिवेदन पूर्ण किया है (प्रो आलोक कानूनगो द्वारा बनाई जा रही भगत्रव खुदाई के अंतिम प्रतिवेदन में शामिल किया गया); इस फौनल प्रतिवेदन में कई वर्गीकरण सूची, विश्लेषण और मापन, सूचियां और जानवरों की हड्डियों के चिन्हित किये गए छायाचित्र दिए गए हैं।

जारी परियोजनाएं

- **प्रो आलोक कानूनगो** द्वारा कापड़वंज कांच का प्रतिचित्रण: भारत की आखिरी जीवित पारंपरिक टंकी भट्टी (कांच राको निधि कोर्निंग संग्रहालय, कांच सीटीसी परियोजना निधि का अंतर्राष्ट्रीय आयोग, एवं राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिष्ठान द्वारा बाह्य सहयोग प्राप्त)। नज़दीकी क्षेत्र के रेह नमूनों का विश्लेषण शुरू हुआ है, तथा सीसा की परत वाले कांच पर एक दस्तावेजी का प्रारूप बनाया गया है।
- **प्रो शारदा सी वी** कई परियोजनाओं पर कार्यरत हैं, जैसे ढोलावीरा, गुजरात, भारत की सिंधु सभ्यता में मानव-पशु संवाद के पुन:निर्माण के लिए बहु-कारणों का आइसोटोपिक अन्वेषण; हड्डियों का संयोजन: टाइपोलॉजी, प्रौद्योगिकी, प्रयोगात्मक प्रजनन तथा डिजिटलीकरण पर अध्ययन (भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान समिति द्वारा अनुदान प्राप्त); उन्होंने एक नई परियोजना पर कार्य आरंभ किया, ढोलावीरा में कांस्य युग के समय में हड्डियों के उद्योगों के लिए पशुओं की नस्ल की पहचान के लिए पेलियोप्रोटियोमिक दृष्टिकोण (पर्यावरण पुरातत्व संगठन द्वारा एक छोटा अनुदान प्राप्त)। प्रो शारदा इन दोनों परियोजनाओं के लिए ढोलावीरा के तीन हड्डियों के संग्रह में गई और नमूनों की जांच की; उन्होंने उसके विश्लेषण के नयाचार स्थापित किए तथा उनका स्ट्रोंनटियम आइसोटोप विश्लेषण किया।

हाल ही में शुरु की गई परियोजनाएं

- **प्रो प्रमोद जोगलेकर, प्रो वी एन प्रभाकर** व **प्रो शारदा सी वी** ने दो-खंड वाली दक्षिण एशिया का पुरातत्व विज्ञान पुस्तिका का मूल कार्य शुरू कर दिया है; तीन विद्वानों द्वारा साझा किए गए सात अध्यायों की एक पूरी सूची, खंड 1 के लिए विस्तृत उपखंडों के साथ तैयार की गई थी; विशिष्ट केस स्टडी के लिए 24 विद्वानों की एक अस्थायी सूची तैयार की गई थी जो खंड 2 का गठन करेगी।
- **प्रो शारदा सी वी** और **प्रो मिशेल डेनीनो** ने पुरातत्व विज्ञान से संबंधित प्रकाशनों का एक विस्तृत ऑनलाइन ग्रंथ सूची और संग्रह निर्माण कार्य आरंभ किया है; उनके नेतृत्व में कुछ अंत:शिक्षुओं ने अब तक तकरीबन 5,000 स्रोतों को जुटा कर सूची बनाई है।

सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं

- **प्रो आलोक कानूनगो** ने परियोजनाओं को आगे बढ़ाया, भारत में पारंपरिक कांच बनाना: रेह कांच के निर्माण को फिर से खोजना, **डॉ लॉरी डूसुबियक्स** (फील्ड संग्रहालय, शिकागो) के साथ नेगौनी प्रतिष्ठान और फील्ड संग्रहालय के समर्थन से; एलए-आईसीपी-एमएस, आईसीपी-एमएस और बहुउद्देश्यीय टीईएम का उपयोग करके **200** रेह और सिलिका के नमूनों का विश्लेषण किया गया।
- भारत के सभी क्षेत्रों के कांच के लिए आइसोटोपिक हस्ताक्षर और कच्चे माल की मौलिक संरचना पर एक डेटाबेस, और वैज्ञानिक समुदाय में पहली बार एक सूचकांक का काम किया जा रहा है।
- **प्रो आलोक कानूनगो** (**प्रो निशांत चोकसी** के साथ) ने एसपीएआरसी की परियोजना स्वदेशी सांस्कृतिक धरोहर पर स्थायी विकास लक्ष्य (एसपीएआरसी परियोजना में फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया से **प्रो क्लेयर स्मिथ** और **प्रो क्रिस विलसन** के सहयोग से) आरंभ की है। पीडीएफ ने गुजरात में राठवा भील और नागालेंड में नागा के बीच रह कर दो माह तक क्षेत्रीय कार्य किया है; दो शोध पत्र जमा हो चुके हैं तथा एक प्रकाशित किया गया है।
- **प्रो वी एन प्रभाकर, प्रो विक्रांत जैन, प्रो विमल मिश्रा, प्रो अमित प्रशांत, प्रो सप्तऋषि डे** ने **प्रो ज्योतिरंजन रे** (भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला) की सहभागिता से एक परियोजना शुरू की, धोलावीरा, कच्छ, भारत की हड़प्पा बस्ती के पतन पर समुद्र के स्तर में उतार-चढ़ाव, जलवायु परिवर्तन या विवर्तनिक गतिविधि का प्रभाव (डीएसटी के अंतर्गत विज्ञान व धरोहर शोध पहल के द्वारा अनुदान प्राप्त)। प्रथम चरण में खादिर द्वीप (कच्छ) तथा आसपास के क्षेत्रों से कुछ तलछट के नमूने अकत्रित किए गए जिससे हडप्पन के समय के रण में प्राकृतिक गतिविधियों को समझा जा सके; छतों का प्राथमिक अध्ययन किया गया जिससे यह पता लगाया जा सके कि वह समुद्र से बने अथवा नदी की गतिविधि का परिणाम हैं।

प्रकाशन

पुस्तक पाठ

- 2020. **आर एस बिष्ट** और **वी एन प्रभाकर.** सरस्वती नदी की घाटी में प्रारंभिक मानव बस्तियों का विकास: पुरातात्विक साक्ष्य और साइट वितरण विश्लेषण, सरस्वती: उत्कृष्टता के परे एक नदी, एस के आचार्य, कुणाल घोष और अमल कार (ईडीएस). कलकत्ता: एशियाटिक सोसायटी, 136-159.
- 2020. **एम डेनीनो.** भारत के पर्यावरण इतिहास के महत्वपूर्ण विषयों में जलवायु, पर्यावरण और हड़प्पा सभ्यता, रंजन चक्रवर्ती (संपादक). नई दिल्ली: एसएजीई प्रकाशन भारत, 333-377.
- 2020. **एम डेनीनो.** सरस्वती नदी: मुद्दे और वाद-विवाद, सरस्वती: उत्कृष्टता के परे एक नदी, एस के आचार्य, कुणाल घोष और अमल कार, (ईडीएस). कलकत्ता: एशियाटिक सोसायटी, 217–234.

शोध पत्र

- 2019 (2021 में प्रकाशित). **ए के कानूनगो** और **एम त्रिवेदी.** दक्षिण एशिया में कांच का पुरातत्व: क्षेत्र की स्थिति और नई दिशाएँ, श्री लंका की शाही एशियाटिक सोसायटी, 64(1): 1-30.
- 2020. **ए घोष, सी साहा**, व **ए रेज़ा**. बंगाल की खाड़ी की तटरेखा के साथ हाल ही में खोजे गए अंतर्ज्वारीय स्थल: पूर्वी मेदिनीपुर ज़िला, पश्चिम बंगाल, प्रतना समीक्षा: पुरातत्व पत्रिका, 11: 1-22.
- 2020**. ए के कानूनगो, के रवितेजा, ओ रॉय** एवं **जे एस खड़कवाल**. प्राचीन जिंक प्रौद्योगिकी को समझना: एक प्रायोगिक अध्ययन, मानव एवं पर्यावरण, 45(2): 87-94.
- 2020. **एम डेनीनो**. ऋग्वेद का विसैन्यीकरण: वेदिक घोड़ों, रथों और युद्ध की एक जांच, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान का अध्ययन, XXVI (1, ग्रीष्मकाल 2019): 5-32.
- 2020. **ए पिनेदा, एस चन्नारायापटना, जी लेंबो, सी पेरेट्टो**, पी सेलेडी एवं यू थुन होएंसटीन. इसर्निया ला पिनेटा (मोलिसे, इटली) से प्रारंभिक मध्य प्लेइस्टोसिन 3 कोलुवियो स्तर का एक तपोनोमिक और जूआर्कियोलॉजिकल अध्ययन, पुरातत्व विज्ञान पत्रिका: प्रतिवेदन, 33.

आयोजन एवं यात्राएं

- एएससी वेबिनार श्रंखला: **प्रो वी एन प्रभाकर** व **प्रो शारदा सी वी** ने दक्षिण एशिया का इतिहास और पुरातत्व के हाल ही के बदलाव पर एक मासिक वेबिनार श्रंखला शुरू की है। इसमें अब तक के विशिष्ट वक्ता इस प्रकार हैं: **प्रो रवि कोरिसेत्तर** (पूर्व में कर्णाटक विश्वविद्यालय के साथ) "भारतीय उपमहाद्वीप में प्रागैतिहासिक औपनिवेशीकरण"; आईआईएसईआर मोहाली से **प्रो पार्थ चौहान** "प्राचीन मानव, पशु तथा कला: भारतीय पुरानृविज्ञान के वर्तमान रहस्य"; शर्मा विरासत शिक्षण केंद्र से **प्रो शांति पप्पु** एवं **डॉ कुमार अखिलेश** "समय, उपकरण और इलाकेः भारतीय प्रागितिहास में पुनर्विचार प्रतिमान; अशोक विश्वविद्यालय से **प्रो नयनजोत लाहिड़ी** "क्या पुरातत्व खोज वैज्ञानिक खोजों की तरह हैं? हड़प्पन सभ्यता की खोज को समझना"; टीआईएफआर मुंबई से **डॉ निशा यादव** "हड़प्पन सभ्यता की लिपि"; केम्ब्रिज विश्वविद्यालय से **प्रो केमेरॉन पेट्री** "सिंधु सभ्यता पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कैसे पड़ा? भूमि, जल और बंदोबस्त और दो वर्षा परियोजनाओं से अंतर्दृष्टि"।
- **डॉ तोशबंता पधान** और **डॉ एलिनो सुमी,** दो पोस्ट-डॉक्टोरल फेलो ने "सतत विकास लक्ष्यों के लिए एक सूत्रधार के रूप में स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत" परियोजना में, गुजरात (छोटा उदयपुर जनपद) में तथा नागालेंड (फेक एवं जुनहेबोतो जनपदों) दोनों ही में एक क्षेत्रीय कार्य की शुरआत की है।

एएससी संकाय सदस्य

केंद्र के संकाय सदस्यों में **प्रो मिशेल डेनीनो**, अभ्यागत प्राध्यापक और केंद्र के समन्वयक; केंद्र के समन्वयक **प्रो एस पी मेहरोत्रा**; **प्रो वी एन प्रभाकर**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो आलोक कानूनगो**, सहायक अनुसंधान प्राध्यापक; और **प्रो शारदा सी वी**, सहायक प्राध्यापक शामिल हैं। एएसआई के पूर्व संयुक्त महानिदेशक **डॉ आर एस बिष्ट** और डेक्कन कॉलेज, पुणे के पूर्व प्राध्यापक **प्रो प्रमोद जोगलेकर** अतिथि प्राध्यापक हैं।

जैविकचिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर का जैविकचिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र जैविकचिकित्सा अभियांत्रिकी के क्षेत्र में नवीनतम शोध करने के लिए केंद्रित है। इस केंद्र का लक्ष्य ऐसे शोध को उत्पन्न करना है जो भारत के साथ-साथ विश्व के लिए भी सामाजिक प्रासंगिकता रखता हो। केंद्र के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- जैविकचिकित्सा अभियांत्रिकी तथा स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान और विकास
- ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की मदद करने के लिए स्वास्थ्य सेवा से संबंधित कम लागत वाली प्रौद्योगिकियों का विकास करना

तीन प्रमुख क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों और प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग करना:

- **डायग्नोस्टिक/थिरेपिटिक टूल्स एवं तकनीकें:** रोगों का पता लगाने तथा उपचार के लिए अनोखे तरीके विकसित करना। वर्तमान में इस्तेमाल होने वाली तकनीकें तथा उपकरणों में ऑप्टिकल संवेदकों, माइक्रोबबल प्रौद्योगिकी, गणनात्मक डिज़ाइन, डाई आधारित एस्से, थिरेपियूटिक पेपटाइड आदि का प्रयोग शामिल है
- **ऑटोमेटेड पुनर्स्थापन एवं प्रोस्थेटिक तकनीकें:** भौतिकचिकित्सक, मनोचिकित्सक तथा शल्यचिकित्सक द्वारा अनुप्रयोग में आने वाली तकनीकों में नवीन और अधिक क्षमता पहुंचाने के लिए रोबोटिक्स तथा आभासी परिस्थिति का उपयोग
- **जन स्वास्थ्य तकनीकें:** समुदाय में रोगों की रोकथाम तथा स्वास्थ्य प्रचार के लिए नए उपकरणों तथा तकनीकों का विकास

सहभागी

केंद्र प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ सहयोगी परियोजनाओं में लगा हुआ है, जिसमें जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय, संराअ; राष्ट्रीय सिंगापोर विश्वविद्यालय; कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यू यॉर्क; शिकागो विश्वविद्यालय, संराअ; शाही मेलबर्न प्रौद्योगिकी संस्थान, ऑस्ट्रेलिया; भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलोर, भारत; राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं नृविज्ञान संस्थान, बेंगलोर, भारत; क्रिस्चियन चिकित्सा विद्यालय, वेल्लोर, भारत; सिविल चिकित्सा अस्पताल, अहमदाबाद, भारत; ज़ायडस अस्पताल, भारत; तथा अन्य संस्थान शामिल हैं।

आयोजन

- केंद्र ने बफेलो विश्वविद्यालय (एसयूएनवाई), संराअ, के सहयोग से तंत्रिकाअभियांत्रिकी और तंत्रिकापुनर्सुधार पर वेबीनार श्रंखला आयोजित की। इस श्रंखला में संराअ, यूके, फ्रांस और भारत से प्रख्यात वक्ताओं ने दस वेबीनार प्रस्तुत किए। वेबीनार श्रंखला में पुनर्सुधार पर ध्यान केंद्रित करते हुए तंत्रिकाअभियांत्रिकी के उभरते अनुप्रयोगों पर विशेष चर्चा की गई। वेबिनार के दौरान विभिन्न देशों के सेरेब्रोवास्कुलर और तंत्रिका रोगों और तंत्रिकाओं की अक्षमता के विशेषज्ञों ने अपने शोध का प्रसार किया। भा०प्रौ०सं० गांधीनगर से **उत्तमा लाहिड़ी** और बफेलो विश्वविद्यालय से **प्रो अनिर्बन दत्ता** ने इस आयोजन का संचालन किया।
- भा०प्रौ०सं० गांधीनगर और भा०वि०सं० बेंगलोर ने साथ में सितम्बर 4-5, 2020 को प्रथम डीएनए नेनोप्रौद्योगिकी भारत आभासी परिसंवाद का आयोजन किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में आभासी रूप से 3,000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कई प्रख्यात वक्ताओं और विद्वानों ने दर्शकों के साथ अपने ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा किया। इस बैठक ने प्रतिभागियों को वैज्ञानिक आदान-प्रदान के लिए जुड़ने और सहयोग करने के लिए एक मंच प्रदान किया। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर से **प्रो धीरज भाटिया** तथा भा॰वि॰सं॰ बेंगलोर से प्रो बन्नानी चक्रवर्ती ने इस कार्यक्रम का संचालन किया।

- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने गुजरात राजकीय जैविकप्रौद्योगिकी मिशन (जीएसबीटीएम) के सहयोग से, फरवरी 20, 2021 को, उन्नत कोशिका कल्चर, सूक्ष्मदर्शिकी, और जैविकचित्रण – चरण 1, पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। **प्रो धीरज भाटिया** ने कार्यशाला का संचालन किया।
- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के मानव-केंद्रित रोबोटिक्स प्रयोगशाला ने फरवरी-अप्रैल 2021 सत्र के दौरान 'वृद्धों की देखभाल और पुनर्सुधार के लिए रोबोटिक्स' विषयवस्तु पर एक वेबीनार श्रंखला का आयोजन किया। श्रृंखला ने बायोमैकेनिक्स, मानव-रोबोट सहयोग की गतिशीलता, गतिविधि विकार, रोबोट एक्सोस्केलेटन, आदि जैसे विभिन्न विषयों को सम्मिलित करने के लिए चिकित्सा, सामाजिक विज्ञान और अभियांत्रिकी डोमेन के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ पांच वेबिनार की मेजबानी की। लगभग 600 छात्र, पेशेवरों, और शोधकर्ताओं ने इस वेबिनार में भाग लिया। **प्रो विनीत वशिष्ट** ने इस श्रंखला का संचालन किया।

प्रकाशन व सर्वाधिकार

वर्ष 2020-21 के दौरान, केंद्र के सदस्यों ने 65 पत्रिका प्रकाशन, 15 सम्मेलन प्रकाशन और 2 सर्वाधिकार आवेदन प्रस्तुत किए।

केंद्र द्वारा उत्पाद/तकनीकों का विकास

केंद्र के शोध समूहों ने पहले ही कुछ प्रौद्योगिकी को निदानकारी उपकरणों और स्वचालित पुनर्सुधार तकनीकों के क्षेत्र के उत्पादों में परिवर्तित किया है:

- **इनस्ट्रोल**, एक उपकरण युक्त इनसोल जो व्यक्ति की रेसीडुअल गत्यात्मक संतुलन का चाल-आधारित आंकलन कर सकता है।
- **पीट्रेडएक्स**, एक शरीरवृत्ति-संवेदनशील ट्रेडमिल-सहायता प्राप्त आभासी वास्तविकता आधारित चलने के अभ्यास का मंच।

इन प्रौद्योगिकी उपायों ने बेंगलोर-आधारित निवेशकों का ध्यान आकर्शित किया है।

केंद्र के संकाय सदस्य

इस केंद्र के संकाय सदस्य कई विभिन्न विषयों से जुड़े हैं जैसे विद्युत अभियांत्रिकी, जैविक अभियांत्रिकी, यांत्रिकी अभियांत्रिकी, रसायन विज्ञान, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी तथा रासायनिक अभियांत्रिकी। इनमें शामिल संकाय सदस्य इस प्रकार हैं: **प्रो उत्तमा लाहिड़ी**, सह प्राध्यापक और केंद्र की समन्वयक; **प्रो कार्ला पी मरकाडो-शेखर**, सहायक प्राध्यापक और केंद्र के सह-समन्वयक; **प्रो अभिजीत मिश्रा**, सह प्राध्यापक; **प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती**, सह प्राध्यापक; **प्रो आशुतोष श्रीवास्तव**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो भास्कर दत्ता**, सह प्राध्यापक; **प्रो धीरज भाटिया**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो हिमांशु शेखर**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो इति गुप्ता**, सह प्राध्यापक; **प्रो जॉयसी एम मेकी**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो कृष्ण कांति डे**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो कृष्णा मियापुरम**, सह प्राध्यापक; **प्रो मालविका सुब्रमण्यम**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो मिथुन राधाकृष्ण**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो नितिन वी जॉर्ज**, टीईओसीओ चेयर सह प्राध्यापक; **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण**, सह प्राध्यापक; **प्रो रवि शास्त्री अय्यागरी**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो समीर वी दलवी**, सह प्राध्यापक; **प्रो शरद गुप्ता**, सह प्राध्यापक; **प्रो शर्मिष्ठा मजुमदार**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो श्रीराम कण्वाह**, सह प्राध्यापक; **प्रो सुदीप्ता बसु**, सह प्राध्यापक; **प्रो उमाशंकर सिंह**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो विजय थिरुवेंकटम**, सहायक अनुसंधान प्राध्यापक; और **प्रो विनीत वशिष्ठ**, सहायक प्राध्यापक।

सृजनात्मक अधिगम केंद्र (सीसीएल)

सीसीएल एक ऐसा केंद्र है जो छात्रों और शिक्षकों में वैज्ञानिक स्वभाव तथा निहित रचनात्मकता का पोषण करता है। सीसीएल ने **600+ अद्वितीय एसटीईएम मॉडल** और गतिविधियाँ विकसित की हैं और देश भर में **10,000+ शिक्षकों और 50,000 छात्रों के साथ वार्ताएं की** हैं। इसका एसा विचार है कि इसे सीखने के बजाए किसी विषय में स्वयं को विसर्जित किया जाए। इसका समग्र उद्देश्य व्याख्यानों को आकर्षक बनाकर अध्यापन को ओवरहाल करना, तथा अवधारणाओं पर ध्यान केंद्रित करने के साथ अनुभवात्मक अधिगम, पालक रचनात्मकता और नवाचार प्रदान करना है।

आयोजन

- **केंविसं अध्यापकों की सेवाओं में ऑनलाइन पाठ्यक्रमः** सीसीएल ने देशभर के केंद्रीय विद्यालय संगठन (केंविसं) और जवाहर नवोदय विद्यालय (जनवि) के अध्यापकों के लिए उनकी सेवाओं के ऑनलाइन पाठ्यक्रम आयोजित किए। गणित और विज्ञान के शिक्षकों के लिए पहला दौर मई से जुलाई 2020 के दौरान आयोजित किया गया था, और गणित, विज्ञान, संगणक विज्ञान और रसायन विज्ञान पर नवंबर और दिसंबर 2020 में सेवाओं के ऑनलाइन कार्यशालाओं का दूसरा दौर आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य शिक्षकों को ऑनलाइन माध्यम से छात्रों को संलग्न करने के तरीकों के बारे में प्रशिक्षित करना था।
- **गणित कार्यशाला के प्रेम में:** विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय मंच (कुवैत) के समर्थन से, सीसीएल ने 21-25 जून, 2020 तक कुवैत में 250 से अधिक केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के स्कूली छात्रों के लिए एक पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य कक्षा 8 से 12 तक के छात्रों को गणित की सुंदरता का पता लगाने देना था।
- **30-30 एसटीईएम कार्यक्रमः** सीसीएल ने सीबीएसई और आईआईएसईआर पुणे के सहयोग से शिक्षकों के साथ-साथ छात्रों और उनके माता-पिता के लिए 30-सप्ताह का ऑनलाइन शिक्षा कार्यक्रम '30-30 एसटीईएम' शुरू किया। इसका उद्देश्य हमारे चारों ओर विज्ञान और गणित की सुंदरता, रहस्य और जादू और एसटीईएम अधिगम को और अधिक आकर्षक बनाना था। 16 अगस्त, 2020 को लॉन्च होने के बाद से, प्रत्येक रविवार कार्यक्रम को पूरे देश से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें प्रत्येक एपिसोड में दर्शकों की संख्या लाखों तक पहुंच गई। इस श्रंखला के अब तक दो सीजन पूरे हो चुके हैं। कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार प्रो मनीष जैन हैं।
- **20-20 रौशनी श्रंखलाः** सीसीएल ने एक अनोखी वीडियो श्रंखला '20-20 रौशनी' के माध्यम से, दीवाली के पर्व पर ज्यामितीय ठोस वस्तुओं के आकार में डीआईवाई पर्यावरण-अनुकूल सजावट का सामान बनाना सिखाया। इस श्रंखला के अतंर्गत, दशहरा से दीवाली तक सीसीएल टीम ने प्रतिदिन एक यूट्यूब वीडियो के

माध्यम से रोचक गणितीय सिद्धांतों पर आधारित कागज के चिरागों का निर्माण किया। इन कागज के दीपकों का निर्माण खासतौर पर सीसीएल टीम ने डिजाइन किया था जिसे देशभर में बहुत सराहना प्राप्त हुई।

- **अभियांत्रिकी का आनंदः** केंद्र ने नवम्बर 30 से दिसम्बर 2, 2020 के दौरान एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, केरल, के तकरीबन 150 अभियांत्रिकी विद्यालयों के लगभग 65,000 प्रथम वर्षीय छात्रों के लिए 'अभियांत्रिकी का आनंद' पर दो ऑनलाइन सत्र आयोजित किये। दोनों सत्र विश्वविद्यालय के नव-शामिल अभियांत्रिकी बैच के प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में आयोजित किए गए थे। सत्र का उद्देश्य छात्रों को समस्या-समाधान, एल्गोरिथम और महत्वपूर्ण सोच पर ध्यान केंद्रित करके अभियांत्रिकी के बारे में प्रेरित करना था।
- **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के फाउन्डेशन कार्यक्रमः** सीसीएल ने भा॰प्रौ॰सं॰ जम्मू, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर और भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर के हाल ही में प्रवेश प्राप्त अभियांत्रिकी बैच के छात्रों के लिए फाउन्डेशन कार्यक्रम आयोजित किए। सत्र का उद्देश्य छात्रों को अभियांत्रिकी के बारे में प्रेरित करना और समस्या-समाधान, एल्गोरिथम और महत्वपूर्ण सोच पर ध्यान केंद्रित करना था।
- **राष्ट्रीय खिलौना मेलाः** केंद्र ने फरवरी 27 से मार्च 2, 2021 के बीच शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित आभासी खिलौना मेले में भाग लिया। सीसीएल ने तीन आभासी स्टाल लगाए तथा उनके विज्ञान/गणित के खिलौनों में कई लोगों ने दिलचस्पी ली।
- **टॉयकेथॉनः** सीसीएल ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा जनवरी 5 से जनवरी 20, 2021 के बीच आयोजित भारत के प्रथम टॉयकेथॉन में हिस्सा लिया। सीसीएल ने टॉयकेथॉन 2021 में शामिल विषयों की योजना बनाने और उनका मार्गदर्शन करने में बहुत सक्रिय भूमिका निभाई। सीसीएल को टॉयकेथॉन के लिए 3 वार्ता देने के लिए भी आमंत्रित किया गया था। इस आयोजन में प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न श्रेणियों जैसे भारतीय सभ्यता, शिक्षा, विरासत, संस्कृति, पौराणिक कथाओं, राष्ट्रीय नायकों और महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में प्रस्तुत किए गए खिलौने / खेल देखे गए।
- **आमंत्रित वार्ताएं:** सीसीएल-भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर को कई आयोजनों/संगठनों द्वारा पूर वर्ष के दौरान वार्ताओं के लिए आमंत्रित किया गया, जिसकी सूची इस प्रकार हैः
  - राष्ट्रीय खिलौना मेला और खिलौना हेकेथॉन समिति और खिलौना शिक्षणशास्त्र की राष्ट्रीय समिति के सलाहकार, और राष्ट्रीय समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में प्रस्तुति
  - ऑनलाइन एसटीईएम अधिगम में संलग्नताः एसीएम कम्प्यूट 2020, नागपुर में आयोजित 3030-एसटीईएम की केस स्टडी
  - कहानी बनाना और सुनानाः आईआईएसईआर पुणे में फ्यूचर प्रूफ अधिगम का गुप्त सॉस
  - "क्या विज्ञान हमें क्रिकेट/बॉलीबुड की तरह आकर्षित कर सकता है?", पर भारत विज्ञान माह ऑनलाइन (आईएसएमओ) 2021 पर पैनल चर्चा
  - अगली पीढ़ी की शिक्षा, आईआईएसईआर पुणे
  - क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, भोपाल
  - राष्ट्रीय शिक्षक व शिक्षा मिशन
  - मिशन प्रेरणा, उत्तर प्रदेश
  - राज्य शिक्षा केंद्र - एसईडी

प्रसिद्ध आगंतुक

- **सुश्री अनीता करवाल**, विद्यालय शिक्षण एवं साक्षरता सचिव, भारत
- **श्री मनोज आहूजा,** सभापति, सीबीएसई
- **श्री शंकर मरुवडा,** प्रकाअ, एकस्टेप प्रतिष्ठान
- **प्रो रजत मूना**, निदेशक, भा॰प्रौ॰सं॰ भिलाई
- **प्रो मनोज गौड़,** निदेशक, भा॰प्रौ॰सं॰ जम्मू
- **डॉ दर्शना** जोशी, प्रकाअ, विज्ञान शाला
- **श्री विजय** किरण, डीजीएसई, उत्तर प्रदेश
- **श्री लोकेश जाटव,** पूर्व सचिव, प्राथमिक शिक्षा, मप्र
- **श्री राहुल शर्मा,** सचिव, एसईएल, झारखंड
- **श्री संजय सिहं**, मुख्य शिक्षा सचिव, बिहार
- **डॉ अनिल** सहस्रबुद्धे, सभापति, एआईसीटीई
- **डॉ अभय जेरे**, मुख्य नवीनता अधिकारी,शिक्षा मंत्रालय
- **श्री अभिषेक सिंह**, प्रकाअ, माईगव
- **श्री मनीष गर्ग,** संयुक्त सचिव, शिक्षा मंत्रालय
- **डॉ आशुतोष शर्मा**, सचिव, डीएसटी
- **श्री विनोद राव,** सचिव, प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा, गुजरात
- **डॉ अमरेन्द्र बेहेरा,** निदेशक, एनसीईआरटी
- **श्री संतोष माल,** पूर्व आयुक्त, केंविसं
- **सुश्री निधि पाण्डे,** आयुक्त, केंविसं
- **डॉ नकुल पराशर,** निदेशक, विज्ञान प्रसार
- **श्री आलोक मित्तल,** प्रकाअ, इंडिफाइ प्रौद्योगिकी
- **श्री प्रवीन भागवत,** संस्थापक व प्रप्रौअ, मोजो नेटवर्क्स इंक
- **प्रो अनिरबन हज़रा,** आईआईएसईआर पुणे
- **प्रो अम्रिता हज़रा**, आईआईएसईआर पुणे
- **प्रो त्रिलोचन शास्त्री,** भा॰प्रं॰सं॰ बेंगलोर
- **प्रो संदीप पाण्डे,** सह-संस्थापक, शिक्षा की आशा

सीसीएल टीम

प्रो मनीश जैन इस केंद्र के संचालक व **प्रो नीलधारा मिश्रा** सह-संचालक हैं। अन्य टीम सदस्यों में **गौरव कुमार यादव, जय ठक्कर, तपस हीरा, डॉ सरिता यादव, ज्योती गुप्ता, आशुतोष भाकुनी, सतीश कुमार,** और **दिनेश राठौड़** शामिल हैं।

संज्ञानात्मकता एवं मस्तिष्क विज्ञान केंद्र

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का संज्ञानात्मक एवं मस्तिष्क विज्ञान केंद्र अपने अवरस्नातक और पीएचडी स्तर के पाठ्यक्रमों और शोध गतिविधियों के लिए देशभर में बहुचर्चित माना जाता है। केंद्र अपने अंतरविषयक प्रकृति और उत्कृष्ट छात्र गतिविधियों के माध्यम से देश में संज्ञानात्मक विज्ञान में नेतृत्व करने का उद्देश्य रखता है। केंद्र के शोध विषयों में मस्तिष्क का दर्शन, अनुभूति, चेतना, अधिगम व निर्णयात्मकता, गितिशीलता नियंत्रण और पुनर्सुधार, तथा तंत्रिका-विकास व तंत्रिका-अपविकास जैसे ऑटिज़्म व अलजाइमर रोग शामिल हैं।

केंद्र सर्वोच्च-कौशल को अपनी तरफ आकर्षित करता आ रहा है, जिसे 9 नियमित संकाय सदस्य, 33 एमएससी और 9 पीएचडी छात्रों का सहयोग प्राप्त है। क्रमष: 2013 व 2010 में शुरू हुए नवीनतम एमएससी व पीएचडी पाठ्यक्रम संज्ञानात्मक विज्ञान शोध व उद्योग में रोज़गार के लिए छात्रों को तैयार करता है। प्रशिक्षण उपरांत हमारे पूर्व छात्रों ने शैक्षणिक व उद्योग जगत में सफलता पूर्वक नियुक्तियां पाई हैं जैसे भा॰प्रौ॰सं॰ दिल्ली, भा॰प्रौ॰सं॰ रूड़की, भा॰प्रौ॰सं॰ हैदराबाद, अहमदाबाद विवि, फ्लेम विवि, वेलकम ट्रस्ट अर्ली करियर पुरस्कार, सीएसआरआई पोस्टडॉक्टोरल अध्येतावृत्ति, फुलब्राइट अध्येतावृत्ति, भा॰प्रौ॰सं॰-डीएएडी मास्टर अध्येतावृत्ति, टीसीएस शोध व विकास में नियुक्ति, शास्त्री भारत-कनाडा अध्येतावृत्ति, स्विस सरकार उत्कृष्टता अध्येतावृत्ति, मेरी-स्क्लोड्सका क्यूरी अध्येतावृत्ति इत्यादि।

आयोजन

- संज्ञानात्मक एवं मस्तिष्क विज्ञान केंद्र ने मार्च 15 से 21, 2021 के बीच मस्तिष्क जागरुकता सप्ताह मनाया। इस आभासी आयोजन में मूल तंत्रिका विज्ञान शोधकर्ताओं से लेकर दसंवी कक्षा के छात्रों तक के विविध दर्शकों पर लक्षित विभिन्न प्रकार की वार्ता, पैनल चर्चा, कार्यशालाएं और प्रतियोगिताएं शामिल थीं। भारत और विदेशों के संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान के विद्वानों और चिकित्सकों ने सात दिनों में फैले विभिन्न सत्रों के माध्यम से अपने ज्ञान और दृष्टिकोण को साझा किया। समारोह का आयोजन **प्रो प्रतीक मूथा** और **सुश्री श्रिया नायडू** ने किया था।
- केंद्र ने मूलभूत अनुसंधान और संज्ञानात्मक विज्ञान के अनुप्रयोगों को समाहित करने वाले विभिन्न विषयों पर भारत और विदेशों के प्रतिष्ठित संस्थानों के वक्ताओं के साथ एक अनौपचारिक वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया।

केंद्र के संकाय सदस्य

केंद्र के संकाय सदस्यों में **प्रो कृष्ण प्रसाद मियापुरम**, केंद्र के सह प्राध्यापक और समन्वयक; **प्रो मीरा मैरी सनी**, सह प्राध्यापक और केंद्र के सह-समन्वयक, **प्रो जयसन मंजली**, जसुभाई मेमोरियल चेयर प्राध्यापक; **प्रो प्रतीक मूथा**, जीबाबेन पटेल चेयर सह प्राध्यापक; **प्रो उत्तमा लाहिड़ी**, सह प्राध्यापक; **प्रो लेसली लाज़र**, सहायक शिक्षण प्राध्यापक; **प्रो विनीत वशिष्ठ**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो एंगस मैकब्लेन**, अतिथि सहायक प्राध्यापक; और **प्रो जोयॉन्ग किम**, सहायक शिक्षण प्राध्यापक शामिल हैं।

डिजाइन व नवीनता केंद्र

डिजाइन व नवीनता केंद्र (डीआईसी) डिजाइन व नवीनता में सहयोगी परियोजनाओं, शोध, व शैक्षिक पहलों को बढ़ावा देता है। डीआईसी छात्र और संकाय को पाठ्येतर परियोजनाओं जैसे वार्ता, सम्मेलन, संगोष्ठी और कार्यशालाओं के माध्यम से विकसित करने के लिए पोषित करता है।

परियोजनाएं व सहभागिता

डीआईसी संस्थान के दूसरे विषयों में उत्पाद विकास और उत्पादन में डिजाइन परामर्श प्रदान करता है। डीआईसी उपयोगिता और सौंदर्य शास्त्र के माध्यम से प्रौद्योगिकी को मानव स्वरूप प्रदान करने में विशेषज्ञ है।

स्मार्ट यांत्रिक इनसोल (**प्रो उत्तमा लाहिड़ी** के लिए / अभिकल्पक **नीरव पटेल**)
स्थिति: पूर्ण
एक छोटी सजातीय संरचना प्राप्त करने के लिए मानवीय कारकों को ध्यान में रखते हुए एक संरचनात्मक पैकेजिंग विकसित की गई थी। यह इनसोल किसी भी जूते में डाला जा सकता है; एक ही संरचनात्मक विन्यास के साथ तकनीकी भिन्नताएं संभव हैं। डीआईसी ने विभिन्न एजेंसियों को उत्पाद प्रस्तुत करने में भी पहल की और यह व्यावसायिक रुचि प्राप्त कर रहा है।

जल शोधक (**प्रो चिण्मय घोरोई** के लिए / अभिकल्पक सिंघारा कन्नपन)
स्थिति: पूर्ण
पहले प्रतिमान को घरेलू 3डी प्रिंटर की सहायता से पुनः बनाया गया है। यह उत्पाद अभी परीक्षण के स्तर पर है।

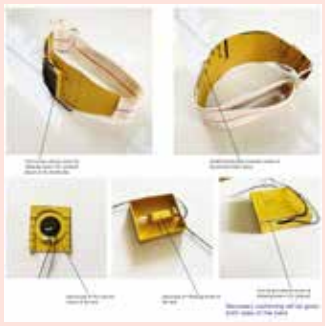

स्मार्ट वॉक (**प्रो उत्तमा लाहिड़ी** के लिए / अभिकल्पक **नीरव पटेल**)
स्थिति: चालू
पूरी स्मार्ट वॉक प्रणाली चाल से संबंधित सभी परेशानियों के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है। यह प्रयोगशाला परीक्षणों में क्षमता प्राप्त प्रौद्योगिकी सदमे के मरीजों को मांसपेशियों के जमने या गिरने की स्पर्श संबंधी, सुनने संबंधी या दृश्यात्मक चेतावनी प्राप्त करती है। यह पहनने योग्य इकाइयां चार विभिन्न छोटे, पूर्ण रूप से विकसित पैकेज में उपलब्ध हैं।

तारों से चालित लचीला रोबोटिक नियंत्रक (**प्रो मधु वडाली** के लिए

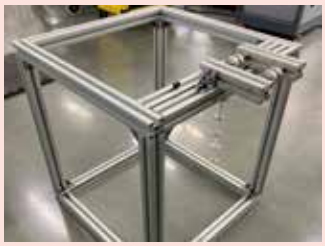

/ अभिकल्पक **नीरव पटेल**)
स्थिति: पूर्ण
एक नियंत्रक की अभिकल्पना की गई है जो मोटर से चालित दो धातु के तारों से नियंत्रित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, एक प्रयोगात्मक सेटअप अभिकल्पना में लाया गया है जो भविष्य के शोध कार्य में सहायक हो सकता है।

चाल से सहायक प्रणाली, एक्सो-सूट (**प्रो विनीत वशिष्ट** के लिए / अभिकल्पक **नीरव पटेल**)
स्थिति: चालू
इस उत्पाद को अभिकल्पना करना तब शुरू किया गया था जब पहनने योग्य चाल सहायक प्रणालियों की तकनीक का परीक्षण किया गया था। अभिकल्प ज्यादातर जांघ और पैर की मांसपेशियों पर केंद्रित होता है जिसे मोटर चालित बैकपैक द्वारा नियंत्रित किया जाता है। अवधारणा का प्रमाण सफल साबित हुआ है और अनुकूलन और बेहतर विवरण के लिए उत्पाद प्रणाली का विकास किया जा रहा है।

ऑटिस्टिक बच्चों के लिए लिखने की कलम एवं मेज का सेट (**प्रो उत्तमा लाहिड़ी** के लिए / अभिकल्पक **नीरव पटेल**)
स्थिति: चालू
डीआईसी ने ऑटिस्टिक बच्चों के लिए लिखने की कलम एवं मेज का सेट की अभिकल्पना किया है जिससे एक पीएचडी छात्र को एमआरआई सुविधा से डाटा जमा करने में मदद मिल सके। एक कलम/स्टाइलस मूठ भी विकसित की गई है जो लिखने के समय पड़ने वाले बल का आंकलन करता है। इस षोडश मूठ में बहु सेंसर जोड़े गए हैं। यह एक पीएचडी छात्र की ऑटिस्टिक छात्रों पर अध्ययन का भाग भी है। यह उत्पाद इस तरह से अभिकल्पित किया गया है जिससे यह बड़ी संख्या में ऑटिस्टिक लोगों की आवश्यकताओं में उपयोग में आ सके।

दृष्टि की खोज करने के लिए एक कुर्सी का सेटअप (**प्रो उत्तमा लाहिड़ी** के लिए / अभिकल्पक **नीरव पटेल**)
स्थिति: चालू
एक वीआर (आभासी वास्तविकता) आधारित उपकरण विकसित किया गया है, जो आंखों पर नज़र रखने वाले सेट-अप का उपयोग करके प्रतिक्रिया समय का दस्तावेजीकरण करता है। कार्य को ईईजी (इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राम), पीपीजी (फोटोप्लेथिसग्राम) और दृश्य फोकस के स्थान का रिकॉर्ड प्रदान करने की आवश्यकता है। इसलिए, यूपीवीसी पाइप के साथ एक कुर्सी पर एक सेट-अप तैयार किया गया था जो प्रतिभागी के सिर को स्थिर करेगा, प्रतिभागी और शोधकर्ता द्वारा आवश्यक प्रयास और समय को कम करेगा।

आयोजन

डीआईसी टीम ने डिजाइन और प्रौद्योगिकी पर बातचीत की एक श्रृंखला "डिजाइन डायलॉग" शुरू किया। इस श्रृंखला के एक भाग के रूप में, केंद्र ने इस अंतःविषय क्षेत्र का पता लगाने के लिए छात्रों के बीच रुचि जगाने के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए सफल अभिकल्पकों को आमंत्रित किया। इस श्रृंखला के तहत दिसंबर 2020 से मार्च 2021 के बीच निम्नलिखित वार्ताएं आयोजित की गईं:

- रुपये के चिन्ह की अभिकल्पना, **डॉ डी उदय कुमार**, अभिकल्पना विभाग प्रमुख, भा॰प्रौ॰सं॰ गुवाहाटी, दिसम्बर 10, 2020
- कंगारू की मां की देखभालः व्यवहार में परिवर्तन के लिए अभिकल्पना, **श्री पुष्कर इंगेल,** कोहेसिव प्रयोगशाला के संस्थापक, जनवरी 16, 2021
- अभिकल्प की पद्धति एवं सह-रचना, **सुश्री नेंसी कुमार**, रणनीतिक अभिकल्पन प्रबंधक, वृद्धि एवं नवीनता, एयरबस, फरवरी 10, 2021
- एक दिन में एक चित्र, **श्री प्रभात महापात्र**, अनुभव अभिकल्प प्रबंधक, एडोब, नॉएडा, मार्च 20, 2021

कार्यशालाएं

डीआईसी ने छात्रों के कौशल को विकसित करने के लिए निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया जो वे कल्पना करने और अपनी अवधारणाओं को वास्तविकता में बदलने के लिए नियोजित कर सकते हैं:

- 20 फरवरी, 2021 को **श्री नीरव पटेल**, अभिकल्पक, डीआईसी द्वारा एक बाह्य कार्यशाला के रूप में एक **प्राकृतिक डाई कार्यशाला** का आयोजन किया गया। इसे उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। हालांकि, केविड-19 की सामाजिक दूरी की आवश्यकताओं के कारण, केवल 20 प्रतिभागियों को ही अनुमति दी गई थी।
- **श्री सिंघारा कन्नपन**, अभिकल्पक, डीआईसी द्वारा मार्च 2021 में तीन सत्रों की एक श्रृंखला में **राइनोसेरॉस** का उपयोग करते हुए **बेसिक 3डी मॉडलिंग** पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। श्रृंखला का उद्देश्य राइनोसेरॉस का उपयोग करके 3-डी मॉडलिंग की बुनियादी समझ विकसित करना और छात्रों को जटिल 3-डी रूपों/असेंबली की कल्पना करने में मदद करना था। यह सॉफ्टवेयर 3-डी वस्तुओं के निर्माण और संशोधन के लिए एक बहुमुखी उपकरण है और इसका उपयोग विभिन्न प्रोटोटाइप मशीनों जैसे 3-डी प्रिंटर और लेजर कटिंग मशीनों के साथ किया जा सकता है।

डीआईसी की टीम

केंद्र के संकाय सदस्यों में **प्रो लेसली लाज़र**, सहायक शिक्षण प्राध्यापक और केंद्र के समन्वयक, केंद्र के सहायक प्राध्यापक और सह-समन्वयक **प्रो अमित अरोड़ा** और सहायक शिक्षण प्राध्यापक **प्रो मानसी कानेतकर** शामिल हैं। **श्री नीरवकुमार पटेल** और **श्री सिंघारा कन्नप्पन** केंद्र के अभिकल्पन सहयोगी हैं।

डॉ किरण सी पटेल स्थायी विकास केंद्र

भा.प्रौ.सं. गांधीनगर का डॉ. किरण सी. पटेल स्थायी विकास केंद्र स्थिरता तथा उच्च सामाजिक महत्व से संबंधित चुनौतियों पर अपने मजबूत आउटरीच व प्रौद्योगिकी-स्थानांतरण कार्यक्रमों के ज़रिए अत्याधुनिक शोध करने के लिए अग्रसर है। इसके मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- उच्च सामाजिक महत्व की स्थिरता संबंधी समस्याओं पर अंतःविषय अनुसंधान की पहचान करना और उनका संचालन करना
- अनुसंधान, पारंपरिक ज्ञान और क्षेत्र की समझ को एकीकृत करके स्थिरता चुनौतियों के लिए व्यावहारिक समाधान विकसित करें और उन्हें प्रोटोटाइप, सर्वाधिकार, और प्रकाशनों के रूप में परिवर्तित करना।
- क्षेत्र में स्थिरता समाधान के लिए एक प्रभावी प्रौद्योगिकी-हस्तांतरण कार्यक्रम स्थापित करना
- परिसर और उसके पड़ोस में स्थिरता समाधान लागू करना
- सतत आजीविका और विकास पर प्रशिक्षण, शिक्षा, जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता का एक मजबूत आउटरीच कार्यक्रम विकसित करना
- स्थिरता पर विद्वानों, नीति निर्माताओं, उद्योग, गैर-लाभकारी संगठनों और अन्य हितधारकों के बीच नेटवर्किंग और सहयोग को बढ़ावा देना
- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में स्थिरता पर शैक्षिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देना

केंद्रबिंदु क्षेत्र

- **जल:** अलवणीकरण, सुरक्षित पेयजल उत्पादन, जल संसाधन, नदी का प्रवाह
- **प्रदूषण व अपशिष्ट प्रबंधन:** वायु, जल और मृदा प्रदूषण, अपशिष्ट पृथक्करण, उपचार और पुनर्चक्रण, अपशिष्ट से संसाधन तकनीक
- **ऊर्जा:** अक्षय ऊर्जा, दक्षता और ऊर्जा प्रबंधन
- **जलवायु परिवर्तन:** चरम घटनाएं, भविष्यवाणी और सिमुलेशन
- **प्राकृतिक संसाधन, वन्यजीव और पारिस्थितिकी तंत्र:** जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिकवाद, पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान, पर्यावरण मानविकी

पाठ्यक्रम

- **शोध:** राष्ट्रीय और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने पर अनुसंधान और परामर्श स्थिरता
- **अभ्यास:** प्रयोगशाला से क्षेत्र में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और परिसर और पड़ोस पर कार्यान्वयन
- **शिक्षा:** भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में पाठ्यक्रम विकास और राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर स्थिरता पर अग्रिम शिक्षा
- **आउटरीच:** सम्मेलन, नेटवर्किंग, प्रशिक्षण कार्यक्रम और विद्वानों और पेशेवरों के लिए कार्यशालाएं

गतिविधियां

कोविड-19 और इसके सामाजिक प्रभाव पर तत्काल अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, केपीसीएसडी ने महामारी के सभी पहलुओं पर भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर संकाय और छात्रों द्वारा अनुसंधान के लिए **कोविड -19 अनुसंधान पुरस्कार** की स्थापना की। पुरस्कार अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जो महामारी और इसके मनोवैज्ञानिक, शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक प्रभाव की समझ को आगे बढ़ाते हैं। नीचे उल्लिखित चार शोध कार्यों को पुरस्कार के लिए चुना गया था।

1. एसएआरएस-कोव-2 एक वृत्तांतः भाग-1 - महामारी विज्ञान, निदान, रोग का निदान, संचरण और उपचार; **मनीष कुमार, कलिंग टाकी, रोहित गहलोत, आयुषी शर्मा** और किरण **धनगार**।
2. कोविड-19 तालाबंदी के दौरान भारतीय वयस्कों के मनोवैज्ञानिक कल्याण का एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन: अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग स्ट्रेक्स; **अनुपम जोया शर्मा** और **मालविका ए सुब्रमण्यम**।
3. भारत में कोविड-19 के लिए मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रियाओं की गतिशीलता: एक अनुदैर्ध्य अध्ययन; **अन्विता गोपाल, अनुपम जोया शर्मा** और **मालविका ए सुब्रमण्यम**।
4. एसएआरएस-कोव-2 के आनुवंशिक सामग्री का पता लगाने के माध्यम से भारत में कोविड -19 के लिए अपशिष्ट जल निगरानी की क्षमता का पहला प्रमाण; **मनीष कुमार, अरबिंद के पटेल, अनिल वी शाह, जाह्नवी रावल, नेहा राजपारा, माधवी जोशी** और **चैतन्य जी जोशी**।

प्रो अमित अरोड़ा और **प्रो मधु वडाली के प्रस्तावना** "स्वर्ण प्लास्टिक – 3डी प्रिंटिग से प्लास्टिक अपशिष्ट को स्थानीय उद्योग में परिवर्तित करना", को केपीसीएसडी द्वारा एक प्रारंभिक अनुदान प्राप्त हुआ है। यह प्रारंभिक अनुदान एक बड़ी निधि की प्रस्तावना से संबंधित है जिसका शीर्षक है "स्वर्ण प्लास्टिक", यह पुर्तगाल के इंस्टिट्यूटो सुपीरियर टेकनिको (आईएसटी) और डीएसटी भारत-पुर्तगाल को संयुक्त रूप से जमा किया गया है। इस प्रारंभिक अनुदान से भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में प्रमाण-से-अवधारणा प्रोटोटाइप और शुरुआती अध्ययन की उत्पत्ति को मदद प्राप्त होने की संभावना है।

केंद्र ने कोविड-19 से संबंधित एक परियोजना को भी वित्त पोषित किया: "महामारी वक्र की निगरानी के लिए गांधीनगर में एसएआरएस-कोव-2 जीन की जांच के लिए अपशिष्ट जल की साप्ताहिक निगरानी"। भू विज्ञान विषय के **प्रो मनीष कुमार** की परियोजना का उद्देश्य था महामारी की स्थिति को समझने के लिए गांधीनगर के विभिन्न अपशिष्ट जल में एसएआरएस-कोव-2 की आनुवंशिक सामग्री में भिन्नता का पता लगाना और इसकी मात्रा निर्धारित करना; विभिन्न चरणों और अलग-अलग समय अवधि में अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र में आनुवंशिक सामग्री लोडिंग में डेटा के साप्ताहिक समाधान को तीन महीने तक बनाए रखना; सामुदायिक स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी के लिए संभावित उपकरण के रूप में कोविड-19 निगरानी के लिए अपशिष्ट जल आधारित महामारी विज्ञान (डब्लूबीई) की प्रयोज्यता स्थापित करना; तथा भविष्यवाणी उपकरण के रूप में डब्लूबीई के शुरुआती संकेतों को स्थापित करने के लिए अपशिष्ट जल से रोगजनक विविधता (वायरल और बैक्टीरियल) को समझना।

आयोजन

- केपीसीएसडी ने सितम्बर 2020 से मार्च 2021 के बीच **स्थिरता संगोष्ठी श्रंखला** के 14 वेबीनार आयोजित किए। ऑनलाइन श्रृंखला ने विभिन्न प्रमुख विद्वानों और पेशेवरों को जल, प्रदूषण, ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों, वन्यजीव और पारिस्थितिक तंत्र के व्यापक विषयों को कवर करते हुए सतत विकास पर अपने कार्यों पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया। **प्रो अभिजीत मुखर्जी, डॉ सेजल वोरा, अंब॰ वेण्कटेशन**

अशोक, डॉ वीरेन्द्र तिवारी, श्री एमिलियो गबरियेली, श्री हेनरीक वीगा, प्रो पी पी मजुमदार, प्रो सुबिमल घोष, प्रो अरूप गांगुली और अन्य प्रख्यात संस्थानों से इस श्रंखला में शामिल हुए जैसे डब्लूडब्लूएफ-भारत, ऊर्जा और संसाधन संस्थान, सीएसआईआर – राष्ट्रीय भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान, भा॰वि॰सं॰ बेंगलोर, भा॰प्रौ॰सं॰ खड़गपुर, भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे, तथा ब्राज़ील संघीय सरकार। इस श्रंखला में भारत और विश्वभर से तकरीबन 800 लोगों ने भाग लिया।

- **विन वॉटसन वेबीनार श्रंखला 2020** की "स्थिरता वॉसन उपायों के लिए नवीनता और सशक्तिकरण" शीर्षक की वेबीनार सितम्बर 3 से अक्तूबर 8, 2020 के बीच छः भागों में आयोजित की गई। यह विन प्रतिष्ठान, एरिड समुदाय तथा प्रौद्योगिकी, पर्यावरण नियोजन और प्रौद्योगिकी केंद्र (सीईपीटी), भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे, तथा भा॰प्रौ॰सं॰ खड़गपुर के सहयोग से आयोजित हुई थी। प्रमुख संस्थानों, सामाजिक संगठनों और स्टार्टअप्स के प्रमुख नवोन्मेषी-व्यवसायियों ने अपने वास्तविक नवाचार प्रस्तुत किए। श्रृंखला ने जल और स्वच्छता समुदाय को सहयोग करने के अवसरों के साथ क्षेत्र के विभिन्न नेताओं और विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान किया। **डॉ जयचंदर स्वामीनाथन**, कंचन और हरिलाल दोशी चेयर और जल के सहायक प्राध्यापक, सतत विकास केंद्र, ने "जल उपचार और विलवणीकरण: ऊर्जा और सामग्री में बाधाओं को संबोधित करना" प्रस्तुत किया। **डॉ मनीष कुमार** और **डॉ चिन्मय घोरोई** ने जल उपचार के लिए सामग्री में नवाचारों का प्रदर्शन किया जैसे कि दूषित उपचार के लिए बायोडिग्रेडेबल कम लागत वाली सामग्री, और कीटाणुशोधन के लिए नैनोस्केल सतह संशोधन।
- जल के जोखिम के 5सी पर **भारत-यूके आभासी सम्मेलनः** जलवायु परिवर्तन, संदूषक, सह-घटना, संघर्ष और कोविड-19 दिसम्बर 14 से 16, 2020 के बीच आयोजित किया गया। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के पृथ्वी विज्ञान विषय, यूके-भारत शिक्षा अनुसंधान पहल (यूकेआईईआरआई), न्यूकेसल विश्वविद्यालय, ब्रिटिश परिषद, तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के साथ डॉ किरन सी पटेल धारणीय विकास केंद्र ने इस कार्यक्रम को सह-प्रायोजित किया था। तीन-दिवसीय आयोजन ने विश्वभर से 200 सेभी अधिक प्रतिभागियों को आकर्षित किया। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर से **प्रो मनीष कुमार** तथा न्यूकेसल विश्वविद्यालय से **डॉ डेविड वर्नर** इस कार्यशाला के संयोजक थे।
- केंद्र ने 26 मार्च, 2021 को "नवीकरणीय ऊर्जा और जल संसाधन" विषयवस्तु पर वार्षिक **धारणीय मेला** का ऑनलाइन आयोजन किया। गुजरात के माननीय मुख्य मंत्री, **श्री विजय रूपाणी** ने इस समारोह का उद्घाटन किया। इस समारोह के प्रमुख वक्ता **डॉ कलानिथी वैरावामूर्ति**, कार्यकारी निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय जल संगठन; **डॉ अशोक दास**, संस्थापक प्रमुख कार्यकारी अधिकारी, सनमोक्ष; तथा **डॉ राजेन्द्र सिंह**, सभापति, तरुण भारत संघ, ने क्रमशः अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों, ग्रामीण विकास के लिए सतत ऊर्जा और सामुदायिक विकेन्द्रीकृत जल प्रबंधन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिया। मेले में नवीकरणीय ऊर्जा, पानी और अन्य धारणीय के मुद्दों पर काम कर रहे उद्योगों और संगठनों द्वारा ऑनलाइन इंटरैक्टिव नेटवर्किंग सत्र और लगभग 50 आभासी प्रदर्शनी स्टालों को प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में दुनिया भर से 600 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। **प्रो अचल मेहरा, प्रो नारण पिंडोरिया**, तथा **सुश्री फालगुनी टेलर** ने इस कार्यक्रम का संचालन किया।

केंद्र के संकाय सदस्य

केंद्र के संकाय सदस्यों में **प्रो अचल मेहरा**, अभ्यागत प्राध्यापक और केंद्र के समन्वयक; **प्रो विमल मिश्रा**, सह प्राध्यापक और केंद्र के समन्वयक; **प्रो अंबिका अय्यादुरई**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो निपुण बत्रा**, सहायक; **प्रो अतुल भार्गव**, सह प्राध्यापक; **प्रो उदित भाटिया**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो अरूप चक्रवर्ती**, सह प्राध्यापक; **प्रो के चेल्वाकुमार**, अभ्यागत प्राध्यापक; **प्रो मिशेल डेनीनो**, अभ्यागत प्राध्यापक; **प्रो चिन्मय घोरोई**, बी एस गहलोत चेयर प्राध्यापक; **प्रो विक्रांत जैन**, प्राध्यापक; **प्रो मनीष कुमार**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो प्रणब कु मोहापात्रा**, प्राध्यापक; **प्रो सीएन पांडे**, अभ्यागत प्राध्यापक; **प्रो नारण पिंडोरिया**, सह प्राध्यापक; **प्रो सुधांशु शर्मा**, सहायक प्राध्यापक; और **प्रो जयचंदर स्वामीनाथन**, कंचन और हरिलाल दोशी चेयर सहायक प्राध्यापक शामिल हैं।

सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र सुरक्षा के क्षेत्र में उच्च प्रभाव वाले अनुसंधान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अनुसरण करता है। यह सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और मुख्य रूप से अग्नि सुरक्षा पर केंद्रित है। केंद्र के मुख्य उद्देश्य हैं:

- सुरक्षित और दुर्घटना-मुक्त समाज सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधान और परामर्श परियोजनाएं शुरू करना
- सुरक्षा पाठ्यक्रम का शिक्षण
- सुरक्षा पेशेवरों को वर्तमान रुझानों से अवगत कराने हेतु कार्यशालाओं तथा सम्मेलनों के माध्यम से सुरक्षा संबंधी ज्ञान का प्रसार करना
- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के संचालन जैसे प्रयोगशालाओं के सभी पहलुओं में सुरक्षित काम करने के तरीकों पर कर्मचारी और छात्रों को प्रशिक्षण देना

कई शोध परियोजनाओं को उनके स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के साथ-साथ विभिन्न विषयों के संकाय सदस्यों द्वारा किया गया है। तीन अवरस्नातक छात्रों ने **प्रो गौरव एस** के नेतृत्व में महत्वपूर्ण शीर्षकों पर अपनी एमटेक थीसिस पूर्ण की है जैसे (क) भारत में आग के निर्माण का मात्रात्मक विश्लेषण और समझ, (ख) गैर-वातानुकूलित रेल कोच के अंदर आग व्यवहार की विशेषता, और (ग) सार्वजनिक परिवहन बसों में आग व्यवहार का विवरण।

केंद्र के पत्रिका लेखों में, "वास्तविक अग्नि प्रयोगों में, कांच, एसीपी और अग्निरोधकों वाली गृह मुख प्रणालियों की अग्नि रोधक क्षमता", को वर्ष के 15 पत्रों में से संपादक की पसंद के अग्नि सुरक्षा पत्र की तरह चुना गया है।

केंद्र में अतिथि प्राध्यापक डॉ प्रवीणराय गांधी को अग्नि सुरक्षा अभियंता सोसायटी (एसएफपीई) प्रतिष्ठान द्वारा दिए गए सबसे प्रतिष्ठित शोध पुरस्कार आर्थर बी गुइज़ पदक 2021 के प्राप्तकर्ता के रूप में चुना गया था। गुइज़ पदक अग्नि सुरक्षा अभियांत्रिकी के विज्ञान और प्रौद्योगिकी की उन्नति में प्रख्यात उपलब्धि को मान्यता देता है।

केंद्र के संकाय सदस्य

केंद्र के संकाय सदस्यों में **प्रो चिण्मय घोरोई**, बी एस गहलोत चेयर प्राध्यापक और केंद्र के समन्वयक; **प्रो गौरव एस**, सह प्राध्यापक और केंद्र के समन्वयक; **श्री आर ए वेंकटाचलम**, केंद्र सलाहकार; और **डॉ प्रवीणराय गांधी**, अतिथि प्राध्यापक शामिल हैं।

बाह्य संबंध

एम०ओ०यू०

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर लगातार नामी अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों तथा गैर-शैक्षिक संगठनों के साथ मज़बूत और पारस्परिक संबंध स्थापित करता आ रहा है। वर्ष 2020-21 के बीच बने ऐसे संबंधों से छात्रों और संकाय को लाभ पहुंचेगा।

अंतरराष्ट्रीय

संगठन/संस्थान	उद्देश्य
डॉ हेमन्त कनकिया	संस्थान में उच्च श्रेणी के संकाय सदस्य पद के उम्मीदवारों को आकर्षित करने के उद्देश्य से भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में कनकिया युवा शोधकर्ता संगोष्ठी को सहयोग प्रदान करना
डॉ दिनेश ओ शाह	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में अभियांत्रिकी या किसी अन्य प्राकृतिक विज्ञान के क्षेत्र में एक संकाय चेयर को सहयोग प्रदान करना
यूनिवर्सिडाडे फेडेराल डे गोइयास (यूएफजी), ब्राज़ील	शिक्षण, अनुसंधान और/या विस्तार गतिविधियों के माध्यम से अकादमिक और वैज्ञानिक सहयोग विकसित करना
डॉ विलास मजुमदार	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में अभियांत्रिकी या किसी अन्य प्राकृतिक विज्ञान के क्षेत्र में एक संकाय चेयर को सहयोग प्रदान करना

राष्ट्रीय

संगठन/संस्थान	उद्देश्य
वेगशक्ति महिला कल्याण संगठन (वीएमकेएस)	चार वर्षों की अवधि के लिए वित्तीय रूप से कमज़ोर तबके की दो महिला छात्रों के लिए वेगशक्ति महिला कल्याण संगठन अध्येतावृत्त स्थापित करना
राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान - अहमदाबाद (एनआईपीईआर-ए)	अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के माध्यम से और प्रयोगशाला अवसंरचना का उपयोग करके ज्ञान निर्माण, प्रौद्योगिकी विकास और मानव संसाधन विकास में भागीदारी करके बातचीत के लिए औपचारिक आधार प्रदान करना।
निरमा विश्वविद्यालय - अहमदाबाद	सहयोगी परियोजनाओं में शिक्षण, अनुसंधान और प्रशिक्षण के साथ-साथ वैज्ञानिकों, शिक्षकों और छात्रों के आदान-प्रदान में सहयोग करना

संगठन/संस्थान	उद्देश्य
एचक्यू 14 कोर (अभियंता)	ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अपशिष्ट निपटान प्रबंधन की परियोजना के लिए प्रौद्योगिकी शोध/अध्ययन/विकास करना
गुजरात विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (गुजकोस्ट)	"शहरी वायु गुणवत्ता पर औद्योगिक उत्सर्जन के प्रभाव की निगरानी के लिए वायुमंडल में प्रदूषित गैसों की उच्च संवेदक जांच" पर शोध कार्य करना
गुजरात विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (गुजकोस्ट)	"तार वाले लचीले रोबोटिक नियंत्रक के अभिकल्प, गतिशीलता अध्ययन और नियंत्रण" पर शोध कार्य करना
गुजरात विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (गुजकोस्ट)	"स्वच्छ ईंधन के रूप में सौर ऊर्जा के कुशल भंडारण के लिए नए प्लास्मोनिक एंटीना-रिएक्टर प्लेटफॉर्म का विकास" पर शोध कार्य करना
गुजरात विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (गुजकोस्ट)	"नई पीढ़ी की कीमो फोटो थर्मल थेरेपी के लिए कैंसर में पावरिंग की स्वर्ण नेनो हीटर की मध्यस्थता द्वारा लक्षित करना" पर शोध कार्य करना
गुजरात विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (गुजकोस्ट)	"उच्च प्रदर्शन वाले फाइबर रीइनफोर्स्ड कांक्रीट (एचपीएफआरसी) : एक क्षमता आधारित मिश्र अभिकल्प ढांचे की प्रस्तावना" पर शोध कार्य करना
प्रगत संगणन विकास केंद्र (सीडैक)	शोध व विकास गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय सुपरकम्प्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत अत्याधुनिक 650 टीएफ एचपीसी सुविधा स्थापित करना
टेस्टबुक एडु सलूशंस प्रा लि	अंतिम उपयोगकर्ता को टेस्टबुक उपलब्ध कराना जिससे उसके मुख्य सुधार क्षेत्र और ज्ञान का आंकलन किया जा सके
एचएसआर नवीनता केंद्र न्यास, नई दिल्ली	"उच्च गति की रेल प्रणाली के एबटमेंट और जियोसिंथेटिक रीइनफोर्स्ड मिट्टी की दीवार" के लिए शोध कार्य करना
सुश्री रश्मि एवं श्री मनीश शर्मा, बेंगलोर	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में अभियांत्रिकी, प्राकृतिक विज्ञान, मानविकी अथवा सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में संकाय चेयर स्थापित करना
केंद्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर)	सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई और भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के मध्य एक औपचारिक वार्ता तथा विनिमय और सहयोग कार्यक्रम स्थापित करना
गुजरात विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (गुजकोस्ट)	"एकल अणु से लेकर जीवित कोषिका तकः डीएनए-नेनोप्रौद्योगिकी के साथ यथावत्, बहुसंकेतित, उच्च-प्रवाहक्षमता चित्रण" के लिए शोध कार्य करना
गुजरात विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (गुजकोस्ट)	"बहुत सक्रिय, अविषण्ण, तथा पारदर्शी विषाणुरोधी सतही परत की फेब्रिकेटिंग के लिए उद्योग अनुकूल प्रौद्योगिकी का विकास" के लिए शोधकार्य करना
श्री गोवर्धनभाई बी गेहलोत, अहमदाबाद	बुद्धिमान पुनर्सुधार और प्रभावी कंप्यूटिंग प्रणाली के लिए सरिता जी गहलोत प्रयोगशाला की स्थापना करके भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में शैक्षिक उत्कृष्टता का पोषण करने के लिए सरिता जी गहलोत अक्षय निधि का निर्माण

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर अनुसंधान पार्क

संगठन/संस्थान	उद्देश्य
ऑप्टीमाइज्ड सलूशंस लि	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर अनुसंधान पार्क में उनके शोध व विकास कार्यों को जारी रखना

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का अनुसंधान पार्क उद्योग एवं शैक्षणिक वर्ग के बीच में एक मज़बूत भूमिका निभाता है जिससे उसकी सीमाएं और विस्तार के बढ़ने से नवीनता एवं अनुसंधान को बढ़ावा मिल सके। औद्योगिक संस्थान अपने कार्यालय भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के अनुसंधान पार्क में स्थापित कर अपना शोध व विकास कार्य जारी रख सकते हैं। इससे उन्हें एक जीवंत समुदाय का हिस्सा बन कर उनकी पहुंच भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की अत्याधुनिक शोध एवं विकास सुविधाओं, शोध एवं विकास पेशेवरों, तथा छात्रों तक मिलती है।

कंपनियों की यहां पर अपनी अनुसंधान संबंधी गतिविधियां शुरू करने की बढ़ती आवश्यकताओं के चलते भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क की भी गतिविधियां बढ़ रही हैं।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क में नई कंपनियां

2020-21 के दौरान कुल छः नई कंपनियों ने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क में अपनी गतिविधियां स्थापित की हैं:

कंपनी का नाम	विशिष्टीकरण
रेडपाइन सिग्नल्स	एआई के क्षेत्र में चिपसेट व प्रणाली स्तर के उत्पाद
जय रसायन	विशेष रसायन
एवरेस्ट उपकरण	दूध तथा खादान्न परीक्षण प्रौद्योगिकी
हावी प्रौद्योगिकी	रोबोटिक्स
क्राइगेन औषधीय प्रा लि	औषधीय अनुसंधान
इन्फीयू प्रयोगशाला प्रा लि	कृषि प्रौद्योगिकी

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क में कंपनियां

मार्च 31, 2021 तक कुल 15 कंपनियां भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के अनुसंधान पार्क में कार्यरत हैं:

कंपनी का नाम	वर्तमान अरिक्त क्षेत्र (वर्ग फिट)	रुचि का विषय
गुजरात ऊर्जा विकास निगम लि. (जी.यू.वी.एन.एल.)	1500	विद्युत ऊर्जा
विन प्रतिष्ठान	504	जल एवं स्वच्छता
तवाता प्रौद्योगिकी	130	विशेष रसायन
डीपी पल्वेराइज़र इंडस्ट्री	130	पल्वेराइज़िंग प्रौद्योगिकी
नासकोम	2000	आईओटी एवं आईटी
पैन आईआईटी एलुमनाई रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन (पीएआरएफआई)	160	कौशल विकास
ऑप्टिमाइज़्ड सलूसंश लि	180	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं अंतर्निहित प्रणालियां
केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (के॰लो॰नि॰वि॰)	355	निर्माण
पाल रीमटीरियल्स	130	पदार्थ विशेषताएं
रेडपाइन सिग्नल्स	355	अर्धचालक
जय रसायन, वापी	260	रसायन
एवरेस्ट उपकरण प्रा लि	130	दूध तथा खादान्न परीक्षण प्रौद्योगिकी
हावी प्रौद्योगिकी प्रा लि	160	रोबोटिक्स
क्राइगेन औषधीय प्रा लि	260	औषधीय शोध व विकास
इन्फीयू प्रयोगशाला प्रा लि	130	कृषि प्रौद्योगिकी

अन्य विकास

- अनुसंधान पार्क की स्थायी इमारतों का निर्माण कार्य अपने अग्रिम चरणों में है।
- आईआईईसी एवं अनुसंधान पार्क की **5वीं सलाहकार परिषद की बैठक** अक्टूबर 23, 2020 को इनफोसिस लि के सह-संस्थापक, **श्री क्रिस गोपालकृष्णन** के अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। कोविड-19 की जारी परिस्थिति के चलते बैठक में 14* प्रतिभागी ज़ूम के ज़रिए आभासी रूप से बैठक में सम्मिलित हुए। सदस्यों ने अनुसंधान पार्क और उद्यमिता केंद्र द्वारा की गई प्रगति की सराहना की और भविष्य के विकास के लिए कुछ मूल्यवान इनपुट प्रदान किए, जिनमें शामिल हैं 1) गुजरात में परिवारों द्वारा चलाए गए व्यवसायों तक पहुंचना; 2) उद्योग तक पहुंचने के लिए क्षेत्रीय दृष्टिकोण विकसित करना; 3) वर्चुअल रोड शो की योजना बनाना; 4) उद्यमशीलता की गतिविधियों को समर्थन देने के लिए निवेश कोष बनाना; 5) अन्य के साथ-साथ उद्यमियों के लिए मेंटर पूल का विस्तार करना।

* बाहर से इन प्रतिभागियों (सभापित के अतिरिक्त) ने बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज की:

श्री अजय चौधरी, संस्थापक, एचसीएल
श्री पिरूज़ खंबत, संस्थापक, रसना अंतरराष्ट्रीय
श्री सार्थक जैन, सह-संस्थापक, नेनोनेट्स
श्री आनंद परिख, रिलायंस उद्योग
श्री आर गोपालकृष्णन, टाटा संस
सुश्री सौम्या राजन, संस्थापक, वॉटरफील्ड सलाहकार
श्री विजय कुमार अवतुरी, संस्थापक एवं सीटीओ, क्रेयॉन डेटा
श्री मौलिक जसुभाई, सभापति एवं मुख्य कार्यकारी सदस्य, जसुभाई समूह
श्री सुधीर मेहता, पन्नेकल इंडस्ट्री लि
डॉ अनीता गुप्ता, प्रमुख, एनएसटीईडीबी, एस एवं टी विभाग, भारत सरकार
श्री संजय रंधार, गुजरात वेंचर वित्त लि
श्री प्रवीण रॉय, वैज्ञानिक एफ, एस एवं टी विभाग, भारत सरकार
श्री अशांक देसाई, मासटेक लि
श्री एन जी सुब्रमण्यम, टीसीएस

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर नवीनता एवं उद्यमिता केंद्र

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर नवीनता एवं उद्यमिता केंद्र (आईआईईसी) एक प्रौद्योगिकी उद्योग उष्मायन केंद्र है जो संस्थान को ऊष्मायन एवं प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण पहलों में सहयोग प्रदान करता है। इसका उद्देश्य अंत:विषय दृष्टिकोण का उपयोग करके नवीन और रचनात्मक सोच के माध्यम से तकनीकी-उद्यमिता को बढ़ावा देना है।

कोविड-19 महामारी के बीच, आईआईईसी ने इनक्यूबेटेड स्टार्टअप को सहयोग प्रदान करना जारी रखा है। राष्ट्रव्यापी तालाबंदी के शुरुआती चरण के दौरान, कुछ स्टार्टअप कंपनियों ने वेंटिलेटर, विषाणुरहित प्रणालियां आदि जैसे उत्पादों को विकसित करने के लिए अपने कौशल और संसाधनों का उपयोग किया। वर्ष 2020-21 में कुल 15 स्टार्टअप को इनक्यूबेशन और प्री-इनक्यूबेशन कार्यक्रमों के तहत आईआईईसी द्वारा सहयोग प्रदान किया गया था। इसके अलावा, आईआईईसी ने तीन स्टार्टअप्स को वर्ष के दौरान लगभग 36 लाख रुपये की प्रारंभिक आर्थिक सहायता प्राप्त करने में मदद की।

आईआईईसी के अंतर्गत आयोजित कुछ प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

उद्यमी मानसिकता 101

आईआईईसी ने 'उद्यमी मानसिकता 101' – उद्यमिता में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए एक ऑनलाइन परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया। अप्रैल 30 से जून 2, 2020 के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों को स्टार्टअप जगत के मूलभूत तथ्यों से परिचित कराया गया। **श्री आर ए वेंकिटाचलम** ने इसमे प्रस्तुति दी, जिसमें 23 बीटेक, एमटेक, एमए और पीएचडी विद्यार्थी शामिल थे। छात्रों को भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के कुछ पूर्व स्टार्टअप बैच के उद्यमियों सहित अन्य के साथ बातचीत करने का अवसर भी दिया गया।

मुश्किल समय में उच्च विकास उद्यम विकसित करना

अगस्त 2020 में, आईआईईसी ने मुश्किल समय में उच्च विकास उद्यम विकसित करने पर तीन महीने का एक गहन कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन स्टार्टअप्स की पहचान करना है जिनके संचालन में बाधा आ गई है और इस चरण के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए एक रणनीति पर पुनर्विचार और पुनर्निर्माण करने के लिए उनके साथ काम करना है। कुल 51 आवेदनों में से 14 टीमों का चयन सफल उद्यमियों, व्यापारिक नेताओं और प्रौद्योगिकीविदों से परामर्श प्राप्त करने के लिए किया गया था। कार्यक्रम में अतिथि व्याख्यान शामिल थे और विशेषज्ञों के एक बहुत ही विशिष्ट पैनल द्वारा प्रत्येक टीम पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

निधि प्रारंभिक सहयोग कार्यक्रम

आईआईईसी को रु 10.50 करोड़ की धनराशि विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा निधि प्रारंभिक सहयोग कार्यक्रम के तहत प्राप्त हुई है। इसकी रु 2.1 करोड़ की प्रथम किश्त प्राप्त हो चुकी है। धन का उपयोग आईआईईसी में इनक्यूबेट किए गए होनहार स्टार्टअप्स को 25 से 50 लाख रुपये तक की प्रारंभिक सहयोग राशि प्रदान करने के लिए किया जाएगा।

निधि प्रयास कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के प्रस्ताव के लिए पहली घोषणा सितंबर 2020 में की गई थी। हमें कुल 93 आवेदन प्राप्त हुए। विचारों की तकनीकी योग्यता

43
स्टार्टअप्स को सहयोग 5 वर्षों में

300+
व्यक्तियों के लिए रोज़गार उत्पन्न

70%
स्टार्टअप्स को स्थापित हुए दो वर्ष से ज्यादा का समय हो चुका है, इन्हें आईआईईसी ने इनक्यूबेट किया था

80+
भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के पूर्व-छात्रों ने स्टार्टअप कंपनियों की सह-संस्थापना की है

पर भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के संकाय सदस्यों से प्रारंभिक जांच और प्रतिक्रिया के बाद, 30 नवंबर से 3 दिसंबर, 2020 के दौरान कुल 52 आवेदकों / टीमों को आभासी प्रस्तुतियों के लिए बुलाया गया था। आवेदनों का मूल्यांकन विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा किया गया था, जिसमें आईआईईसी के मार्गदर्शक और भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के संकाय सदस्य शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में चयन प्रक्रिया के तहत 10 टीमों के सहयोग के लिए सिफारिश की गई थी। इसकी अधिक जानकारी नीचे दी जा रही है:

सहयोग के लिए संस्तुति प्राप्त टीमों की संख्या	जुड़ने वाली टीमों की संख्या	नमूने बनाने के लिए संस्तुति प्राप्त कुल धन राशि	प्रथम किश्त में दी गई धन राशि (रुपये में)
10	9	48 लाख	16.5 लाख

आईआईईसी के मार्गदर्शक चिकित्सालय

आईआईईसी ने भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के छात्रों की 14 टीमों के विचार और उन पर अपने सुझाव देने तथा मार्गदर्शकों से जोड़ने के लिए कुल 20 'मार्गदर्शक चिकित्सालय' का आयोजन किया। प्रत्येक सत्र लगभग 1-1.5 घंटे तक चला, जिससे उनमें से कई को बाजार अनुसंधान, विचार सत्यापन आदि पर काम करने में मदद मिली। इसके अलावा, परिसर में मौजूदा स्टार्टअप और निधि प्रयास समर्थित टीमों के लिए 40+ घंटे का एक परामर्श सत्र भी आयोजित किया गया था।

लॉन्चपैड 2021

संस्थान ने लॉन्चपैड को मंजूरी दी, जो भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए आईआईईसी के समर्थन से अपने विचारों को आजमाने का अवसर प्रदान करने के लिए एक पहल है। इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, छात्रों को एक मंच मिलता है जहाँ वे अपने स्टार्ट-अप विचार को मान्य करते हैं और आईआईईसी से सलाह प्राप्त करते हैं। छात्र टीमों को उत्पाद विकास निधि सहायता और जीविका को समाहित करने के लिए अध्येतावृत्ति भी प्रदान की जाती है। इस कार्यक्रम के तहत सात छात्रों की दो टीमों ने अपने विचारों पर काम करना शुरू कर दिया है।

स्टार्टअप्स की उपलब्धियां

- माईकोब, 3डी प्रिंटिंग का एक स्टार्टअप, जिसे आईआईईसी ने ऊष्मायन प्रदान किया था, को वैश्विक योगिकी चुनौती 2019 में चयनित टीमों में से एक स्थान मिला है। स्टार्टअप को गुजरात सरकार के उद्योग विभाग से 10 लाख रुपये का मार्केटिंग सहयोग अनुदान भी मिला।
- नियरची इनोवेशन (रिहैब रिलीव) के सह-संस्थापक चंदन कुमार झा ने भारत-स्विस अकादमी औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; स्विसनेक्स इंडिया; और नवीनता एवं उद्यमित सोसाइटी (साइन), भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे द्वारा शिक्षाविदों और प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप की सहायता करने के लिए किया गया था।
- चंदन कुमार झा ने राष्ट्रीय जैविक उद्यमिता प्रतियोगिता (एनबीईसी-2020) में छात्र टीम नवीनता श्रेणी के अतंर्गत 3 लाख रुपए का अनुदान जीता।
- नेसेसेरियो इनोवेशन (स्नैपर) और माईकोब को क्रमशः रु 23 लाख व रु 20 लाख उनके स्टार्टअप विचार के लिए अनुदान स्वरूप प्राप्त हुए हैं। नेसेसेरियो इनोवेशन (स्नैपर) के संस्थापक इम्तियाज़ अंसारी को भारतीय अचीवर्स फोरम का 'युवा अचीवर पुरस्कार 2020' प्राप्त हुआ।
- इनफीयूलैब्स को यूएनटीपी युवा कोःलैब कार्यक्रम 2020 में सबसे ऊपर आनेवाली 4 टीमों में जगह मिली। वह कृषि स्टार्टअप के 3रे फिक्की पुरस्कारों की 'उभरते कृषि नवीनता श्रेणी' में दूसरे स्थान पर रही।

ऊष्मायन के तहत स्टार्टअप

1. **स्नैपर (नेसेसेरियो इनोवेशन)** व्यापक और हवाई कोण सेल्फी लेने के लिए एक वायरलेस फोटो बूथ कैमरा है, जो बिना इंटरनेट के, किसी भी ऐप को इंस्टाल किए या किसी भी अपिरिचित की मदद के कार्य करता है। इस स्टार्टअप को दिसम्बर 2020 में गुजरात सरकार से उत्पादन विकास व मार्केटिंग के लिए रु 23 लाख का प्रारंभिक सहयोग अनुदान प्राप्त हुआ है।
2. **माईकोब प्रौद्योगिकी** भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के पीएचडी छात्रों के एक समूह द्वारा शुरू की गई एक उद्यम वेंचर है। स्टार्टअप ने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के अकादमिक ब्लॉक 9 में एक पूर्ण पैमाने पर कंक्रीट प्रिंटिंग सुविधा विकसित की है और उच्च अंत फर्निशिंग आइटम प्रिंट करना शुरू कर दिया है। संचालन को बढ़ाने के लिए **श्री परिमल करणी** द्वारा कंपनी को सहयोग दिया जा रहा है। कंपनी को गुजरात सरकार से 10 लाख रुपये का विपणन समर्थन भी मिला और निधि प्रयास कार्यक्रम के तहत 7.5 लाख रुपये के सहयोग की सिफारिश की है।
3. **जियो-कार्टे रडार प्रौद्योगिकी प्रा लि**, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के 2015 बैच की **सुश्री सिल्की अग्रवाल** द्वारा स्थापित, मैदान भेदी रडार (जीपीआर) प्रौद्योगिकी के मदद से बिना नुकसान किये भूभौतिकी खोज करने में सक्षम है। स्टार्टअप वित्त वर्ष 2019-20 में 40 से अधिक व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करते हुए लगभग 4 करोड़ रुपये के राजस्व पर पहुंच गया। हालांकि, मौजूदा कोविड-19 संकट के कारण, पिछले वर्ष की तुलना में परिचालन में काफी कमी आई है।
4. **व्हाइटपांडा** एक विषय वस्तु विकास करने का मंच है जो विषय वस्तु की जरूरत वाले व्यवसायों को प्रतिभाशाली फ्रीलांस लेखकों से जोड़ता है। स्टार्टअप प्रति माह लगभग 4-5 लाख रुपये का राजस्व उत्पन्न करने में सक्षम है और उसने एंजेल राउंड में 50 लाख रुपये जुटाए हैं।

ऊष्मायन पूर्व के स्टार्टअप

1. **एग्रोकास्ट एनेलिटिक्स** भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के एक पीएचडी विद्वान, श्री हर्ष शाह ने स्थापित किया है। एग्रोकास्ट कृषि की भविष्यवाणी और विश्लेषण करने वाली कंपनी है। यह कुशल कृषि पद्धतियों के लिए सात दिन पूर्व सटीक कृषि जानकारी प्रदान करता है।
2. **हैबिटेल प्रौद्योगिकी** चिकित्सीय एडिटिव उपाय निर्माण विकसित करने पर काम कर रही है जिसमें सर्जिकल प्लानिंग में मदद करने के लिए एनाटोमिकल प्रतिरूप शामिल है।
3. **स्वकथा** क्रत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और आभासी वास्तविकता (वीआर) की मदद से अभिकल्प और कपड़े के प्रौद्योगिकी हल से परिचित कराता है। तालाबंदी के दौरान, इसने एक आभासी फैशन शो का आयोजन किया और फैशन सुझावों के लिए एआई-आधारित मंच बनाया।
4. **इनसिटू एग्रीटेक** की 90% कम पानी का इस्तेमाल, और बिना मिट्टी और सूर्य की करिणों के सभी पौधे उगाने की योजना है।
5. **गोल्डन प्लास्टिक** एक एकल समेकित प्रणाली विकसित करने का प्रस्ताव करता है जो प्लास्टिक कचरे को इनपुट के रूप में लेता है और इससे विभिन्न 3 डी उत्पादों को सीधे प्रिंट करता है। इस प्रकार, यह बेकार प्लास्टिक को प्रयोग करके योग्य वाणिज्यिक उत्पादों में बदल देता है।
6. **कैरिओस रोबोटिक्स** का प्राथमिक उद्देश्य अनुसंधान प्रयोगशालाओं में एक मंच के रूप में उपयोग किए जाने के लिए उन्नत नियंत्रण क्षमताओं के साथ एक क्वाडकॉप्टर ड्रोन का उत्पादन करना है। एक बार मान्य होने के बाद, उसी तकनीक को खेल फोटोग्राफी, पेशेवर फोटोग्राफी, प्राकृतिक आपदा बचाव कार्यों के लिए रोबोटिक्स, सैन्य और रक्षा उपयोग आदि में व्यावसायिक उपयोग के लिए पोर्ट किया जाएगा।
7. **नियरची नवीनता (रीहेब रिलीव)** एक रमणीय आभासी वास्तविकत-आधारित पुनर्सुधार प्रणाली बनाने में कार्यरत है जो सदमे के मरीज़ो (अपंग) को लंबे समय तक खेलों भरे अभ्यास करा कर उन्हें अपनी अक्षमता से उभरने में मदद करेगा। यह प्रणाली वास्तविक समय में रोगियों द्वारा की गई गतिविधियों की गुणवत्ता की निगरानी भी करेगा और हाथ कीनेमेटिक्स के विभिन्न मात्रात्मक आकलन और एक सरलीकृत कुल स्कोर उत्पन्न करके प्रगति को ट्रैक करेगा।
8. **एमबी2 नेनोपदार्थ** रक्षा, अंतरिक्ष और अन्य वाणिज्यिक अनुप्रयोगों के लिए मिसाइलों और रॉकेटों में उपयोग किए जाने वाले ठोस प्रणोदक योज्य विकल्प से संबंधित एक परियोजना है।
9. **ई-वेगा मोबिलिटी** अत्याधुनिक मशीन अधिगम (एमएल) एलगोरिदम की मदद से लीथियम-आयन बैटरी का परीक्षण और आंकलन करने के हार्डवेयर उपकरण की परिकल्पना करने में संलग्न है। इस उत्पाद से वर्तमान में लीथियम बैटरी के परीक्षण करने पर अधिक समय लगना और जटिल प्रक्रिया का हल निकलेगा।
10. **लेसीस्टार** ने हाइब्रिड सोलर गैस कुक-स्टोव विकसित किया है जो सौर बिजली के साथ बायोगैस/एलपीजी/प्राकृतिक गैस पर काम करता है। हाइब्रिड सोलर गैस स्टोव पेटेंट लंबित माइक्रो-फ्लेम इंटरनल कम्बशन बर्नर तकनीक पर काम करता है, जिससे ऊर्जा की खपत कम होती है।
11. **प्लाज्मा प्रोपल्शन** का लक्ष्य ईवी डोमेन के लिए 3के डब्लू डीसी मोटर विकसित करना है। इस परियोजना के परिणाम के रूप में, ईवी उपयोग के मामलों के लिए एक लागत प्रभावी, 3के डब्लू डीसी मोटर विकसित की जाएगी, जो बेहतर प्रदर्शन, विदेशों पर कम आपूर्ति श्रृंखला निर्भरता प्रदान करती है।

पुरस्कार एवं अभिज्ञान

संकाय पुरस्कार एवं अभिज्ञान

2020-21 के दौरान निम्नलिखित संकाय सदस्यों को बाहरी निकायों से विशेष पुरस्कार और अभिज्ञान प्राप्त हुई:

- **प्रो सुधीर कुमार जैन**, निदेशक, को **अमेरिकी राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी (यूएस एनएई) के अंतरराष्ट्रीय सदस्य** के रूप में चुना गया है। संस्था ने प्रोफेसर जैन को "विकासशील देशों में भूकंप अभियांत्रिकी में नेतृत्व" के लिए सम्मान प्रदान किया। वह 2021 में चुने गए 23 अंतरराष्ट्रीय सदस्यों में से हैं और इस प्रतिष्ठित निकाय के लिए चुने जाने वाले भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के एकमात्र निदेशक हैं।
- **प्रो अतुल दीक्षित**, सहायक प्राध्यापक, गणित, को **विज्ञान भारतीय राष्ट्रीय युवा अकादमी** की 5 वर्षों की अवधि के लिए चयनित किया गया है, अर्थात 2021-25 तक की अवधि के लिए। प्रो दीक्षित को औद्योगिक एवं एप्लाइड गणित सोसायटी (एसआईएएम), संराअ द्वारा **गबोर सेज़ो 2021** पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करने वाले वे प्रथम भारतीय हैं।
- **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण**, सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान, व उनकी टीम को जैवप्रौद्योगिकी औद्योगिक अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) से 'औषधि व औषधि वितरण' श्रेणी में जैवप्रौद्योगिकी इगनीशन अनुदान (बीआईजी) प्राप्त हुआ।
- **प्रो उत्तमा लाहिड़ी**, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, को पार्किनसन रोगियों में चाल व गतिशीलता के पुनर्सुधार के लिए प्रौद्योगिकी आधारित उपाय खोजने के लिए, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा 2020-21 के लिए **टाटा नवीनता अध्येतावृत्ति** प्राप्त हुई।
- **प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती**, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, को लंदन के सिटी विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त शोध कार्य के लिए शाही अभियांत्रिकी अकादमी, यूके द्वारा **प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी पुरस्कार** से सम्मानित किया गया।
- **प्रो हिमांशु शेखर**, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, को अमेरिकी ध्वनिविज्ञान सोसायटी के अध्यक्ष द्वारा **जैविकचिकित्सा ध्वनिविज्ञान की तकनीकी समिति** के सदस्य के रुप में पुनः नियुक्ति (अवधिः 2020 -2023) की गई। प्रो शेखर को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा **हर गोबिंद खुराना-नवीनता युवा जैविकप्रौद्योगिकी पुरस्कार** से भी सम्मानित किया गया है। इस पुरस्कार में एक शोध अनुदान और तीन साल की अध्येतावृत्ति शामिल है, जो उन्हें स्तन कैंसर के इलाज के लिए अल्ट्रासाउंड-आधारित दृष्टिकोण अपनाने में सक्षम बनाएगी।
- **प्रो नीलधारा मिश्रा**, सहायक प्राध्यापक, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी, को वर्ष 2020 के लिए प्रतिष्ठित **भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी (आईएनएई) युवा अभियंता** पुरस्कार के लिए चुना गया है।
- **प्रो निशांत चोकसी**, सहायक प्राध्यापक, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान, को 'भारत के कोविड-19 प्रेरित तालाबंदी के बाद स्वदेशी समुदायों के बीच विपरीत स्थानांतरण के प्रभाव' के अध्ययन के लिए प्रतिष्ठित सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (एसएसआरसी) से **कोविड-19 त्वरित प्रतिक्रिया अनुदान** प्राप्त हुआ है।
- **डॉ अचिंत्य भौमिक** को विश्व में प्रौद्योगिकी प्रगति की सबसे बड़ी तकनीकी पेशेवर संस्था, **इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स अभियंता संस्थान (आईईईई)** ने फेलो चुना है। डॉ भौमिक कई वर्षों से भा॰प्रौ॰सं गांधीनगर के साथ इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी के विषय में अतिथि प्राध्यापक में से एक के रूप में जुड़े हुए हैं।
- **प्रो श्रीनिवास रेड्डी**, अतिथि प्राध्यापक, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान, ने विजयनगर साम्राज्य के राजा, कृष्णदेवराय के ऊपर एक आलोचनात्मक जीवनी, "**राय**" नामक पुस्तक लिखी है। इस पुस्तक में भारत के महानतम राजा माने जाने वाले, कृष्णदेवराय का जीवन-वृतांत दिया गया है।

संकाय उत्कृष्टता पुरस्कार

निम्नलिखित संकाय सदस्यों को वर्ष 2020-21 के लिए उनके शिक्षण, अनुसंधान, संस्थान निर्माण, तथा बाह्य गतिविधियों जैसे कार्यों के लिए संकाय उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

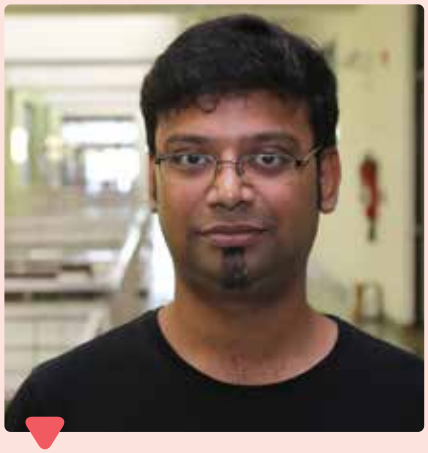

शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार
प्रो सुदीप्ता सरकार

शिक्षा में उनके उत्कृष्ट योगदान व उपलब्धियों की मान्यता पर।

अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार
प्रो प्रतीक मूथा

अनुसंधान में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों की मान्यता पर जिसमें भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के विद्यार्थियों के साथ मिलकर सहकर्मी के उच्च प्रभाव वाले पत्रिका समीक्षाओं के प्रकाशन शामिल हैं।

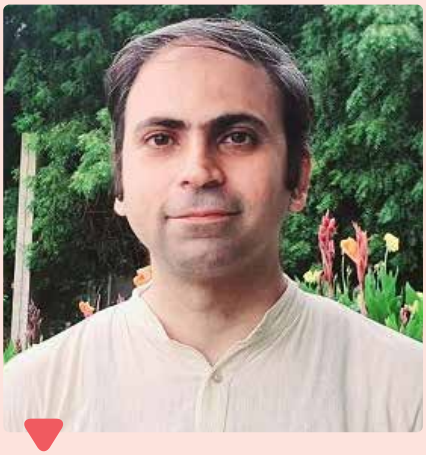

संस्थान निर्माण उत्कृष्टता पुरस्कार
प्रो कबीर जसूजा

उनके संस्थान निर्माण में सहायक गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान व उपलब्धियों के मान्यता पर खासकर अवरस्नातक अध्ययन के सह-डीन तथा परामर्श सेवाओं के प्रमुख के तौर पर।

बाहरी गतिविधियों में उत्कृष्टता पुरस्कार
प्रो चिण्मय घोरोई

उद्योग संलग्नता व भागीदारियों के माध्यम से आउटरीच गतिविधियों में उनके उत्कृष्ट योगदान के मान्यता पर।

संकाय चेयर पद

संस्थान के कई शुभ-चिंतकों ने संस्थान में उत्कृष्टता और सर्वश्रेष्ठ संकाय सदस्यों को प्रोत्साहित करने के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में अनुदान प्राप्त चेयर पद स्थापित किए हैं। मई 1, 2020 तक तीन संकाय सदस्यों को संकाय चेयर पद प्रदान किए गए:

एन राम राव चेयर
प्रो अनिर्बन दासगुप्ता

संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी प्राध्यापक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता में जीजाबेन पटेल चेयर
प्रो शंमुगनाथन रमण

विद्युत अभियांत्रिकी के साथ संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी के सहायक प्राध्यापक

जीजाबेन पटेल चेयर
प्रो प्रतीक मूथा

जीवविज्ञान अभियांत्रिकी में सहायक प्राध्यापक

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के अन्य संकाय चेयर की सूची *

संकाय चेयर का नाम	दानकर्ता का नाम	वर्तमान में धारक
जसुभाई स्मारक चेयर	श्री मौलिक जसुभाई	डॉ जयसन ए मंजली, प्राध्यापक, दर्शन व संज्ञानात्मक विज्ञान
बी एस गेहलोत चेयर	श्री गोवर्धनभाई बी गेहलोत	डॉ चिण्मय घोरोई, प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी
टीईओसीओ चेयर	श्री अतुल जैन	डॉ नितिन वी जॉर्ज, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद चेयर	सुश्री हमीदा बानो चोपड़ा	इस चेयर के तहत, उर्दू के प्रतिष्ठित विद्वानों को व्याख्यान, संगोष्ठी और अन्य विद्वानों के प्रयासों के लिए अतिथि प्राध्यापकों या निवासी विद्वानों के रूप में आमंत्रित किया जाता है।
कंचन एवं हरीलाल दोशी चेयर	श्री नवीन दोशी व श्रीमती प्रतिमा दोशी	डॉ जयचंदर स्वामीनाथन, सहायक प्राध्यापक, यांत्रिक अभियांत्रिकी
श्रीमती अंबा एवं श्री वी एस शास्त्री प्रतिष्ठित अभ्यागत चेयर	डॉ ए वी अनिलकुमार	इस चेयर के तहत, हर साल अभियांत्रिकी, मानविकी या विज्ञान के क्षेत्र से अंतरराष्ट्रीय कद के एक सक्रिय प्रतिष्ठित अकादमिक को व्याख्यान, वार्ताओं और अनुसंधान सहयोग के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में कम से कम एक महीना व्यतीत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

* (मार्च 31, 2021 तक)

छात्र पुरस्कार एवं मान्यताएं

- **केमेलिया चक्रवर्ती** और **देबअर्पण घोष**, जैविक अभियांत्रिकी के एमटेक छात्रों को, यूरोप की सबसे प्रतिष्ठित पीएचडी अध्येतावृत्ति, **क्यूरी यूरेका अध्येतावृत्ति**, प्राप्त हुई है, जिससे वे फ्रांस, पेरिस के क्यूरी संस्थान में पीएचडी कर सकें।
- **प्रदीप दहयाभाई प्रजापति**, विद्युत अभियांत्रिकी का बीटेक छात्र, को **कारगिल वैश्विक विद्वान** चुना गया है। हर साल भारत के मात्र 10-द्वितीय वर्ष के अवर स्नातक छात्रों को इस प्रसिद्ध कार्यक्रम के लिए चुना जाता है।
- **कैलाश प्रसाद**, विद्युत अभियांत्रिकी में पीएचडी छात्र, को 2019-2020 के लिए **इंटेल पीएचडी अध्येतावृत्ति** प्राप्त हुई है। यह एक अति स्पर्धी अध्येतावृत्ति है जो छात्रों को इंटेल के सबसे विशिष्ट अनुसंधान कर्ताओं के साथ काम करने का अवसर देती है।
- **राजेश हादिया**, जैविक अभियांत्रिकी में पीएचडी विद्वान, को डॉक्टोरल अनुसंधान के लिए प्रतिष्ठित **एसईआरबी-सीआईआई प्रधान मंत्री अध्येतावृत्ति** के लिए चुना गया है।
- **पंकज पाण्डे**, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी के पीएचडी विद्वान को, फिक्की के संयोजन से डॉक्टोरल अनुसंधान के लिए **एसईआरबी-डीएसटी प्रधान मंत्री अध्येतावृत्ति** प्रदान की गई है।
- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छः पीएचडी विद्वान – यांत्रिक अभियांत्रिकी से **प्रसन्ना कुलकर्णी** और **योगेश सिंह**; विद्युत अभियांत्रिकी से **सचिनकुमार सूथर**, व **कैलाश प्रसाद**; और भौतिक विज्ञान से **राजेश घोष** को – प्रतिष्ठित **प्रधान मंत्री अध्येतावृत्ति** प्राप्त हुई है (मई 2020 चक्र)
- दो भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीगनर के पीएचडी छात्र, रसायन विज्ञान विषय से **जयदीपसिंह चावड़ा** और भू विज्ञान विषय से **शान्ति स्वरूप महतो को, डीएसटी-इंसपायर अध्येतावृत्ति** प्राप्त हुई है।
- मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान की पीएचडी विद्वान, **दीपिका मीणा**, को **जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति** के लिए चुना गया।
- **शिवानी शर्मा**, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान की पीएचडी विद्वान, को 2019-2020 वर्ष के दूसरे चक्र के कार्यक्रमों में **शास्त्री अनुसंधान छात्र अध्येतावृत्ति** (एसआरएसएफ), शास्त्री भारत-कनाडा संस्थान, के लिए चुना गया। उन्हें अक्टूबर, 2019 में टेक्सस में आयोजित 73वें रॉकी माउंटेन आधुनिक भाषा संगठन के वार्षिक सम्मेलन में उत्कृष्ट स्नातक छात्र प्रस्तुति के लिए प्रतिष्ठित **चार्ल्स डेविस पुरस्कार 2020** भी मिला है। उन्होंने जो शोध पत्र प्रस्तुत किया वह **डॉ अर्नपूर्णा रथ** के साथ एक सहयोगी अध्ययन है।
- **सौमेन रॉय**, भौतिकी में पीएचडी विद्वान, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में भौतिक विज्ञान के सह-प्राध्यापक **प्रो आनंद सेनगुप्ता** और सीएमआई चेन्नई के **प्रो के जी अरुण** ने संयुक्त रूप से एक नई तकनीक विकसित करके एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसने दो असममित ब्लैक होल के विलय से खगोलभौतिकीय गुरुत्वाकर्षण-तरंग संकेतों के कमजोर घटकों (उच्च-हार्मोनिक्स) को निकालने में मदद की है।
- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के दो पीएचडी विद्वानों, **चंदन कुमार झा**, विद्युत अभियांत्रिकी, और **नक्शी देसाई**, जैविक अभियांत्रिकी, ने भा॰प्र॰सं॰ अहमदाबाद में सीआईआईई का **विद्यार्थी स्टार्टअप अनुदान चुनौती** जीती है। चंदन को स्ट्रोक सर्वाइवर्स के लिए आभासी वास्तविकता -आधारित हैंड रिहैबिलिटेशन और आंकलन मंच विकसित करने के अपने काम के लिए अनुदान मिला है, जबकि नक्शी को विशेष रूप से प्रोस्टेट कैंसर के लिए रोग निदान / परीक्षण पर अपने विचारों के लिए अनुदान मिला है।
- **चंदन कुमार झा** ने राष्ट्रीय जैविक उद्यमिता प्रतियोगिता 2020 में विद्यार्थी-टीम नवीनता श्रेणी में रु 3 लाख का **बीआईआरएसी नकद पुरस्कार** जीता।
- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्र **चंदन कुमार झा**, विद्युत अभियांत्रिकी में पीएचडी विद्वान, और संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में बीटेक की छात्रा **ऐशना अग्रवाल**, देश भर के 50 मेधावी छात्रों में से थे, जिन्हें उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के सम्मान में **प्रधानमंत्री की दीर्घा से गणतंत्र दिवस परेड 2021** देखने के लिए आमंत्रित किया गया था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री **डॉ रमेश पोखरियाल 'निशंक'** ने भी उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।
- **प्रत्युश भट्ट**, रासायनिक अभियांत्रिकी में बीटेक के तृतीय वर्ष के छात्र, ने '**एमबीएः इसके बूम से बच सकते हैं**' शीर्षक की एक पुस्तक प्रकाशित की है। यह पुस्तक अमेजन पर उसके ई-पुस्तक और किंडल पर मौजूद है। https://amzn.to/3oLfUxB

स्टाफ उत्कृष्टता पुरस्कार

26 जनवरी, 2021 को 72वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रो सुधीर कुमार जैन द्वारा निम्नलिखित स्टाफ सदस्यों को वर्ष 2020-21 के लिए स्टाफ उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन पुरस्कारों के माध्यम से, संस्थान औपचारिक रूप से अपने कर्मचारियों की निरंतर समर्पण और अनुकरणीय सेवा को मान्यता देता है।

- **डॉ दीपा शाह**, चिकित्सा परामर्शदाता
- **सुश्री भावना धारानी**, कनिष्ठ लेखाकार
- **सुश्री अंजनाबा ज़ाला**, कनिष्ठ लेखाकार
- **श्री देवर्श बरभया**, संचार सहायक
- **श्री लाल सिंह ज़ाला**, सुरक्षा चौकीदार
- **श्री शैलेश ठाकोर**, रखरखाव स्टाफ
- **श्री दशरथभाई मकवाना**, रखरखाव स्टाफ
- **सुश्री गीताबेन रमेश ठाकोर**, भोजनालय स्टाफ

डॉ दीपा शाह

कठिन समय के दौरान भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय को उचित चिकित्सा परामर्श प्रदान करने में चिकित्सा केंद्र की टीम का नेतृत्व करने में उनके समर्पण और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए।

सुश्री भावना धारानी

लेखा कार्यालय में अपने कर्तव्य के प्रति अनुकरणीय समर्पण और सौंपे गए कार्यों को लगन के साथ समय पर पूरा करने के लिए।

सुश्री अंजनाबा ज़ाला

अपने कर्तव्य के प्रति अनुकरणीय समर्पण और शैक्षणिक कार्यालय में सौंपे गए कार्यों को लगन के साथ समय पर पूरा करने के लिए।

श्री देवर्श बरभया

संस्थान के बाह्य संचार पहल में सर्वोत्कृष्ठ योगदान प्रदान करने के लिए, विशेषतः संस्थान के प्रथम ऑनलाइन दीक्षांत समारोह के आयोजन में उनके प्रयत्नों के लिए।

श्री लाल सिंह ज़ाला

अपने कर्तव्य के प्रति अनुकरणीय समर्पण और संस्थान के स्टाफ और संपत्ति के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में हमेशा सतर्क टीम का हिस्सा होने के लिए।

श्री शैलेश ठाकोर

स्वच्छ परिसर को बनाए रखने के लिए संस्थान के मिशन में उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए।

श्री दशरथभाई मकवाना

स्वच्छ परिसर को बनाए रखने के लिए संस्थान के मिशन में उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए।

सुश्री गीताबेन रमेश ठाकोर

छात्र भोजनालय में उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए और सुरक्षित और स्वच्छ भोजनालय बनाने की दिशा में संस्थान के आदर्शों का हिस्सा बनने के लिए।

परिसर
विकास पुरस्कार

संस्थान ने 26 जनवरी, 2021 को 72वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर वर्ष 2020-21 के लिए परिसर विकास पुरस्कारों के साथ निम्नलिखित समुदाय के सदस्यों को परिसर विकास और प्रबंधन संबंधी गतिविधियों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया:

- **सुश्री बेरावाला तिमिर याकुंज**, कनिष्ठ सहायक
- **श्री चिराग पटेल**, बाह्य साधन रख-रखाव स्टाफ
- **श्री विष्णु देथ जे जे**, सहायक अभियंता, विद्युत
- **श्री मोहसिन कुरेशी**, सुरक्षा चौकीदार
- **श्री गगन सिंह थगुना**, अतिथि गृह भोजनालय
- **श्री दीपक अग्निहोत्री**, सहायक, अनुसंधान पार्क
- **श्री भरतकुमार वी परमार**, छात्रावास रखवाल

सुश्री बेरावाला तिमिर याकुंज

परिसर में जैविक कृषि संबंधी गतिविधियों में उनके महत्वपूर्ण योगदान की मान्यता पर।

श्री चिराग पटेल

परिसर में रखरखाव कार्यों के प्रति उनकी निरंतर और उत्कृष्ट भागीदारी के लिए।

श्री विष्णु देथ जे जे

परिसर जीवन के कई क्षेत्रों में उनकी अद्वितीय और समर्पित सेवा के लिए।

श्री मोहसिन कुरेशी

परिसर की सुरक्षा के लिए उनके समर्पण और अथक सेवा के लिए।

श्री गगन सिंह थगुना

संस्थान के अतिथि गृह में उनकी समर्पित सेवा के लिए।

श्री दीपक अग्निहोत्री

उनके निरंतर समर्पण और सेवा के लिए।

श्री भरतकुमार वी परमार

छात्रावास के कार्यवाहक के रूप में उनकी समर्पित सेवा के लिए।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर को पुरस्कार एवं अभिज्ञान

ईट राइट परिसर पुरस्कार

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने लगातार दूसरे वर्ष भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से पांच सितारा रेटिंग के साथ ईट राइट परिसर पुरस्कार प्राप्त किया है। संस्थान को 'ईट राइट परिसर' के रूप में प्रमाणित किया गया है, जो कि पांच मानकों के आधार पर तीसरे पक्ष के ऑडिटिंग के बाद है: ए) खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता का अनुपालन; बी) स्वस्थ आहार; ग) खाद्य अपशिष्ट प्रबंधन; घ) परिसर में स्थानीय और मौसमी खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देना; ई) परिसर में और उसके आसपास खाद्य सुरक्षा और स्वस्थ आहार पर प्रचार और जागरूकता। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर परिसर में अपने प्रत्येक डाइनिंग हॉल, फूड जॉइंट और कैंटीन में सभी खाद्य मानकों और सुरक्षा दिशानिर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करता है।

दी रैंकिंग 2021 - भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर विश्व में शीर्ष के संस्थानों में

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर को टाइम्स उच्चतर शिक्षा (टीएचई) वैश्विक विश्वविद्यालय श्रेणीक्रम 2021 में दुनिया भर के शीर्ष 800 शैक्षणिक संस्थानों में और भारत में चौथा स्थान दिया गया है। दुनिया भर में 601-800 बैंड में रहकर संस्थान ने इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक श्रेणीक्रम में लगातार दूसरे वर्ष में वैश्विक स्थान हासिल किया है। दी ने कुल मिलाकर, 93 देशों के लगभग 1,500 विश्वविद्यालयों और संस्थानों को स्थान दिया। 63 भारतीय संस्थानों ने इस साल विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग के लिए अर्हता प्राप्त की, जिनमें से भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर चौथे स्थान पर रहा। यह प्रतिष्ठित रैंकिंग शिक्षण, अनुसंधान, उद्धरण, उद्योग आय और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण सहित 13 सावधानीपूर्वक कैलिब्रेटेड प्रदर्शन संकेतकों पर शोध-संचालित विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन का आकलन करती है।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की एनआईआरएफ भारत श्रेणीक्रम 2020 में बढ़ोत्तरी

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समग्र श्रेणी में 35 वें स्थान पर पहुंचने के लिए 16 पद ऊपर आया है और राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) द्वारा भारत श्रेणीक्रम 2020 में अभियांत्रिकी श्रेणी में अपना 24 वां स्थान बरकरार रखा है। यह अंतर-विषयक, उदार कला, डिजाइन और रचनात्मकता पर ध्यान देने के साथ शैक्षिक उत्कृष्टता और सार्थक अनुसंधान के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो इसके सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों के मूल में हैं।

THIS WAY

आउटरीच गतिविधियां

एनईईवी: भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम

एनईईवी भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का एक सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम है जो आसपास के गांवों की महिलाओं और युवाओं को कौशल विकास और उद्यमिता से संबंधित प्रशिक्षण और सलाह प्रदान करता है, जिससे उन्हें उनकी आजीविका में मदद मिलती है। 2014 से, एनईईवी ने अहमदाबाद/गांधीनगर क्षेत्र के 2500+ लाभार्थियों के लिए 75 से अधिक परियोजनाओं और गतिविधियों का संचालन किया है, जिसमें भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के पास के 15 गाँव शामिल हैं। **सुश्री सौम्या हरीश** समन्वयक हैं, और **सुश्री रोशनी पटेल** एनईईवी की कार्यक्रम सहयोगी हैं।

सिलाई आजीविका अर्जन परियोजना

"सिलाई आजीविका अर्जन परियोजना" का मिशन भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के आसपास के क्षेत्रों की ग्रामीण महिलाओं के लिए सिलाई के व्यवसाय के माध्यम से आजीविका के अवसर पैदा करना था। परियोजना का लक्ष्य प्रशिक्षण, सलाह, सहयोग और बाजार के संबंधों तक पहुंच प्रदान करने के माध्यम से घोषित मिशन को प्राप्त करना था। इस परियोजना के तहत अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक निम्नलिखित पहल की गई:

1. पालज और बासन गांवों की 18-40 वर्ष की आयु वर्ग की कुल 25 महिलाओं को पुन: प्रयोज्य कपड़े के मास्क, पर्दे, कुशन कवर, टोटे बैग, लैपटॉप बैग, पाउच, पलाज़ो आदि उत्पादों की सिलाई करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था। **सुश्री रितु सिंह**, कार्यक्रम प्रशिक्षु, एनईईवी इस परियोजना की प्रशिक्षक थीं। प्रशिक्षण भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के एनईईवी प्रशिक्षण कक्ष में आयोजित किया गया था।
2. प्रशिक्षण ने महिलाओं को लगभग 3.7 लाख रुपये की संचयी आय प्राप्त करने में सक्षम बनाया है:
    i. **बाजार से संयोजन:** पूरे वर्ष एनईईवी के द्वारा मास्क और पर्दों के बड़े ऑर्डर लिए गए। महिलाओं ने तकरीबन 70,000 मास्क बनाए। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के दो छात्रावासों के लिए 650 पर्दों की आपूर्ती इन महिलाओं ने की। महिलाओं के द्वारा निर्मित कई उत्पादों को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में स्टॉल लगा कर बेचा गया।
    ii. **मार्गदर्शन के रूप में सहयोग:** महिलाओं को विक्रेता के साथ जोड़ना और सही लागत प्रदान करना।
    iii. सभी ऑर्डरों की गुणवत्ता एवं समय पर वितरण के लिए **हेंड होल्डिंग सहयोग** प्रदान किया गया। उत्पाद या तो एनईईवी प्रशिक्षण कक्ष अन्यथा महिलाओं के घरों में निर्मित किए गए थे।
    iv. 9 ग्रामीण महिलाओं को अगस्त 28, 2020 को अहमदाबाद में स्थापित निर्यात गुणवत्ता के बैग बनाने वाले उत्पादन इकाई स्टिचमैन इंक के यहां **अनावरण यात्रा** कराई गई।

कम्प्यूटर कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

इस परियोजना का मिशन भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के आसपास के गांवों के युवाओं और महिलाओं के बीच कंप्यूटर साक्षरता बढ़ाना था। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से, प्रतिभागियों को बुनियादी कंप्यूटर संचालन, एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, एमएस पावरपॉइंट, नेटवर्क में लॉग इन करना, इंटरनेट का उपयोग, ईमेल की मूल बातें, खोज इंजन आदि सिखाया गया था।

1. 19 - 37 वर्ष के आयु वर्ग के पालज और बासन गांवों के आठ प्रतिभागियों (चार महिलाओं और चार पुरुषों) के पहले बैच को 12 अक्टूबर से 07 नवंबर, 2020 के दौरान चार सप्ताह के लिए बुनियादी कम्प्यूटर कौशल का प्रशिक्षण दिया गया। पाठ्यक्रम एक कमरे के सेट-अप में आयोजित किया गया था। प्रशिक्षक गांधीनगर में एच एंड बी कम्प्यूटर एजुकेशन से **सुश्री हेमांगी पटेल** थीं।
2. 1-27 मार्च, 2021 के दौरान 18-32 वर्ष के आयु वर्ग के पालज और बासन गांवों के चौदह प्रतिभागियों (आठ महिलाओं और छह पुरुषों) के दूसरे बैच को चार सप्ताह के लिए बुनियादी कम्प्यूटर कौशल का प्रशिक्षण दिया गया। यह पाठ्यक्रम भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का संगणक प्रयोगशाला लैब में आयोजित किया गया था। प्रशिक्षक गांधीनगर के **श्री उमेश वाघेला** थे।

चॉकलेट कन्फेक्शनरी निर्माण परियोजना

12-16 अक्टूबर, 2020 के दौरान परिसर में आयोजित 'चॉकलेट कन्फेक्शनरी निर्माण कार्यशाला' के माध्यम से 17-37 वर्ष के आयु वर्ग की बासन गांव की दस महिलाओं को चॉकलेट आधारित कन्फेक्शनरी की 15+ विविधताएं बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अहमदाबाद से **सुश्री नीपा संघवी** इस कार्यशाला की प्रशिक्षक थीं। प्रशिक्षुओं को 15 अक्टूबर, 2020 को अहमदाबाद स्थित उपकरण, कच्चे माल और पैकेजिंग के एक विक्रेता के पास भी ले जाया गया। विशेष रूप से, आठ महिलाओं ने सामूहिक रूप से भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में दिवाली के समय में लगाए गए स्टालों के माध्यम से और एनईईवी द्वारा प्रदान किए गए सहयोग से लगभग 34,000 रुपये के उत्पाद बेचे।

सजावटी मोमबत्ती परियोजना

21-23 अक्टूबर, 2020 के दौरान पालज की 10 महिलाओं के लिए और 3-5 नवंबर, 2020 के दौरान बासन की सात महिलाओं के लिए एक 'सजावटी मोमबत्ती बनाने की कार्यशाला' आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों को रंगीन और सुगंधित 10+ विविधताएं बनाना सिखाया गया। मोमबत्ती कार्यशाला का आयोजन भा०प्रौ०सं० गांधीनगर परिसर में किया गया। पालज समूह की प्रशिक्षक अहमदाबाद की **सुश्री नीपा संघवी** थीं और बासन समूह की प्रशिक्षक एनईईवी की **सुश्री रोशनी पटेल** थीं।

सूखा अल्पाहार निर्माण परियोजना

एनईईवी ने 26-30 अक्टूबर, 2020 के दौरान 18-45 वर्ष के आयु वर्ग में बासन गांव की 11 महिलाओं के लिए परिसर में ' सूखा अल्पाहार निर्माण परियोजना' का आयोजन किया। प्रशिक्षक अहमदाबाद की **सुश्री गीताबेन कटवा** थीं। प्रतिभागियों को शकरपारा, मठरी, बेसन के लड्डू और चकली जैसे सूखे नाश्ते बनाना सिखाया गया। प्रशिक्षित ग्रामीण महिलाओं ने सामूहिक रूप से भा०प्रौ०सं० गांधीनगर परिसर में एनईईवी के सहयोग से लगाए गए स्टालों के माध्यम से और दिवाली त्योहार के मौसम के दौरान लगभग 8,000 रुपये के उत्पाद बेचे।

एनईईवी का प्रभाव - 2020-21 के दौरान ग्रामीण महिलाओं की आजीविका का सृजन

कार्यशाला का नाम	महिला प्रशिक्षुओं की संख्या	कुल आय (रु में)
सिलाई से जीविका का सृजन	25	3,70,000
चॉकलेट निर्माण	10	39,000
सजावटी मोमबत्ती निर्माण	10	8,000
सूखा अल्पाहार निर्माण	11	8,000
कुल	**56**	**4,25,000**

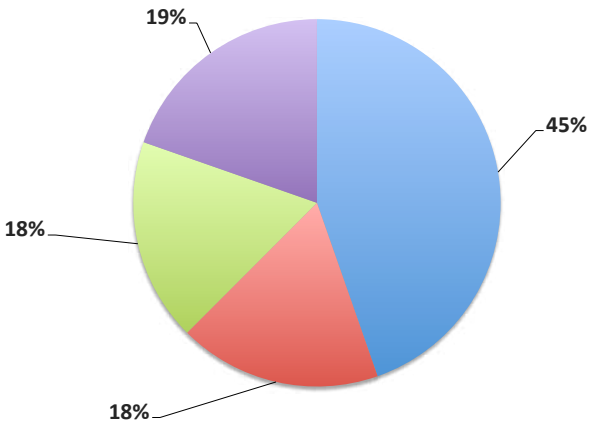

वर्ष के दौरान एनईईवी की गतिविधियां

वर्ष	गतिविधि/परियोजनाओं की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
2014-15	6	192
2015-16	7	347
2016-17	11	410
2017-18	14	611
2018-19	12	484
2019-20	21	605
2020-21	6	84
कुल	**77**	**2733**

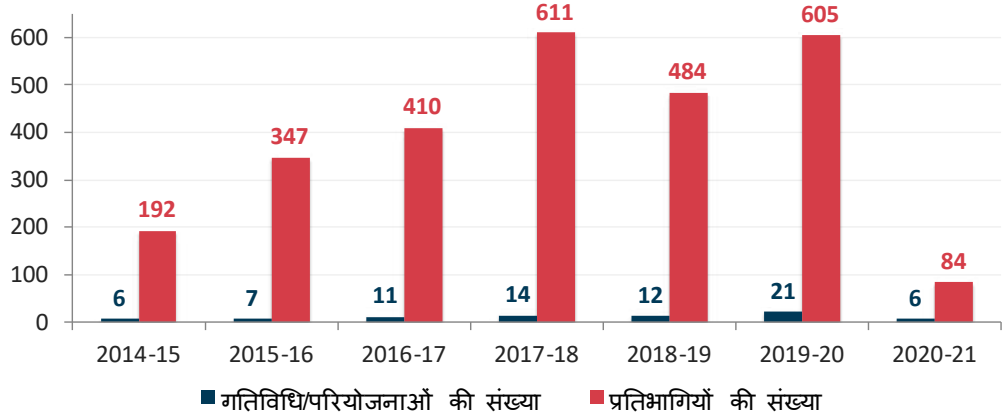

न्यासा: भा०प्रौ०सं० गांधीनगर की सामाजिक पहुंच के लिए प्रतिबद्धता

महामारी के दौरान भा०प्रौ०सं० गांधीनगर परिसर में निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर की प्रतिबद्धता और सचेत प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, संस्थान ने मजदूरों के सामने आने वाली स्वास्थ्य और सुरक्षा की चुनौतियों का समाधान करने और उनके कल्याण के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए न्यासा के स्वयंसेवकों के समन्वय से श्रमिक कल्याण समिति का गठन किया।

चंदा अभियान

न्यासा ने महामारी की शुरुआत में संकट से उबरने में मदद करने के लिए परिसर के 900 से अधिक निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों को मौद्रिक सहायता प्रदान करने के लिए एक चंदा इकट्ठा करने का कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्यक्रम में भा०प्रौ०सं० गांधीनगर समुदाय से उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखी गई, जिसका नेतृत्व भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के पूर्व छात्र **श्री आकाश केशव सिंह** ने किया। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने कल्याण कोष को दोगुना करने के लिए प्राप्त कुल दान के बराबर राशि प्रदान की।

कोविड-19 सहायता सामग्री का वितरण

न्यासा ने श्रमिक कल्याण समिति के सहयोग से मोबाइल रिचार्ज, पैकेज्ड फूड, बिस्कुट, सैनिटरी नैपकिन, मच्छर कॉइल आदि जैसी आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया और भा०प्रौ०सं० गांधीनगर कंट्रोल रूम के स्वयंसेवकों की मदद से निर्माण श्रमिकों की कॉलोनियों में भोजन वितरण, डीमार्ट और किराने की बिक्री की भी व्यवस्था की। न्यासा के स्वयंसेवकों ने श्रमिकों को उनके गृहनगर वापस जाने के लिए ऑनलाइन औपचारिकताएं पूरी करने में मदद की। समिति ने निर्माण श्रमिकों को एनईईवी द्वारा प्रशिक्षित स्थानीय ग्रामीण महिलाओं की मदद से बनाए गए कपड़े के मास्क भी वितरित किए। न्यासा की टीम ने श्रमिक कल्याण समिति की मदद से कैरम बोर्ड, टीवी, मच्छरदानी, और निर्माण श्रमिकों के लिए मूवी नाइट्स और सुरक्षा कर्मियों के लिए कूलर की व्यवस्था करके श्रमिकों का मनोबल बढ़ाने के प्रयास किए।

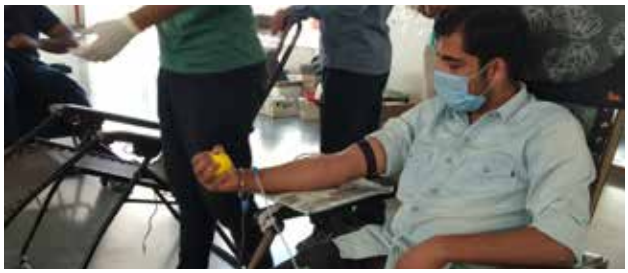

स्वास्थ्य देखरेख गतिविधियां

न्यासा ने जन चिकित्सा केंद्र, पालज की मदद से बच्चों के नियमित टीकाकरण की व्यवस्था की। निर्माण श्रमिकों के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर की चिकित्सा केंद्र की टीम भी उपलब्ध थी। इसके अलावा, न्यासा और श्रमिक कल्याण समिति ने जरूरत पड़ने पर कोविड-19 संक्रमित मजदूरों के लिए विशेष भोजन किट की व्यवस्था की। एवीएनआई और देसाई फाउंडेशन की सहायता से पुन: प्रयोज्य और एक बार उपयोग होने वाले सैनिटरी नैपकिन की खरीद की गई और श्रमिकों की कॉलोनी में वितरित किए गए। स्वयंसेवकों ने श्रमिक कॉलोनियों में कंडोम भी वितरित किए और मासिक धर्म स्वच्छता, पुरुष गर्भनिरोधक उपायों और कोविड -19 पर जागरूकता शिविर लगाए। न्यासा ने भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के कल्याण परिषद के सहयोग से परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित करने में मदद की।

वितरण अभियान

पिछले प्रयासों को जारी रखते हुए, टीम न्यासा ने भा०प्रौ०सं० गांधीनगर समुदाय से दान की अपील की और परिसर कर्मचारियों (जैसे हाउसकीपिंग स्टाफ, मेस कर्मचारी आदि) और निर्माण श्रमिक के लिए दान की गई वस्तुओं जैसे कपड़े, सर्दियों के कपड़े, खिलौने, छतरियां, जूते, बेल्ट, बैग, पर्स आदि के लिए वितरण अभियान चलाया। 14 जनवरी 2021 को उत्तरायण के अवसर पर **श्री कौशिक कुमार चावड़ा** और **श्रीमती शीला शाह** के उदार योगदान से न्यासा स्वयंसेवकों ने निर्माण श्रमिकों के बच्चों के बीच मिठाई और पतंग बांटी। इसी प्रकार संस्थान के सरस्वती पूजा स्वयंसेवकों द्वारा 16 फरवरी 2021 को सरस्वती पूजा के अवसर पर बच्चों को भोजन एवं लेखन सामग्री का वितरण किया गया। टीम ने एनईईवी के सहयोग से निर्माण श्रमिकों के बच्चों को चॉकलेट भी बांटी।

शिक्षण गतिविधियां

महामारी के शुरुआती दिनों में, न्यासा ने स्कूल के बच्चों के बीच किताबें और स्टेशनरी का सामान वितरित किया। इसके अलावा, न्यासा स्वयंसेवकों ने अपनी कड़ी मेहनत से निर्माण श्रमिकों के कुछ बच्चों को बासन गांव के सरकारी स्कूल में औपचारिक रूप से नामांकित करवाया। **श्री सुनील पटेल** (बासन स्कूल के प्रधानाचार्य), **श्री अजय सिंह** (बासन पुस्तकालय से), **प्रो गौरव एस, प्रो शारदा सी वी**, और **श्री संजय सिंह** (भा०प्रौ०सं० गांधीनगर से) के अमूल्य प्रयासों को इसे वास्तविकता का रूप देने के लिए बहुत सराहना की जाती है। बच्चे शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से अपनी स्कूली शिक्षा शुरू करेंगे। इन बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जो उन्हें औपचारिक शिक्षा में शामिल करने में मदद करेगा।

अन्य गतिविधियां

न्यासा और श्रमिक कल्याण समिति ने श्रमिक कॉलोनियों में से एक में टीवी रूम और वाचनालय के विकास के लिए निकट सहयोग से काम किया, जो वर्तमान में निर्माणाधीन है। टीम न्यासा ने समुदाय से दान के रूप में पुस्तकें एकत्रित की हैं जो वाचनालय में रखी जाएंगी।

न्यासा, श्रमिक कल्याण समिति के सहयोग से, निर्माण श्रमिकों, बागवानी टीम, भोजनालय कार्मिकों और रखरखाव कर्मचारियों सहित सभी परिसर श्रमिकों को संस्थान सुचारू रूप से कार्यरत रखने के उनके निरंतर प्रयासों के लिए प्रशंसा का टोकन देने की योजना बना रही है।

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ग्रीन कार्यालय की मदद से मजदूरों को शामिल करके इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक और कपड़ों को सजावटी वस्तुओं जैसे डोर हैंगिंग, टोकरियाँ, चटाई आदि में बदलने के लिए प्रयोग कर रही है। एवीएनआई (मासिक धर्म उत्पादों का उत्पादन करने वाली कंपनी) ने स्थायी जीवन को बढ़ावा देने के लिए पड़ोसी गांवों में पुन: प्रयोज्य सैनिटरी नैपकिन की एक सिलाई सुविधा स्थापित करने में रुचि व्यक्त की है।

आयोजन और गतिविधियां

महत्वपूर्ण गतिविधियां

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में केंद्रीय शिक्षा मंत्री

केंद्रीय शिक्षा मंत्री **डॉ रमेश पोखरियाल 'निशंक'** ने फरवरी 23, 2021 को भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में गुजरात के सभी केंद्र पोषित शिक्षण संस्थानों के प्रमुख और अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान, डॉ पोखरियाल ने नई शिक्षा नीति (एनईपी) पर वर्तमान नवीनताओं, संरचनात्मक सुविधाओं और संस्थानों की तैयारी पर चर्चा की। उन्होंने प्रमुख कार्य क्षेत्रों और शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए भारत के दृष्टिकोण पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

650 टीएफ सुपर कम्प्यूटिंग प्रणाली की स्थापना

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में संचयन क्षमता वाले उचित डाटा केंद्र के साथ 650 टीएफ सुपरकम्प्यूटिंग प्रणाली (70:30 सीपीयू व जीपीयू) को लागू करने के लिए सहमति प्रदान की है। यह चयन संस्थान में उपस्थित वर्तमान प्रणालियों और संरचनाओं के आधार पर किया गया है। संस्थान ने राष्ट्रीय सुपरकम्प्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत इस सुविधा को शुरू करने के लिए, अक्तूबर 12, 2020 को उन्नत संगणन विकास केंद्र के साथ एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। इस सुविधा से भा०प्रौ०सं० गांधीगनर के आस-पास के शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों की अनुसंधान गतिविधियों में वृद्धि होने की सम्भावना है।

स्नातक छात्रों के लिए पहल

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने अपने स्नातक छात्रों की मदद करने के लिए कई नए कदम उठाए हैं, जिनकी भविष्य की योजनाएँ कोविड-19 महामारी से बाधित हो सकती हैं। संस्थान ने स्नातक कक्षा के छात्रों के लिए शैक्षणिक वर्ष (2020-21) के लिए कई धाराओं में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (पीजीडीआईआईटी) शुरू किया। इस स्नातकोत्तर डिप्लोमा का उद्देश्य उन छात्रों को स्नातक करने में मदद करना है जो खोज में रुचि रखते हैं लेकिन अधिस्नातक कार्यक्रम के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध नहीं हैं। पीजीडीआईआईटी पूरा करने वाला उम्मीदवार बाद में एमटेक उपाधि के लिए नामांकन के लिए आवेदन करना चुन सकता है। इसके अलावा, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने दो अध्येतावृत्तियां- 'भा०प्रौ०सं० गांधीनगर नेतृत्व में जूनियर अध्येतावृत्ति' और 'साबरमती ब्रिज अध्येतावृत्ति' की भी पेशकश की, ताकि स्नातक छात्रों को इस समय का उपयोग करियर-बढ़ाने वाले नेतृत्व कौशल को विकसित करने या अत्याधुनिक अनुसंधान शुरू करने में सक्षम बनाया जा सके।

ई-एसआरआईपी

कोविड-19 के कारण इस वर्ष भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का वार्षिक छात्रवृत्ति कार्यक्रम, एसआरआईपी, मात्र संस्थान के छात्रों के लिए आभासी तौर पर आयोजित हुआ। अप्रैल 22 – जून 7, 2020 के बीच छः सप्ताह लंबे कार्यक्रम में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के 20 छात्रों ने भाग लिया जिसमें उन्होंने 17 संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में अनेक अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य किया। कार्यक्रम का संचालन **प्रो मनीश कुमार** (सीई) तथा **प्रो इति गुप्ता** ने किया।

ऑनलाइन कक्षाएं व नई ग्रेडिंग प्रणाली

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने जून 8, 2020 को ऑनलाइन शिक्षा व अधिगम अपना लिया। संस्थान ने बाधित हुए सत्र के लिए एक नई ग्रेडिंग प्रणाली की शुरुआत की, जिसके तहत वर्ष 2019-20 के दूसरे सत्र के किसी पाठ्यक्रम में कोई भी अक्षर ग्रेड प्रदान नहीं किया गया। इसके स्थान पर, सत्र के सभी पाठ्यक्रमों के लिए, दो नए ग्रेड - 'पी(ई)' (उत्तीर्ण आपातकालीन) तथा 'आई/एफ' (अधूरा/अनुत्तीर्ण) प्रस्तावित किए गए। इसके अतिरिक्त, सभी 'आई/एफ' ग्रेड पाने वाले विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करने व अपना प्रदर्शन सुधार कर 'पी(ई)' ग्रेड पाने के लिए एक और अवसर प्रदान किया गया। इस संशोधित ग्रेडिंग नीति की प्रतिकल्पना निरंतर अधिगम, निष्पक्षता सुनिश्चित करने और शैक्षिक प्रणाली पर महामारी के विघटनकारी प्रभाव को प्रतिबिंबित करने के लिए किया गया था।

फाउंडेशन कार्यक्रम 2020

अपनी स्थापना के बाद से पहली बार, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने 2020 के बीटेक बैच के लिए आभासी स्वरूप में अपना प्रमुख फाउंडेशन कार्यक्रम (एफपी) आयोजित किया। 12 नवंबर, 2020 से शुरू होकर, इस वर्ष के एफपी को छह सप्ताह के समग्र विकास कार्यक्रम को छात्रों के नेतृत्व कौशल, वार्तालाप, अभिकल्प विचार, मूल्यों और नैतिकता, रचनात्मक अभिव्यक्ति, कल्याण, सामाजिक जागरूकता और अकादमिक अखंडता को बढ़ाने के लिए रोमांचक गतिविधियों की एक श्रृंखला के रूप में फिर से अभिकल्पित किया गया। इस कार्यक्रम का समापन 'परियोजना यूरेका' के साथ हुआ जिससे छात्रों को रोमांचक आभासी प्रतियोगिताओं के माध्यम से खेलों के रूप में महत्वपूर्ण सोच को बढ़ावा मिला। **प्रो अक्षा वटवानी, प्रो प्रदीप्ता घोष**, तथा **प्रो उदित भाटिया** ने इस कार्यक्रम का संचालन किया था।

प्रथम वर्ष के बीटेक छात्रों के लिए नयी शैक्षणिक योजना

नवंबर के मध्य तक महामारी के कारण बीटेक छात्रों के नए बैच में शामिल होने में देरी हुई। इसलिए, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने इस बैच के लिए प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम को पुन: संसोधित किया और वर्ष को क्रमशः 6 सप्ताह, 15 सप्ताह और 8 सप्ताह के तीन स्तरों में विभाजित किया। छह सप्ताह के पहले कार्यकाल में कम्प्यूटिंग पर एक पाठ्यक्रम (3 क्रेडिट), लेखन पर एक पाठ्यक्रम (2 क्रेडिट), "लर्निंग टू लर्निंग" नामक एक उत्तीर्ण-अनुत्तीर्ण पाठ्यक्रम (1 क्रेडिट), और एक उत्तीर्ण-अनुत्तीर्ण फाउंडेशन प्रोग्राम (1 क्रेडिट) शामिल था। इसका उद्देश्य पहले छह हफ्तों में किसी भी चुनौती को दूर करना था जो नए छात्रों को ऑनलाइन शिक्षण के कारण हो सकता है तथा इसके साथ ही जनवरी 2021 सत्र से शुरू होने वाले सभी छात्रों के शैक्षणिक कार्यक्रम को सिंक्रोनाइज़ भी किया गया।

जेईई ओपन हाउस

कोविड-19 के खिलाफ एहतियाती उपायों के बाद, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने आईआईटी के इच्छुक छात्रों और उनके माता-पिता के मार्गदर्शन के लिए तीन वर्चुअल इंटरएक्टिव जेईई ओपन हाउस सत्रों की मेजबानी की। प्रथम जीवंत जेईई ओपन हाउस सत्र अक्तूबर 4, 2020 को **प्रो सुधीर कुमार जैन**, निदेशक, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, ने लिया। दूसरा सत्र अक्तूबर 8, 2020 को शैक्षणिक अधिष्ठाता, **प्रो कबीर जसूजा**, तथा छात्र मामले अधिष्ठाता, **प्रो हरीश पी एम**, ने 'भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में शैक्षणिक व छात्र जीवन' पर आयोजित किया। तीसरा सत्र 'भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के विद्यार्थी व पूर्व छात्र ओपन हाउस' अक्तूबर 9, 2020 को आयोजित किया गया।

बीटेक व अधिस्नातक छात्रों के लिए शारीरिक शिक्षण की आवश्यकता

समग्र कल्याण और व्यक्तित्व विकास के लिए सभी छात्रों के बीच शारीरिक गतिविधियों और खेल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की अभिषद् सभा ने सभी बीटेक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए शारीरिक शिक्षा (पीई) आवश्यकताओं को संशोधित करने का निर्णय लिया। संशोधित पीई आवश्यकताओं के अनुसार, केवल बीटेक कार्यक्रम के पहले दो सत्रों के दौरान दो अनिवार्य पीई पाठ्यक्रमों के बजाय, अब छात्रों को अपनी स्नातक आवश्यकताओं के हिस्से के रूप में पहले छह सत्रों के दौरान कुल छह पीई पाठ्यक्रम लेने होंगे। इसी तरह, संस्थान की अभिषद् सभा ने स्नातकोत्तर छात्रों के लिए भी पीई आवश्यकताओं से परिचय कराने का निर्णय लिया जिससे अवरस्नातक व स्नातकोत्तर छात्रों में संचार में और अधिक वृद्धि हो सके। अब सभी अवरस्नातक छात्रों (एमए, एमएससी, एमटेक, पीजीडीआईआईटी तथा पीएचडी को मिलाकर) को दो पीई पाठ्यक्रम (प्रथम दो सत्रों में एक-एक) करने की आवश्यकता होगी। छात्रों के विविध हितों को पूरा करने के लिए संस्थान कई खेल और अन्य शारीरिक गतिविधि सत्र प्रदान करेगा।

बीएससी (अभियांत्रिकी) उपाधि का आरंभ

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से अभियांत्रिकी में एक तीन-वर्षीय विज्ञान स्नातक (बीएससी) उपाधि की शुरुआत की है। इस विकल्प में, कोई भी वर्तमान अवरस्नातक छात्र अपने चल रहे चौथे सत्र के अंत में इस पाठ्यक्रम में रूपांतरण करने के लिए आवेदन कर सकता है।

कार्य और एमटेक कार्यक्रम में अध्ययन

मौजूदा पूर्णकालिक दो वर्षीय एमटेक कार्यक्रम के अलावा, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर संस्थान के साथ-साथ विभिन्न अनुसंधान प्रतिष्ठानों के लिए प्रमुख सुविधाओं/प्रयोगशालाओं और अनुसंधान परियोजनाओं के लिए एक विशेष कार्यबल बनाने के लिए एक कार्य और एमटेक अध्ययन कार्यक्रम शुरू कर रहा है। जबकि इस कार्यक्रम में एमटेक स्नातक आवश्यकताएं अपरिवर्तित रहेंगी, नामांकित छात्र संस्थान में एक साथ काम करते हुए इसे अपेक्षाकृत धीमी गति से पूरा कर सकते हैं।

अर्ली-करियर अध्येतावृत्ति

संस्थान ने भारत के उत्कृष्ट शैक्षणिक रिकॉर्ड रखने वाले हालही के डॉक्टरेट्स के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अर्ली-करियर अध्येतावृत्ति की शुरुआत की है। इस अध्येतावृत्ति से असाधारण शोधकर्मियों को अपने दीर्घावधि के अनुसंधान कार्य और शैक्षणिक आकांक्षाओं को पाने में मदद मिलेगी। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अर्ली-करियर अध्येतावृत्ति से युवा शोधकर्मियों को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के संकाय सदस्यों के साथ मिलकर रोचक शोध समस्याओं, परिवर्तनकारी परियोजनाओं तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में संलग्न होने के अवसर मिलेंगे। ईसीएफ फेलो को प्रति माह रु. 1 लाख की धनराशि दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर इन शोधकर्मियों को सम्मेलनों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए अंतर्राष्ट्रीय यात्राओं का सहयोग प्रदान करने के लिए प्रति वर्ष रु. 2 लाख की व्यावसायिक विकास धनराशि प्रदान करता है। इसे देश भर के युवा डॉक्टरेट से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। संस्थान ने वर्ष के दौरान आठ ईसीएफ अध्येताओं की भर्ती की, जो देश के कुछ शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों से आए हैं।

यूज़ी शिक्षण सहायता

एक और शैक्षणिक नवीनता के तहत, संस्थान ने अवरस्नातक विद्यार्थियों के शैक्षणिक अनुभव को समृद्ध करने की दृष्टि से अवरस्नायक शिक्षण सहायता (यूजीटीए) प्रारंभ किया है। इसका उद्देश्य उनके सीखने में एक नया आयाम जोड़ना और उनके शिक्षण और सलाह कौशल को विकसित करना है। प्रभावी छात्र जुड़ाव और सीखने की सुविधा के लिए, यूजीटीए पाठ्यक्रम के संचालन में प्रशिक्षकों / शिक्षकों की सहायता करेंगे और उनके काम के लिए एक वजीफा प्राप्त करेंगे। इच्छुक छात्र एक तैयारी कार्यक्रम से गुजरेंगे जो उन्हें सीखने के प्रभावी सूत्रधार बनने में मदद करेगा।

ओ-सीईओ कार्यक्रम

छात्रों में वास्तविक व्यवसाय कौशल और नेतृत्व कौशल को बढ़ाने तथा पढ़ाई करते हुए स्वावलंबी बनाने के उद्धेश्य से संस्थान ने योग्य बीटेक व अधिस्नातक (एमएससी, एमए व एमटेक) छात्रों के लिए 'परिसर में व्यवसाय अवसर' नामक एक नया कदम उठाया है। इस पहल को एक पेशेवर रोजगार कार्यक्रम की नकल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें विशिष्ट कार्य घंटे (सत्र और छुट्टियों के दौरान साप्ताहिक समय सीमा के अंदर), आवधिक मूल्यांकन, प्रदर्शन-आधारित वेतन वृद्धि, उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशंसा और पुरस्कार आदि जैसी विशेषताएं हैं।

वैज्ञानिक लेखन में प्रमाणपत्र

अधिस्नातक व डॉक्टोरल विद्यार्थियों में प्रभावी अनुसंधान संचार कौशल के महत्व को ध्यान में रखते हुए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने वैज्ञानिक लेखन में एक प्रमाणीकरण कार्यक्रम को शुरु करने का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र के वैज्ञानिक लेखन में ज्ञान और कौशल को बढ़ाना और कौशल विकास को प्रोत्साहित करना है। 'वैज्ञानिक लेखन में प्रमाणपत्र' शोधकर्मियों को अपने कार्यकाल के दौरान अपने वैज्ञानिक लेखन पर शुरुआती चरण से कार्य करने, छात्र प्रगति का आंकलन करने के रूपक की तरह, वैज्ञानिक लेखन में प्रशिक्षकों की उत्पत्ति, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में कौशल-निर्माण में सहयोग, तथा जीवन-भर छात्रों को वैज्ञानिक लेखन प्रतिस्पर्धा के माध्यम से अधिगम करने में सहायक होगा। प्रमाणन प्रक्रिया हर साल दो चरणों में दो बार आयोजित की जाएगी, और डॉक्टरेट छात्र आवेदन करने के पात्र होंगे।

घर में लेखन स्टूडियो

वर्तमान स्थिति के चलते, **लेखन स्टूडियो** एक बहुआयामी तरीके से लेखन व संचार के लिए आभासी अधिगम सेटिंग के साथ विद्यार्थियों के निवास स्थानों तक पहुंच गया। आमने-सामने के बैठक सत्रों के अतिरिक्त, लेखन स्टूडियो ने उन छात्रों को लंबे-समय तक सहयोग प्रदान करने के लिए 'लेखन मित्र कार्यक्रम' शुरुआत की जिन्हें लिखने में मुश्किलें आती हैं। इसके अतिरिक्त छात्रों की विभिन्न संचार आवश्यकताओं के लिए, सितम्बर 18 से नवम्बर 13, 2020 के बीच शुक्रवार वार्ता क्लब, तथा नवम्बर 6-7, 2020 को एक फूडी कार्यशाला का आयोजन भी किया था।

पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी का नाम पदार्थ अभियांत्रिकी किया गया

विशेषज्ञों के सुझाव पर, संस्थान की अभिषद् सभा ने पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी का नाम परिवर्तित कर पदार्थ अभियांत्रिकी रख दिया है। इससे पाठ्यक्रम के वर्तमान शोध अभ्यासों में कोई बदलाव नहीं आएगा। नाम परिवर्तन का प्रभाव 2021 के स्नातक सत्र से आएगा।

विनिमेय बीजगणित में पाठ्यक्रम

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के गणित संकाय ने भा॰वि॰सं॰ बेंगलोर के साथ मिलकर जनवरी 2 से मई 2, 2021 के मध्य विनिमेय बीजगणित पर एनसीएम उन्नत निर्देशात्मक पाठ्यक्रम आयोजित किया। 2 जनवरी और 31 मार्च, 2021 के बीच कुल 26 व्याख्यान और 26 ट्यूटोरियल आयोजित किए गए। प्रत्येक सत्र में लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर से **प्रो इंद्रनाथ सेनगुप्ता** तथा भा॰वि॰सं॰ बेंगलोर से **प्रो दिलीप पी पाटिल** ने किया था।

आईकेएस पाठ्यक्रम का 5वां संस्करण

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने जनवरी 13, 2021 को 'भारतीय कला और सौंदर्यशास्त्र का वेब' शीर्षक विषयवस्तु पर अपने अनोखे वैकल्पिक पाठ्यक्रम के 5वे संस्करण की शुरुआत की। भारत और विदेशों के लगभग 13 प्रख्यात विद्वानों, चिकित्सकों और सांस्कृतिक समर्थकों, जिनमें भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के पाठ्यक्रम समन्वयक **प्रो मिशेल डेनिनो** और **सुश्री माना शाह** शामिल हैं, ने भारतीय कला और सौंदर्यशास्त्र की प्रक्रियाओं की खोज की।

74वां स्वतंत्रता दिवस

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने अत्यंत सावधानियों का पालन करते हुए न्यूनतम लोगों की उपस्थिति में 74वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय के अधिकांश सदस्य संस्थान के यूट्यूब चैनल पर कार्यक्रम के लाइव वेबकास्ट में दूर से शामिल हुए। अपने जोश को ऊंचा रखते हुए और देश को श्रद्धांजलि देते हुए, देश भर से भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्रों ने संस्थान की **सांस्कृतिक परिषद्** द्वारा प्रदान किए गए एक आभासी सांस्कृतिक मंच पर देशभक्ति गीत, नृत्य, कविता, चित्रकारी और संदेशों के साथ अपने रचनात्मक पक्ष को उजागर किया।

गणतंत्र दिवस 2021

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने 72वां गणतंत्र दिवस सीमित सामुदायिक सभा और संस्थान के यूट्यूब चैनल पर कार्यक्रम के लाइव वेबकास्ट के साथ मनाया। ध्वजारोहण समारोह और निदेशक के संबोधन के बाद विभिन्न श्रेणियों में समुदाय के सदस्यों को पुरस्कार प्रदान किए गए। उत्सव का समापन छात्रों और समुदाय के अन्य सदस्यों द्वारा आभासी सांस्कृतिक प्रदर्शन के साथ हुआ।

विश्व जल दिवस 2021

भा॰प्रौ॰सं॰गांधीगनर के स्थिरता विकास के डॉ किरण सी पटेल केंद्र ने अंतरराष्ट्रीय जलवैज्ञानिक संगठन – भारतीय राष्ट्रीय चेप्टर के साथ मिलकर मार्च 22, 2021 को विश्व जल दिवस मनाया। इस आयोजन में डोमेन विशेषज्ञों द्वारा दो आकर्षक वार्ताएं शामिल थीं। ऑनलाइन सत्र में कुल 91 लोगों ने भाग लिया।

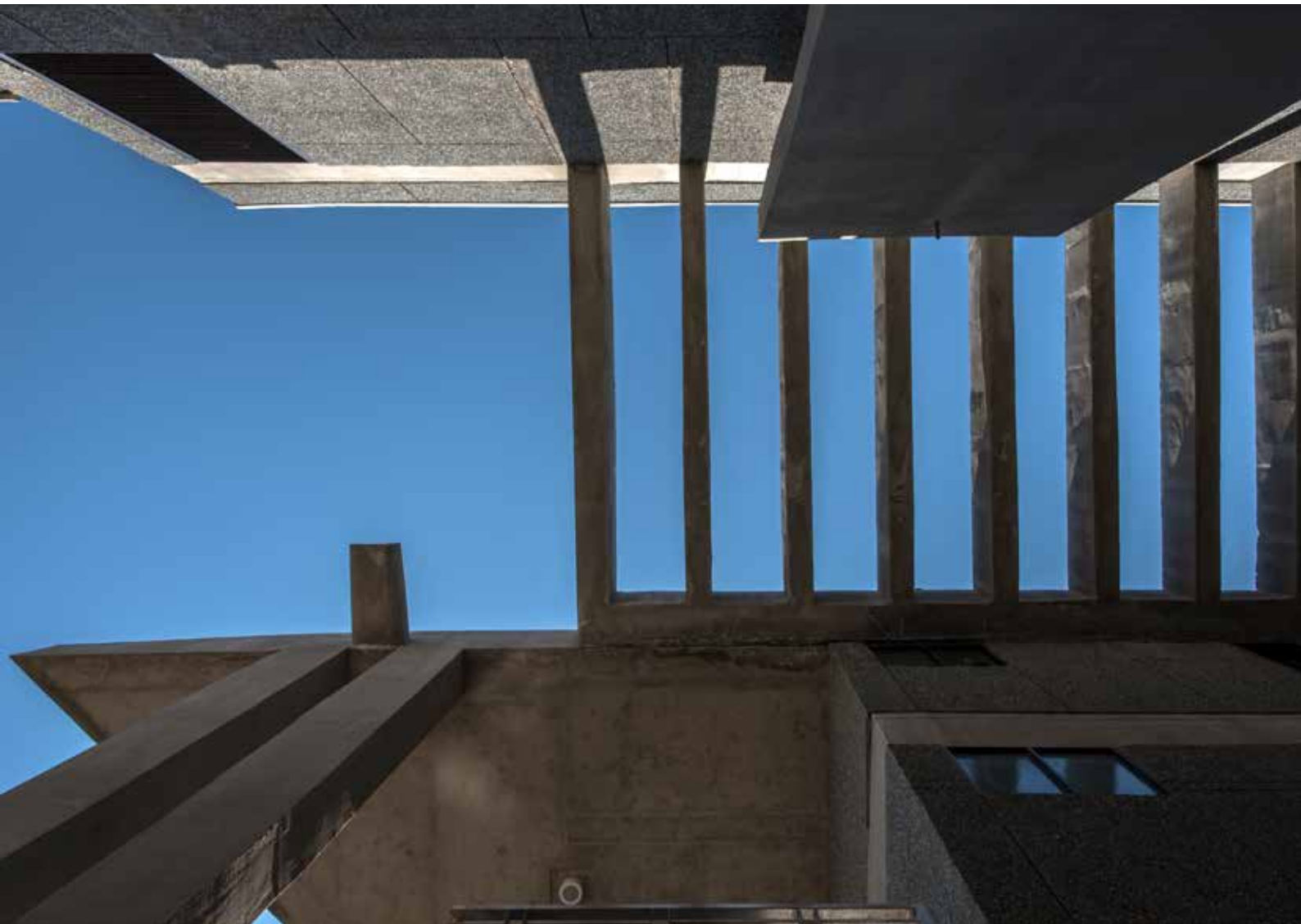

छात्र पाठ्यतेर गतिविधियां

स्पिक मेकी का कला समन्वय

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के सांस्कृतिक परिषद् व स्पिक मेकी के भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर चेप्टर ने सितम्बर 12 से 14, 2020 के बीच कला समन्वय नामक जीवंत ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रंखला का आयोजन किया। सुप्रसिद्ध कलाकार व पद्मश्री प्राप्त **गीता चंद्रा** ने सितम्बर 12, व **प्रहलाद तिपानिया** ने सितम्बर 13, 2020 को कबीर संगीत की प्रस्तुति की। इसके अतिरिक्त, सितम्बर 14 को, अकीरा कुरोसावा की मशहूर फिल्म, कुमोनोसुजो (खूनी सिंहासन) प्रदर्शित व उस पर चर्चा की गई।

उड़ान 2020

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के स्नातक बैच के हस्ताक्षर विदाई कार्यक्रम, उड़ान का आभासी रूप में आयोजन अगस्त 16, 2020 को किया गया। संस्थान ने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के बीटेक के 9वें, एमटेक के 8वें, एमएससी के छठवे, एमए के 5वे तथा पीएचडी के 7वें सेट के विद्यार्थियों को विदा किया। छात्रों का शैक्षणिक वर्ष भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में पूरा होने के साथ ही, ऑनलाइन कार्यक्रम गीतों, कविताओं तथा पुराने किस्सों से भर गया। यह अवसर विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए आभासी रूप से भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में बिताए गए समय पर अपनी भावनाएं जताने और आभासी रूप से एक साथ जुड़ने का था।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर उठो

जुलाई-सितम्बर 2020 के दौरान, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के सांस्कृतिक परिषद् ने 'भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर उठो' नामक एक कार्यक्रम की शुरुआत की जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करना तथा कई वर्षों व विषयों के बीच एक वार्तालाप का मंच तैयार करना था। एक व्यापक संरचना वाले इस कार्यक्रम में इस सत्र के विभिन्न क्लब द्वारा संचालित तकरीबन सभी प्रमुख आयोजन व प्रतियोगिताएं शामिल हुईं, इसके लिए पूरे छात्र इकाई (करीब 1600 विद्यार्थियों) को उनके विषयों के आधार पर चार समूहों में विभाजित कर दिया गया। उन्हें विभिन्न अंक प्रदान किया गया तथा पूर सत्र के दौरान एक अंकतालिका तैयार की गई।

इंक्रेडीबल 2.0

सांस्कृतिक परिषद् ने अक्तूबर 31, 2020 को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की दूसरी पाकशाला प्रतियोगिता इंक्रेडिबल 2.0 के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्रों और स्टाफ सदस्यों सहित सात टीमों ने उपयुक्त स्वच्छता और सावधानी का पालन करते हुए विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट भोजन तैयार करके अपनी पाक कला का प्रदर्शन दिया। टीमों को अपनी चीजें बेचने और आकर्षक उपहार पाने का भी मौका मिला।

आपका घर आपका अभिकल्प

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की कल्याण परिषद् ने सितम्बर 2020 और जनवरी 2021 में 'आपका घर आपका अभिकल्प' के दो संस्करण आयोजित किए जिसमें विद्यार्थियों को स्वयं के छात्रावासों के अभिकल्पन के लिए आमंत्रित किया गया था। प्रथम संस्करण में छात्रों की टीमों ने दो सप्ताह के भीतर इजोखा (आई) छात्रावास के गलियारों के हर स्थान, हर कोने की परिकल्पना करने में अद्भुत कौशल दिखाया। दूसरे संस्करण में, छात्रों को छात्रावास के छज्जों की रूपरेखा बदल कर उनमें बदलाव करना था। भाग लेने वाली पांच टीमों ने दो सप्ताह के अंदर सबसे सृजनात्मक, मज़बूत व मौसम-रोधी छज्जे की सजावट तैयार करने के लिए प्रतियोगिता की।

अमलथिया 2020-21

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्रों द्वारा चालित वार्षिक तकनीकी शिखर, अमलथिया का आभासी आयोजन, 'जुड़ो.सहयोग करो.रचना करो.' की केंद्रीय विषय वस्तु पर किया गया। अमलथिया के 11वें संस्करण में बहुचर्चित हस्तियों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ अक्तूबर 2020 से जनवरी 2021 के चार माह के भीतर पांच वेबीनार, एक आधे दिन का आभासी सम्मेलन, तथा अनेक ऑनलाइन कार्यक्रम शामिल थे। इस कार्यक्रम को बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली, जिसमें विश्वभर से तकरीबन 2000 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया।

छात्र नेतृत्व सम्मेलन

भा॰प्रौ॰सं॰गांधीनगर के छात्रों ने छात्र नेतृत्व सम्मेलन के चौथे संस्करण का आयोजन जनवरी 9-10, 2021 के मध्य आभासी रूप से किया। सभी 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के विद्यार्थियों ने दो दिवसीय सम्मेलन में नए संस्थानों की समस्याओं पर चर्चा की।

इगनाइट 7.0

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के वार्षिक अंतर-विद्यालय तकनीकी मेले-इगनाइट का सातवां संस्करण इस वर्ष मार्च 13-29, 2021 के मध्य मनाया गया। इगनाइट 7.0 में रोमांचक ऑनलाइन व ऑफलाइन कार्यक्रमों तथा गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिससे छात्रों को अपनी तकनीकी दक्षता दिखाने के लिए एक मंच मिला।

खेल गतिविधियां

स्वस्थ भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अभियान

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर खेल परिषद् ने तालाबंदी के समय में समुदाय को घर के अंदर रहते हुए भी स्वस्थ रखने के लिए अप्रैल 4, 2020 को 'स्वस्थ भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर' अभियान चलाया। प्रति दिन सांयकाल 6-7 बजे आभासी स्वस्थता सत्र आयोजित किए जाते थे, जिसमें गरमाना, मौलिक/कोर अभ्यास, नियोजित समय-सारणी के अनुसार कुछ मिला-जुला अभ्यास, ताबाता प्रशिक्षण, तथा योग व ध्यान के साथ शांत रहना शामिल था। परिषद् ने देशभर के प्रसिद्ध खेल व्यक्तियों व स्वस्थता प्रशिक्षकों द्वारा साप्ताहिक अतिथि व्याख्यान भी आयोजित कराए, जैसे **श्री वीरधवल खड़े** (अर्जुन पुरस्कार विजेता भारतीय ओलंपियन तैराक), **श्री अंशुल कोठारी** (एशियाई व राष्ट्रमंडल खेल तैराक), **श्री हरमीत देसाई** (अर्जुन पुरस्कार विजेता टेबल टेनिस खिलाड़ी), **श्री देवेंद्र झाझरिया** (भारतीय पैरालंपिक भाला फेंक खिलाड़ी), **श्री आरोन टायलर** (एक यूईएफए (ख) अनुज्ञापित अनुशिक्षक) **श्री गुलाब चौहान** (पूर्व-फीफा रेफरी), **सुश्री अमानत काज़ी** (एक पोषण विद्), तथा **डॉ हरीष पादिनजरेथिल** (भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में एक खेल अधिकारी)।

विनइंडिया अभियान

कोविड-19 के चलते, सभी 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों ने, प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता **श्री सुनील शेट्टी** के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य व मानसिक स्वस्थता को प्रोत्साहित करने के लिए एक संयुक्त पहल शुरू की। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने भी इस अभियान में भाग लिया। सभी भा॰प्रौ॰सं॰ के खेल सचिवों ने अपने-अपने संस्थान के लिए ऑनलाइन खेल/स्वस्थता अभियानों की योजना बनाई। नियमित रूप से ऑनलाइन चुनौतियां दी जाती थीं तथा प्रतिभागियों को अंक प्राप्त करने के लिए अपने वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करने होते थे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर वेबीनार

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की खेल परिषद् ने, पूर्व पेशेवर हॉकी खिलाड़ी व सुप्रसिद्ध भारतीय हॉकी खिलाड़ी ध्यान चंद के पुत्र, **श्री अशोक ध्यानचंद** के साथ एक वेबीनार आयोजित की। इस सत्र में दैनिक जीवन में खेल तथा शारीरिक गतिविधियों के महत्व पर ध्यान दिया गया। वेबीनार में संकाय सदस्य, स्टाफ और विद्यार्थियों को मिलाकर 100 से भी अधिक लोगों ने भाग लिया।

स्वस्थता बूट शिविर

परिसर समुदाय के लिए सितम्बर 24, से अक्तूबर 24, 2020 के बीच एक माह का स्वस्थता बूट शिविर रखा गया। इसमें कई स्वस्थता गतिविधियां रखी गई थीं, जैसे दौड़, स्ट्रेचिंग, क्रॉस स्वास्थ्य प्रशिक्षण, टीम निर्माण खेल, स्क्वॉट, क्रंच, जम्पिंग जैक, ऊठक-बैठक, पुश अप्स, तथा शांत रहने के अभ्यास। पूरे महीने, शारीरिक स्वस्थता टीम ने प्रतिदिन सुबह व शाम एक-घंटे की अवधि के सत्र आयोजित किये।

ऑनलाइन स्वस्थता चुनौती

'भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर -उठो' के साथ विभिन्न शाखाओं के बीच एक समग्र प्रतियोगिता की शुरुआत के साथ, खेल परिषद् उठो की पहली ऑनलाइन चुनौती लेकर आई, जिसमें पुश-अप्स, स्क्वॉट्स, लेग रेज़ और पहाड़ चढ़ने जैसे व्यायाम शामिल थे। प्रतिभागियों को एक टीम के रूप में या व्यक्तिगत रूप से उनके द्वारा किए जाने वाले वर्कआउट की संख्या के आधार पर अंक दिए गए थे। विभिन्न श्रेणियों में प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कार भी दिए गए जैसे कि सबसे बेहतर, सबसे नियमित आदि।

साप्ताहिक साइकिल सैर

स्वस्थता की आदत बनाने के उद्देश्य से, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर खेल परिषद् ने हर रविवार समुदाय के लिए साइकिल सैर आयोजित किया। सितम्बर 2020 को दो सैर 15 और 25 किमी की रखी गई जिसमें 15 लोगों ने भाग लिया। इसके पश्चात साइकिल सैर को दिसम्बर 2020 में पुनः शुरू किया गया। प्रथम संस्करण में 25 किमी के उद्देश्य के पार जाकर प्रतिभागियों को प्रति रविवार भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर परिसर या बाहर 40 किमी साइकिल चलाने का ध्येय दिया गया था।

ऑनलाइन शतरंज प्रतियोगिताएं

कोविड-19 और तालाबंदी की परिस्थिति में, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के दि नाइट प्लेयर ने संस्थान के समुदाय के लिए एक ऑनलाइन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया। तत्पश्चात, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के शतरंज क्लब ने कई प्रशिक्षण सत्र तथा शतरंज प्रतियोगिताएं आयोजित की हैं। साप्ताहिक ऑनलाइन प्रतियोगिताओं से क्लब के सदस्यों को विभिन्न अंतर-संस्थान प्रतियोगिताओं के लिए अपना कौशल बढ़ाने में मदद मिली है। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के शतरंज क्लब के सदस्यों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जैसे भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्रों के बीच एक तीन-टीमों के बीच टकराव, भा॰प्रौ॰सं॰ तिरुपति और रा॰प्रौ॰सं॰ भोपाल; तथा भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे द्वारा आयोजित अखिल भारतीय शतरंज लीग। छात्रावास डीन **प्रो राघवन रंगनाथन** ने 'डीन को हराओ' प्रतियोगिता के माध्यम से सभी छात्रों को शतरंज में चुनौती दी। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के शतरंज क्लब ने भाप्रौसं बीएचयू के सहयोग से एक अंतर-विद्यालय टीम की लड़ाई भी रखी, जिसमें देश के 13 संस्थानों के तकरीबन 300 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

चिल्ड्रेन डे आउट

अपनी अल्हड़ बाल स्मृतियों को याद करने की कोशिश में, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के खेल परिषद् और सांस्कृतिक परिषद् ने साथ मिलकर 'चिल्ड्रेन डे आउट' मनाया। अक्तूबर 29, 2020 से शुरू चार-दिवसीय आयोजन में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय से भारी संख्या में प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। 100 से भी अधिक विद्यार्थियों, स्टाफ व संकाय सदस्यों और परिवार जन ने पारंपरिक खेल और गतिविधियों में भाग लिया।

गणतंत्र दिवस प्रश्नोत्तरी

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के खेल परिषद और प्रश्नोत्तरी सोसायटी ने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर खेल परिषद् के इंस्टाग्राम पेज पर गणतंत्र दिवस खेल प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया। ऑनलाइन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र इकाई ने भागीदारी दिखाई।

शतरंज में डीन को हराओ

शारीरिक शिक्षण विभाग ने 'शतरंज में डीन को हराओ' के दो संस्करण आयोजित किए, जिसमें **प्रो राघवन रंगनाथन**, छात्रावास डीन ने पूरे भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय को शतरंज में उन्हें परास्त करने की चुनौती दी। दोनों ही संस्करण आभासी रूप में रखे गए जिसमें – क्वालिफायर और फाइनल के दो भिन्न चरण थे। प्रथम संस्करण अक्तूबर 24-25, 2020 को तथा दूसरा संस्करण जनवरी 26, 2021 को आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में भारी मात्रा में सामुदायिक भागीदारी देखी गई।

पूर्व डीन को दौड़ में हराना

खेल परिषद ने मार्च 14, 2021 को 'पूर्व डीन को हराओ' का आयोजन रखा। एक रोमांचक दौड़ में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय ने भाग लिया जिसमें पूर्व डीन **प्रो जयसन मंजली** द्वारा 5 किमी की दौड़ के समय से जल्दी दौड़ खत्म करने की चुनौती थी। कार्यक्रम में भीड़ और सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने के लिए स्ट्रावा ऐप का उपयोग किया गया था।

योग एवं कल्याण

महामारी की बदलती परिस्थिति के चलते, शारीरिक शिक्षा विभाग ने सामुदायिक कल्याण के लिए विभिन्न तरीके अपनाए हैं। इसने शुरुआत में छात्र व समुदाय के लिए योग व ध्यान कक्षाएं आयोजित की जो बाद में ऑनलाइन स्वरूप में भी जारी रहीं। मार्च से पहले, विद्यार्थियों का शारीरिक बल बढ़ाने के लिए अनोखे रूप से एक खुली व्यायामशाला में भी उनके अभ्यास की सुविधा प्रदान की गई थी।

स्टाफ गतिविधियां

स्ट्राइड्स 4.0

स्टाफ विकास प्रकोष्ठ (एसडीसी) ने अक्तूबर 31, 2020 को 'स्ट्राइड्स' का चौथा संस्करण आयोजित किया। इस वर्ष के आभासी सांस्कृतिक कार्यक्रम की विषयवस्तु 'अनवरत चरण' थी। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय से स्टाफ व संकाय सदस्य तथा उनके परिवार जन ने नृत्य, गीत, कविता पाठ व प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियों में अपना कौशल दर्शाया।

एसडीसी द्वारा सत्रों की श्रंखला

स्टाफ विकास प्रकोष्ठ ने संस्थान के स्टाफ सदस्यों के कार्य व व्यक्तिगत संबंधित विकास के लिए कई कार्यक्रम/सत्र आयोजित किए। इनमें चुनाव आपका- एक प्रेरणात्मक सत्र; पहला और अंतिम प्रभाव छोड़ने की कला; तालाबंदी के लिए मेरी कुंजी नामक एक अनुभव साझा करने का सत्र; लचीलेपन का निर्माण और दूसरों तक पहुंच; तथा नेटवर्क ही नेट-वर्थ --लिंक्डइन से सबसे अधिक लाभ लेना शामिल हैं।

टंकण क्षमता वृद्धि की पहल

स्टाफ सदस्यों के टंकण कौशल को मनोरंजक रूप से विकसित करने के उद्देश्य से, एसडीसी ने 'मस्तिष्क से विचारें अंगुली से टंकण करें' नामक एक पहल शुरू की। इस पहल के हिस्से के रूप में, स्टाफ सदस्यों को प्रति सप्ताह हर शुक्रवार एक ऑनलाइन सॉफ्टवेयर पर टंकण कौशल सुधारने के अभ्यास में भाग लेने के लिए पांच मिनट का समय बिताने के लिए प्रेरित किया गया।

स्टाफ प्रशिक्षण

- **सुश्री कामिनी पटेल**, सहायक, प्रशासन विभाग, ने नवम्बर 16 से 20, 2020 के बीच सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्धन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'स्थापना नियम-1' नामक एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।
- **सुश्री कोमल संगतानी**, सहायक व निदेशक की पीए ने कोरसेरा के 'प्रभावशाली संचारः लेखन, प्रतिकल्पन तथा प्रदर्शन विशेषज्ञता' नामक एक ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लिया।

बाहरी पहुंच

- पूर्व-भा॰प्रौ॰सं॰ पूर्व छात्र संराअ ने जून 25, 2020 को **प्रो सुधीर कुमार जैन** को गोष्ठी श्रंखला (शिक्षा का नया नियमः कोविड-19 के पश्चात) के प्रारंभिक आभासी उद्बोधन में शिक्षा पर कोविड-19 के प्रभाव पर चर्चा करने के लिए प्रमुख वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। दूसरे वक्ता केलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सेन डिएगो से प्रो प्रदीप खोसला थे। प्रो प्रभात हजेला, रेनेसेइलर पॉलीटेकनीक संस्थान के प्रोवोस्ट, न्यू यॉर्क ने इस कार्यक्रम का संचालन किया।
- **प्रो सुधीर कुमार जैन** ने जून 24-26, 2020 के बीच "पत्रों का गणतंत्रः अभूतपूर्व 2020" नामक एक आभासी संगोष्ठी में "आपदा के रूप में अवसरः महामारी के दौरान नेतृत्व" शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की। इस संगोष्ठी का आयोजन अशोक विश्वविद्यालय और हड़प्पा शिक्षण द्वारा भारत में अधिगम की नई दुनिया के विचार को पुनः जीवित करने के लिए किया गया था।
- **प्रो सुधीर कुमार जैन** को भा॰प्रौ॰सं॰ पूर्व छात्र केंद्र बेंगलोर ने जुलाई 4, 2020 को 'कोविड-19 के बाद विश्व में शिक्षण नवीनता' पर चर्चा करने के लिए एक वेबीनार में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया। इस ई-गोष्ठी का संचालन **प्रो पी डी जोस** (भा॰प्र॰सं॰ बेंगलोर) तथा **डॉ सुशीला वेण्कटरमण** (एशिया विकास बेंक) ने किया। वेबीनार इस लिंक पर देखी जा सकती है: https://youtu.be/_ZAJZ4wXBMI
- **प्रो सुधीर कुमार जैन** को 'भारत में सीसमिक रेजीलिएंस एजेंडा की उन्नति' नामक एक वेबीनार में भारत में सीसमिक सुरक्षा पर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। विश्व बेंक ने यह वेबीनार अक्तूबर 29, 2020 को आयोजित किया था।
- **प्रो सुधीर कुमार जैन** ने **डॉ निकोला मिस्कोविक**, विद्युत अभियांत्रिकी और कम्प्यूटिंग संकाय, स्वेउसिलिस्टे यू ज़गरेबू (ज़गरेब विश्वविद्यालय); **राजदूत राज श्रीवास्त**व, क्रोएशिया गणराज्य में भारत के राजदूत; और **श्री एच के पांडे**, द्वितीय सचिव (पोल, कॉम एंड कॉन्स), ज़ाग्रेब में भारतीय दूतावास के साथ 10 दिसंबर, 2020 को दोनों संस्थानों के बीच शिक्षा और अनुसंधान-आधारित सहयोग पर चर्चा करने के लिए एक आभासी बातचीत में भाग लिया।
- नाइपर-अहमदाबाद ने दिसम्बर 16, 2020 को अपने पांचवे स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर **प्रो सुधीर कुमार जैन** को मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित किया। प्रोफेसर जैन ने आभासी समारोह में उपस्थित होकर वैज्ञानिक पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए आपसी सहयोग की महत्ता पर प्रकाश डाला।
- **प्रो सुधीर कुमार जैन** को जनवरी 15-16, 2021 में उद्योग व आंतरिक व्यापार उन्नति विभाग, वाणिज्य और उद्योग विभाग, भारत सरकार, द्वारा आयोजित स्टार्टअप भारत अतंरराष्ट्रीय सम्मेलन -'प्रारंभ' में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। इस सम्मेलन में दुनिया भर से नीति निर्माता, उद्योग कर्मी, शिक्षाविद्, निवेशक, स्टार्टअप तथा लाभार्थी शामिल हुए।
- **प्रो सुधीर कुमार जैन** को फरवरी 25-26, 2021 को आयोजित राष्ट्रीय कौशल व उद्यमिता नवीनता सभा में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। ऑनलाइन सभा का आयोजन एपीएसी समाचार नेटवर्क तथा संचालन केरल सरकार के मजदूर व कौशल विभाग ने किया था। यह वार्ता इस लिंक पर देखी जा सकती है:https://bit.ly/3w4FSQT
- भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने मार्च 4, 2021 को सीआईआई गुजरात की वार्षिक बैठक 2021 तथा गुजरात आर्थिक सभा में **प्रो सुधीर कुमार जैन** को संबोधन प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया। इस सभा की विषयवस्तु 'गुजरात – नए सामान्य में विकास को पुनः परिभाषित करना' रखी गई थी।
- **प्रो सुधीर कुमार जैन** ने मार्च 24, 2021 को प्रथम क्रोएशियन भूकंप अभियांत्रिकी सम्मेलन में 'सीसमिक सुरक्षा की कुछ चुनौतियां और अवसरः एक भारतीय परिप्रेक्ष्य' पर एक वार्ता दी।

परिसर

परिसर विकास

निर्माण अद्यतन

केंद्रीय तोरणिका, अतिथि आवास, 1 बीएचके और कुछ स्टूडियो अपार्टमेंट, और कुछ छात्रावास खंडों का निर्माण पूरा हो गया है और भा॰ प्रौ॰सं॰ गांधीनगर को सौंप दिया गया है। बैंक और चिकित्सा केंद्र का केंद्रीय तोरणिका में अपने नए स्थान से परिचालन शुरू हो चुका है। खुली रंगशाला, बचे हुए छात्रावास और आवास ब्लॉक, निदेशक आवास, अनुसंधान पार्क और खेल परिसर का निर्माण पूरा होने वाला है। कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षणिक 2 का निर्माण बाधित हुआ है।

पशु देखभाल सुविधा

परिसर में एक पशु देखभाल सुविधा बनाई गई है जहां परिसर के जानवरों (पालतू जानवरों के साथ-साथ लावारिस जानवरों) को चिकित्सा देखभाल प्रदान की जा सकती है। यह सुविधा बिजली, पानी की आपूर्ति, वेंटिलेशन और कुछ फर्नीचर के साथ-साथ एक पशु चिकित्सक द्वारा उपयोग के लिए एक अलग कमरे और परीक्षा तालिका से सुसज्जित है। समुदाय के सदस्य इस सुविधा का उपयोग सड़क पर रहने वाले जानवरों को खिलाने के लिए भी कर सकते हैं (परिसर में पहले से ही कई अन्य पूर्व-निर्धारित खिलाने की जगहें चिन्हित की गई हैं)।

हराभरा परिसर

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अपने समुदाय को नए छात्रों के लिए फाउंडेशन कार्यक्रम, विश्व पर्यावरण दिवस और पृथ्वी दिवस, सफाई और वृक्षारोपण अभियान आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से परिसर को हरा और स्वच्छ रखने के लिए प्रोत्साहित करता है। संस्थान ने एक ठोस कचरा प्रबंधन सलाहकार की मदद से अपशिष्ट प्रबंधन और अन्य स्वच्छता संबंधी मुद्दों के बारे में समुदाय के सदस्यों का मार्गदर्शन करने के लिए एक ग्रीन कार्यालय समिति का भी गठन किया है। समुदाय को व्यस्त रखने के लिए, ग्रीन कार्यालय नियमित रूप से स्रोत पर अपशिष्ट पृथक्करण को बढ़ावा देने के लिए प्लॉगिंग और शैक्षिक खेलों जैसी गतिविधियों का आयोजन करता है।

संस्थान द्वारा स्थापित जैविक खेत और परिसर उत्पादन समिति परिसर में फल और सब्जी बागानों के उगाने की योजना बनाती है और उन्हें क्रियान्वित करती है। इस वर्ष, जैविक खेत ने अपने संचालन के दायरे का विस्तार किया और फल वृक्षारोपण के लिए कुछ प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया। कई परिसर निवासी जैविक खेत टीम के सुनियोजित प्रयासों की बदौलत घरेलू शैली के अचार का आनंद ले रहे हैं।

कुछ अवसंरचनात्मक संपत्ति और पहलू जो हरित प्रथाओं में योगदान करना जारी रखते हैं, उनमें सावधानीपूर्वक नियोजित वास्तुकला, पर्यावरण के अनुकूल सीवेज उपचार संयंत्र, वर्षा जल संचयन प्रणाली, बायोगैस और खाद प्रणाली, छात्रावासों में पानी रहित मूत्रालय, ड्रिप सिंचाई प्रणाली और सौर फोटोवोल्टिक प्रतिष्ठान शामिल हैं।

- अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक, संस्थान ने 6,77,481 किवॉ सौर ऊर्जा उत्पन्न की, जो उस अवधि के दौरान परिसर की कुल बिजली खपत का 9 प्रतिशत है।
- 2020 में, जल मंडपों में कुल 1.5 करोड़ लीटर वर्षा जल का संचयन किया गया, जिससे परिसर को लगभग 20 दिनों तक जलापूर्ति प्रदान हुई।
- अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक बागवानी के लिए 1.62 लाख किलो खाद की आपूर्ति की गई, जिसे बायोगैस प्लांट और कम्पोस्ट पिट के माध्यम से जैविक कचरे से बनाया गया था।

परिसर अनुभव

परिसर में कैफेटेरिया और भोजन के आउटलेट, किराना स्टोर, सैलून, कपड़े धोने की सेवा, संगीत कक्ष, व्यामामशाला, खेल के मैदान और अन्य मनोरंजक सुविधाएं हैं जो सभी परिसर निवासियों द्वारा उपयोग की जाती हैं। संस्थान में एक चिकित्सा केंद्र और एक एम्बुलेंस है जो आपात स्थिति के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है। कुछ अद्वितीय ठोस फर्नीचर परिसर के सामान्य क्षेत्रों में रखे जाते हैं जिनका उपयोग अनौपचारिक बैठकों के लिए किया जाता है। संस्थान ने परिसर में एक स्नैपर कैमरा भी स्थापित किया है (भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में एक स्टार्टअप द्वारा विकसित एक तकनीकी उत्पाद), जिसका उपयोग आसानी से बड़े समूहों की तस्वीरें लेने के लिए किया जा सकता है।

मेकर भवन

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का मेकर भवन संस्थान में शैक्षणिक कार्यक्रम के भीतर सक्रिय शिक्षण दृष्टिकोण को अपनाने को बढ़ावा देता है। एक मेकर्सस्पेस, टीमवर्क क्षेत्र, विभिन्न प्रकार के डिजिटल निर्माण उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला, इस पहल का केंद्रीय स्थल हैं। मेटल 3डी प्रिंटिंग से लेकर लेजर कटिंग तक, वर्ष के दौरान कई कार्यशालाओं ने छात्रों को व्यावहारिक सीखने की परियोजनाओं को अपनाने और अपने विचारों को वास्तविक प्रोटोटाइप में बदलने के लिए प्रेरित किया है। मेकर्सस्पेस ने सत्र-लंबे शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ संकाय अनुसंधान परियोजनाओं में छात्र परियोजनाओं के लिए संसाधन भी उपलब्ध कराए हैं। मेकर भवन को उन स्टार्टअप्स और उद्योगों से भी दिलचस्पी मिल रही है जो यहां तक पहुंचना चाहते हैं और संबंधित संसाधन व्यक्तियों के साथ परामर्श करना चाहते हैं। इस प्रकार मेकर भवन छात्रों को कर्ता, नेता और नवोन्मेषी, जिस भी क्षेत्र में वे स्नातक होने के बाद आगे बढ़ना चाहते हैं, में बदलने के अपने व्यापक लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है।

टिंकरर प्रयोगशाला

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर कक्षा के अंदर और बाहर परियोजना आधारित सक्रिय शिक्षण पर जोर देता है। टिंकरर प्रयोगशाला छात्र समुदाय को व्यावहारिक सीखने के साथ प्रयोग करने के लिए एक स्थान प्रदान करके इस दृष्टि को साकार करती है। अकादमिक पाठ्यक्रमों या हॉबी क्लबों की परियोजनाओं के माध्यम से, हम अगली पीढ़ी के अभियंताओं को प्रशिक्षित करने के लिए "करके सीखने" को सक्षम बनाते हैं। हमारी प्रयोगशाला विशेष रूप से स्नातक छात्रों को अपने हाथों से काम करने और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन की गई है। हमारी प्रयोगशालाएं ड्यूल एक्सट्रूज़न 3 डी प्रिंटर, लेजर कटिंग और एनग्रेविंग मशीन, विनाइल कटर, पीसीबी मिलिंग मशीन, और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसी मशीनों से लैस हैं, ताकि छात्र प्रयोग कर सकें और कल्पनाओं का अभ्यास कर सकें। वैश्विक महामारी के दौरान, हालांकि प्रयोगशाला के उपयोग को प्रतिबंधित करना पड़ा, लेकिन यह सक्रिय शिक्षण प्रतिमान को एक ऑनलाइन मोड में स्थानांतरित करने में सक्षम था। टिंकरर प्रयोगशाला ने सफलतापूर्वक एक वर्चुअल बिल्ड-ए-थॉन (12 घंटे की लंबी ऑनलाइन कार्यक्रम, जहां भाग लेने वाले छात्रों को एक आरडीनो आधारित आपदा प्रबंधन प्रणाली के साथ आना था), संवर्धित वास्तविकता कार्यशाला और मैटलैब कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। हमने इस समय का उपयोग अद्यतन उपकरण और घटकों की खरीद करके अपनी सुविधाओं को अद्यतन करने, अपनी बुकिंग प्रणाली को सुव्यवस्थित करने और अपनी वेबसाइट (https://students.iitgn.ac.in/tinkerers-lab) को नया स्वरूप देने के लिए भी किया है।

आयोजन

- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की टिंकरर प्रयोगशाला ने मई 24, 2020 को 12 घंटे लंबा एक ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया। प्रथम वर्षीय तथा द्वितीय वर्षीय अवरस्नातकों के लिए एक आभासी बिल्ड-ए-थॉन रखा गया। कार्यक्रम का आयोजन टिंकरकेड नामक एक मंच पर आयोजित किया गया जहां प्रतिभागियों को आरडीनो आधारित आपदा प्रबंधन प्रणाली के साथ भाग लेना था।
- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की टिंकरर प्रयोगशाला ने डिजीस (भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का खेल विकास क्लब), और भा॰प्रौ॰सं॰ हैदराबाद व भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे की टिंकरर प्रयोगशालाओं की सहभागित से नवम्बर 01, 2020 को ऑगमेंटेड वास्तविकता पर एक कार्यशाला आयोजित की।

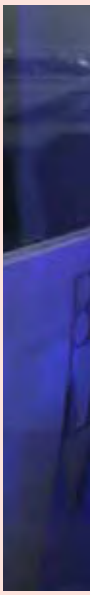

सूचना प्रणाली एवं प्रौद्योगिकी सुविधा (आईएसटीएफ)

सूचना प्रणाली और प्रौद्योगिकी सुविधा (आईएसटीएफ) भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के समुदाय को उपयोगकर्ता स्तर की सेवाएं प्रदान करना जारी रखे हुए है। आईएसटीएफ का अत्याधुनिक नेटवर्किंग इंफ्रास्ट्रक्चर परिसर के अंदर और बाहर रहने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए सूचना प्रणाली और संगणन सुविधाओं के प्रावधान को सक्षम बनाता है। आईएसटीएफ निम्नलिखित के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है:

- एनकेएन नेटवर्क, इंटरनेट और ईमेल सेवाएं, फ़ायरवॉल सुरक्षा, संचार उपकरण
- संगणन सुविधाएं एवं एचपीसी प्रयोगशाला
- कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, आईएसटीएफ वेगा, अनीसुर, साबरमती, नोडएक्स एचपीसी क्लस्टर की सुविधा प्रदान करता है जो उपयोगकर्ताओं को उनके अनुसंधान हितों के लिए प्रासंगिक समानांतर संगणक और जीपीयू-आधारित संगणन करने में सक्षम बनाता है।

आईएसटीएफ में राष्ट्रीय नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) लाइन के माध्यम से वीडियो सम्मेलन कक्ष स्थापित किये गए हैं। आभासी कक्षाओं की सुविधा के लिए कमरों का बुनियादी ढांचा भी सुसज्जित है। आईएसटीएफ ऑनलाइन सीखने की सुविधाओं को सुविधाजनक बनाने में सक्रिय रहा है और सदस्यों को जूम, गूगल मीट और माइक्रोसॉफ्ट टीम जैसे सॉफ्टवेयर और अन्य उपकरणों का सबसे अच्छा उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है। हमने इस महामारी की स्थिति के दौरान शिक्षण और सीखने को सुव्यवस्थित करने के लिए आईपैड और टैबलेट भी खरीदे हैं ताकि सेमेस्टर कक्षाएं जारी रखी जा सकें। छात्रों को वीपीएन सेवा प्रदान की गई है ताकि वे इस अभूतपूर्व महामारी के दौरान दूर से काम कर सकें। इसके अलावा, हमने ऑनलाइन प्रॉक्टरिंग सॉफ्टवेयर (मेटल) लागू किया है, जिसका उपयोग ऑनलाइन आकलन करने के लिए किया जा सकता है। उपरोक्त के अलावा, आईएसटीएफ टीम के सदस्यों ने अंतिम डॉक्टोरल डिफेंस को निर्बाध रूप से संचालित करने के लिए पास होने वाले पीएचडी छात्रों और उनके पर्यवेक्षकों को तकनीकी रूप से सहयोग प्रदान किया है।

आईएसटीएफ अपने कौशल सेट को बढ़ाने और हाल की तकनीक के साथ अद्यतन रहने के लिए लगातार विभिन्न इन-हाउस परियोजनाएं करता है। टीम ने निम्नलिखित परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है:

- ऑनलाइन शिक्षण प्रबंधन प्रणाली जीमेल, जूम और पैनोप्टो के साथ एकीकृत
- नई आईएसटीएफ वेबसाइटों का विकास
- नए छात्रावास, अतिथि आवास, स्टूडियो अपार्टमेंट और केंद्रीय तोरणिका में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर लागू किया गया

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का चिकित्सा केंद्र

चिकित्सा केंद्र

चिकित्सा केंद्र के डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों की टीम पूरे साल कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम पंक्ति में थी। केंद्र ने चार सलाहकार डॉक्टरों, एक स्त्री रोग विशेषज्ञ, एक बाल रोग विशेषज्ञ, और दो प्रशिक्षित पुरुष नर्सों और एक सहायक नर्स की एक टीम के साथ समुदाय की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा किया।

कोविड देखभाल सुविधाएं

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में पहले से ही कई सुविधाएं मौजूद हैं जिसमें ईसीजी मशीन, पल्स ऑक्सीमीटर, ऑक्सीजन कॉनसेनट्रेटर, नेबुलाइजर, ग्लूकोमीटर, ओटोस्कोप, सक्शन मशीन, तथा नियमित चिकित्सा जाँच के लिए दृष्टि जाँच सुविधा, व 24-घंटे आपातकाल एंबुलेंस। वैश्विक महामारी के कारण, संस्थान ने कोविड मरीज़ों के लिए चिकित्सा केंद्र में कई अतिरिक्त सुविधाएं स्थापित कीं जैसे, संगरोध व एकाकीपन कक्ष, ओ2 कॉनसेनट्रेटर मशीन, ओ2 सिलिंडर, मॉनीटर, पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मल गन्स व थर्मोमीटर, रोगविज्ञान परीक्षणों के लिए घरेलू प्रयोगशाला संग्रह केंद्र, इत्यादि। कोविड मरीज़ों के लिए प्रशिक्षित नर्सों, सहायक नर्सों तथा देखरेख स्टाफ की भी नियुक्ति की गई। संस्थान के आंतरिक भेषजी में कोविड उपचार व सामान्य रोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण दवाइयां संग्रह कर के रखी गईं।

महामारी की पहली लहर के दौरान किसी भी आपात स्थिति के मामले में समय पर और विशेष चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए, संस्थान ने अहमदाबाद नगर निगम के साथ कोविड नामित अस्पतालों में कर्मचारियों, छात्रों और शिक्षकों के अस्पताल में भर्ती होने के लिए एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया।

संस्थान के चिकित्सा केंद्र ने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के निर्माण कर्मचिरियों को भी मुफ्त चिकित्सा सहयोग व परामर्श प्रदान किया। कर्मचारी कॉलोनी में कर्मचारियों की मुफ्त चिकित्सा जांच कराई गई। चिकित्सा जांच व उपचार की आवश्यकता पड़ने पर कर्मचारियों के लिए एंबुलेंस सुविधा भी मुहैया कराई गई। अनेक कर्मचारी गण व उनके परिवार के सदस्यों द्वारा तालाबंदी के दौरान व तत्पश्चात इन सुविधाओं का लाभ लिया गया।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की कोविड देखभाल सुविधा

दूसरी लहर के दौरान परिसर में बढ़ते कोविड मरीजों की वजह से भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने हाल ही में निर्मित 190-बिस्तर के अतिथि गृह को कोविड देखभाल सुविधा में तब्दील कर दिया जहां समुदाय के हल्के व मध्यम कोविड संक्रमित मरीज़ों का उपचार किया जाता था। अप्रैल 1 से मई 15, 2021 के दौरान मध्य-अप्रैल में एक दिन में अधिकतम 95 को मिलाकर 240 से अधिक कोविड मरीज़ों का उपचार इस सुविधा में किया गया। इस सुविधा से उन्हें मूलभूत चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं जैसे, नियमित तापमान व ऑक्सीजन जांच, संस्थान के चिकित्सकों व नर्सों द्वारा परामर्श, दवाइयां, खून व आरटी-पीसीआर जांच, मुश्किल से प्राप्त स्वास्थ्य सेवाएं, जैसे ऑक्सीजन कॉनसेनट्रेटर व टंकी, तथा नियमित चार समय का पौष्टिक आहार। संस्थान की एंबुलेंस चिकित्सा सुविधाएं व चिकित्सा स्टाफ 24x7 उपलब्ध हैं। सुविधा ने रोगियों को अस्पतालों में भर्ती होने में भी सहायता प्रदान की। परामर्श सेवाओं ने मरीज़ों, चिकित्सा स्टाफ, तथा उनके परिवारों को मानसिक सहयोग प्रदान किया था।

OXYGEN –
CYLINDERS

संस्थान को सहयोग

चेयर व छात्रवृत्ति

गोवर्धनभाई बी गेहलोत अक्षय निधि

सरिता जी गेहलोत व
श्री गोवर्धन बी गेहलोत

श्री गोवर्धन बी गेहलोत ने अपनी माता के सम्मान में **कंकुबेन बक्शीराम गेहलोत अक्षय निधि** स्थापित की है। संस्थान इस अक्षय निधि का उपयोग एक महिला संकाय सदस्य के लिए **कंकुबेन बक्शीराम गेहलोत चेयर** और अभियांत्रिकी या प्राकृतिक विज्ञान के किसी भी क्षेत्र में एक महिला स्नातक छात्र के लिए **कंकुबेन बक्शीराम गेहलोत छात्रवृत्ति** का समर्थन करने के लिए करेगा। श्री गोवर्धनभाई ने उदारता से गोवर्धनभाई बी गेहलोत अक्षय निधि की स्थापना के लिए एक और बड़ा उपहार दिया है। इसके प्रोत्साहन के लिए, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा विज्ञान प्रयोगशाला का नाम गोवर्धन बी गेहलोत प्रयोगशाला रखा जाएगा। उन्होंने अपनी पत्नी के सम्मान में **सरिता जी गेहलोत अक्षय निधि** भी स्थापित किया है, जिसका उपयोग भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्रों और शिक्षकों के बीच अनुसंधान और शिक्षा में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने और समर्थन करने के लिए किया जाएगा। इसकी सराहना करते हुए, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अपनी एक शोध प्रयोगशाला का नाम 'सरिता जी गेहलोत लेबोरेटरी फॉर इंटेलिजेंट रिहैबिलिटेशन एंड अफेक्टिव कंप्यूटिंग सिस्टम्स' के रूप में रखेगा। श्री गोवर्धनभाई चार दशकों से अधिक समय से उमरगाम (दक्षिण गुजरात) में एक लघु उद्योग (एसएसआई) इकाई चलाते हैं। उनके पास गुजरात विश्वविद्यालय से औद्योगिक सूक्ष्मजैविकी में स्नातकोत्तर डिग्री है और उन्होंने अमेरिकी और फ्रेंच फार्मा बहुराष्ट्रीय निगमों के साथ भी काम किया है।

डॉ दिनेश ओ शाह चेयर

अमेरिका के फ्लोरिडा विश्वविद्यालय में रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग में प्रोफेसर एमेरिटस **डॉ दिनेश ओ शाह** ने संस्थान में **डॉ दिनेश ओ शाह चेयर** स्थापित करने के लिए एक बड़ा उपहार दिया है।

डॉ शाह ने बॉम्बे विश्वविद्यालय से बीएस और एमएस किया और कोलंबिया विश्वविद्यालय, संराअ से जैविकभौतिकी में पीएचडी किया। वे एक भावुक शिक्षाविद्, वैज्ञानिक, परोपकारी व्यक्ति हैं और ब्रिटेन के वैज्ञानिक सूचना संस्थान द्वारा दुनिया में सबसे अधिक बार उद्धृत वैज्ञानिकों के शीर्ष एक प्रतिशत में शामिल रह चुके हैं (1999)। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय में तीन दशकों से अधिक के अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें कई शिक्षण, अनुसंधान और सेवा पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्होंने भारत और फ्लोरिडा में शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षा, अनुसंधान और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

श्रीमती मीरा व प्रो गिरीश के शर्मा चेयर

श्रीमती रश्मि शर्मा और
श्री मनीष शर्मा

श्रीमती रश्मि शर्मा और **श्री मनीष शर्मा**, बेंगलोर स्थित संस्थान के शुभचिंतक, ने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में शैक्षिक और अनुसंधान उत्कृष्टता का सहयोग करने के लिए अपने माता-पिता के सम्मान में एक उदार उपहार दिया है। संस्थान, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में अभियांत्रिकी, प्राकृतिक विज्ञान या मानविकी और सामाजिक विज्ञान के किसी भी क्षेत्र में **श्रीमती मीरा** और **प्रो गिरीश के शर्मा चेयर** की स्थापना के लिए राशि का मिलान करके एक अक्षय निधि बनाने के लिए इस उपहार का उपयोग करेगा। प्रो गिरीश के शर्मा भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में यांत्रिक अभियांत्रिकी में अभ्यागत प्राध्यापक हैं, जिन्हें प्रतिष्ठित संस्थानों में शिक्षण व अनुसंधान का बहुत बड़ा अनुभव है। श्री मनीष शर्मा एक्सेंचर में संचालन सेवाओं के समूह मुख्य कार्यकारी अधिकारी और एक्सेंचर की वैश्विक प्रबंधन समिति के सदस्य हैं। उन्होंने यांत्रिक अभियांत्रिकी में स्नातक की डिग्री और मुंबई विश्वविद्यालय से संचालन प्रबंधन में अधिस्नातक उपाधि प्राप्त की है।

श्रीमती मीरा व प्रो गिरीश के शर्मा

डॉ विलास मजुमदार चेयर

डॉ विलास मजुमदार, संराअ, वर्जीनिया में रहने वाले अभियांत्रिकी क्षेत्र के एक प्रसिद्ध व्यक्ति, ने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में अभियांत्रिकी और प्राकृतिक विज्ञान के क्षेत्र में **डॉ विलास मजुमदार चेयर** स्थापित की। विलास मजुमदार 2009 तक एक स्वतंत्र परामर्श अभियंता थे। पहले वह कई बड़ी अभियांत्रिकी फर्मों में प्रकाअ, अध्यक्ष और भागीदार थे और सार्वजनिक क्षेत्र में उच्चतम स्तर पर थे। उन्होंने एशिया, यूरोप, कनाडा और अमेरिका में अभिकल्पन, परियोजना प्रबंधन, शिक्षण और अनुसंधान प्रबंधन में काम किया है। डॉ मजुमदार कई पुरस्कारों और सम्मानों के प्राप्तकर्ता हैं, जिनमें डब्ल्यूएफईओ (2020) द्वारा अभियांत्रिकी उत्कृष्टता का पदक भी शामिल है; एनएसएफ निदेशक पुरस्कार (2009); कैलिफोर्निया के गवर्नर की ओर से विशेष सम्मान "कैलिफोर्निया में भूकंपीय सुरक्षा बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए" (1999) शामिल हैं।

कनकिया युवा अनुसंधान संगोष्ठी श्रंखला

डॉ हेमंत कनकिया, सह-संस्थापक और पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जेमप्लेक्स इंटरनेट, इंक, संराअ ने संस्थान में शीर्ष स्तर के शिक्षकों को आकर्षित करने और भर्ती करने के उद्देश्य से भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में **कनकिया युवा अनुसंधान संगोष्ठी सीरीज** का सहयोग करने के लिए एक महत्वपूर्ण दान दिया है। यह पहल संस्थान में संगोष्ठियों, लघु पाठ्यक्रमों और अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम करने के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में अपनी उपाधि पूरी करने वाले युवा डॉक्टरेट छात्रों, हाल ही में पीएचडी स्नातकों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित शोध संगठनों के पोस्टडॉक्टरल विद्वानों के दौरे का सहयोग करेगी।

कच्छ छात्रवृत्ति

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के एक शुभचिंतक ने अपना नाम उजागर ना करने की इच्छा से, संस्थान के बीटेक छात्रों को **कच्छ छात्रवृत्ति** स्थापित करने के लिए उपहार दिया है। संस्थान इस दान राशि के समान एक अक्षय निधि कोष स्थापित करेगा। छात्रवृत्ति (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू) से विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को प्रति वर्ष 1 लाख रुपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

वेगशक्ति महिला कल्याण संगठन छात्रवृत्ति

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर और **वेगशक्ति महिला कल्याण संगठन** छात्रवृत्ति, एनएचएसआरसीएल के अंतर्गत एक पंजीकृत सोसायटी, संस्थान के साथ एक सहमति ज्ञापन में साथ आए हैं। यह सहमति ज्ञापन अक्तूबर 8, 2020 को **सुश्री सरिता खरे**, अध्यक्ष वीएमकेएस, तथा **प्रो सुधीर कुमार जैन**, निदेशक भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के बीच किया गया। इस परोपकारी सहमति के एक हिस्से के रूप में, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर संस्थान में दो चयनित महिला छात्रों के शैक्षणिक खर्च के लिए उनके बीटेक के चार साल के लिए 'वेगशक्ति महिला कल्याण संगठन छात्रवृत्ति' की स्थापना करेगा, जो प्रत्येक वर्ष प्रति छात्र 75,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगा।

शांति सरूप अग्रवाल छात्रवृत्ति

अंकित अग्रवाल

दिवंगत शांति सरूप अग्रवाल

2017 के बीटेक पूर्व छात्र **श्री अंकित अग्रवाल** ने अपने दिवंगत दादा के सम्मान में **शांति सरूप अग्रवाल छात्रवृत्ति** की स्थापना की है। प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये की छात्रवृत्ति संस्थान के स्नातक छात्रों का सहयोग करेगी। अंकित गाजियाबाद में एग्माको उद्योग के सह-संस्थापक हैं। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में रहते हुए, अंकित एक छात्र-संचालित संगठन, शास्त्रार्थ सोक्रेटिक सोसाइटी के संस्थापक अध्यक्ष थे, जो महत्वपूर्ण मुद्दों, घटनाओं और ट्रेंडिंग विषयों पर ध्यान केंद्रित करता है। वह बीटेक, यांत्रिक अभियांत्रिकी में निदेशक के रजत पदक के प्राप्तकर्ता थे।

अरुणा छात्रवृत्ति

अभिषेक कंदोई

श्री कृष्ण के व सुश्री राजकुमारी के

श्री अभिषेक कंदोई, बीटेक के शुरुआती अवर स्नातक, अपने माता-पिता के सम्मान में **अरुणा छात्रवृत्ति** की स्थापना की है। प्रति वर्ष 1 लाख रुपये की यह छात्रवृत्ति भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में स्नातक छात्रों का समर्थन करेगी। अभिषेक ने अंडरराइटर्स लेबोरेटरी (यूएल), यूएसए के साथ अपना करियर शुरू किया, और वर्तमान में एपप्लस प्रयोगशाला यूएई के साथ बिजनेस हेड के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने 2017-2018 के दौरान तक्षशिला संस्थान में सार्वजनिक नीति में एक पाठ्यक्रम पूरा किया है। वह एक उद्यमी भी रहे हैं और एक सामाजिक उद्यम टिंकरटैंक डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड में काम किया है, जिसे भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में इनक्यूबेट किया गया था।

अंजना तथा अनिल तारा चंद्र छात्रवृत्ति

शिवानी रानी

सुश्री अंजना व श्री अनिल चंद्रा

सुश्री शिवानी रानी, 2013 की पूर्व छात्रा ने अपने माता-पिता के सम्मान में **अंजना तथा अनिल तारा चंद्र छात्रवृत्ति** की स्थापना की है। यह छात्रवृत्ति भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में प्रति वर्ष प्रति विद्यार्थी रु. 1 लाख की राशि का सहयोग प्रदान करेगी। शिवानी को 2013 के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक (एमटेक), संस्थान का स्वर्ण पदक (सिविल अभियांत्रिकी, एमटेक) और खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार मिला था। उन्होंने ओक्लाहोमा विश्वविद्यालय, नॉर्मन, संयुक्त राज्य अमेरिका से डामर मिश्रण डिजाइन और फुटपाथ निर्माण के क्षेत्र में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। वर्तमान में, वह अमेरिका के ओक्लाहोमा शहर के लॉटन शहर में एक सहायक सिविल अभियंता हैं। शिवानी को वर्ष 2014 में इंजीनियरिंग वॉच मैगज़ीन द्वारा "भारत में सबसे प्रेरक महिलाओं" में से एक के रूप में भी मान्यता दी गई थी।

चेतन धांडे छात्रवृत्ति

स्वर्गीय चेतन धांडे

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के 2013 के कक्षा के पंद्रह छात्रों ने मिलकर अपने चहेते साथी **स्वर्गीय चेतन धांडे** की याद में एक छात्रवृत्ति की स्थापना की है, जिसकी मृत्यु फरवरी 10, 2018 को एक हाइकिंग दुर्घटना में हुई। छात्रवृत्ति संस्थान के अवरस्नातक विद्यार्थियों को प्रति वर्ष रु 1 लाख की राशि से सहायता प्रदान करेगी। चेतन ने 2013 में बीटेक (यांत्रिक अभियांत्रिकी) पूर्ण किया। वे भारत में हॉन्डा कार के लिए ढाई तथा जापान में हॉन्डा अनुसंधान व विकास में दो वर्षों के लिए कार्यरत थे।

सहानुभूति कोष

कोविड-19 हमारे जीवन को बहुत गंभीर रूप से प्रभावित किया है, कुछ के ऊपर तो इसका काफी बुरा अनुभव रहा है। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर से जुड़े लोग, जिनके ऊपर इसका आर्थिक तथा मानसिक प्रभाव पड़ा है, ऐसे लोगों को सहयोग प्रदान करने के लिए संस्थान ने अमरीका स्थित भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर प्रतिष्ठान के मज़बूत सहयोग से एक सहानुभूति कोष की स्थापना की है। इस कोष का उपयोग वर्तमान पारिवारिक परिस्थितियों के कारण कठिनाइयों से गुजर रहे छात्रों को ऑनलाइन अधिगम और निर्वाह के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने; आवश्यक सेवा कर्मचारियों, देखरेख कर्मियों, डेकेयर कर्मियों, भोजनालय श्रमिकों और चुनौतीपूर्ण सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि के निर्माण श्रमिकों के लिए आजीविका सहायता का विस्तार करने; और कोविड -19 से प्रभावित व्यक्तियों को चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए किया जा रहा है। श्री रुइंतन मेहता की अध्यक्षता में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर प्रतिष्ठान ने अपने ही ध्येय से ऊपर का दान अमरीका $1,50,000 की राशि सहानुभूति कोष में जमा की है।

श्रीमती सुमित्राबाई मनोहर कनदे छात्रवृत्ति

सौरभ वैचल

श्रीमती सुमित्राबाई मनोहर कनदे

श्री सौरभ वैचल, 2016 बीटेक के पूर्व छात्र ने अपनी नानी के सम्मान में **श्रीमती सुमित्राबाई मनोहर कनदे छात्रवृत्ति** की स्थापना की है। रु 1 लाख प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति से संस्थान के अवरस्नातकर छात्रों को सहयोग प्राप्त होगा। सौरभ ने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर से यांत्रिक अभियांत्रिकी में बीटेक किया तथा उद्योग व प्रणाली अभियांत्रिकी में अधिस्नातक के लिए वह टेक्सस ए एंड एम विश्वविद्यालय चले गए। वर्तमान में वह एटलांटा के दि होम डिपो में वरिष्ठ डाटा विश्लेषक के रूप में कार्यरत हैं। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में रहते हुए वे अंडरराइटर्स प्रयोगशाला - भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर (यूएल-भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर) जल प्रतियोगिता 2013 के विजेता रहे, जिससे उन्हें ग्रीष्मकाल के समय यूएल, शिकागो जाने का मौका मिला।

रामानुजन छात्रवृत्ति

श्रीनिवास रामानुजन

आकाश बापट

श्री आकाश बापट, 2014 बीटेक के पूर्वछात्र ने महान भारतीय गणित विद्वान श्रीनिवास रामानुजन के सम्मान में **रामानुजन छात्रवृत्ति** स्थापित की है। रु 1 लाख प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति से संस्थान के छात्रों को सहयोग प्राप्त होगा। विद्युत अभियांत्रिकी से अपना बीटेक पूरा कर के, आकाश ने चेपल हिल की उत्तरी केरोलीना विश्वविद्यालय से अपना पीएचडी पूर्ण किया। वर्तमान में वे फेसबुक, संराअ में शोध वैज्ञानिक के तौर पर काम कर रहे हैं।

ललिता व श्याम बिहारी छात्रवृत्ति

श्री श्याम बिहारी तथा दिवंगत सुश्री ललिता शर्मा

डॉ अंकिता अरोड़ा

डॉ अंकिता अरोड़ा, 2019 के पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी की पीएचडी छात्रा ने, अपने सास-ससुर के सम्मान में **ललिता** व **श्याम बिहारी छात्रवृत्ति** की स्थापना की है। रु 1 लाख प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति से संस्थान के छात्रों को सहयोग प्राप्त होगा। अंकिता वर्तमान में भा॰प्रौ॰सं॰ दिल्ली में एक चिकित्सा स्टार्ट-अप 'क्लेंस्टा' में प्रमुख-अनुसंधान व विकास (नवीनता व आईपी) के रूप में काम कर रही हैं। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीगनर में अपने डॉक्टरेट अध्ययन के दौरान, उन्होंने चिकित्सा विज्ञान केंद्र, टेक्सस टेक विश्वविद्यालय, संराअ में शोध करने के लिए एक ओवरसीज अनुसंधान अध्येतावृत्ति हासिल की, और उत्कृष्ट समग्र प्रदर्शन के लिए निदेशक का स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

गौरी सुगन अग्रवाल छात्रवृत्ति

दिवंगत सुश्री सुगनी देवी अग्रवाल व दिवंगत श्री गौरी लाल अग्रवाल

रवि अग्रवाल

श्री रवि अग्रवाल, 2013 के यांत्रिकी अभियांत्रिकी के बीटेक पूर्वछात्र ने, अपने स्वर्गीय दादा-दादी **श्री गौरी लाल अग्रवाल** व **सुश्री सुगनी देवी अग्रवाल** के सम्मान में **गौरी सुगन अग्रवाल छात्रवृत्ति** स्थापित की है। रु 1 लाख प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति से भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की बीटेक छात्राओं को सहयोग दिया जाएगा। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर से स्नातक करने के बाद रवि ने छह साल तक प्रबंधन परामर्श में काम किया। फिर उन्होंने 2019 में आईएनएसईएडी, फ्रांस से एमबीए किया और वर्तमान में सिंगापोर में अपने कॉफी ब्रांड टिम हॉर्टन्स के साथ रेस्तरां ब्रांड्स इंटरनेशनल में काम कर रहे हैं।

दानदात सूची

नाम	श्रेणी	दानदाता का राष्ट्र/ शहर/नगर
रु 1 करोड़ - रु 4,99,99,999		
मेकर भवन प्रतिष्ठान	शुभ चिंतक	वॉशिंगटन डीसी
गोवर्धनभाई बी गहलोत	शुभ चिंतक	उमरगाम
जगदीश पटेल	शुभ चिंतक	केलीफोर्निया, संराअ
रु 25,00,000 - रु 99,99,999		
रेडिक्स विद्युतप्रणाली प्रा लि	शुभ चिंतक	मुंबई
सिलिकॉन घाटी समुदाय प्रतिष्ठान	शुभ चिंतक	केलीफोर्निया, संराअ
गूगल पुरस्कार उपहार	शुभ चिंतक	संराअ
रॉन मेहता	शुभ चिंतक	वॉचुंग, संराअ
विलास मजुमदार	शुभ चिंतक	रेसतन, संराअ
दिनेश ओ शाह	शुभ चिंतक	तवारेस, संराअ
रश्मि शर्मा एवं मनीश शर्मा	शुभ चिंतक	बेंगलुरु
रु 5,00,000 - रु 24,99,999		
आकाश बापत	बीटेक/ईई/2014	नागपुर
अंकित अग्रवाल	बीटेक/एमई/2017	नई दिल्ली
विन प्रतिष्ठान	शुभ चिंतक	न्यू जर्सी, संराअ
इंदिरा प्रतिष्ठान	शुभ चिंतक	ग्रीनविच, संराअ
प्रभु गोयल	शुभ चिंतक	फ्रेमोंट, संराअ
गुजरात राजकीय पेट्रोनेट लिमिटेड	शुभ चिंतक	गांधीनगर
गुजरात ग्राम औद्योगिक विपणन निगम लिमिटेड	शुभ चिंतक	गांधीनगर
विन गुप्ता	शुभ चिंतक	संराअ
हेमन्त कनकिया	शुभ चिंतक	वॉशिंगटन डीसी, संराअ
परिमल करणी	शुभ चिंतक	अहमदाबाद
राज मशरूवाला	शुभ चिंतक	पालो एलटो, संराअ
टाटा मोटर्स लिमिटेड	शुभ चिंतक	मुंबई
जिगनेश पटेल	शुभ चिंतक	संराअ
ऑलब्राइट कार देखरेख उत्पाद, इंक	शुभ चिंतक	केलीफोर्निया
रु. 1,00,000 - रु. 4,99,999		
सार्थक जैन	बीटेक/ईई/2012	सालेम
भाविन चौहान	बीटेक/एमई/2013	गुजरात
रवि अग्रवाल	बीटेक/एमई/2013	बांसवाड़ा
राज शाह	बीटेक/ईई/2015	केलीफोर्निया, संराअ
रौनक मेहता	बीटेक/एमई/2015	सेन फ्रांसिस्को, संराअ
साई चौधरी गुलापल्ली	बीटेक/ईई/2016	हैदराबाद
सौरभ वैचल	बीटेक/एमई/2016	औरंगाबाद
शिवानी रानी	एमटेक/सीई/2013	गाज़ियाबाद
अंकिता अरोड़ा	पीएचडी/एमएसई/2019	नई दिल्ली
सुधीर कुमार जैन	संकाय	गांधीनगर
अजल मेहरा	संकाय	गांधीनगर
डी पी रॉय	संकाय	गांधीनगर
आर शरण	संकाय	गांधीनगर
सुभाष देवधर	शुभ चिंतक	संराअ
एमिल फार्मासियूटिकल उद्योग	शुभ चिंतक	मुंबई
एआई पत्रिका	शुभ चिंतक	गांधीनगर
हिमांशु पटेल	शुभ चिंतक	संराअ
परासविल पटेल	शुभ चिंतक	संराअ
केरेन पीटरसन	शुभ चिंतक	मेसेशुसेट्स, संराअ
वेगशक्ति छात्रवृत्ति	शुभ चिंतक	नई दिल्ली
भूपेन व श्रुति शाह निधि	शुभ चिंतक	बोनी लेक, संराअ
गगन सिंह	शुभ चिंतक	संराअ
क्यूमुलस प्रणाली प्राइवेट लिमिटेड	शुभ चिंतक	पुणे
नीतीश ठाकोर	शुभ चिंतक	क्लार्क्स विले, संराअ
युवा अनस्टोपेबल	शुभ चिंतक	अहमदाबाद
रु. 25,000 - रु. 99,999		
अभिषेक कंदोई	बीटेक/एमई/2012	जोधपुर
अविनाश तुमकुर	बीटेक/एमई/2014	मुंबई
नंदन वोरा	बीटेक/सीएल/2015	अहमदाबाद
अखिलेश गोटमारे	बीटेक/ईई/2016	नागपुर
श्री रघु मालिरेड्डी	बीटेक/ईई/2016	काकिनाद
अतुल भार्गव	संकाय	गांधीनगर
मिशेल डेनीनो	संकाय	गांधीनगर
राघवन के	संकाय	गांधीनगर
हीरश पी एम	संकाय	गांधीनगर
एस पी मेहरोत्रा	संकाय	गांधीनगर
नीलधारा मिश्रा	संकाय	गांधीनगर
निर्मल कुमार झा	स्टाफ	गांधीनगर
वीरल आचार्य	शुभ चिंतक	संराअ
हर्ष भार्गव	शुभ चिंतक	न्यू यॉर्क, संराअ
अनाम दान	शुभ चिंतक	संराअ
अरविंद व रेनू जैन	शुभ चिंतक	प्लीसेनटन, संराअ
अरविंद जैन	शुभ चिंतक	प्लीसेनटन, संराअ
विकास खुराना	शुभ चिंतक	संराअ
मिनेश किंखाबवाला	शुभ चिंतक	न्यू जर्सी, संराअ
क्रिशेन मेहता	शुभ चिंतक	संराअ
सुरेश मेहता	शुभ चिंतक	संराअ
उदय नादकरनी	शुभ चिंतक	संराअ
संदीप पांड्या	शुभ चिंतक	संराअ
वसन रमण	शुभ चिंतक	संराअ
संजय श्याम	शुभ चिंतक	संराअ
परबजीत सिंह	शुभ चिंतक	संराअ
श्याम सुंदर	शुभ चिंतक	संराअ
अतुल ठक्कर	शुभ चिंतक	संराअ
आशीष वोरा	शुभ चिंतक	संराअ
रु 5,000 - रु 24,999		
साहिल गर्ग	बीटेक/सीएल/2012	हिसार
गौरव गर्ग	बीटेक/सीएल/2012	अलवर
प्रत्युल कपूर	बीटेक/सीएल/2012	जयपुर
मनु बंसल	बीटेक/ईई/2012	जयपुर
शेख सिद्दिक हुसैन	बीटेक/ईई/2012	सूर्यपेट
प्रथमेश जुवात्कर	बीटेक/ईई/2012	मुंबई
राहुल कवादकर	बीटेक/ईई/2012	महाराष्ट्र
राजपाल कुमार	बीटेक/ईई/2012	नालंदा
सुगुरू कुंदन	बीटेक/ईई/2012	हैदराबाद
नील नदकरनी	बीटेक/ईई/2012	पुणे
सौरभ गंगवाल	बीटेक/एमई/2012	अजमेर
अदित गुप्ता	बीटेक/सीएल/2013	नवी मुंबई
सुश्मिता पूर्णिमा कोटू	बीटेक/सीएल/2013	हैदराबाद
श्रंखला नरया	बीटेक/सीएल/2013	इंदोर
चेतस जोशी	बीटेक/ईई/2013	सूरत
सुभाष कुंचे	बीटेक/ईई/2013	मुंबई
पार्थ एम शाह	बीटेक/ईई/2013	थाणे
तरकेश्वर सिंह	बीटेक/ईई/2013	कलकत्ता
किशन सूथर	बीटेक/ईई/2013	सिरोही
रजत जैन	बीटेक/एमई/2013	जयपुर
श्यामल किशोर	बीटेक/एमई/2013	विशाखापत्तनम
मोहक पटेल	बीटेक/एमई/2013	भारुच
प्रशांत पटेल	बीटेक/एमई/2013	बरवानी
अभिजीत राजीव	बीटेक/एमई/2013	कन्नुर
यश शाह	बीटेक/एमई/2013	अहमदाबाद
स्मित अलकेश शाह	बीटेक/सीएल/2014	वडोदरा
कार्तिक सक्सेना	बीटेक/ईई/2014	नवी मुंबई
शशांक त्यागी	बीटेक/ईई/2014	मेरठ
शुभम भार्गव	बीटेक/एमई/2014	रायगढ़
हरिओम भार्गव	बीटेक/एमई/2014	धार
स्पंदन दास	बीटेक/एमई/2014	रेहाबारी
निहार कोटक	बीटेक/एमई/2014	मुंबई
प्रतीक न्याति	बीटेक/एमई/2014	चित्तौड़गढ़
राकेश पारगी	बीटेक/एमई/2014	डूंगरपुर
ईशान उपाध्याय	बीटेक/ईई/2015	मुंबई
आश्रित सरस्वतिभाटला	बीटेक/एमई/2015	वारंगल
सौरभ सिंहल	बीटेक/एमई/2015	बूंदी
मदन जनादन तलदेवकर	बीटेक/एमई/2015	खापत
अभिषेक वर्मा	बीटेक/सीएल/2016	फैज़ाबाद
चिण्मय अजनादकर	बीटेक/ईई/2016	जलगांव
पतुरु वीरबद्र लोकेश	बीटेक/ईई/2016	नेल्लोर
चिटनिस पराग जयंत	बीटेक/एमई/2016	औरंगाबाद
जितिन प्रभा	बीटेक/एमई/2016	इरनाकुलम
राकेश रंजन	बीटेक/एमई/2016	बांका
मरगज ओम विजय	बीटेक/एमई/2016	औरंगाबाद
मनु चौधरी	बीटेक/सीई/2017	जयपुर
प्रेरणा सिंह	बीटेक/सीई/2017	उदयपुर
सुमन कुमारी	बीटेक/सीएल/2017	महबूबनगर
सौरभ सोनी	बीटेक/सीएल/2017	बीकानेर
अंकित भांगे	बीटेक/ईई/2017	नवी मुंबई
आत्मन वोरा	बीटेक/ईई/2017	मुंबई
निखिल आदित्य कुमार रॉय	बीटेक/सीएल/2018	मुंबई
विनोद रामकृष्णन	बीटेक/एमई/2018	राजमुंद्री
अहमद नाजी शाहम	बीटेक/एमई/2018	मलप्पुरम
अंकिता जोशी	बीटेक/एमएसई/2018	एन आरबर, संराअ
पुनीत स्वामी	बीटेक/सीई/2019	चंडीगढ़

हर्ष मध्यान	बीटेक/सीएल/2019	मुंबई
तेजस मेहता	बीटेक/ईई/2019	इंदोर
अपर्णा तुमकुर	बीटेक/ईई/2019	मुंबई
नवीन मथन सुंदरम	बीटेक/एमई/2019	चेन्नई
आगम शाह	बीटेक/एमएसई/2019	मुंबई
दत्ता ऋतिक	बीटेक/सीएसई/2020	थाणे
किनले कुसेरा मेहरा	एमएससी/सीजी/2015	टोरिंगटन, संराअ
उज्जवल अशोककुमार पमनानी	एमएससी/सीजी/2015	अहमदाबाद
विपुल नायर	एमएससी/सीजी/2016	चेरियानाद, केरल
मिहिर विलास देव	एमएससी/एमए/2020	मुंबई
निदाल राज भूरिया	एमटेक/सीई/2013	बांतालाब, जम्मू
अरुण गोपालकृणन नायर	एमटेक/सीएल/2019	पटना
चंद्रेश शर्मा	एमटेक/सीएस/2019	कलकत्ता
मोहित दिनेशकुमार गनेरीवाला	एमटेक/ईई/2014	जयपुर
प्रियंका रावत	एमटेक/एमएसई/2018	अहमदाबाद
रवि आनंद सिंह	एमटेक/ईई/2015	अहमदाबाद
इशिता दोशी	एमटेक/एमएसई/2018	अहमदाबाद
अल्पना थोरट	पीएचडी/सीएल/2016	नाशिक
विक्रम अशोक करदे	पीएचडी/सीएल/2017	नागपुर
सिद्धार्थ विजय कुलकर्णी	पीएचडी/सीएल/2017	मुंबई
मनीशा चावला	पीएचडी/सीजी/2018	भोपाल
टोनी थॉमस	पीएचडी/सीजी/2019	कोच्चि
अपूर्वा ओझा	पीएचडी/ईई/2019	अहमदाबाद
पल्लवी चिलका	पीएचडी/बीई/2020	कट्टक
मुक्ता गुंडी	पीएचडी/एचएसएस/2020	पुणे
सुरभि तोरने	छात्र	गांधीनगर
ऋक राणा	छात्र	गांधीनगर
प्रशांत पी नायर	छात्र	गांधीनगर
अर्पण भट्टाचार्य	संकाय	गांधीनगर
अरूप लाल चक्रवर्ती	संकाय	गांधीनगर
निशांत चोकसी	संकाय	गांधीनगर
अनिर्बन दासगुप्ता	संकाय	गांधीनगर
रमेश गावंकर	संकाय	गांधीनगर
उद्दीप्ता घोष	संकाय	गांधीनगर
विक्रांत जैन	संकाय	गांधीनगर
मोहन जोशी	संकाय	गांधीनगर
गोपीनाधन केलन	संकाय	गांधीनगर
मानसी आनंद कानेटकर	संकाय	गांधीनगर
जूयंग किम	संकाय	गांधीनगर
मनीश कुमार	संकाय	गांधीनगर
शर्मिष्ठा मजुमदार	संकाय	गांधीनगर
जयसन ए मंजली	संकाय	गांधीनगर
कारला पेट्रीशिया मरकाडो	संकाय	गांधीनगर
सुपर्ब कु मिश्रा	संकाय	गांधीनगर
निहार रंजन मोहापात्रा	संकाय	गांधीनगर
विनोद नारायण	संकाय	गांधीनगर
एमिला पाण्डा	संकाय	गांधीनगर
छवि पाण्डे	संकाय	गांधीनगर
अमित प्रशांत	संकाय	गांधीनगर
एस राजेन्द्रन	संकाय	गांधीनगर
शंमुगनाथन रमण	संकाय	गांधीनगर
राघवन रंगनाथन	संकाय	गांधीनगर
अर्नपूर्णा रथ	संकाय	गांधीनगर
श्रीहरिता रोउथू	संकाय	गांधीनगर
बिपुल सौरभ	संकाय	गांधीनगर
विष्ण दत्ता शर्मा	संकाय	गांधीनगर
सुधांशु शर्मा	संकाय	गांधीनगर
हिमांशु शेखर	संकाय	गांधीनगर
गौरव एस	संकाय	गांधीनगर
मीरा मेरी सनी	संकाय	गांधीनगर
जयचंदर स्वामीनाथन	संकाय	गांधीनगर
अक्षा वटवानी	संकाय	गांधीनगर
बी प्रसन्ना वेण्कटेश	संकाय	गांधीनगर
बी प्रसन्ना वेण्कटेश	संकाय	गांधीनगर
दिव्यांगी एन चौधरी	स्टाफ	गांधीनगर
प्रेम कुमार चोपड़ा	स्टाफ	गांधीनगर
सप्तऋषि डे	स्टाफ	गांधीनगर
प्रमोद एयुन्नी	स्टाफ	गांधीनगर
सौम्या हरीश	स्टाफ	गांधीनगर
योगेश दत्तात्रय जड़े	स्टाफ	गांधीनगर
मीना जोशी	स्टाफ	गांधीनगर
टी एस कुम्भार	स्टाफ	गांधीनगर
पिजूश मजुमदार	स्टाफ	गांधीनगर
सुनीता मेनन	स्टाफ	गांधीनगर
जयकुमार नंदगोपाल	स्टाफ	गांधीनगर
संजीव कुमार पाण्डे	स्टाफ	गांधीनगर
संतोष रावत	स्टाफ	गांधीनगर
गौरव कुमार सिंह	स्टाफ	गांधीनगर
दीपक भगत	शुभ चिंतक	फ्रेमोंट, संराअ
अनिल भंडारी	शुभ चिंतक	संराअ
यरमल भट्ट	शुभ चिंतक	संराअ
तरुनेश चक्रवर्ती	शुभ चिंतक	संराअ
राजीव देशपाण्डे	शुभ चिंतक	मुंबई
किरण देशपाण्डे	शुभ चिंतक	पुणे
अनाम दान	शुभ चिंतक	भारत
कांति जैन	शुभ चिंतक	संराअ
अमृतुर वी अनिल कुमार	शुभ चिंतक	नेशविले, संराअ
राजन कुमार	शुभ चिंतक	संराअ
सुनील भाई मंजेरी	शुभ चिंतक	अहमदाबाद
आदित्य पाठक	शुभ चिंतक	संराअ
जी वी राव	शुभ चिंतक	हैदराबाद
बालकृष्ण ब सोनेजी	शुभ चिंतक	अहमदाबाद
चंद्र श्रीवास्तव	शुभ चिंतक	न्यू जर्सी, संराअ
गुरूदत्त त्रासे	शुभ चिंतक	संराअ
एम वेण्कटरमण	शुभ चिंतक	गांधीनगर

रु 4,999 तक

प्रकाश जी	बीटेक/सीएल/2012	गढ़वाल
प्रकाश गोउल्ला	बीटेक/सीएल/2012	अहमदाबाद
योगेश गोयल	बीटेक/सीएल/2012	उधमपुर
जीनम जिंदल	बीटेक/सीएल/2012	शोकिंगनाल्लुर
पुनीत पनियादी	बीटेक/सीएल/2012	उदुपि
कंजन पटेल	बीटेक/सीएल/2012	जबलपुर
अभिषेक उमराव	बीटेक/सीएल/2012	गाज़ियाबाद
अमित आशर	बीटेक/ईई/2012	वडोदरा
नितेश गुप्ता	बीटेक/ईई/2012	फरीदाबाद
अराव पवन किशोर	बीटेक/ईई/2012	हैदराबाद
प्ररित तेरवे	बीटेक/ईई/2012	कोडरमा
सुश्मिता यल्ला	बीटेक/ईई/2012	मुंबई
तण्मय बलवा	बीटेक/एमई/2012	भुज
पनीत चक्रवरतुला	बीटेक/एमई/2012	बेंगलुरु
अंचित गौरव	बीटेक/एमई/2012	पटना
अजिंक्य मुकुंद कुलकर्णी	बीटेक/एमई/2012	नाशिक
अभिक पटेल	बीटेक/एमई/2012	सूरत
स्वाती वर्मा	बीटेक/एमई/2012	उज्जैन
पूजा अथवाल	बीटेक/सीएल/2013	भोपाल
दिव्या बंसल	बीटेक/सीएल/2013	कोटा
श्रुति जैन	बीटेक/सीएल/2013	दिल्ली
गरिमा रघुवंशी	बीटेक/सीएल/2013	मध्य प्रदेश
गौरव राठौड़	बीटेक/सीएल/2013	गुना
दिव्यांक सिंह	बीटेक/सीएल/2013	भोपाल
हिमा तेजा	बीटेक/सीएल/2013	वालाचेरी
मोहित वर्मा	बीटेक/सीएल/2013	इंदोर
ध्रुव चौकसी	बीटेक/ईई/2013	मुंबई
अदिति दीघे	बीटेक/ईई/2013	इंदोर
प्रतीश जैन	बीटेक/ईई/2013	जयपुर
मोहित मालू	बीटेक/ईई/2013	निज़ामाबाद
शशांक नफाड़े	बीटेक/ईई/2013	महाराष्ट्र
किलसे पंकज	बीटेक/ईई/2013	सुपौल
एकता प्रश्नानी	बीटेक/ईई/2013	जबलपुर
सूरज सोनकर	बीटेक/ईई/2013	मिर्जापुर
हरिकृष्णन सी बी	बीटेक/एमई/2013	थ्रिस्सूर
रोहत चोकसी	बीटेक/एमई/2013	विदीशा
अजिंक्य दहले	बीटेक/एमई/2013	मुंबई
प्रथम शाह	बीटेक/एमई/2013	मुंबई
कौस्तुभ तिरपुड़े	बीटेक/एमई/2013	नागपुर
श्रेयश वैद्य	बीटेक/एमई/2013	इंदोर
भास्करज्योति दास	बीटेक/सीएल/2014	चिरांग
दसारीयशवंत कुमार	बीटेक/सीएल/2014	विशाखापत्तनम
करांदिकर ऋतुपर्णा प्रमोद	बीटेक/सीएल/2014	पुणे
संजय सूरज	बीटेक/सीएल/2014	नवी मुंबई
संदेश अचारी	बीटेक/ईई/2014	पुणे
संजय कुमार गिल	बीटेक/ईई/2014	झुनझुनू
वैभव कतरे	बीटेक/ईई/2014	थाणे
यश कोटक	बीटेक/ईई/2014	वडोदरा
अंकुर मीणा	बीटेक/ईई/2014	सीकर
सुश्रुत प्रमोद मेशराम	बीटेक/ईई/2014	नागपुर
बालाजी मोदूर	बीटेक/ईई/2014	चेन्नई
हूसेन सफदारी	बीटेक/ईई/2014	इंदोर
निसर्ग निखिल शाह	बीटेक/ईई/2014	मुंबई
सुमित देशमुख	बीटेक/एमई/2014	थाणे
मंगेश गनगर्दे	बीटेक/एमई/2014	अहमदनगर
नवनीत मीणा	बीटेक/एमई/2014	कुंदन
पूनम चंद मीणा	बीटेक/एमई/2014	उदयपुर
गवासने ऋतु मिलिंद	बीटेक/एमई/2014	पुणे
नकुल नुवाल	बीटेक/एमई/2014	भीलवाड़ा
सुयश सुभाश पाटकर	बीटेक/एमई/2014	मुंबई
ध्वनिल शुक्ला	बीटेक/एमई/2014	बोडकदेव

विक्रम विश्णोई	बीटेक/एमई/2014	जालोर
अनु विवेक	बीटेक/एमई/2014	कोच्चि
दिलीप कुमार बाड़गुर्जर	बीटेक/सीएल/2015	टोंक
सुकृति गाखर	बीटेक/सीएल/2015	हिसार
राहुल खंडैत	बीटेक/सीएल/2015	बबदावन
ध्रुव पंचोली	बीटेक/सीएल/2015	उधना
आदित्य सामंत	बीटेक/सीएल/2015	मुंबई
वैभव गांधी	बीटेक/ईई/2015	मुंबई
पार्थ गुधका	बीटेक/ईई/2015	गांधीनगर
विनीत संजय जोशी	बीटेक/ईई/2015	बोरीवली
हेदा शशांक कमलेश	बीटेक/ईई/2015	अमृतसर
वैभव माथुर	बीटेक/ईई/2015	जोधपुर
संजय कुमार मीणा	बीटेक/ईई/2015	दौसा
दवे उजश रामेश्वर	बीटेक/ईई/2015	अहमदाबाद
मुकेश सिंह रावत	बीटेक/ईई/2015	अजमेर
पार्थ साने	बीटेक/ईई/2015	मुंबई
प्रीत शाह	बीटेक/ईई/2015	मुलुंद
अभिषेक सोनी	बीटेक/ईई/2015	पटना
हिमांशु यादव	बीटेक/ईई/2015	मोहिंदरगढ़
अभय सी ए	बीटेक/एमई/2015	परवूर
आर्यन	बीटेक/एमई/2015	मज़फ्फरपुर
आयुश चौधरी	बीटेक/एमई/2015	इंदोर
अजय देवेदवाल	बीटेक/एमई/2015	जयपुर
हर्श गुप्ता	बीटेक/एमई/2015	सूरत
अंशुल गुप्ता	बीटेक/एमई/2015	आगरा
रौनक खंडेलवाल	बीटेक/एमई/2015	इंदोर
महेश कुमार	बीटेक/एमई/2015	बीकानेर
रमेश कुमार	बीटेक/एमई/2015	पश्चिमी चंपारण
भव्या मदसु	बीटेक/एमई/2015	हैदराबाद
गौरव महामुनि	बीटेक/एमई/2015	पुणे
कृष्ण कुमार मीणा	बीटेक/एमई/2015	दिल्ली
श्रेयांश नाहर	बीटेक/एमई/2015	रायगढ़
जॉय नारंग	बीटेक/एमई/2015	नई दिल्ली
अभिषेक नवरकर	बीटेक/एमई/2015	कल्याण
प्रसित पाल	बीटेक/एमई/2015	अहमदाबाद
राजेश पाटीदार	बीटेक/एमई/2015	रतलाम
सच्चित	बीटेक/एमई/2015	बेंगलुरु
ध्येय शाह	बीटेक/एमई/2015	अहमदाबाद
आकाश केशव सिंह	बीटेक/एमई/2015	कुशनगर
मिलन सिंह	बीटेक/एमई/2015	मेरठ
इप्सित तिवारी	बीटेक/एमई/2015	जबलपुर
विशाल यादव	बीटेक/एमई/2015	बारन
सुरेन्द्र बेनीवाल	बीटेक/सीएल/2016	नागपुर
लवदीप कौर	बीटेक/सीएल/2016	श्रीगंगानगर
अभिषेक क्रोविड्डि	बीटेक/सीएल/2016	हैदराबाद
विवेक मैदा	बीटेक/सीएल/2016	बांसवाड़ा
वैभव पालकर	बीटेक/सीएल/2016	मुंबई
अंकित पंडोले	बीटेक/सीएल/2016	भोपाल
विरेन्द्र सिंह पंवार	बीटेक/सीएल/2016	जयपुर
चौधरी कुनाल रामकिशन	बीटेक/सीएल/2016	मुंबई
पलक सदानी	बीटेक/सीएल/2016	कुंदन
सुनील सहरा	बीटेक/सीएल/2016	करौली
चौहान संतोश	बीटेक/सीएल/2016	वेसली नगर
प्रशांत शेखर	बीटेक/सीएल/2016	सोनभद्र
मंजोत सिंह	बीटेक/सीएल/2016	रंगढ़
विद्यानंद वाघ	बीटेक/सीएल/2016	मुंबई
आशीश कुमार गुप्ता	बीटेक/ईई/2016	अहमदाबाद
अजिंक्य तुपकर जैन	बीटेक/ईई/2016	इंदोर
वामसीधर कमानुरु	बीटेक/ईई/2016	कदापा
चित्रांशु कुमार	बीटेक/ईई/2016	इटावा
प्रशांत कुमार	बीटेक/ईई/2016	बांका
रवि कुमार	बीटेक/ईई/2016	कोटा
अनिमेश सिंह कुमावत	बीटेक/ईई/2016	उदयपुर
सलेचा कुशल	बीटेक/ईई/2016	अहमदाबाद
यश संजय मेहता	बीटेक/ईई/2016	मुंबई
शुभम पचोरी	बीटेक/ईई/2016	भोपाल
अभिषेक रंजन	बीटेक/ईई/2016	रंची
मुदित राठौड़	बीटेक/ईई/2016	बालाघाट
मेदरामातला सिद्धार्थ रेड्डी	बीटेक/ईई/2016	बेंगलुरु
विजय भारत रेड्डी	बीटेक/ईई/2016	कुरनूल
कमानुरु वामसीधर रेड्डी	बीटेक/ईई/2016	कडापा
राज शेखर	बीटेक/ईई/2016	इलाहाबाद
प्रिंस कुमार सिंह	बीटेक/ईई/2016	हलदरपर
आलोक सिंह	बीटेक/ईई/2016	इलाहाबाद
दीपेन सोमानी	बीटेक/ईई/2016	हिम्मतनगर
वी वी एस अनुराग	बीटेक/एमई/2016	बरेली
मिहिर मिलिंद भालेराव	बीटेक/एमई/2016	पुणे
रॉकी डोंगरे	बीटेक/एमई/2016	दुर्ग
राहुल गर्ग	बीटेक/एमई/2016	सिरोही
हीरालाल	बीटेक/एमई/2016	जालोर
संजित जेना	बीटेक/एमई/2016	पुणे
नवीन कुमार	बीटेक/एमई/2016	झुनझुनू
पेनुमका अरुण कुमारुदु	बीटेक/एमई/2016	कृष्ण, आंध्र प्रदेश
कौशिक मणि	बीटेक/एमई/2016	गुवाहाटी
करण पालसकर	बीटेक/एमई/2016	औरंगाबाद
राहुल कुमार पाण्डे	बीटेक/एमई/2016	इटावा
शशांक किशोर परेता	बीटेक/एमई/2016	इंदोर
राधिका पाटिल	बीटेक/एमई/2016	औरंगाबाद
निकिता पत्ता	बीटेक/एमई/2016	मंडला
अनारसे आशीश प्रलहाद	बीटेक/एमई/2016	औरंगाबाद
मुज़म्मिल रावूत	बीटेक/एमई/2016	थाणे
प्राशुंल सैनी	बीटेक/एमई/2016	मंडी
वैजनापुरकर सामर्थ संजीव	बीटेक/एमई/2016	सूरत
गौरव शर्मा	बीटेक/एमई/2016	अवदी
अभिनव सिंह	बीटेक/एमई/2016	झिरिया रेवा
यश प्रताप सिंह	बीटेक/एमई/2016	आगरा
हैदराली एम टी	बीटेक/एमई/2016	मलप्पुरम
कोंदुरु वेण्कट नागा साई रवि तेजा	बीटेक/एमई/2016	गुंटूर
शाह संकेत वीरेन	बीटेक/एमई/2016	मुंबई
श्रीनिवासन ए	बीटेक/सीई/2017	चेन्नई
अभिषेक आनंद	बीटेक/सीई/2017	पटना
सक्कारी आकाश गौड़	बीटेक/सीई/2017	तेलंगाना
अनुराग गोयल	बीटेक/सीई/2017	हैदराबाद
मयंक जैन	बीटेक/सीई/2017	शिवपुरी
मयंक खेवरिया	बीटेक/सीई/2017	झांसी
शैलेन्द्र कुमार	बीटेक/सीई/2017	अलवर
हेमन्त कुमार	बीटेक/सीई/2017	गुरुग्राम
सचिन कुमार	बीटेक/सीई/2017	बुहाना
पोमराज प्रजापत	बीटेक/सीई/2017	नागपुर
आश्रय अमरनाथ अदप्पा	बीटेक/सीएल/2017	गोवा
अदप्पा आश्रय अमरनाथ	बीटेक/सीएल/2017	गोवा
प्रियांक त्रिलोक बंसल	बीटेक/सीएल/2017	नई दिल्ली
कुशाग्र भार्गव	बीटेक/सीएल/2017	कोटा
लाख चंद	बीटेक/सीएल/2017	महोबा
मौर्य जैनिधि चंद्रवीर	बीटेक/सीएल/2017	अहमदाबाद
रजत कुमार गुप्ता	बीटेक/सीएल/2017	जालौन
सरगम जैन	बीटेक/सीएल/2017	जालौर
देवांशु मनोज जैन	बीटेक/सीएल/2017	वडोदरा
केसानी कल्याणी	बीटेक/सीएल/2017	मलकागिरि
पुरुशोत्तम कुमार	बीटेक/सीएल/2017	कैमूर
देसादला ऋषभ प्रवीण	बीटेक/सीएल/2017	पुणे
प्रियांक	बीटेक/सीएल/2017	नई दिल्ली
रामनिवास	बीटेक/सीएल/2017	जोधपुर
सुमन कुमार सिंह	बीटेक/सीएल/2017	बिहार
अनुराग सिंहानिया	बीटेक/सीएल/2017	कलकत्ता
प्रिंस वर्मा	बीटेक/सीएल/2017	कानपुर
अक्षय कुमार वर्मा	बीटेक/सीएल/2017	रोपड़
ऋषभ आनंद	बीटेक/ईई/2017	झारखंड
अपर्णा आर्य	बीटेक/ईई/2017	करौली
आदित्य गणेश	बीटेक/ईई/2017	नवी मुंबई
पाटिल शुभम हनुमंत	बीटेक/ईई/2017	रायगढ़
पब्बाथि अखिल कुमार	बीटेक/ईई/2017	नालगोंडा
सुमित कुमार मीणा	बीटेक/ईई/2017	अलवर
शशांक मेहरा	बीटेक/ईई/2017	कोटा
कश्यप पटेल	बीटेक/ईई/2017	वडोदरा
अंजली जयेश पाठक	बीटेक/ईई/2017	भारत
विपिन प्रजापति	बीटेक/ईई/2017	जयपुर
चेंचला साई रमना रेड्डी	बीटेक/ईई/2017	हैदराबाद
वूतला कृष्ण साई	बीटेक/ईई/2017	कुडापा
व्यास समीर	बीटेक/ईई/2017	राजकोट
गोयल प्रथम राजकुमार सरोज	बीटेक/ईई/2017	मुंबई
नमना नाग सिंधु	बीटेक/ईई/2017	कृष्ण, आंध्र प्रदेश
दीनेंद्र प्रताप सिंह तोमर	बीटेक/ईई/2017	ग्वालियर
क्षितिज सिंह	बीटेक/ईई/2017	गाज़ियाबाद
राजेन्द्र सिंह	बीटेक/ईई/2017	जयपुर
शाह आदित्य सुरेश	बीटेक/ईई/2017	मुंबई
साक्षी यादव	बीटेक/ईई/2017	अलवर
अनुराग अग्रवाल	बीटेक/एमई/2017	वाराणसी
भगत राजन बालिस्तर	बीटेक/एमई/2017	पुणे
भार्गव चौहान	बीटेक/एमई/2017	राजकोट
भोसले सूरजकुमार धनंजय	बीटेक/एमई/2017	लातूर
वैभव गुप्ता	बीटेक/एमई/2017	बरेली
तनय कनकने	बीटेक/एमई/2017	रायपुर
अंबर कोठारी	बीटेक/एमई/2017	सागर
सूर्यकुमार माणे	बीटेक/एमई/2017	कोल्हापुर
देवेन्द्र मीणा	बीटेक/एमई/2017	बारन
अंकित मित्तल	बीटेक/एमई/2017	भरतपुर
निशांत नायक	बीटेक/एमई/2017	मेंगलोर

रोहित नानावती	बीटेक/एमई/2017	सूरत
पवन	बीटेक/एमई/2017	पलवल
बुबना राकेश ऋषि	बीटेक/एमई/2017	मुंबई
शाह जुगल सौरिन	बीटेक/एमई/2017	अहमदाबाद
कनक शर्मा	बीटेक/एमई/2017	भोपाल
निलयसिंह ठाकोर	बीटेक/एमई/2017	वलसाड
अमित यादव	बीटेक/एमई/2017	माथुरा
बोरसे दिनेश अनिल	बीटेक/सीई/2018	नवी मुंबई
वी अविनाश	बीटेक/सीई/2018	नेल्लोर
गरिमा चौधरी	बीटेक/सीई/2018	चित्तौड़गढ़
राम प्रणव अगस्त्य पुरहित चावले	बीटेक/सीई/2018	मुंबई
कमलेश चौधरी	बीटेक/सीई/2018	जयपुर
देवआनंद	बीटेक/सीई/2018	चंपारण
बुलाबाई श्रीधर गोपीकृष्ण	बीटेक/सीई/2018	नेल्लोर
अनूशा गुप्ता	बीटेक/सीई/2018	रायपुर
प्रणव कुमार गुप्ता	बीटेक/सीई/2018	अलवर
प्राकृत कंसारा	बीटेक/सीई/2018	अहमदाबाद
यशवन्त कुमार	बीटेक/सीई/2018	हैदराबाद
होमित सिंह पाल	बीटेक/सीई/2018	रायसेन
हीत पटेल	बीटेक/सीई/2018	ध्रांगधरा
अनमोल किशोर रैना	बीटेक/सीई/2018	जम्मू
अजय सिंह शेखावत	बीटेक/सीई/2018	जोधपुर
प्रणवकुमार शिवकुमार	बीटेक/सीई/2018	नवी मुंबई
विकास यादव	बीटेक/सीई/2018	पटना
रॉय निखिल आदित्य	बीटेक/सीएल/2018	मुंबई
पराश अग्रवाल	बीटेक/सीएल/2018	टोंक
पोत्तुरु अपूर्व	बीटेक/सीएल/2018	कृष्ण, आंध्र प्रदेश
आशीश गेहलोत	बीटेक/सीएल/2018	जयसलमेर
पूर्विल जानी	बीटेक/सीएल/2018	वडोदरा
आयुश माथुर	बीटेक/सीएल/2018	जयपुर
बद्री विशाल मीणा	बीटेक/सीएल/2018	स्वामी विवेकआनंद नगर
अरुल मोज़ी देवन पी	बीटेक/सीएल/2018	एलबर्ट, कनाडा
मृदुल पारीख	बीटेक/सीएल/2018	बियावर
अभिनय राणा	बीटेक/सीएल/2018	नॉएडा
सेत्ती सत्य साई वेण्कट रवि तेजा	बीटेक/सीएल/2018	पूर्वी गोदावरी
मुकुल त्यागी	बीटेक/सीएल/2018	बिजनोर
वरुण अग्रवाल	बीटेक/ईई/2018	देहरादून
पटेल पर्व अपूर्व	बीटेक/ईई/2018	अहमदाबाद
अमित भोंगड़े	बीटेक/ईई/2018	छिंदवाड़ा
अनमोल गौर	बीटेक/ईई/2018	बियावर
आदित्य गोयल	बीटेक/ईई/2018	वडोदरा
अशिम राज कुंवर	बीटेक/ईई/2018	शिवसागर
गोट्टमुकल साई राम कृष्ण	बीटेक/ईई/2018	अंबरपेट
विकास कुमार मीणा	बीटेक/ईई/2018	जयपुर
वैष्णवी पाटिल	बीटेक/ईई/2018	नवी मुंबई
दुथाड़े संकेत राजेश	बीटेक/ईई/2018	बीड
चिण्मय शिरपुरकर	बीटेक/ईई/2018	मुंबई
आयुष्मान त्रिपाठ	बीटेक/ईई/2018	नई दिल्ली
यशोवर्धन	बीटेक/ईई/2018	लखनऊ
वेणु गोपाल अग्रवाल	बीटेक/एमई/2018	देहरादून
यश बोहरे	बीटेक/एमई/2018	सागर
दर्शिल चौहान	बीटेक/एमई/2018	अहमदाबाद
वकारिया विस्मय दिलीपकुमार	बीटेक/एमई/2018	जामनगर
सोल्लेती गौतम	बीटेक/एमई/2018	गुंटूर
मोदी हर्ष जसवंतभाई	बीटेक/एमई/2018	मेहसाणा
विवेक कुमार	बीटेक/एमई/2018	बक्सर
प्रगदीश आर आर	बीटेक/एमई/2018	सलेम
नितिन रमेश	बीटेक/एमई/2018	केलीफोर्निया, संराअ
प्रसन्ना संजय राउत	बीटेक/एमई/2018	पुणे
उदित सुरेन्द्र रेलान	बीटेक/एमई/2018	धुले
सिंगमपल्ली साई रोहित	बीटेक/एमई/2018	विशाखापत्तनम
त्रिवेदी जलधीर संजय	बीटेक/एमई/2018	वडोदरा
कपिल शर्मा	बीटेक/एमई/2018	गुड़गांव
कृष्ण कुमार सोनी	बीटेक/एमई/2018	झांसी
दीपक धारीवाल	बीटेक/एमएसई/2018	जोधपुर
सुशील कुमार	बीटेक/एमएसई/2018	मुज़फ्फरपुर
भूपेन्द्र कुमार	बीटेक/एमएसई/2018	जालौर
आदित्य कुमार	बीटेक/एमएसई/2018	पूर्वी चंपारण
कौस्तुभ पणसे	बीटेक/एमएसई/2018	पुणे
दिलीप सिंह	बीटेक/एमएसई/2018	जालौर
लवलेश कुमार वाजपई	बीटेक/सीई/2019	सीतापुर
साई किरण बोज्जा	बीटेक/सीई/2019	विशाखापत्तनम
अनुराग धेबना	बीटेक/सीई/2019	झुनझुनू
सिद्धांत गुलेचा	बीटेक/सीई/2019	पाली
अनुराग कुमार गुप्ता	बीटेक/सीई/2019	बलिया
चौधरी दिव्या जीवराज	बीटेक/सीई/2019	औरंगाबाद
पुष्पेन्द्र कुमार कुंटल	बीटेक/सीई/2019	माथुरा
रोहन न्यायधीश	बीटेक/सीई/2019	शिरडी
ऐश्वरी ओमकार	बीटेक/सीई/2019	भोपाल
सत्य प्रकाश	बीटेक/सीई/2019	सराय
सरीम संदीद	बीटेक/सीई/2019	आसनसोल
खुशदीप सिंह	बीटेक/सीई/2019	पटियाला
गोपाल सिंह	बीटेक/सीई/2019	नई दिल्ली
पुलकित सिंहल	बीटेक/सीई/2019	करौली
हनी कुमार सिंगला	बीटेक/सीई/2019	भटिंडा
विशाल कुमार सिन्हा	बीटेक/सीई/2019	रांची
चौधरी सौरभ सुनील	बीटेक/सीई/2019	भंडारा
भोगे शशांक विलास	बीटेक/सीई/2019	अमरावती
पुरुषोत्तम गर्ग	बीटेक/सीएल/2019	जयसलमेर
रजत गोयल	बीटेक/सीएल/2019	नॉएडा
सिद्धार्थ शेषाद्रीकृष्णन	बीटेक/सीएल/2019	चेन्नई
शिव कुमार	बीटेक/सीएल/2019	बांका
कवीश कुमार	बीटेक/सीएल/2019	मेरठ
Suresh कुमार	बीटेक/सीएल/2019	चुरु
विजेन्द्र मौर्य	बीटेक/सीएल/2019	रानीपुर
लक्ष्मी नारायणन मीणा	बीटेक/सीएल/2019	नई दिल्ली
यशस्वी मोदी	बीटेक/सीएल/2019	बीकानेर
आकाश पल्लथ	बीटेक/सीएल/2019	पुणे
अदिति शर्मा	बीटेक/सीएल/2019	उज्जैन
शाह आत्मिन शीतलभाई	बीटेक/सीएल/2019	अहमदाबाद
अंकुर सिंह	बीटेक/सीएल/2019	रांची
नवप्रीत सिंह	बीटेक/सीएल/2019	लुधियाना
श्री सव्या तनिकेल्ला	बीटेक/सीएल/2019	अक्कायापलम
प्रतीक वर्मा	बीटेक/सीएल/2019	कानपुर
अंकुर यादव	बीटेक/सीएल/2019	खारगोन
स्वाती एस जी	बीटेक/ईई/2019	कुरनुल
हरदीप	बीटेक/ईई/2019	जिंद
अंश जोशी	बीटेक/ईई/2019	इंदोर
शाह हर्शिल कल्पेशकुमार	बीटेक/ईई/2019	अहमदाबाद
नवीन कुमार	बीटेक/ईई/2019	बिहार
कोडा दिनेश कुमार	बीटेक/ईई/2019	विशाखापत्तनम
एल मधुलिका	बीटेक/ईई/2019	हैदराबाद
मंडलेम मणिकांत	बीटेक/ईई/2019	हैदराबाद
अदिति सिंह	बीटेक/ईई/2019	दुर्गापुर
वीरमल्लू गिरिधर साई	बीटेक/ईई/2019	गुंटूर, आंध्र प्रदेश
प्रथमेश बडवे	बीटेक/एमई/2019	पुणे
ऋषभ भट्टाचार्य	बीटेक/एमई/2019	वडोदरा
जगमोहन	बीटेक/एमई/2019	गुड़गांव
राहुल कुमार	बीटेक/एमई/2019	उरई
अयाज़ लखानी	बीटेक/एमई/2019	वडोदरा
वैभव मित्तल	बीटेक/एमई/2019	रायपुर
सौरव नागर	बीटेक/एमई/2019	इंदोर
तुषार पारीख	बीटेक/एमई/2019	अजमेर
यश पटेल	बीटेक/एमई/2019	सूरत
रजत रंजन	बीटेक/एमई/2019	बिलासपुर
लहाने योगेश रत्नाकर	बीटेक/एमई/2019	जालना
सक्षम सिंगल	बीटेक/एमई/2019	अहमदाबाद
चिण्मय नरेन्द्र सोनार	बीटेक/एमई/2019	जलगांव
सिसरा प्रतीककुमार धीरूभाई	बीटेक/एमएसई/2019	सूरत
कुनाल दूधत	बीटेक/एमएसई/2019	अहमदाबाद
जम्मू तरुण कुमार	बीटेक/एमएसई/2019	विजियानगरम
अभिरूप मिश्रा	बीटेक/एमएसई/2019	भोपाल
प्रियांग प्रियदर्शी	बीटेक/एमएसई/2019	अहमदाबाद
अमन सिंह	बीटेक/एमएसई/2019	संराअ
तुलसी नरेन्द्र दास त्रिपुराणा	बीटेक/एमएसई/2019	विशाखापत्तनम
अमर बरोलिया	बीटेक/सीई/2020	जयपुर
अजय भारद्वाज	बीटेक/सीई/2020	करौली
हंसराज बिजार्निया	बीटेक/सीई/2020	टोंक
पियूश चंद्र	बीटेक/सीई/2020	वाराणसी
कौशल चिंपा	बीटेक/सीई/2020	चुरु
मोहित गधवाल	बीटेक/सीई/2020	राजसमंद
साहिल जैन	बीटेक/सीई/2020	भोपाल
ऋषभ जैन	बीटेक/सीई/2020	अजमेर
मुहम्मद सिनन आर के	बीटेक/सीई/2020	कैलीकट
किशन खीची	बीटेक/सीई/2020	राजसमंद
चिण्मय गिरीश कुलकर्णी	बीटेक/सीई/2020	पनवेल
कृष्ण कुमार	बीटेक/सीई/2020	चुरु
मयंक कुमार	बीटेक/सीई/2020	अजमेर
मुकेश कुमार	बीटेक/सीई/2020	पटना
दानिश मंसूर	बीटेक/सीई/2020	अनंतनाग
अनुभव मीणा	बीटेक/सीई/2020	करौली
उत्कर्ष मीणा	बीटेक/सीई/2020	जयपुर
अक्षय मित्तल	बीटेक/सीई/2020	देहरादून
जितेश मित्तल	बीटेक/सीई/2020	जयपुर
प्रवीण पाण्डे	बीटेक/सीई/2020	भोपाल
प्रणव पीपरे	बीटेक/सीई/2020	भोपाल
कोक्कोंदा प्रशांत	बीटेक/सीई/2020	वारंगल
अखिल अनिल राजपूत	बीटेक/सीई/2020	नवी मुंबई
अनिमेश रस्तोगी	बीटेक/सीई/2020	फतेहपुर
वानी तेजस सखाहारी	बीटेक/सीई/2020	औरंगाबाद

आयुश सिंह	बीटेक/सीई/2020	बिजनोर
इशांक सिंह	बीटेक/सीई/2020	इलाहाबाद
चेक्कला साई श्रीशल	बीटेक/सीई/2020	पोनकल
अर्रा श्रिया	बीटेक/सीई/2020	मिरियालगुड़ा
बी प्रणव चक्रवर्ती	बीटेक/सीई/2020	हैदराबाद
लखन अग्रवाल	बीटेक/सीएल/2020	खैर अलीगढ़
पटेल मिलनभाई भगुभाई	बीटेक/सीएल/2020	नवसारी
अभिषेक दुबे	बीटेक/सीएल/2020	वडोदरा
अनीश दुबे	बीटेक/सीएल/2020	पुणे
रोहन गुप्ता	बीटेक/सीएल/2020	कानपुर
ऋतिक जैन	बीटेक/सीएल/2020	उज्जैन
स्पर्श जैन	बीटेक/सीएल/2020	हिसार
खिली खमेसरा	बीटेक/सीएल/2020	कानपुर
राजीव कुमार महतो	बीटेक/सीएल/2020	दरभंगा
यश मकवाना	बीटेक/सीएल/2020	उदयपुर
स्पंद भारत मेहता	बीटेक/सीएल/2020	पुणे
गमेती नीरवी	बीटेक/सीएल/2020	नडियाड
बुदिति पृथ्वी	बीटेक/सीएल/2020	विजियानगरम
गमेती नीरव राजेशभाई	बीटेक/सीएल/2020	नडियाड
सिंह शिवम राजकेस	बीटेक/सीएल/2020	सूरत
रमन	बीटेक/सीएल/2020	कुरुक्षेत्र
सौरभ सैनी	बीटेक/सीएल/2020	जयपुर
कमल मयंक श्रीकांति	बीटेक/सीएल/2020	नागपुर
वर्षा सिंह	बीटेक/सीएल/2020	चंडीगढ़
रेंदला आदित्य	बीटेक/सीएसई/2020	करीमनगर
अपूर्व अग्निहोत्री	बीटेक/सीएसई/2020	जबलपुर
हीर अंबावी	बीटेक/सीएसई/2020	अहमदाबाद
शिवजी भगत	बीटेक/सीएसई/2020	साहेबगंज
राहुल चल्ला	बीटेक/सीएसई/2020	श्रीकाकुलम
गोहिल वरुण चंद्रशेखर	बीटेक/सीएसई/2020	अहमदाबाद
मोनिका चौहान	बीटेक/सीएसई/2020	धार
आयुश गर्ग	बीटेक/सीएसई/2020	कोटा
अतिशय जैन	बीटेक/सीएसई/2020	बेंगलुरु
प्रांजलि जैन	बीटेक/सीएसई/2020	इंदोर
प्रतीक कयाल	बीटेक/सीएसई/2020	गुवाहाटी
पचपांडे सोहम किशोर	बीटेक/सीएसई/2020	नाशिक
एस दीपक नारायणन	बीटेक/सीएसई/2020	चेन्नई
देबनुज नायक	बीटेक/सीएसई/2020	कलकत्ता
नीतिक्षा	बीटेक/सीएसई/2020	बरनाला
मीत पांचाल	बीटेक/सीएसई/2020	अहमदाबाद
पत्यलवथ प्रशांत	बीटेक/सीएसई/2020	नलगोंडा
कुकुनुरी साई वेंकट रत्न ऋत्विक	बीटेक/सीएसई/2020	विजयवाड़ा
दत्ता ऋतिक	बीटेक/सीएसई/2020	थाणे
पी जयकृष्ण सहित	बीटेक/सीएसई/2020	हैदराबाद
एस वीनू शंकर	बीटेक/सीएसई/2020	कोल्लम
मृदुल शर्मा	बीटेक/सीएसई/2020	फतेहाबाद
रोहित शर्मा	बीटेक/सीएसई/2020	सोनभद्र
दविंदर सिंह	बीटेक/सीएसई/2020	पटियाला
श्रेयस सिंह	बीटेक/सीएसई/2020	गांधीनगर
कुणाल वर्मा	बीटेक/सीएसई/2020	उदयपुर
स्मित वोरा	बीटेक/सीएसई/2020	अहमदाबाद
मोरे ऋषिकेश बाबू	बीटेक/ईई/2020	औरंगाबाद
कृतिका भगतानी	बीटेक/ईई/2020	कोटा
छावली भरत चंद्र	बीटेक/ईई/2020	कृष्ण, आंध्र प्रदेश
प्रांजल दर्डा	बीटेक/ईई/2020	अहमदाबाद
जतिन आशीष ढोलकिया	बीटेक/ईई/2020	जामनगर
गिरीश चंदर जी	बीटेक/ईई/2020	कोयंबटूर
प्रतीक पुरी गोस्वामी	बीटेक/ईई/2020	रायपुर
नवीन नारायण हरीश	बीटेक/ईई/2020	पुणे
रवि जनगीर	बीटेक/ईई/2020	सीकर
शुभम अशोक कालगुंडे	बीटेक/ईई/2020	पुणे
पेनुमका गोपी किशोर	बीटेक/ईई/2020	कृष्ण, आंध्र प्रदेश
सिद्धार्थ कृष्णन	बीटेक/ईई/2020	मुंबई
के एस संतोष कुमार	बीटेक/ईई/2020	चित्तूर
साई प्रणीत मद्दी	बीटेक/ईई/2020	श्रीकाकुलम
बलानी मोहित मनोज	बीटेक/ईई/2020	अहमदाबाद
सूरज कुमार मीणा	बीटेक/ईई/2020	जयपुर
पंकज कुमार नैनावत	बीटेक/ईई/2020	अलवर
जय परमार	बीटेक/ईई/2020	मौसम
चित्त साई पवन	बीटेक/ईई/2020	हैदराबाद
गुप्ता सागर राजीव	बीटेक/ईई/2020	नवी मुंबई
बेदमुथा मानस सतीश	बीटेक/ईई/2020	नाशिक
प्रियोलकर नेहा सत्येंद्र	बीटेक/ईई/2020	मुंबई
शुभ्रांशु सिंह	बीटेक/ईई/2020	भिलाई
चक्का स्नेहित	बीटेक/ईई/2020	पूर्वी गोदावरी
देशपांडे अजीत उमेश	बीटेक/ईई/2020	नागपुर
पंकज वटवानी	बीटेक/ईई/2020	जयपुर
सुमित वालिया	बीटेक/ईई/2020	पंचकुला
अमित कुमार सिंह यादव	बीटेक/ईई/2020	कानपुर
राहुल यादव	बीटेक/ईई/2020	झांसी

पुत्साला अनिरुद्ध	बीटेक/एमई/2020	विशाखापत्तनम
अक्षत बंसल	बीटेक/एमई/2020	किशनगढ़
श्रीनिधि दिलीप भिड़े	बीटेक/एमई/2020	मुंबई
रजत बिलुनिया	बीटेक/एमई/2020	अलवर
मानवेंद्र सिंह चौहान	बीटेक/एमई/2020	जयपुर
कदम ओंकार देवीदास	बीटेक/एमई/2020	नांदेड़
वेदांत राजेंद्र गोटे	बीटेक/एमई/2020	पुणे
चितिपोलु गौतम	बीटेक/एमई/2020	विजियानगरम
उके विशाल हेमराज	बीटेक/एमई/2020	भंडारा
अमित जनगीर	बीटेक/एमई/2020	जयपुर
कथरोथ पवन कल्याण	बीटेक/एमई/2020	संगारेड्डी
कार्तिक सुब्रमण्य करवाजे	बीटेक/एमई/2020	दुबसीपाल्या
उपेंद्र कुमार	बीटेक/एमई/2020	नालंदा
दाभी पार्थ ललितकुमार	बीटेक/एमई/2020	अहमदाबाद
मुकुल लवास	बीटेक/एमई/2020	अजमेर
तंडेल अथर्व मधुकर	बीटेक/एमई/2020	वाशी
राठी आदित्य मनीष	बीटेक/एमई/2020	पुणे
अनिलराज मीणा	बीटेक/एमई/2020	बूंदी
योगेश मीणा	बीटेक/एमई/2020	रायपुर
भार्ग मेहता	बीटेक/एमई/2020	सूरत
अशर अखिल पराग	बीटेक/एमई/2020	मुंबई
केविन पटेल	बीटेक/एमई/2020	अहमदाबाद
सुयश पाटीदार	बीटेक/एमई/2020	उज्जैन
जी रमणन	बीटेक/एमई/2020	चेन्नई
पन्ना लाल सैनी	बीटेक/एमई/2020	दौसा
राहिल सांनवा	बीटेक/एमई/2020	चित्तौड़गढ़
क्षितिज सेंद्रे	बीटेक/एमई/2020	वडोदरा
सखलीकर पुष्पकराज श्यामप्पा	बीटेक/एमई/2020	बुलदाना
सुर्वे सुश्रुत सुदर्शन	बीटेक/एमई/2020	मुंबई
तनीषा अग्रवाल	बीटेक/एमएसई/2020	दिल्ली
वी वी एस अखिल वी वी एस अखिल	बीटेक/एमएसई/2020	विशाखापत्तनम
अनुशिखा	बीटेक/एमएसई/2020	करनाल
बिदयान बसुमतारी	बीटेक/एमएसई/2020	घोरमारी
रातुल चक्रवर्ती	बीटेक/एमएसई/2020	बुर्दवान
शुभम गोंड	बीटेक/एमएसई/2020	देवरिया
सी आर ग्रीष्मा	बीटेक/एमएसई/2020	पलक्कड़
इंगले वरद जितेंद्रकुमार	बीटेक/एमएसई/2020	औरंगाबाद
अंजलि कुमारी	बीटेक/एमएसई/2020	कांगड़ा
सुजीत सिंह माथुर	बीटेक/एमएसई/2020	कानपुर
अंतिमा मीणा	बीटेक/एमएसई/2020	बारन
नेहा मीणा	बीटेक/एमएसई/2020	बीकानेर
कुंवर शिवम प्रताप	बीटेक/एमएसई/2020	वाराणसी
राहुल राजीव	बीटेक/एमएसई/2020	थ्रिस्सूर
अयान रक्षित	बीटेक/एमएसई/2020	मुंबई
धर्मेंद्र सबलानिया	बीटेक/एमएसई/2020	सीकर
पंकज कुमार सैनी	बीटेक/एमएसई/2020	गुवाहाटी
जोशी कवन संजय भाई	बीटेक/एमएसई/2020	अदाजान
जयशंकर शर्मा	बीटेक/एमएसई/2020	अहमदाबाद
श्रेयस श्रीराम	बीटेक/एमएसई/2020	चेन्नई
श्रीराम श्रीहर्ष श्रीराम श्रीहर्ष	बीटेक/एमएसई/2020	महबूबनगर
हिमानी वर्मा	बीटेक/एमएसई/2020	इंदोर
बुक्या विनय	बीटेक/एमएसई/2020	आदिलाबाद
आदित्य सिंह	एमएससी/सीजी/2015	बेंगलुरु
गोल्डी यादव	एमएससी/सीजी/2015	नई दिल्ली
किशोर कुमार जगिनी	एमएससी/सीजी/2016	वारंगल
कार्तिकेयन पलानीसामी	एमएससी/सीजी/2016	तिरुपुर
रासी	एमएससी/सीजी/2016	बोकारो
भारतेश रायप्पा शिरागुप्पी	एमएससी/सीजी/2017	बेलगाम
कुलकर्णी प्रांजलि श्रीकांति	एमएससी/सीजी/2017	सतारा
श्रीकांत सी	एमएससी/सीजी/2019	कोझिकोड
लुके निहाल दसारी	एमएससी/सीजी/2019	गुंटूर
मेघना गौतम	एमएससी/सीजी/2019	नवी मुंबई
सनिका गुप्ता	एमएससी/सीजी/2019	लखनऊ
जोएल वी जोसेफ	एमएससी/सीजी/2019	दिल्ली
दिग्बिजॉय समद्दर	एमएससी/सीजी/2019	कलकत्ता
प्रआकुर सक्सेना	एमएससी/सीजी/2019	भोपाल
अज़बा शेख	एमएससी/सीजी/2019	बिलिमोरा
इशिता अरुण	एमएससी/सीजी/2020	दिल्ली
रूही भानप	एमएससी/सीजी/2020	थाणे
समृद्धि दामले	एमएससी/सीजी/2020	पवई
एहसान के	एमएससी/सीजी/2020	मलप्पुरम
एकता खेमचंदानी	एमएससी/सीजी/2020	दिल्ली
अनादि मेहता	एमएससी/सीजी/2020	लागू नहीं
ग्रीष्मा मोहन	एमएससी/सीजी/2020	कोल्लम
अनुष्का ओझा	एमएससी/सीजी/2020	अहमदाबाद
आर पूजा	एमएससी/सीजी/2020	बेंगलुरु
ईशा शर्मा	एमएससी/सीजी/2020	मुंबई
रौनक स्वर्णकार	एमएससी/सीजी/2020	गोधरा
पलाश जाना	एमएससी/सीएच/2015	मेदिनी
अमरज्योति दास महापात्र	एमएससी/सीएच/2015	पूर्व मेदिनीपुर

अमन पंवार	एमएससी/सीएच/2015	देहरादून
पायल अरोड़ा	एमएससी/सीएच/2016	रेवाड़ी
पवनीश कुमार	एमएससी/सीएच/2016	अमरोहा
दीपिका शर्मा	एमएससी/सीएच/2016	गाज़ियाबाद
मोहम्मद हसन	एमएससी/सीएच/2017	उत्तर प्रदेश
उमेश कुमार	एमएससी/सीएच/2017	नई दिल्ली
सचिन	एमएससी/सीएच/2017	जींद
ज्योत्सना सैनी	एमएससी/सीएच/2017	गुरुग्राम
हिमांशु कुमार सिंह	एमएससी/सीएच/2017	अलीगढ़
मृदुपवन सोनोवाल	एमएससी/सीएच/2017	तिनसुकिया
कोठा श्रीनु	एमएससी/सीएच/2017	श्रीकाकुलम
आयुषी त्यागी	एमएससी/सीएच/2017	गुड़गांव
वामाक्षी यादव	एमएससी/सीएच/2017	गाज़ियाबाद
कोमल बजाज	एमएससी/सीएच/2018	झज्जर
सचिन देवी	एमएससी/सीएच/2018	कोटा
सचिन गिरि	एमएससी/सीएच/2018	भसंराअवाली
अंकित पंवार	एमएससी/सीएच/2018	गांधीनगर
गोविंद कुमार शर्मा	एमएससी/सीएच/2018	नई दिल्ली
सूर्य प्रताप सिंह	एमएससी/सीएच/2018	बीकानेर
राजवीर सिंह	एमएससी/सीएच/2018	सिरसा
नवीन टाक	एमएससी/सीएच/2018	जयपुर
सरला यादव	एमएससी/सीएच/2018	रेवाड़ी
राकेश यादव	एमएससी/सीएच/2018	भिवानी
अफरीदी ज़मादेर	एमएससी/सीएच/2018	दक्षिण 24 परगना
श्रिया अरोड़ा	एमएससी/सीएच/2019	मेरठ
कृति कपिल	एमएससी/सीएच/2019	लखनऊ
अजय कुमार	एमएससी/सीएच/2019	धनबाद
दिव्यांश प्रकाश	एमएससी/सीएच/2019	इलाहाबाद
अभिनव गौतम	एमएससी/सीएच/2020	जयपुर
हर्ष कुमार	एमएससी/सीएच/2020	महेंद्रगढ़
पंकज कुमार	एमएससी/सीएच/2020	करनाल
शिवम कुमार	एमएससी/सीएच/2020	गाज़ियाबाद
नीलेश माथुर	एमएससी/सीएच/2020	हिसार
मानसी पोरवाल	एमएससी/सीएच/2020	राजकोट
शैबोरलांग राप्सांग	एमएससी/सीएच/2020	मेघालय
रिमझिम	एमएससी/सीएच/2020	शाहदरा
पारुल सहरावत	एमएससी/सीएच/2020	रोहतक
अंजलि शर्मा	एमएससी/सीएच/2020	सोनीपत
तन्नु	एमएससी/सीएच/2020	हिसार
तरूण	एमएससी/सीएच/2020	भिवानी
प्रियव्रत वशिष्ठ	एमएससी/सीएच/2020	पलवल
ओजस्वी वर्मा	एमएससी/सीएच/2020	हांसी
बी रत्न भारती	एमए/एचएसएस/2016	सिकंदराबाद
आकृति विनोद गुप्ता	एमए/एचएसएस/2016	अहमदाबाद
ओझा भार्गव हिरेन	एमए/एचएसएस/2016	राजकोट
सिनी सुसान वर्गीश	एमए/एचएसएस/2016	पोंगुम्मुद्दू
अरुंधति बी	एमए/एचएसएस/2018	कोल्लम
रिद्धि गर्ग	एमए/एचएसएस/2018	नई दिल्ली
स्वरा जोशी	एमए/एचएसएस/2018	अहमदाबाद
एस पराग्री	एमए/एचएसएस/2018	भुवनेश्वर
नित्या पवार	एमए/एचएसएस/2018	इंदौर
नेहा तेताली	एमए/एचएसएस/2018	पवई
आर्य पुलियादथ आदित्यन	एमए/एचएसएस/2019	पलक्कड़
कदीजा नौराह बी एच	एमए/एचएसएस/2019	कैलीकट
तन्वी जैन	एमए/एचएसएस/2019	दिल्ली
सुहैर के के	एमए/एचएसएस/2019	वदाकरा
दलिया एन	एमए/एचएसएस/2019	चेन्नई
जानकी आर नायर	एमए/एचएसएस/2019	लागू नहीं
सुयश धनवीर पासी	एमए/एचएसएस/2019	अहमदाबाद
अनुपम शर्मा	एमए/एचएसएस/2019	जोरहाट
अनुराक्ति शर्मा	एमए/एचएसएस/2019	मुंबई
स्वरूपा भाटकर	एमए/एचएसएस/2020	नवी मुंबई
देवदत्त चक्रवर्ती	एमए/एचएसएस/2020	रांची
नोयोनिका दासो	एमए/एचएसएस/2020	आनंदपुर
सेवगी डेमिरोग्लू	एमए/एचएसएस/2020	इस्तानबुल, तुर्की
देबस्मिता घोषी	एमए/एचएसएस/2020	ठाकुरपुकुर
सिमरिथ हुंडाला	एमए/एचएसएस/2020	विशाखापत्तनम
देविका जयसेल्ल	एमए/एचएसएस/2020	अलपुझा
ज़फ्या जेना	एमए/एचएसएस/2020	पुणे
वसुंधरा कृष्णन	एमए/एचएसएस/2020	कोझिकोड
देविका मेनन	एमए/एचएसएस/2020	कोच्चि
रुजुता नायक	एमए/एचएसएस/2020	मुंबई
सायंतनी सरस्वती	एमए/एचएसएस/2020	कलकत्ता
ज्ञान सेल्वम	एमए/एचएसएस/2020	विरुधुनगर
पुण्य सूरी	एमए/एचएसएस/2020	वाशी
शिवम धाम	एमएससी/एमए/2015	बागपत
विपिन कुमार	एमएससी/एमए/2016	गाज़ियाबाद
बबिता	एमएससी/एमए/2017	फरीदाबाद
राज कुमार दादरवाल	एमएससी/एमए/2017	उदयपुर
चारु गुप्ता	एमएससी/एमए/2017	दिल्ली
प्रवीन कुमार	एमएससी/एमए/2017	नॉएडा
भरत लाल मीणा	एमएससी/एमए/2017	दौसा
प्रियंका राणा	एमएससी/एमए/2017	दिल्ली
सुधांशु शेखर राय	एमएससी/एमए/2017	जाजपुर
अरित्रा कुमार भादुरी	एमएससी/एमए/2018	हुगली
हर्षिता सी	एमएससी/एमए/2018	दुर्गपुर
सियाराम गुर्जर	एमएससी/एमए/2018	टोंक
राहुल हुड्डा	एमएससी/एमए/2018	भिवानी
शिवानी हुवोर	एमएससी/एमए/2018	पूर्व मेदिनीपुर
सजल कुमार	एमएससी/एमए/2018	जालौन
अक्षय कुमार	एमएससी/एमए/2018	देहरादून
मोनु	एमएससी/एमए/2018	जींद
अरविंद कुमार नाथ	एमएससी/एमए/2018	कोटा
सुदीप पंडित	एमएससी/एमए/2018	बीरभूम
दीपिका परमार	एमएससी/एमए/2018	फर्रुखाबाद
पारुल पुनिया	एमएससी/एमए/2018	लागू नहीं
महाजन समीक्षा सतीश	एमएससी/एमए/2018	डोंबिवली
प्रियंका शूरा	एमएससी/एमए/2018	गुड़गांव
टीकम चंद सोयाल	एमएससी/एमए/2018	टोंक
शादाब अली	एमएससी/एमए/2019	बुलंदशहर
सुरजीत सिंह चौधरी	एमएससी/एमए/2019	सीकर
मेघाली गर्ग	एमएससी/एमए/2019	बरनाला
दशरथ मीणा	एमएससी/एमए/2019	सीकर
अमोघ परब	एमएससी/एमए/2019	मुंबई
पुलकित	एमएससी/एमए/2019	अमरोहा
अदिति सेठिया	एमएससी/एमए/2019	चित्तौड़गढ़
श्रीकांत श्रेक	एमएससी/एमए/2019	शामली
तरु तानिया	एमएससी/एमए/2019	फतेहगढ़
अलका बलियां	एमएससी/एमए/2020	गांधीनगर
कुंतल बनर्जी	एमएससी/एमए/2020	कलकत्ता
योगेश कुमार गुप्ता	एमएससी/एमए/2020	अलवर
विकास जांगिड़	एमएससी/एमए/2020	जयपुर
शुभम कुमार	एमएससी/एमए/2020	मेरठ
विनीत कुमार	एमएससी/एमए/2020	महेंद्रगढ़
तन्नु कुमारी	एमएससी/एमए/2020	रेवाड़ी
सन महल	एमएससी/एमए/2020	सीकर
कामराज पी	एमएससी/एमए/2020	धरमपुरी
लखानी देवांशी राकेशभाई	एमएससी/एमए/2020	अमरेली
जोशी भाविन रसिकभाई	एमएससी/एमए/2020	राजकोट
राकेश कुमार राठो	एमएससी/एमए/2020	पुरी
राहुल रोहिल्ला	एमएससी/एमए/2020	चेन्नई
भवानी शंकर	एमएससी/एमए/2020	बाड़मेर
लोकेश शर्मा	एमएससी/एमए/2020	अलवर
वैभव श्रीवास्तव	एमएससी/एमए/2020	लुधियाना
देव मिहिर विलास	एमएससी/एमए/2020	डोंबिवली (पूर्व)
सुरभि वारकड़े	एमएससी/एमए/2020	भोपाल
आकाश कुमार मिश्रा	एमएससी/पीएच/2016	सोनेपुर
प्रीतम नंदा	एमएससी/पीएच/2016	मेदिनीपुर
शास्त्री राहुल किशोरभाई	एमएससी/पीएच/2017	वलसाड
अनिर्बान मंडल	एमएससी/पीएच/2017	हुगली
लीमा सैकिया	एमएससी/पीएच/2017	डिब्रूगढ़
आकाश आर्य	एमएससी/पीएच/2018	खेरी
शिवम अवस्थी	एमएससी/पीएच/2018	लागू नहीं
समतेन भूटिया	एमएससी/पीएच/2018	गंगटोक
प्रशांत चौहान	एमएससी/पीएच/2018	मिर्जापुर
शानू कुमार गंगवार	एमएससी/पीएच/2018	बरेली
शुभम गर्ग	एमएससी/पीएच/2018	कर्नल
गौरव कुमार	एमएससी/पीएच/2018	अलीगढ़
कौसिक लोहो	एमएससी/पीएच/2018	उत्तर दिनाजपुर
दफिशा मैरी नोंगहुलू	एमएससी/पीएच/2018	शिलोंग
संदीप कुमार सिंह	एमएससी/पीएच/2018	बिहार
अनूप सिंह	एमएससी/पीएच/2018	आगरा
पंकज बोरा	एमएससी/पीएच/2019	बिश्वनाथ
कपिल देव	एमएससी/पीएच/2019	हरियाणा
मोहित दुबे	एमएससी/पीएच/2019	गांधीनगर
अब्दुल गफ्फार	एमएससी/पीएच/2019	सिद्धार्थनगर
अंकित फोगट	एमएससी/पीएच/2019	चरखी दादरी
रचना चौधरी	एमएससी/पीएच/2020	सीकर
अनिल कुमार	एमएससी/पीएच/2020	चुरु
नितिन कुमारी	एमएससी/पीएच/2020	चुरु
सियाराम मीणा	एमएससी/पीएच/2020	अलवर
निविधा	एमएससी/पीएच/2020	लुधियाना
अपर्णा राठी	एमएससी/पीएच/2020	उत्तर प्रदेश
सर्वदीप सांगवान	एमएससी/पीएच/2020	चरखी दादरी
अरित्रा सेन	एमएससी/पीएच/2020	बीरभूम
अमन प्रताप सिंह	एमएससी/पीएच/2020	उत्तर प्रदेश
स्नेहा यादव	एमएससी/पीएच/2020	रेवाड़ी
सरोज यादव	एमएससी/पीएच/2020	चंदौली
हेमंत गीते	एमटेक/सीएल/2013	मुंबई
पावनी पंड्या	एमटेक/सीई/2014	अहमदाबाद

अमिता बेदार	एमटेक/सीएल/2014	शिवपुरी
अपर्णा मेनन	एमटेक/सीएल/2014	सिकंदराबाद
उपेंद्र कुमार शुक्ला	एमटेक/सीएल/2014	गोंडा
बनर्जी ऋत्विक	एमटेक/ईई/2014	जलपाईगुड़ी
राहुल आनंद कौशिक	एमटेक/ईई/2014	छत्तीसगढ़
सत्यजीत मोहापात्र	एमटेक/ईई/2014	गांधीनगर
श्रीजीत रवींद्रन	एमटेक/ईई/2014	पलक्कड़
नीलेश भंडारी	एमटेक/एमई/2014	वडोदरा
मनीष पिल्लै	एमटेक/एमई/2014	अलपुझा
गौरव कुमार मिश्रा	एमटेक/एमएसई/2014	पूर्णिया
सिल्की अग्रवाल	एमटेक/सीई/2015	खारगोन
अमर मांध्यान	एमटेक/सीई/2015	वडोदरा
एस स्मिता	एमटेक/सीई/2015	कोज़ीखोडे
गुनदीप कौर सूडान	एमटेक/सीई/2015	गांधीनगर
कौस्तुभ जयंत उदास	एमटेक/सीई/2015	पुणे
गुंडा हरिनी	एमटेक/सीएल/2015	गुंटूर
प्रीति राठी	एमटेक/सीएल/2015	उज्जैन
मोहित चांद	एमटेक/ईई/2015	वाराणसी
सोलंकी धवल शशिकांतभाई	एमटेक/ईई/2015	अहमदाबाद
भोईर मंदर सुरेश स्मिता	एमटेक/ईई/2015	रायगढ़
प्रतीक सूर्यकांत शिरभटे	एमटेक/एमई/2015	यवतमाल
प्रज्ञा नंदन बंजारे	एमटेक/एमएसई/2015	छत्तीसगढ़
अभिषेक सरमाह	एमटेक/एमएसई/2015	डिब्रूगढ़
कृष्ण कुमार सक्सेना	एमटेक/एमएसई/2015	आगरा
कीर्ति प्रिया कस्तूरी	एमटेक/सीई/2016	सिकंदराबाद
किरण रंगवानी	एमटेक/सीई/2016	अहमदाबाद
रवि वर्मा	एमटेक/सीई/2016	धार
चत्ते अमृता भारत	एमटेक/सीएल/2016	परभनी
मोहम्मद उमैर इकबाल	एमटेक/सीएल/2016	अल्यालपोरा शोपियां
मांकड़ जैविक कार्तिक	एमटेक/सीएल/2016	वडोदरा
स्वस्ति मेधा	एमटेक/सीएल/2016	धनबाद
राहुल पटसारिया	एमटेक/सीएल/2016	झांसी
मल्लवरापु दीपिका रानी	एमटेक/सीएल/2016	गुंटूर
एकता शर्मा	एमटेक/सीएल/2016	रायपुर
निखिल शर्मा	एमटेक/सीएल/2016	नीमच
कुमारी सुष्मिता	एमटेक/सीएल/2016	बिहार
धीरज त्यागी	एमटेक/सीएल/2016	मेरठ
अंकिता वर्मा	एमटेक/सीएल/2016	रायपुर
रचिता अग्रवाल	एमटेक/ईई/2016	रचेनहल्ली
कुमार गौरव	एमटेक/ईई/2016	बिहार
राठौड़ मिलनभाई जयंतीभाई	एमटेक/ईई/2016	अहमदाबाद
निखिल चेरियन कूरियन	एमटेक/ईई/2016	कोट्टायम
राहुल साधवानी	एमटेक/ईई/2016	भीलवाड़ा
भूमिका सोनाने	एमटेक/ईई/2016	उज्जैन
पटेल मेघ वसंतकुमार	एमटेक/ईई/2016	वी वी नगर
सनी वर्मा	एमटेक/ईई/2016	बिलासपुर
पारिख दर्शक अनंतकुमार	एमटेक/एमई/2016	पंचमाला
रजनीकांत अतुल घाटे	एमटेक/एमई/2016	पुणे
विष्णु कुमार गुप्ता	एमटेक/एमई/2016	रेवाड़ी
आयुष जैन	एमटेक/एमई/2016	ग्वालियर
झावेरी अंशल जयेशभाई	एमटेक/एमई/2016	सूरत
अभिषेक जोशी	एमटेक/एमई/2016	देहरादून
विकास शर्मा	एमटेक/एमई/2016	दिल्ली
टिबिन एम थॉमस	एमटेक/एमई/2016	कोट्टायम
गुरनानी सागरकुमार वी	एमटेक/एमई/2016	सूरत
सवादियावाला चिराग वाई	एमटेक/एमई/2016	उधना
सरकार आदित्य अंजन	एमटेक/एमएसई/2016	पुणे
अमित कुमार	एमटेक/एमएसई/2016	इलाहाबाद
सीमा नेगी	एमटेक/एमएसई/2016	गढ़वाल
कोल्ली मोहन कृष्ण	एमटेक/सीई/2017	कृष्ण, बाहरी क्षेत्र
रोजन मैथ्यू	एमटेक/सीई/2017	कैलीकट
हर्षित नेमा	एमटेक/सीई/2017	जबलपुर
शुभम सोनी	एमटेक/सीई/2017	दलौदा
अनुभा अग्रवाल	एमटेक/सीएल/2017	खुराई
अराबले रेशमा मल्लिनाथ	एमटेक/सीएल/2017	उस्मानाबाद
भावना पंजवानी	एमटेक/सीएल/2017	छत्तीसगढ़
कुशवाहा अमरकुमार ए	एमटेक/ईई/2017	वडोदरा
शाह हेमल गौतमकुमार	एमटेक/ईई/2017	अहमदाबाद
गुप्ता आकाश नंदलाल	एमटेक/ईई/2017	भारत
वोरा आदित्य नरेंद्रभाई	एमटेक/ईई/2017	अहमदाबाद
सोमपुरा जय नीलेशभाई	एमटेक/ईई/2017	जामनगर
नीतेश कुमार शर्मा	एमटेक/ईई/2017	टीकमगढ़
आशीष सोनी	एमटेक/ईई/2017	झांसी
अनुराग सोनी	एमटेक/ईई/2017	टीकमगढ़
सिद्धार्थ बेहेरे	एमटेक/एमई/2017	वडोदरा
रोनित डे	एमटेक/एमई/2017	हैदराबाद
बृजेश कुमार	एमटेक/एमई/2017	वाराणसी
बैशाली पांडा	एमटेक/एमई/2017	भुवनेश्वर
अखिल पटनायक	एमटेक/एमई/2017	कलकत्ता
नक्का सूर्यसत्यसंजीवी	एमटेक/एमई/2017	श्रीकुलम
कमल तिवारी	एमटेक/एमई/2017	नैनीताल
प्रीतिका घवरी	एमटेक/बीई/2018	बनासकाठा
नेहा गुप्ता	एमटेक/बीई/2018	आगरा
सीतेश कुमार	एमटेक/बीई/2018	बिहार
गौरव पंथी	एमटेक/बीई/2018	उज्जैन
अदिति सिंहल	एमटेक/बीई/2018	टोंक
ऐश्वर्या विजयाकुमार	एमटेक/बीई/2018	सोनभद्र
कौस्तुभ देशपांडे	एमटेक/सीई/2018	इंदौर
अभिजीत टी के	एमटेक/सीई/2018	कोझिकोड
रिम्पी खोखर	एमटेक/सीई/2018	जोधपुर
सुजीत वसंत मतले	एमटेक/सीई/2018	जींद
राकेश मेघवाल	एमटेक/सीई/2018	गढ़वाल
अक्षय नंदुरकर	एमटेक/सीई/2018	अमरावती
आशुतोष सोनपाल	एमटेक/सीई/2018	अनंतपुर
लंभटे हर्षल संदेश सुषमा	एमटेक/सीई/2018	कल्याण
रामचंद्र गवस	एमटेक/सीएल/2018	पेंसिल्वेनिया, संराअ
चारु ओबेरॉय	एमटेक/सीएल/2018	जयपुर
कुसुम पंवार	एमटेक/सीएल/2018	देहरादून
रोहित सारस्वत	एमटेक/सीएल/2018	आगरा
सचिन वर्मा	एमटेक/सीएल/2018	लागू नहीं
सुजाता सिन्हा	एमटेक/सीएस/2018	अगरतला
इशांत आनंद	एमटेक/ईई/2018	रोहतक
गीतिका चलिया	एमटेक/ईई/2018	नागपुर
रोहित डावर	एमटेक/ईई/2018	नई दिल्ली
सोहिनी धर	एमटेक/ईई/2018	सिलीगुड़ी
शुभांशु गुप्ता	एमटेक/ईई/2018	उत्तर 24 परगना
स्मृति गुप्ता	एमटेक/ईई/2018	झांसी
विश्वनाथ हिरेमठ	एमटेक/ईई/2018	हावेरी
आशुतोष जिंदल	एमटेक/ईई/2018	नॉएडा
चक्का यशवंत साई किरण	एमटेक/ईई/2018	प्रकाशम
मोहित लांबा	एमटेक/ईई/2018	जयपुर
शिव प्रकाश	एमटेक/ईई/2018	जोधपुर
धनपाल पृथ्वीराज	एमटेक/ईई/2018	मैदुकुर
चंद्र शेखर रवूरी	एमटेक/ईई/2018	बेंगलुरु
कुमार सौरव	एमटेक/ईई/2018	वाराणसी
हर्ष वर्धन तेताली	एमटेक/ईई/2018	विशाखापत्तनम
तान्या शुक्ला	एमटेक/ईएसएस/2018	उत्तराखंड
शिवांगी सिंह	एमटेक/ईएसएस/2018	दिल्ली
रविंदर कुमार दारोच	एमटेक/एमई/2018	हमीरपुर
प्रियांक मेहता	एमटेक/एमई/2018	डूंगरपुर
नेविलकुमार पांचाल	एमटेक/एमई/2018	सूरत
गिरिधारी पटनायक	एमटेक/एमई/2018	सिरोही
अनाशुसेन रफीखुसेन सैय्यद	एमटेक/एमई/2018	वडोदरा
अतुल शर्मा	एमटेक/एमई/2018	रायपुर
सौरभ सिंह	एमटेक/एमई/2018	मुंबई
मणि वलेटी	एमटेक/एमई/2018	खम्मम
ऋषि धवन	एमटेक/एमएसई/2018	फरीदाबाद
भूपेंद्र कुमार	एमटेक/एमएसई/2018	पथानामथिट्टा
विवेक चैतन्य पेद्दीराजू	एमटेक/एमएसई/2018	गुंटूर
शशांक नाइक बी एस	एमटेक/एमएसई/2018	बेंगलुरु
परम सिंह	एमटेक/एमएसई/2018	अहमदाबाद
रणंजय प्रताप सिंह	एमटेक/एमएसई/2018	गोसाईगंज
कौशिक भौमिक	एमटेक/बीई/2019	सिपाहीजला
वैशाली सी	एमटेक/बीई/2019	पोंडिचेरी
राहुल गुप्ता	एमटेक/बीई/2019	फरीदाबाद
प्रियंका श्रीवास्तव	एमटेक/बीई/2019	लखनऊ
अपेक्षा श्रीवास्तव	एमटेक/बीई/2019	लखनऊ
शैलेश गर्ग	एमटेक/सीई/2019	करौली
किमती मनावा	एमटेक/सीई/2019	जम्मू
भगवान राम	एमटेक/सीई/2019	लोधपुर
भूमिका साधवानी	एमटेक/सीई/2019	मुगलसराय
राहुल उपाध्याय	एमटेक/सीई/2019	मथुरा:
खुशवंत फतनानी	एमटेक/सीएल/2019	रायपुर
आकिब खान	एमटेक/सीएल/2019	वापी
सुरभि खेवले	एमटेक/सीएल/2019	शामगढ़
निधि पाण्डे	एमटेक/सीएल/2019	यू एस नगर
साईराम एस	एमटेक/सीएल/2019	चेन्नई
वैभव त्रिवेदी	एमटेक/सीएल/2019	फर्रुखाबाद
आशीष द्विवेदी	एमटेक/सीएस/2019	बेंगलुरु
राहुल जैन	एमटेक/सीएस/2019	अहमदाबाद
चमनवीर कौर	एमटेक/सीएस/2019	जलावधारा
शुभम सिंह	एमटेक/सीएस/2019	इलाहाबाद
बर्मा अभिषेक	एमटेक/ईई/2019	हैदराबाद
विनीता बोडेम्पुडी	एमटेक/ईई/2019	हैदराबाद
त्रिस्रोता देब	एमटेक/ईई/2019	चौमुहानी
जॉयदीप कुमार देवनाथ	एमटेक/ईई/2019	गुवाहाटी
सरथचंद्रन जीएम	एमटेक/ईई/2019	सलेम
अथिरा हरिदास	एमटेक/ईई/2019	एर्नाकुलम
प्रियंका काजला	एमटेक/ईई/2019	सीकर
यदुकृष्णन एम	एमटेक/ईई/2019	कन्नूर

प्रखर प्रधान	एमटेक/ईई/2019	ग्वालियर
एस प्रीति	एमटेक/ईई/2019	अहमदाबाद
वैद्यनाथन पेरुवेम्बा आर	एमटेक/ईई/2019	चेंबूर
सचिनकुमार बी सूथर	एमटेक/ईई/2019	अहमदाबाद
अरुण सिंह तोमर	एमटेक/ईई/2019	सतना
अरुण चेरकिल	एमटेक/एमई/2019	पलक्कड़
आशु गुप्ता	एमटेक/एमई/2019	गाज़ियाबाद
शुभांकर गुरव	एमटेक/एमई/2019	सतारा
प्रसन्ना कुलकर्णी	एमटेक/एमई/2019	गदग
प्रज्ञा मिश्रा	एमटेक/एमई/2019	लखनऊ
प्रतीक प्रजापति	एमटेक/एमई/2019	साबरकांठा
धनुरधर रामस्वामी	एमटेक/एमई/2019	आइज़वाल
अंकित शर्मा	एमटेक/एमई/2019	देवास
सतबीर सिंह	एमटेक/एमई/2019	अहमदाबाद
जॉन शेरजी सिरिएक	एमटेक/एमई/2019	कोल्लम
आकाश उन्नी कृष्णन	एमटेक/एमई/2019	कन्नूर
पिंकी यादव	एमटेक/एमई/2019	दिल्ली
आरुषि देव	एमटेक/एमएसई/2019	बरेली
धृतिमान डे	एमटेक/एमएसई/2019	संबलपुर
अनुराग गुमास्ते	एमटेक/एमएसई/2019	सांगली
चंदन साहू	एमटेक/एमएसई/2019	पुरी
मिट्टीरिड्डी तेजा 17210054	एमटेक/एमएसई/2019	श्रीकाकुलम
होइमे बनर्जी	एमटेक/बीई/2020	लखनऊ
देबर्पन घोषी	एमटेक/बीई/2020	कलकत्ता
आरती हरिहरन	एमटेक/बीई/2020	चेन्नई
सुमित खरबंदा	एमटेक/बीई/2020	कोटद्वार
रूपशा मुखर्जी	एमटेक/बीई/2020	दुर्ग
दिब्यदर्शी नेपाल	एमटेक/बीई/2020	इलम
चिन्मय पांडा	एमटेक/बीई/2020	बेरहामपुर
कुलदीप शर्मा	एमटेक/बीई/2020	रायपुर
कुणाल भारद्वाज	एमटेक/सीई/2020	शिमला
यश गोगोल	एमटेक/सीई/2020	इंदौर
शीतल गुजराती	एमटेक/सीई/2020	अजमेर
गुरु खंडेलवाल	एमटेक/सीई/2020	जयपुर
दीपक कुमार	एमटेक/सीई/2020	जहानाबाद
मोहित लखानी	एमटेक/सीई/2020	अहमदाबाद
सतीश मसूरी	एमटेक/सीई/2020	निज़ामाबाद
तान्या मुकाति	एमटेक/सीई/2020	भोपाल
तान्या मुक्ति	एमटेक/सीई/2020	भोपाल
निखिल ओ	एमटेक/सीई/2020	मलप्पुरम
प्रज्ज्वल पाटीदार	एमटेक/सीई/2020	खंडवा
निवेदिता प्रधान	एमटेक/सीई/2020	बिलासपुर
अविसिना चरितेज रेड्डी	एमटेक/सीई/2020	कडपा
प्रेरणा सरकार	एमटेक/सीई/2020	बिलासपुर
रवि शंकर	एमटेक/सीई/2020	बख्तियारपुर
सुकृत शर्मा	एमटेक/सीई/2020	गुरुग्राम
बाला हर्ष श्रुति	एमटेक/सीई/2020	महबूबनगर
आदर्श ठाकुर	एमटेक/सीई/2020	सागर
मो जाफर अहमद	एमटेक/सीएल/2020	बलिया
मो नसरे आलम	एमटेक/सीएल/2020	समस्तीपुर
सम्यब्रत चटर्जी	एमटेक/सीएल/2020	कलकत्ता
महिंद्रा चौधरी	एमटेक/सीएल/2020	पुणे
अहतेशमुल हक	एमटेक/सीएल/2020	अम्बेडकर नगर
आयुष नेमा	एमटेक/सीएल/2020	चेन्नई
विशेष शर्मा	एमटेक/सीएल/2020	जम्मू
स्वरूपकुमार सुरवासे	एमटेक/सीएल/2020	बीड
आकाश वर्मा	एमटेक/सीएल/2020	यवतमाली
रजत ज़ोपे	एमटेक/सीएल/2020	लागू नहीं
रूप चौधरी	एमटेक/सीएसई/2020	मुर्शिदाबाद
सायक चौधरी	एमटेक/सीएसई/2020	ब्रह्मपुर
दर्शिता जैन	एमटेक/सीएसई/2020	रायपुर
चंदन कुमार	एमटेक/सीएसई/2020	दरभंगा
करण कुमार	एमटेक/सीएसई/2020	बुलंदशहर
सौमिता कुंडू	एमटेक/सीएसई/2020	दुर्ग
सौविक रॉय	एमटेक/सीएसई/2020	बागुइहाती
धनंजय सोनवाने	एमटेक/सीएसई/2020	जलगांव
विवेक श्रीवास्तव	एमटेक/सीएसई/2020	कानपुर
प्रथमेश उपाध्याय	एमटेक/सीएसई/2020	फरीदाबाद
प्रथमेश उपाध्याय	एमटेक/सीएसई/2020	फरीदाबाद
नीले उपाध्याय	एमटेक/सीएसई/2020	मुंबई
दीपेश अग्रवाल	एमटेक/ईई/2020	सूरत
रोशनी अग्रवाल	एमटेक/ईई/2020	सूरत
आनंदनसिंह चौहान	एमटेक/ईई/2020	अहमदाबाद
कौशल दाडसेना	एमटेक/ईई/2020	धमतरी
दिप्तेश दत्ता	एमटेक/ईई/2020	कलकत्ता
पीयूष देवांगन	एमटेक/ईई/2020	दुर्ग
शुभम जैन	एमटेक/ईई/2020	नई दिल्ली
आशीश कुमार	एमटेक/ईई/2020	गोड्डा
कृष्ण कुमार	एमटेक/ईई/2020	अरवाल
अंकिता नंदी	एमटेक/ईई/2020	शिलांग
बिप्लब नाथ	एमटेक/ईई/2020	तिरप
प्रियंजना पाल	एमटेक/ईई/2020	अगरतला
राकेश कुमार पोथल	एमटेक/ईई/2020	ढेंकनाल
विशाल प्रसाद	एमटेक/ईई/2020	मुंगर
जितेश शाह	एमटेक/ईई/2020	नैनीताल
ज्ञानेंद्र के तिवारी	एमटेक/ईई/2020	सतना
आलोक कुमार ठाकुर	एमटेक/ईएसएस/2020	नजफगढ़
इंद्र मणि त्रिपाठी	एमटेक/ईएसएस/2020	बस्ती
अभिमन्यु	एमटेक/एमई/2020	खलीलाबाद
अकबाल अहमद	एमटेक/एमई/2020	संत कबीर नगर
दिनेश बौस्कर	एमटेक/एमई/2020	भिलाई
साई अजय चल्ला	एमटेक/एमई/2020	काकीनाडा
अरुणव चौधरी	एमटेक/एमई/2020	गुवाहाटी
हरवंश दांडेलिया	एमटेक/एमई/2020	ग्वालियर
दीपम दुबे	एमटेक/एमई/2020	इटावा
सयाली जाधव	एमटेक/एमई/2020	सतारा
संजीव कुमार	एमटेक/एमई/2020	बांका
सौरभ लांजे	एमटेक/एमई/2020	चिन्नापन्नाहली
ऋषभ माथुर	एमटेक/एमई/2020	सीकर
चल्ला साई अजय नरेंद्र	एमटेक/एमई/2020	काकीनाडा
हेमंत आर	एमटेक/एमई/2020	पलक्कड़
देवांश श्रीवास्तव	एमटेक/एमई/2020	भोपाल
रुचि थोसरे	एमटेक/एमई/2020	औरंगाबाद
देवकी वर्मा	एमटेक/एमई/2020	छत्तीसगढ़
रोहित दाहुले	एमटेक/एमएसई/2020	चंद्रपुर
स्वागत दास	एमटेक/एमएसई/2020	कटक
अंकित जायसवाल	एमटेक/एमएसई/2020	वाराणसी
रंगा तेजा पिदाथला	एमटेक/एमएसई/2020	सिकंदराबाद
सिद्धार्थ सरमाह	एमटेक/एमएसई/2020	तेजपुर
सौरभ सोनी	एमटेक/एमएसई/2020	जांजगीर चंपा
अक्षय श्रीवास्तव	एमटेक/एमएसई/2020	लखीमपुर खीरी
निष्कर्ष श्रीवास्तव	एमटेक/एमएसई/2020	गांधीनगर
प्रिया तिवारी	एमटेक/एमएसई/2020	फतेहपुर
प्रणव त्रिवेदी	एमटेक/एमएसई/2020	गांधीनगर
प्रियोद्युति प्रधान	पीजीडीआईआईटी/सीएस/2017	पूर्वी मिदनापुर
नीरज धुल्ल	पीजीडीआईआईटी/ईई/2017	हरियाणा
पूजा राजोरिया	पीजीडीआईआईटी/सीई/2019	लागू नहीं
भास्कर शुक्ला	पीजीडीआईआईटी/एमई/2019	भोपाल
उदय कुमार	पीजीडीआईआईटी/एमएसई/2019	लागू नहीं
रोहिताश्व कुमार सिंह	पीजीडीआईआईटी/सीई/2020	गाज़ियाबाद
विशाल घनश्याम वघेला	पीजीडीआईआईटी/सीई/2020	अहमदाबाद
जितेन्द्र प्रसाद अग्रवाल	पीजीडीआईआईटी/ईई/2020	करौली
प्रशांत झा	पीजीडीआईआईटी/ईई/2020	मधुबनी
पियूश कुमार	पीजीडीआईआईटी/ईई/2020	दिल्ली
सुमितवा मुखर्जी	पीएचडी/एचएसएस/2014	हुगली
चंद्रशेखरण एस	पीएचडी/ईई/2015	राजपलायम
जे राम प्रभाकर	पीएचडी/ईई/2016	धर्मपुरी
पालय सी मुखर्जी	पीएचडी/एचएसएस/2016	हुगली
गौरव द्विवेदी	पीएचडी/एमए/2017	उत्तर प्रदेश
सलोनी प्रशांत पांड्या	पीएचडी/सीई/2018	अहमदाबाद
अवनीश उपाध्याय	पीएचडी/सीएल/2018	मिर्जापुर
मुरली कृष्ण इंदुरी	पीएचडी/सीएस/2018	गुंटूर
दीपेश कुमार	पीएचडी/ईई/2018	दुर्ग
रमेशकुमार एम भोरनिया	पीएचडी/एमई/2018	राजकोट
योगेश शांताराम फुलपगारे	पीएचडी/एमई/2018	धुले
पंकज	पीएचडी/एमएसई/2018	गाज़ियाबाद
प्राजक्ता रमेश जाधव	पीएचडी/सीई/2019	रायगढ़
सीतालक्ष्मी पी	पीएचडी/सीई/2019	पेरुंदुरै
पतनायाकुनि रवि प्रकाश	पीएचडी/सीई/2019	काकीनाडा
हर्ष लवकुमार शाह	पीएचडी/सीई/2019	अहमदाबाद
प्रसीता ई के	पीएचडी/सीएच/2019	कन्नूर
कृपा शाह	पीएचडी/एचएसएस/2019	पोंडिचेरी
सिंह चेतन चंदन	पीएचडी/एमएसई/2019	मुंबई
संजय कुमार	पीएचडी/बीई/2020	झुनझुनू
अभिजीत ओझा	पीएचडी/बीई/2020	भीलवाड़ा
गायत्री पी	पीएचडी/बीई/2020	थंजावुर
कृतिका रालहान	पीएचडी/बीई/2020	त्रिची
श्रुति गोयल	पीएचडी/सीजी/2020	अहमदाबाद
प्रदीप राज के बी	पीएचडी/सीजी/2020	कृष्णगिरि
अभिषेक सहाय	पीएचडी/सीजी/2020	प्रयागराज
मेहता कृष्णेश शांतिलाल	पीएचडी/सीजी/2020	अहमदाबाद
शेख अल्ताफ	पीएचडी/सीएच/2020	नेल्लोर
दीक्षी अंगिरा	पीएचडी/सीएच/2020	बेंगलुरु
अनुज बिश्ट	पीएचडी/सीएच/2020	दिल्ली
भानु प्रताप सिंह गंगवार	पीएचडी/सीएच/2020	उत्तर प्रदेश
कतला जगदीश कुमार	पीएचडी/सीएच/2020	मांछेरियल
बीना कुमारी	पीएचडी/सीएच/2020	सरन
महेश कुतवल	पीएचडी/सीएच/2020	पुणे

अल्ताफ शेख	पीएचडी/सीएच/2020	नेल्लोर
दीपा दीक्षित	पीएचडी/सीएल/2020	दिल्ली
आशा लीज़ा जेम्स	पीएचडी/सीएल/2020	कोट्टायम
सोफिया वर्गीश	पीएचडी/सीएल/2020	वडोदरा
चौधरी जयेश तुलसीदास	पीएचडी/सीएसई/2020	ठकुरली पूर्व
अद्यशा दाश	पीएचडी/ईई/2020	कटक
वी नवीन दीपक	पीएचडी/ईई/2020	करीमनगर
दीप्तीबेन पटेल	पीएचडी/ईई/2020	सूरत
द्वायपायन रे	पीएचडी/ईई/2020	अगरतला
अनिर्बन रॉय	पीएचडी/ईई/2020	रामपुरहत
बच्चु राज शेखर	पीएचडी/ईई/2020	वाईएसआर कडापा
स्नेहा वेद	पीएचडी/ईई/2020	ऑकलेंड, न्यू जीलेंड
आकर्श ए	पीएचडी/ईएच/2020	पथानमहित्ता
रमेन्द्र साहू	पीएचडी/ईएच/2020	सागर
द्योतना बनर्जी	पीएचडी/एचएसएस/2020	श्रीनगर
जानू भारद्वाज	पीएचडी/एचएसएस/2020	बारपेट
नागरेड्डी नीलकण्टेश्वर रेड्डी	पीएचडी/एचएसएस/2020	प्रकासम
धर्मेन्द्र कुमार	पीएचडी/एमए/2020	नवदा
सरोद अजिक्य अशोक	पीएचडी/एमई/2020	पुणे
नरेन्द्र बंडारू	पीएचडी/एमएसई/2020	गुंटूर
सश्मिता माझी	पीएचडी/एमएसई/2020	रसूलगढ़
त्वरित अशोकभाई पटेल	पीएचडी/एमएसई/2020	सूरत
महेश वी पी	पीएचडी/एमएसई/2020	थ्रिस्सूर
अमन अभिषेक	पीएचडी/पीएच/2020	दिल्ली
सौमिक बंदोपाध्याय	पीएचडी/पीएच/2020	बीरभूमि
भारती	पीएचडी/पीएच/2020	हरियाणा
फैरूस सी	पीएचडी/पीएच/2020	कोझिकोड
उपेन्द्र कुमार सिंह कुशवाहा	पीएचडी (पीआरएल)/पीएच/2016	गाज़ीपुर
गौरव कुमार तोमर	पीएचडी (पीआरएल)/पीएच/2016	बिजनौर
अनुकेश के ए	छात्र	गांधीनगर
नंथिनि ए	छात्र	गांधीनगर
ऋषिराज अधिकारी	छात्र	गांधीनगर
अनूप अगलावे	छात्र	गांधीनगर
आरुषि अर्नव	छात्र	गांधीनगर
नाकरानी धर्मित अश्विन	छात्र	गांधीनगर
चंद्रशेखर भगत	छात्र	गांधीनगर
पूरनचंद्र तेजसी भत्तर	छात्र	गांधीनगर
सताद्रु चक्रवर्ती	छात्र	गांधीनगर
स्वस्ति चक्रवर्ती	छात्र	गांधीनगर
प्रीथा चक्रवर्ती	छात्र	गांधीनगर
जयदीपसिंह चावड़ा	छात्र	गांधीनगर
रचित छाया	छात्र	गांधीनगर
उन्नत निखिल दवे	छात्र	गांधीनगर
दीपन दे	छात्र	गांधीनगर
बानोथ दिनेश	छात्र	गांधीनगर
राणा जैनीशकुमार दिनेशभाई	छात्र	गांधीनगर
दीपेन्द्र द्विवेदी	छात्र	गांधीनगर
रोहित गहलोत	छात्र	गांधीनगर
एस गणेश	छात्र	गांधीनगर
पायल घोष	छात्र	गांधीनगर
साक्षी गुप्ता	छात्र	गांधीनगर
कार्तिक हिलाल	छात्र	गांधीनगर
तण्मय जैन	छात्र	राजस्थान
चंदन कुमार झा	छात्र	गांधीनगर
मृत्युंजय झा	छात्र	गांधीनगर
श्रुति काटपारा	छात्र	गांधीनगर
नीरज कौशल	छात्र	गांधीनगर
सुविज्ञा कौशिक	छात्र	गांधीनगर
प्रभात कुमार	छात्र	गांधीनगर
प्रज्वल कुमार	छात्र	गांधीनगर
रोहताश कुमार	छात्र	गांधीनगर
सुविल महागांवकर	छात्र	गांधीनगर
ऋतिक मालगी	छात्र	गांधीनगर
श्रीरंजन मणिवसागम	छात्र	गांधीनगर
सांघवी हीरल मनोजकुमार	छात्र	गांधीनगर
इंशा मंसूरी	छात्र	गांधीनगर
चैत्रा माया	छात्र	गांधीनगर
अभिनव मीणा	छात्र	गांधीनगर
बानोथ विष्णु साई नायक	छात्र	गांधीनगर
जयसूर्या नलामोलू	छात्र	गांधीनगर
मोहम्मद नावेद	छात्र	गांधीनगर
शिवाजी ओ	छात्र	गांधीनगर
पंचमी	छात्र	गांधीनगर
निरालीबेन पटेल	छात्र	गांधीनगर
सोमनाथ पॉल	छात्र	गांधीनगर
रवि कांत प्रसाद	छात्र	गांधीनगर
व्यसाख आर	छात्र	गांधीनगर
सुरेन्द्र वी राज	छात्र	गांधीनगर
साक्षी रंजन	छात्र	गांधीनगर
गजेन्द्र सैनी	छात्र	गांधीनगर
सुमेधा शाह	छात्र	गांधीनगर
शशांक शेखर	छात्र	गांधीनगर
चक्रेश कुमार सिंह	छात्र	गांधीनगर
चोटू सिंह	छात्र	गांधीनगर
विवेक कुमार सिंह	छात्र	गांधीनगर
दीपिका सोनी	छात्र	गांधीनगर
अनु सुमन	छात्र	गांधीनगर
बोयापति सुरेश	छात्र	गांधीनगर
ज्येतिषराज थोडम	छात्र	गांधीनगर
अल्फा ज़ेनिथ तोपनो	छात्र	गांधीनगर
विश्वास त्रिवेदी	छात्र	गांधीनगर
वामसी वास	छात्र	गांधीनगर
फलक वत्स	छात्र	गांधीनगर
वाला वेदांगराज	छात्र	गांधीनगर
अंकित वर्मा	छात्र	गांधीनगर
हार्दिक श्याम व्यास	छात्र	गांधीनगर
शेखर कुमार यादव	छात्र	गांधीनगर
संजयकुमार हंसराज अमृत्या	संकाय	गांधीनगर
चंद्रकुमार अप्पाई	संकाय	गांधीनगर
सुदीप्ता बसु	संकाय	गांधीनगर
संजय सिंह बोरा	संकाय	गांधीनगर
शारदा सी	संकाय	गांधीनगर
आर्का चट्टोपाध्याय	संकाय	गांधीनगर
कृष्ण कांति डे	संकाय	गांधीनगर
अतुल अभय दीक्षित	संकाय	गांधीनगर
नितिन वी जॉर्ज	संकाय	गांधीनगर
श्रीराम के गुंदीमेडा	संकाय	गांधीनगर
सौम्या कांति खटुआ	संकाय	गांधीनगर
अभिजीत मिश्रा	संकाय	गांधीनगर
निहार रंजन मोहापात्रा	संकाय	गांधीनगर
एन रामकृष्णन	संकाय	गांधीनगर
इंद्रनाथ सेनगुप्ता	संकाय	गांधीनगर
मयंक सिंह	संकाय	गांधीनगर
सुगन्या अरमुगम	स्टाफ	गांधीनगर
राजू बीरासंत	स्टाफ	गांधीनगर
अंकिता भंडारी	स्टाफ	गांधीनगर
राहुलेन्द्र भास्कर	स्टाफ	गांधीनगर
शिवांगी वासुदेव भट्ट	स्टाफ	गांधीनगर
बिरेश चौबे	स्टाफ	गांधीनगर
यशवंद सिंह चौहान	स्टाफ	गांधीनगर
तपस कुमार दास	स्टाफ	गांधीनगर
वरा प्रसाद धानिकेला	स्टाफ	गांधीनगर
गुरमुख गुलबानी	स्टाफ	गांधीनगर
तेज बहादुर गुरुंग	स्टाफ	गांधीनगर
तेजस श्रीकृष्ण होरतीकार	स्टाफ	गांधीनगर
अनिरुद्ध माली	स्टाफ	गांधीनगर
डॉ शिव शंकर नेमला	स्टाफ	गांधीनगर
प्रदीपभाई निनामा	स्टाफ	गांधीनगर
महेशकुमार परमार	स्टाफ	गांधीनगर
अरिका पटेल	स्टाफ	गांधीनगर
हर्षद पटेल	स्टाफ	गांधीनगर
जितेन्द्र पुखराज पंवार	स्टाफ	गांधीनगर
पवित्रा राउत	स्टाफ	गांधीनगर
कोमल तरुणकुमार संगतानी	स्टाफ	गांधीनगर
निशा तहिलियानी	स्टाफ	गांधीनगर
पियूशभाई वाणकर	स्टाफ	गांधीनगर
आर ए वेण्किटाचलम	स्टाफ	गांधीनगर
अमेजन	शुभ चिंतक	संराअ
कवस कूपर	शुभ चिंतक	संराअ
अनाम दान	शुभ चिंतक	भारत
आनंद रमेश एकबोते	शुभ चिंतक	संराअ
ए ओ प्रतिष्ठान, इंक	शुभ चिंतक	संराअ
केया घोष	शुभ चिंतक	बुर्दवान
शुभम नरेन्द्र काबरा	शुभ चिंतक	अदावद
रोहित कुलश्रेष्ठ	शुभ चिंतक	इंदोर
कुंदन कुमार	शुभ चिंतक	समस्तीपुर
अमितवा मुखर्जी	शुभ चिंतक	संराअ
गुलाब अर्जुनदास रमणानी	शुभ चिंतक	भारुच
दुर्ग सान वेरथांति रवि	शुभ चिंतक	संराअ
अन्नपु रेड्डी श्रीकांत रेड्डी	शुभ चिंतक	भारत
नवीन कुमार सलुतागी	शुभ चिंतक	कलबुरगी, कर्णाटक
अमिता सिन्हा	शुभ चिंतक	गांधीनगर
एस आर सुदर्शन	शुभ चिंतक	भारत
श्रीनाथ सुंदरवरदाचार	शुभ चिंतक	कर्णाटक
अकंबो येपथो	शुभ चिंतक	भारत

लोग

विशिष्ट माननीय प्राध्यापक

प्रो. सुरेन्द्र प्रसाद

प्रो सुरेन्द्र प्रसाद चार दशकों से भी अधिक समय तक भा.प्रौ.सं. दिल्ली में कई शैक्षणिक व प्रशासनिक पदों पर सेवारत रहे जिसमें निदेशक पद भी शामिल है। इन्होंने शिक्षा व शोध में अनेक सम्मान प्राप्त किए जिसमें इलेक्ट्रॉनिक व दूर संचार (1987) में विक्रम साराभाई शोध पुरस्कार, अभियांत्रिकी विज्ञान (1988) में शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, इलेक्ट्रॉनिक व संचार (1994) में शोध के लिए ओमप्रकाश भसीन पुरस्कार, सूचना प्रौद्योगिकी (2006) के लिए वास्विक पुरस्कार, भारत के सिस्टम सोसाइटी का जीवन पर्यन्त पुरस्कार (2011) तथा भा॰प्रौ॰सं खड़गपुर का प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार शामिल हैं। साथ ही उन्हें 2007 में लूघबोरो विश्वविद्यालय, यू.के., के द्वारा डॉक्टरेट से भी सम्मानित किया गया। वे भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक अभियांत्रिकी, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय अकादमी ऑफ साइन्स तथा राष्ट्रीय अकादमी ऑफ साइंस के फेलो हैं तथा सी॰एस॰आई॰आर॰ के शासी निकाय तथा सी॰एस॰आई॰आर॰ समाज, भारत सरकार तथा कई भा॰प्रौ॰संस्थानों व राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की समितियों व अन्य अभियांत्रिकी संस्थानों के सदस्य रहे हैं।

प्रो. नीतीश ठाकोर

प्रो. नीतीश ठाकोर जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय में जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी, संगणक अभियांत्रिकी तथा तंत्रिका विज्ञान के प्राध्यापक हैं और तंत्रिका अभियांत्रिकी के लिए प्रयोगशाला का नेतृत्व करते हैं। वे सिंगापोर तंत्रिका प्रौद्योगिकी संस्थान में निदेशक भी हैं। उन्होंने भा॰प्रौ॰सं॰ मुंबई से 1974 में अवर-स्नातक की उपाधि व 1981 में मेडीसन के विस्कॉसिन विश्वविद्यालय से पीएचडी प्राप्त किया है। उन्हें अभियांत्रिकी विद्यालय, विस्कांसिन विश्वविद्यालय द्वारा 2008 में सेंटेनियल पदक, तथा अल्फा एटा मू बीटा जैव विज्ञान समाज द्वारा स्नायु अभियांत्रिकी में तकनीकी उत्कृष्टता का पुरस्कार मिला। उन्होंने आईईईई औषधि एवं जैवप्रौद्योगिकी सोसायटी से न्यूरोअभियांत्रिकी में तकनीकी उत्कृष्टता का पुरस्कार और 2012 में भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे से प्रतिष्ठित पूर्वछात्र पुरस्कार और विस्कॉसिन विश्वविद्यालय, मैडिसन अभियांत्रिकी विद्यालय से सेंटेनियल पदक प्राप्त किया।

अतिथि विद्वान

प्रो ज्योतिका रामप्रसाद

प्रो ज्योतिका रामप्रसाद अमेरिका के मियामी विश्वविद्यालय में पत्रकारिता और मीडिया प्रबंधन विभाग में प्राध्यापक हैं। इससे पहले, उन्होंने दक्षिणी इलिनोइस विश्वविद्यालय, कार्बोन्डेल में एसोसिएट और अंतरिम डीन के रूप में प्रशासनिक जिम्मेदारी के पदों पर कार्य किया है। उन्होंने एमएस विश्वविद्यालय, बड़ौदा से बीए और एमए और दक्षिणी इलिनोइस विश्वविद्यालय, कार्बोंडेल से पीएचडी प्राप्त की। प्रो रामप्रसाद का पिछला शोध समाचार प्रवाह, मीडिया प्रतिनिधित्व और विज्ञापन पर केंद्रित था; और उनकी हाल की रुचियां पत्रकारिता अध्ययन और सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार में हैं। अफ्रीका, एशिया और यूरोप में फैले उन्मुखीकरण में उनके लगभग सभी पुराने और वर्तमान कार्य अंतर्राष्ट्रीय हैं। वह भारतीय संचार संस्थान में फुलब्राइट विद्वान और जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका में फुलब्राइट विशेषज्ञ रह चुकी हैं। उन्होंने पांच पूर्वी अफ्रीकी देशों के पत्रकारिता/संचार शिक्षकों के एक समूह को उनके पर्यावरण पत्रकारिता/सामाजिक परिवर्तन पाठ्यक्रम के लिए परामर्श सहायता प्रदान की है और अफ्रीका और एशिया में कई शैक्षणिक संस्थानों को सलाह दी है।

प्रो रघुबीर शरण

प्रो रघुबीर शरण ने 2004 में एलएनएम सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर में एक विशिष्ट प्राध्यापक के रूप में शामिल होने से पहले विद्युत अभियांत्रिकी के विषय में 35 से अधिक वर्षों तक भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर में सेवा की। उन्होंने बिहार प्रौद्योगिकी संस्थान, सिंदरी से दूरसंचार अभियांत्रिकी में बीई, तथा एमएएससी व पीएचडी यूनिवर्सिटी ऑफ वाटरलू, ओंटारियो, कनाडा से इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी में पूरा किया। उन्होंने 1981 से 1984 तक भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर में अकादमिक मामलों के डीन के रूप में भी काम किया है। 1999 से 2004 तक, वे भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर में सैमटेल डिस्प्ले प्रौद्योगिकी केंद्र (एससीडीटी) की स्थापना में शामिल थे। प्रो शरण 2012 में विद्युत अभियांत्रिकी के विषय में अभ्यागत प्राध्यापक के रूप में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर से जुड़े और मई 2019 तक यहां सेवा की। सेवानिवृत्ति के बाद, प्रो शरण को भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर से दो पुरस्कार मिले: विशिष्ट शिक्षक पुरस्कार (2013) और संस्थान फेलो पुरस्कार (2016)। उनके अनुसंधान हितों में तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्य, अर्धचालक उपकरण, ट्रांसड्यूसर और उपकरण, शोर, अभियांत्रिकी शिक्षा शामिल हैं।

डॉ वास्को मेटोस ट्रिगो

डॉ वास्को माटोस ट्रिगो एक पत्रकार हैं जिन्हें इलेक्ट्रॉनिक समाचार मीडिया में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है। डॉ ट्रिगो ने एक निजी राष्ट्रीय रेडियो स्टेशन (रेडियो रेनासेंका) में एक राजनीतिक रिपोर्टर के रूप में अपना करियर शुरू किया। 1988 में, वह आरटीपी (पुर्तगाली सार्वजनिक टीवी नेटवर्क) में शामिल हो गए, जिसमें संसद और गणतंत्र की प्रेसीडेंसी को कवर किया गया और मुख्य समाचार सेवाओं के मेजबान के रूप में शामिल किया गया। 1993 और 1995 के बीच, उन्होंने संसद अध्यक्ष के प्रेस अधिकारी के रूप में भी काम किया। अक्टूबर 1996 और दिसंबर 2012 के बीच, वह विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने वाली साप्ताहिक टीवी पत्रिकाओं के संपादक और मेजबान थे। 2000 से, वह पुर्तगाल और विदेशों में कई उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों, शोधकर्ताओं और पीएचडी विद्वानों को टीवी पत्रकारिता और विज्ञान संचार पढ़ा रहे हैं। 2014 और फरवरी 2019 के बीच, वह आईएससीटीई- लिस्बन विश्वविद्यालय संस्थान में संचार और मल्टीमीडिया कार्यालय के प्रमुख थे। उन्होंने यूनिवर्सिडेड नोवा, लिस्बन (पुर्तगाल) से सांख्यिकी और सूचना प्रबंधन में स्नातक की डिग्री और सेंट-लुई विश्वविद्यालय ब्रुक्सेल्स (बेल्जियम) से ऑडियोविजुअल और मल्टीमीडिया में एमबीए किया है।

अतिथि प्राध्यापक

प्रो अनिलकुमार अमुरतुर

प्रो अनिलकुमार अमुरतुर वॉन्डरबिल्ट विश्वविद्यालय के संकाय में एक एयरोस्पेस अभियंता हैं। वे स्पेस शटल फ्लाइट्स तथा अंतरराष्ट्रीय स्पेस शटल स्टेशन माइक्रोग्रेविटी फ्लुइड फ्लो फेनोमेना के नासा अन्वेषक रहे हैं। उनके शोध के केंद्र में, प्रयोगात्मक द्रव डाइनामिक्स, रॉकेट प्रोपल्सन, ड्रॉप व डबल डाइनामिक्स, बायो एनकेप्सुलेशन; ऊर्जा कन्वर्सन, वायु, थर्मोइलेक्ट्रिक्स, बायोडीजल; सामग्री प्रसंस्करण: फ्लोट-जोन्स, डाईरेक्शनल सॉलिडिफिकेशन शामिल हैं।

श्री वी अशोक

श्री वी अशोक वर्तमान में भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में अतिथि प्राध्यापक, भा०प्रौ०सं० बॉम्बे में सहायक प्राध्यापक और राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान (एनआईएएस) बेंगलोर में अतिथि प्राध्यापक हैं। उन्होंने 1981 में भा०प्रौ०सं० दिल्ली से सिविल अभियांत्रिकी में बीटेक प्राप्त किया। विभिन्न पदों पर 34 वर्षों से अधिक समय तक भारत सरकार की भारतीय विदेश सेवा में सेवा करने के बाद, वे अक्टूबर 2018 में भारत के महावाणिज्य दूत, सैन फ्रांसिस्को के रूप में सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय में पदस्थ होने के अलावा हांगकांग, मलेशिया, चीन, ऑस्ट्रिया और श्रीलंका में भारतीय मिशनों में राजनयिक कार्यभार संभाला है। उन्हें 2007 में जिम्बाब्वे गणराज्य और 2011 में चेक गणराज्य में भारत के राजदूत के रूप में मान्यता दी गई थी।

डॉ निखिल बलराम

डॉ निखिल बलराम संराअ, केलिफोर्निया में सेन जोस आधारित आईवे विज़न इंक (ईवाईआई) के प्रकाअ हैं, जो उन्नत इमर्सिव एआर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत है। आईवे में नियुक्ति से पहले, वे गूगल में हार्डवेयर उत्पादनों (एआर/वीआर सहित) के प्रमुख डिस्प्ले का शोध एवं विकास का कार्य देख रहे हैं। प्रौद्योगिकी में कार्यकारी पद पर बड़ा अनुभव रखने वाले, डॉ बलराम पूर्व में रीको नवीनताएं में प्रकाअ, मार्वेल में वीपी व जीएम, तथा राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर डिसप्ले समूह में सीटीओ पद पर रह चुके हैं। उन्होंने कई पुरस्कार जीते हैं जिसमें 9वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय व्यापार पुरस्कार की इलेक्ट्रॉनिक श्रेणी में वर्ष के कार्यपालक के लिए 2012 गोल्ड स्टीवी पुरस्कार, सोसाइटी-फॉर इन्फोर्मेशन डिसप्ले (एसआईडी) द्वारा 2012 फेलो पुरस्कार तथा कार्नेजी मेलन विश्वविद्यालय का पूर्व छात्र उपलब्धि पुरस्कार 2011 शामिल हैं। डा बलराम कार्नेजी केलिफोर्निया विश्वविद्यालय बर्कले में विजन विज्ञान में अभ्यागत प्राध्यापक हैं तथा सांता क्लारा विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में उद्योग सलाहकार प्राधिकरण (आईएबी) में अपनी सेवा प्रदान करते हैं।

प्रो रवि बनावर

प्रो रवि बनावर भा०प्रौ०सं० मुंबई में प्रणालियां एवं नियंत्रण अभियांत्रिकी समूह के प्रोफेसर हैं, देश का एक अनोखा अंतरविषयक समूह जो इस क्षेत्र में अधिस्नातक एवं डाक्टोरल कार्यक्रम में शिक्षा प्रदान करता है। उनकी शोध रुचि ज्यामितीय यांत्रिकी, नॉनलीनियर एवं ऑप्टिमल नियंत्रण, एयरोस्पेस के अनुप्रयोगों के साथ लोकोमोशन, यांत्रिकी एवं सूक्ष्म-रोबोटिक्स के क्षेत्र में है। उन्हें भा०प्रौ०सं० मद्रास से बीटेक, क्लेमसन विवि से एमएस तथा टेक्सस विवि, ऑस्टिन से पीएचडी प्राप्त है। केलिफोर्निया विवि, लॉस एंजलिस में एक प्रशिक्षक के रूप में थोड़ा समय कार्य करने के पश्चात वे 1993 में भा०प्रौ०सं० मुंबई के प्रणालियां एवं नियंत्रण समूह में शामिल हो, वे जुलाई-दिसम्बर 2015 के बीच भारतीय विज्ञान संस्थान के एयरोस्पेस अभियांत्रिकी विभाग में प्रैट एवं व्हाइटनी विजिटिंग चेयर प्रोफेसर थे।

श्री हर्ष भार्गव

श्री हर्ष भार्गव वर्तमान में एक प्रमुख वाशिंगटन डीसी आधारित प्रबंधन परामर्श कंपनी बैकवर्ल्ड इंक के अध्यक्ष हैं, जो 75 से अधिक देशों के उभरते बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रमों (एमएसएमई) का अनुभव प्राप्त कर चुके हैं। उन्हें हार्वर्ड बिज़नेस विद्यालय से 1977 में एमबीए की उपाधि प्राप्त है। एक अमेरिकी निगम के उपाध्यक्ष के रूप में, उन्होंने 60 से अधिक देशों में कारोबार स्थापित किया और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में उत्कृष्टता के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के ई अवार्ड से सम्मानित किया गया। श्री भार्गव भारत और केन्या के केंद्रों के साथ एक गैर-लाभकारी निगम के संस्थापक और आई क्रिएट इंक के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने युवाओं के लिए कैरियर विकल्प के रूप में उद्यमशीलता पर विस्तार से लिखा है, और वित्तीय साक्षरता और उद्यमशीलता पर प्रशिक्षण मैनुअल और किताबें बनाई हैं।
वह भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के तत्वावधान में भारत में प्रतिस्पर्धा की मानसिकता पर एक राष्ट्रव्यापी अध्ययन के मुख्य लेखक और निदेशक हैं। वह भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में स्थापित इकाई, प्रतिस्पर्धात्मक मानसिकता की पहल के मुख्य संरक्षक भी हैं।

डॉ अचिंत्य के भौमिक

डॉ अचिंत्य के भौमिक स्टारकी हियरिंग प्रौद्योगिकी, एक निजी चिकित्सा उपकरण उद्योग जिसका विश्व के 100 से भी अधिक देशों में व्यापार है, के प्रमुख प्रौद्योगिकी अधिकारी व कार्यकारी उपाध्यक्ष हैं। इस पद पर वे कंपनी की प्रौद्योगिकी संबंधी रणनीतियों, वैश्विक अनुसंधान, उत्पाद विकास तथा अभियांत्रिकी विभागों के साथ सुनने में सहायता करने वाले उपकरणों, बहुकार्य वाले पहनने के चिकित्सा उपकरणों के साथ उन्नत संवेदक व कृत्रिम बुद्धि प्रौद्योगिकी का नेतृत्व करते हैं। स्टारकी में आने से पहले, डॉ भौमिक इंटल कॉर्पोरेशन के परसेप्चुअल कम्प्यूटिंग समूह में उपाध्यक्ष तथा महाप्रबंधक पद पर थे। डॉ भौमिक स्टेनफोर्ड विवि में सहायक प्राध्यापक हैं। उन्हें कई सम्मान व पुरस्कार प्राप्त हैं, जिसमें टाइम का सर्वश्रेष्ठ आविष्कार, कृत्रिम बुद्धि ब्रेकथ्रू पुरस्कार, रेड डॉट डिजाइन पुरस्कार के अतिरिक्त कई अन्य पुरस्कार शामिल हैं।

डॉ आर एस बिष्ट

डॉ आर एस बिष्ट, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संयुक्त महानिदेशक (सेवा निवृत्त) को पुरातत्व शोध, राष्ट्रीय स्मारकों का पर्यावरणीय विकास तथा प्रशासन में 35 वर्षों से भी अधिक अनुभव है। वे हरियाणा के पुरातत्व विज्ञान व संग्रहालय विभाग; पुरातत्व विज्ञान विभाग एवं पंजाब संग्रहालय से भी जुड़े हुए हैं। वर्तमान में, डॉ बिष्ट मरीन पुरातत्व विज्ञान समिति के अध्यक्ष तथा संस्कृति मंत्रालय में भारत सरकार द्वारा मनोनीत, राष्ट्रीय स्क्रीनिंग व इवोल्यूशन समिति के अध्यक्ष हैं। वर्ष 2013 में उन्हें पद्मश्री तथा आचार्य नरेन्द्र देव अलंकार पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रो राजेन्द्र बोर्डिया

प्रो राजेन्द्र बोर्डिया वर्तमान में संराअ के क्लेमसन विश्वविद्यालय में सिरामिक्स व पदार्थ अभियांत्रिकी के जॉर्ज जे बिशप, III अक्षय निधि के चेयर प्राध्यापक हैं। पूर्व में वे क्लेमसन विश्वविद्यालय में पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी विभाग में प्राध्यापक व चेयर रह चुके हैंवी बिदार्थ अभियां.में सीटी। उन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं जिसमें एलेक्जेन्डर वॉन हमबोल्ड फाउन्डेशन, जर्मनी (2007) से हमबोल्ड वरिष्ठ वैज्ञानिक शोध पुरस्कार; राष्ट्रीय युवा अन्वेषक पुरस्कार (एन.एस.एफ.) (1992-1997); डूपोंट युवा प्राध्यापक पुरस्कार (ई/डूपोंट को) (1993-1996); तकनीकी विश्वविद्यालय हैमबर्ग, हारबर्ग, जर्मनी द्वारा अंतरराष्ट्रीय एक्सपर्ट पुरस्कार (1996, 2001, तथा 2002) शामिल हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन (2007) द्वारा मार्शा लैंडोल्ट डिस्टींगविश्ड ग्रेजुएट मेंटर अवार्ड पाने वाले वे एकमात्र व्यक्ति हैं, तथा सेरामिक एजुकेशन कांउसिल ऑफ अमेरिकन सेरामिक सोसाइटी (2012) द्वारा आउटस्टैंडिंग एजुकेटर ऑफ द इयर के एकमात्र प्राप्तकर्ता हैं।

प्रो आर पी छाबड़ा

प्रो आर पी छाबड़ा ने रासायनिक अभियांत्रिकी में रूड़की विवि से बीई, भाविसं बंगलोर से एमई तथा मोनाश विवि, ऑस्ट्रेलिया से पीएचडी किया। वे भाप्रौसं कानपुर, न्यू साउथ वेल्स विवि सिडनी, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ स्वेनसिया; मोनाश विवि, क्लेटॉन; तथा सिडनी विवि से जुड़े रहे हैं, वे भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलोर, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत तथा भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी के फेलो हैं। प्रो छाबड़ा को रासायनिक अभियांत्रिकी में मूल शोध में उत्कृष्टता के लिए रासायनिक अभियंताओं के भारतीय संस्थान के हरडिल्लिया पुरस्कार तथा रासायनिक अभियंता के लिए शोध व विकास में उत्कृष्टता के लिए रासायनिक अभियंताओं के भारतीय संस्थान का अमर डाइ-केम पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

डॉ प्रवीणराय डी गांधी

डॉ प्रवीणराय डी गांधी वर्तमान में अंडरराइटर्स प्रयोगशाला (यूएल) में कॉरपोरेट अनुसंधान के निदेशक हैं। इन्होंने अपनी बीटेक की उपाधि भाप्रौसं दिल्ली तथा नोट्रेडेम विवि से पीएचडी प्राप्त किया। इनकी रुचि आग से होने वाले जोखिम तथा खतरों को मापने पर है, तथा वे नई परीक्षण विधि तथा मानक को विकसित कर रहे हैं। आजकल वे अग्नि विज्ञान शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए अग्नि सुरक्षा समुदाय तथा विश्वविद्यालयों के साथ कार्य कर रहे हैं।

प्रो रमेश गावंकर

प्रो रमेश गावंकर भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में विद्युत अभियांत्रिकी के अतिथि प्राध्यापक हैं। इन्होंने साइराक्रूस विवि से इंसट्रक्शनल प्रौद्योगिकी एवं विद्युत अभियांत्रिकी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है, साइराक्रूस, न्यू यॉर्क। उन्हें अपने शिक्षण व विद्वतापूर्ण गतिविधियों के लिए कई पुरस्कार मिले हैं जिसमें अमेरिकन अभियांत्रिकी शिक्षण सोसायटी उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार, सेंट लॉरेंस सेक्शन (1984) दि सनी चांसलर पुरस्कार, सृजनात्मकता व विद्वतापूर्ण गतिविधियों के लिए (2003), दि सी.एन.वाई. प्रौद्योगिकी - उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार (2003), तथा ओ.सी.सी. ट्रस्ट पुरस्कार मंडल का उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार (1982, 1989 एवं 2007) शामिल हैं।

डॉ वॉल्टर नील्स हकाला

डॉ वॉल्टर हकाला वर्तमान में यूएसए के बफेलो विश्वविद्यालय में अंग्रेजी विभाग के सह-प्राध्यापक और एशियाई अध्ययन कार्यक्रम के निदेशक हैं। इन्होंने वर्जीनिया विवि से बीए; जवाहरलाल नेहरू विवि से एमए, तथा पेंसिलवेनिया विवि से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। इनके शोध के हितों में उत्तर भारत और मध्य एशिया का साहित्य और भाषाएँ; लेक्सिकोग्राफी; मुगल और प्रारंभिक औपनिवेशिक दक्षिण एशियाई इतिहास; और दक्षिण एशियाई इस्लाम, सूफीवाद और उपसंहार शामिल हैं।

डॉ राजेन जसवा

डॉ राजेन जसवा एक प्रौद्योगिकी उद्यमी हैं। इनकी सबसे हाल की भूमिका 2009-2012 तक डायनो के प्रमुख कार्यकारी अधिकारी व अध्यक्ष के रूप में थी। 2003-2008 में इन्होंने अपना पूरा समय टाई सिलिकॉन वैली को समर्पित किया, 2005-2008 तक अध्यक्ष तथा 2003-2004 तक निदेशक के तौर पर इन्होंन अपनी सेवा प्रदान की है। डॉ जसवा 1996-2002 के बीच सेलेक्टिका के सहसंस्थापक, अध्यक्ष एवं प्रकाअ के रूप में सेवारत रहे।

प्रो अशोक जोशी

प्रो अशोक जोशी भाप्रौसं मुंबई के एयरोस्पेस अभियांत्रिकी विभाग में प्राध्यापक हैं। उन्हें 35 वर्षों से अधिक का शिक्षण, शोध एवं अनुसंधान तथा अध्यापन का अनुभव है। उनकी विशेषज्ञता लचीले उड़नवाहनों के आयामों और नियंत्रण, बहु-कारक स्वार्मिंग व्यवहार के नमूनों और चालन, नौचालन तथा दिशानिर्देशन तथा प्रणाली वास्तुकलानिर्माण में है। उन्होंने भाप्रौसं मुंबई से बीटेक एवं एमटेक (एयरोस्पेस अभियांत्रिकी) तथा पीएचडी (एयरोस्पेस अभियांत्रिकी) किया है। वे भारतीय एयरोनॉटिकल सोसायटी (एईएसआई) और अमेरिकी एयरोनॉटिक्स एवं एस्ट्रोनॉटिक्स संस्थान (एआईएए), संराअ के सदस्य भी हैं।

प्रो लीलावती कृष्णन

प्रो लीलावती कृष्णन भाप्रौसं कानपुर से 2014 में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग से सेवानिवृत्त हुईं। प्रो कृष्णन ने जून 1978 में मैकमास्टर विवि, हैमिल्टन, ओन्टेरियो, कनाडा से पीएचडी पूरा किया। उनकी विशेषज्ञता मनोविज्ञान (सामाजिक मनोविज्ञान, व्यक्तित्व; अंतर सांस्कृतिक मनोविज्ञान) में हैं। उन्हें 5 सितंबर, 2003 को माननीय शिक्षक पुरस्कार, भा.प्रौ.सं. कानपुर मिला। वे, राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी के अध्यक्ष पद (1998-99) पर रह चुकी हैं।

डॉ जॉर्डन लिटमैन

डॉ जॉर्डन लिटमैन संयुक्त राज्य अमेरिका के माचिया विश्वविद्यालय के मेन में एक सह प्राध्यापक; इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन एंड मशीन अनुभूति, फ्लोरिडा, यूएसए में एक अभ्यागत शोध वैज्ञानिक; और सेंटर फॉर क्यूरियोसिटी, न्यूयॉर्क, यूएसए के एक शोध फेलो हैं। उन्होंने अर्काडिया विश्वविद्यालय, ग्लेनसाइड, पेंसिल्वेनिया से बीए किया और दक्षिण फ्लोरिडा विश्वविद्यालय, ताम्पा से एमए और पीएचडी ग्रहण की। उनका शोध जिज्ञासा के अध्ययन और ज्ञान की तलाश और स्वयं-निर्देशित सीखने के संबंध पर केंद्रित है।

डॉ वी एन प्रभाकर*

डॉ वी एन प्रभाकर ने सितंबर 2020 में मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विषय में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में सह-प्राध्यापक के रूप में शामिल होने से पहले भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण में निदेशक (उत्खनन और अन्वेषण) के रूप में कार्य किया। प्रो प्रभाकर कुरूक्षेत्र विवि से अपनी पीएचडी उपाधि ग्रहण कर 1997 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण में नियुक्त हुए। उन्होंने आगरा और औरंगाबाद स्थित भापुस स्थित कार्यालयों में कई पदों पर कार्य किया तत्पश्चात दिल्ली स्थित औरंगाबाद सर्कल और उत्खनन शाखा में अधीक्षक पुरातत्वविद् पर कार्य किया। डा प्रभाकर ने रूपनगर स्थित हड़प्पन स्थल (2011-12) और करणपुर (2012-13 एवं 2013-14), तथा दौलताबाद (2010) स्थित मध्यकालीन स्थल के उत्खनन का निदेशन किया, इसके अतिरिक्त उन्होंने मेहताब बाग, मदारपुर, फतेहपुर सीकरी, सनौली (सभी उत्तर प्रदेश), एलोरा (महाराष्ट्र) एवं काशीपुर (उत्तराखंड) के उत्खनन में भी योगदान दिया।

प्रो दुर्गेश सी राय

प्रो दुर्गेश सी राय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में सिविल अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक हैं। उनको भूकंप अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (संराअ) द्वारा 2000 शाह परिवार नवीनता पुरस्कार तथा भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी द्वारा युवा अभियंता पुरस्कार (1999) प्राप्त हुआ है। वे 2010 में भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी फेलो चुने गए थे। वे राष्ट्रीय सूचना भूकंप अभियांत्रिकी केंद्र (एनआईसीईई) के भाप्रौसं कानपुर में संयोजक हैं तथा अंतरराष्ट्रीय भूकंप अभियांत्रिकी संस्था के विश्व भूकंप सुरक्षा पहलों के मण्डल के सदस्य हैं।

प्रो टी आर रामचंद्रन

प्रो टी आर रामचंद्रन 1989-99 के दौरान जवाहरलाल नेहरू अल्यूमीनियम अनुसंधान एवं डिजाइन विकास केंद्र नागपुर के संस्थापक निदेशक रहे। वे हैदराबाद की नॉनफेरस पदार्थ प्रौद्योगिकी विकास केंद्र के एमेरिटस वैज्ञानिक थे। वे भारतीय अल्यूमीनियम उद्योग राष्ट्रीय अल्यूमीनियम कंपनी (1991-93), भारत अल्यूमीनियम कंपनी (1994-97), पारादीप कार्बन्स (2002-2006) के साथ मज़बूती से जुड़े हुए थे तथा वर्तमान में एलूफ्लोराइड के कार्यकारी निदेशक के तौर पर काम कर रहे हैं। उनके नॉनफेरस धातु के क्षेत्र में अतिविशिष्ट योगदान के लिए उन्हें 1994 में हिंदुस्तान ज़िंक स्वर्ण पदक, तथा 2006 में भारतीय धातु संस्थान की स्थापना वर्ष में नालको स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

प्रो मैथिली रामस्वामी

प्रो मैथिली रामस्वामी वर्तमान में टाटा मूलभूत अनुसंधान केंद्र संस्थान बेंगलोर में गणित विभाग की प्रोफेसर हैं। उन्हें 2016-17 में फुलब्राइट-नेहरू शैक्षणिक एवं व्यावसायिक उत्कृष्टता अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई है। उनको महिला वैज्ञानिकों की श्रेणी के लिए 2004 में कल्पना चावला पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वे भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलोर, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद की फेलो हैं, तथा रामानुजन गणितीय समाज पत्रिका, भारतीय विज्ञान-गणितीय विज्ञान अकादमी और बाउंड्री वैल्यू समस्याओं की संपादकीय मंडल की सदस्य हैं। वर्तमान में वे मंडल सदस्य के रूप में भाप्रौसं गांधीनगर, राप्रौसं केलीकट शासी मंडल एवं आई.आई.एस.ई.आर. की स्थाई समिति को सेवा प्रदान कर रही हैं।

डॉ प्रमोद रस्तोगी

डॉ प्रमोद रस्तोगी स्विटजरलैंड के इकोले पॉलीटेक्निक फ्रेडेरेल डे लॉसेन में अतिथि प्रोफेसर हैं। उन्होंने भाप्रौसं दिल्ली से एमटेक की डिग्री प्राप्त की, और फ्रांस के कोम्टे विश्वविद्यालय से पीएचडी की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रकाशकों के साथ होलोग्राफी, डीएसपीआई, ऑप्टिकल मेट्रोलॉजी और डिजिटल ऑप्टिकल सिग्नल एनालिसिस के क्षेत्रों में नौ पुस्तकों का संपादन / लेखन किया है। डॉ रस्तोगी एसपीआई डेनिस गैबोर पुरस्कार के 2014 के प्राप्तकर्ता हैं। वह स्विस अभियांत्रिकी विज्ञान अकादमी के सदस्य भी हैं। वह वर्ष 1982 में प्रायोगिक यांत्रिकी में प्रकाशित सबसे महत्वपूर्ण शोध पत्र के लिए हेटेनी पुरस्कार के प्राप्तकर्ता भी हैं।

डॉ श्रीनिवास रेड्डी

डॉ श्रीनिवास रेड्डी ने ब्राउन् विवि से दक्षिण एशियाई अध्ययन में बीए की उपाधि प्राप्त की। उन्हें बर्कले की केलिफोर्निया विवि से दक्षिणपूर्वी एशियाई अध्ययन में एमए और पीएचडी की उपाधि प्राप्त है। वर्तमान में वे ब्राउन विवि के एप्लाइड संगीत कार्यक्रम-सितार में शिक्षण सहायक पद पर हैं। उन्होंने दो पुस्तकें भी प्रकाशित की है जिनका शीर्षक है, "घिसी हुई माला के दाता: श्री कृष्णदेवआर्य की अमुक्तमाल्यदा" तथा "राया"।

उन्होंने संस्कृत, पाली, तेलगु, तमिल भाषाओं के उच्चारण और अनुवाद में उच्च प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वह दुनिया भर में दक्षिण एशिया के शास्त्रीय संगीत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक गैर-लाभकारी संगठन साधना फाउंडेशन के संस्थापक और कलात्मक निदेशक हैं।

प्रो धीरज सांघी

प्रो धीरज सांघी वर्तमान में पंजाब अभियांत्रिकी विद्यालय, चंडीगढ़ के निदेशक हैं। पूर्व में वे संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में प्रोफेसर थे। वे भासूप्रौ संस्थान दिल्ली में संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के अभ्यागत संकाय (2015-17) थे जहां वे शैक्षणिक मामले तथा बाह्य संबंध के डीन पद पर भी रहे। वे 2008-2010 तक एलएनएम सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एल.एम.एस. आई.आई.टी.) के निदेशक पद पर रहे, यह जयपुर विवि के साथ एक पब्लिक-प्राइवेट संस्थान है। वे भाप्रौसं कानपुर में शैक्षणिक मामले के 2011 से 2014 तक डीन थे। वे प्रभु गोयल अनुसंधान केंद्र में संगणक एवं इंटरनेट सुरक्षा तथा संस्थान के कम्प्यूटर केंद्र के प्रमुख के पद पर भी रहे। प्रो सांघी ने भाप्रौसं कानपुर से बीटेक और मैरीलेंड विवि से एमएस तथा पीएचडी किया है। उनकी शोध रुचि कम्प्यूटर नेटवर्क और नेटवर्क सुरक्षा में है।

प्रो श्याम सुंदर

प्रो श्याम सुंदर येल प्रबंधन विद्यालय में लेखांकन, अर्थशास्त्र, और वित्त के जेम्स एल फ्रेंक प्रोफेसर; अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर; तथा व्हाइटनी मानविकी केंद्र के फेलो हैं। वे एक विश्वप्रसिद्ध लेखा सिद्धांतवादी और प्रयोगात्मक अर्थशास्त्री हैं। उनके शोध योगदान में वित्तीय रिपोर्टिंग, सिक्यूरिटी मार्केट की जानकारी, मूल्यनिर्धारण का अर्थशास्त्र सिद्धांत, तथा इलेक्ट्रॉनिक बाज़ार की रूपरेखा शामिल हैं। वे प्रयोगात्मक वित्त और प्रयोगात्मक सूक्ष्मअर्थशास्त्र के क्षेत्र में अग्रणी हैं। प्रो सुंदर को उनके शोध कार्य के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिसमें छः पुस्तकें तथा प्रसिद्ध मीडिया सहित अग्रणी पत्रिकाओं में लेखा, अर्थशास्त्र तथा वित्त पर 200 से अधिक लिखे गए लेख शामिल हैं।

डॉ महेश टंडन

डॉ टंडन संरचनात्मक अभियांत्रिकी के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ तथा टंडन परामर्श प्रा लि के प्रबंध निदेशक हैं। उन्होंने भारतीय संरचनात्मक अभियंता संघ के अध्यक्ष (2015-16) तथा वायु अभियांत्रिकी के भारतीय समाज के अध्यक्ष (2015-16) के रूप में सेवा दी है। वे भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी के फेलो, पूर्व में भाप्रौसं कानपुर के राष्ट्रीय भूकंप सूचना केंद्र के सभापति तथा भारतीय कांक्रीट संस्थान के पूर्व अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं।

एम वेण्कटरमण

श्री एम वेंकटरमण अंतरराष्ट्रीय जियोसिंथेटिक्स सोसाइटी के भारतीय अध्याय के तत्काल पूर्व अध्यक्ष हैं। उन्होंने भाप्रौसं मद्रास से 1971 में सिविल अभियांत्रिकी में बीटेक एवं मृदा यांत्रिकी तथा बुनियाद में एमटेक प्राप्त किया। वे 1971-80 तक अर्ध-सरकारी संस्थाओं में संरचनात्मक परियोजनाओं के डिज़ाइन बनाने और उन योजनाओं को पूर्ण करने के लिए कार्यरत रहे। 1980-1985 के बीच उन्होंने मध्य पूर्वीय परियोजनाओं के लिए एक स्वीडिश सलाहकार के लिए परियोजना प्रबंधक के पद पर कार्य किया। वे 1985 में नेटलन इंडिया से जुड़ गए और भारत में जियोसिंथेटिक्स का विपणन करते हुए नेटलन एवं टेनसार उत्पादों के साथ सड़क, रेल और सतही सुधार की जियोसिंथेटिक्स परियोजनाओं में शामिल हो गए। वे 2005 में गरवारे से ए.वी.पी. के पद पर सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने 2013 से एक स्वतंत्र जियोटेकनिकल और जियोसिंथेटिक्स सलाहकार के रूप में कार्य करना शुरू कर दिया है। श्री वेण्कटरमण ने विभिन्न जियोटेकनिकल पत्रिकाओं में 50 से भी अधिक तकनीकी लेख लिखवाए और प्रकाशित कराए हैं।

प्रो फ्रेडरिक कूलिज

प्रो फ्रेडरिक कूलिज कोलोराडो विश्वविद्यालय, कोलोराडो स्प्रिंग्स, संराअ में मनोविज्ञान में स्नातक शिक्षा के प्राध्यापक और सह-निदेशक हैं। उन्होंने फ्लोरिडा विश्वविद्यालय से बीए, एमए और पीएचडी प्राप्त की और फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के शैंड्स शिक्षण अस्पताल में चिकित्सीय न्यूरोसाइकोलॉजी में दो साल की पोस्टडॉक्टरल अध्येतावृत्ति पूरी की। उनकी शोध रुचियां व्यवहार आनुवंशिकी, व्यक्तित्व विकार, पैलियोसाइकोलॉजी, संज्ञानात्मक पुरातत्व और व्यक्तित्व मूल्यांकन के क्षेत्र में हैं। अतीत में, प्रो कूलिज ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, केबल विद्यालय, यूके में वरिष्ठ अभ्यागत विद्वान (2015) के रूप में और भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में स्कॉलर-इन-रेसिडेंस के रूप में भी काम किया है। प्रो कूलिज तीन बार फुलब्राइट अध्येतावृत्ति पुरस्कार प्राप्तकर्ता (भारत, 1987, 1992, 2005) हैं। उन्होंने कई किताबें और पत्रिका लेख लिखे/सह-लेखक हैं। डॉ कूलिज साइकोलॉजिकल विज्ञान संगठन, द यूरोपियन सोसाइटी फॉर ह्युमन इवोल्यूशन, द सोसाइटी फॉर अमेरिकन आर्कियोलॉजी और प्रागैतिहासिक अंतरराष्ट्रीय यूनियन तथा प्रोटोहिस्टोरिक विज्ञान के सदस्य हैं।

प्रो कोशी थारकन

प्रो कोशी थारकन ने हैदराबाद विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र में परास्नातक के साथ-साथ डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की और 1996 में गोवा विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में व्याख्याता के रूप में अपना करियर शुरू किया। वह 2009 में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में सह-प्राध्यापक के रूप में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने

छात्र मामलों के डीन के रूप में भी काम किया। वे भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में दो साल के कार्यकाल के बाद गोवा विश्वविद्यालय लौट आए और वर्तमान में गोवा विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के प्राध्यापक और प्रमुख हैं। प्रो थारकन की विशेषज्ञता के क्षेत्र सामाजिक विज्ञान और महाद्वीपीय दर्शन के दर्शन में निहित हैं। उनके शोध हितों में मेटा-नैतिकता, सामाजिक विज्ञान के दर्शन और घटना विज्ञान शामिल हैं।

प्रो पी पी जोगलेकर

दक्कन कॉलेज, पुणे में एआईएचसी और पुरातत्व विभाग में एक पूर्व, प्रो प्रमोद् प्रभाकर जोगलेकर वर्तमान में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में मानविकी और सामाजिक विज्ञान में अतिथि प्राध्यापक हैं। प्रो जोगलेकर को अध्यापन का 25 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे कई पुरस्कारों और सम्मानों के प्राप्तकर्ता हैं, जिनमें प्रोफेसर एचडी संकलिया युवा पुरातत्वविद् पुरस्कार (1993), फोर्ड फाउंडेशन की विजिटिंग अध्येतावृत्ति (1990) (यूएस और हॉलैंड), इटली सरकार की पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप (1993), कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय चार्ल्स वालेस फेलो (1998) में, जैव प्रौद्योगिकी पर एक किताब के लिए महाराष्ट्र राज्य साहित्य पुरस्कार (2002), 'टाइमलाइन' (मराठी में एक किताब) के लिए रंजीत देसाई साहित्य पुरस्कार (2004) शामिल हैं। उन्होंने जूलॉजी में बीएससी और एमएससी, सांख्यिकी में एमफिल, इंडोलॉजी में एमए किया है; और पुरातत्व में पीएचडी। उनकी शोध रुचियों में शामिल विषयों में शामिल हैं: विज्ञान और प्रौद्योगिकी का इतिहास, पुरातत्व विज्ञान, मनुष्य, अतीत में पौधों और जानवरों की बातचीत, जैव-आणविक पुरातत्व, और विज्ञान और समाज।

प्रो रोजा मारिया पेरेज

प्रो रोजा मारिया पेरेज एक मानवविज्ञानी और मानवविज्ञान अनुसंधान केंद्र (सीआरआईए), पुर्तगाल में वरिष्ठ शोधकर्ता हैं। अगस्त 2020 तक, वे आईएससीटीई- लिस्बन विश्वविद्यालय संस्थान के मानव विज्ञान विभाग की प्राध्यापक थीं। वे संयुक्त राज्य अमेरिका (विशेष रूप से ब्राउन विश्वविद्यालय), यूरोप, मोजाम्बिक, ब्राजील और भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अतिथि प्राध्यापक रही हैं। 2012 से प्रो पेरेज भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में अभ्यागत प्राध्यापक हैं। उनका मुख्य शोध भारतीय समाज और सामाजिक अलगाव (दलित और महिलाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ), महिलाओं के अध्ययन, उपनिवेशवाद और भारत में उपनिवेशवाद, क्षेत्रीय कार्य पद्धति, सार्वजनिक नृविज्ञान और मानवाधिकारों पर है। प्रो पेरेज संयुक्त राष्ट्र आयोग के लैंगिक समानता और महिला अधिकारिता और एशिया पर यूरोपीय परिषदों की सलाहकार हैं। अंग्रेजी में उनकी नवीनतम पुस्तक "ट्रांसडिसिप्लिनरी एथ्नोग्राफी इन इंडिया: वीमेन इन द फील्ड" है, जिसे लीना एम फ्रुज़ेट्टी (रूटलेज, लंदन और एनवाई, 2021) के साथ सह-संपादित किया गया है।

संकाय सदस्य

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम तिथि	विशेषज्ञता
पुरातत्व विज्ञान			
शारदा वी चन्नारायपटना	सहायक प्राध्यापक	दक्कन विद्यालय, 2014; फेर्रारा विश्वविद्यालय, 2018	पुरातनप्राणी विज्ञान एवं टेफोनोमी तथा जैवपुरातत्व विज्ञान
मिशेल डेनीनो	अभ्यागत प्राध्यापक	इकोल सुपेरियूरे डिइलेक्ट्रिसाइट (जिफ-सुरयेट्टे, फ्रांस), 1977	पुरातत्व विज्ञान, प्राचीन भारत का इतिहास एवं संस्कृति
आलोक कुमार कानूनगो	सहायक अनुसंधान प्राध्यापक	दक्कन विद्यालय, 2003	कांच की उत्पत्ति एवं इतिहास
जीवविज्ञान अभियांत्रिकी			
धीरज डी भाटिया	सहायक प्राध्यापक	टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, 2013	डी.एन.ए. सूक्ष्मप्रौद्योगिकी एवं रासायनिक जीव विज्ञान
शरद गुप्ता	सह-प्राध्यापक	पिट्सबर्ग विवि, 2009	अलजाइमर और हंटिंगटन रोगों में प्रोटीन मिसफोल्डिंग
शर्मिष्ठा मजुमदार	सहायक प्राध्यापक	कॉर्नेल विवि, 2006	ट्रांसपोसेस एवं ट्रांसपोसेस होमोलोग्स में जीनोमिक एवं प्रोटियोमिक जांच
कारला पेट्रीशिया मरकाडो-शेखर	सहायक प्राध्यापक	रॉचेस्टर विवि, 2015	कोषिका लचीलापन चित्रण एवं अल्ट्रासाउंड तकनीकें
प्रतीक मूथा	सह-प्राध्यापक	पेंसिलवेनिया राजकीय विवि, 2009	सेंसरीमोटर नियंत्रण एवं अधिगम
उमाशंकर सिंह	सहायक प्राध्यापक	उप्पसला विवि, स्वीडन, 2006	साइटोप्रोटेक्शन
वीरूपक्षी सोप्पीना*	सहायक प्राध्यापक	गुलबर्ग विवि, 2006	काइनेसिन्स एवं अंतरकोशिका परिवहन
आशुतोष श्रीवास्तव**	सहायक प्राध्यापक	सीएसआईआर कोषिका व अणु जीव विज्ञान केंद्र, हैदराबाद, 2015	सूक्ष्म अणुओं की जटिलताओं के आंतरिक प्रतिमान
विजय थिरूवेण्कटम	सहायक अनुसंधान प्राध्यापक	जीवाजी विवि, 2009	छोटे अणुओं की एक्स-रे क्रिस्टेलोग्राफी
रासायनिक अभियांत्रिकी			
समीर वी दलवी	प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2007	सुपरक्रिटिकल तरल प्रसंसकरण
प्रत्युष दयाल	सहायक प्राध्यापक	आकरोन विवि, 2007	स्व-कम्पन-पॉलीमर जैल
हरी साई गणेश**	सहायक प्राध्यापक	ऑस्टिन का टेक्सस विश्वविद्यालय, 2018	प्रतिरूपण और अनुकरण
चिण्मय घोरोई	प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2007	कण अभियांत्रिकी एवं चूर्ण प्रसंस्करण
कबीर जसुजा	सह-प्राध्यापक	केंसस राजकीय विवि, 2011	दो आयामी सूक्ष्मपदार्थों का संश्लेषण
नितिन यू पधियार	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2008	प्रक्रिया संतुलन और नियंत्रण
मिथुन राधाकृष्ण	सहायक प्राध्यापक	कोलंबिया विवि, 2014	मुलायम पदार्थ प्रणालियों का सैद्धांतिक एवं आणविक रूपांतरण द्वारा अध्ययन
कौस्तुभ राणे	सहायक प्राध्यापक	बफैलो विवि, 2014	इंटरफेशिअल प्रणालियों की थर्मोडाइनामिक्स एवं सांख्यकीय यांत्रिकी
बाबजी श्रीनिवासन*	सहायक प्राध्यापक	टेक्सस टेक विवि, 2011	जटिल प्रणाली का मानव को बीच में रख कर उसका आकार, नियंत्रण एवं अनुवीश्रण करना
प्राची थरेजा	सह-प्राध्यापक	पिट्सबर्ग विवि, 2008	क्रिस्टेलाइजिंग फैटी एसिड पेस्ट की इन-सिटू रियोलॉजी
रसायन विज्ञान			
चंद्रकुमार अप्पायी	सह-प्राध्यापक	आइ.आइ.एससी. बेंगलोर, 2008	एसिमेट्रिक केटालिसिस
सुदीप्ता बासु	सह-प्राध्यापक	आणविक शरीर क्रिया विज्ञान का मेक्स-प्लेंक संस्थान, जर्मनी 2006	माइटोकोंड्रिया और एंडोप्लास्मिक रेटीक्यूलम का रासायनिक जीव विज्ञान
भास्कर दत्ता	सह-प्राध्यापक (जैविक अभियांत्रिकी के साथ)	कार्नेजी मेल्लन विस्वविद्यालय, 2004	न्यूक्लीक अम्ल आधारित रसायन जैविकी
अर्नब दत्ता*	सहायक प्राध्यापक	एरिजोना राजकीय विवि, 2012	जैविक-इनऑरगेनिक रसायन विज्ञान
श्रीराम वी गुंडीमेदा	सह-प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2001	जैविक-ऑरगेनिक रसायन विज्ञान
इति गुप्ता	सह-प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2005	मेक्रोसाइक्लिक रिसेप्टर्स एवं विस्रित पोरफाइरीनॉइड्स
सौम्यकांति खटुआ	सह-प्राध्यापक	राइस विवि, 2011	प्लासमोनिक्स
शिवप्रिया किरुबाकरण	सह-प्राध्यापक	आइ.आइ.एससी. बेंगलोर, 2007	औषधि खोज एवं कर्करोग रसायन विज्ञान जैविकी
साइराम स्वरूप मल्लाजोस्युल्ला	सहायक प्राध्यापक	जे.एन.सी.ए.एस.आर., बेंगलोर, 2009	कार्बोहाइड्रेट-प्रोटीन संपर्क
सुधांशु शर्मा	सहायक प्राध्यापक	आइ.आइ.एससी. बेंगलोर, 2009	पदार्थ, विद्युतरसायन विज्ञान
सिविल अभियांत्रिकी			
धीमन बासु	सह-प्राध्यापक	न्यू यॉर्क राजकीय विवि, बफैलो 2012	चक्रानुक्रम सीसमोलॉजी, जटिल ढांचे
उदित भाटिया	सहायक प्राध्यापक	नॉर्थईस्टर्न विवि, 2018	महत्वपूर्ण आधारभूत ढांचे का लचीलापन तथा तंत्र विज्ञान
सुधीर कुमार जैन	निदेशक व प्राध्यापक	केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, 1983	भूकंप अभियांत्रिकी, ढांचों के आयाम
अश्विनी कुमार	अभ्यागत प्राध्यापक	वॉटरलू विवि, 1974	स्थिरता एवं विशाल ढांचों के आकार की विकृति

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम तिथि	विशेषज्ञता
मनीश कुमार	सहायक प्राध्यापक	न्यू यॉर्क राजकीय विवि, बफैलो, 2015	प्रदर्शन आधारित भूकंप अभियांत्रिकी
विमल मिश्रा	सह-प्राध्यापक (भू विज्ञान के साथ)	पईयू विवि, 2010	सतही जल की हाइड्रोलॉजी
प्रणब कु मोहापात्रा	प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 1999	हाइड्रॉलिक्स एवं जल संसाधन अभियांत्रिकी
सी एन पाण्डे	अभ्यागत प्राध्यापक (भू विज्ञान के साथ)	पूर्वी गुजरात विवि, 2011	वानिकी, वन्य जीवन, पर्यावरण
समीर पटेल**	सहायक प्राध्यापक	वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुई, संराअ, 2017	एयरोसॉल व वायु गुणवत्ता
अमित प्रशांत	प्राध्यापक	टेनेस्सि विवि, 2004	ग्रेनुलर पदार्थों के निर्माण की मॉडलिंग
जी वी राव	अभ्यागत प्राध्यापक	आइ.आइ.एससी. बेंगलोर, 1973	जियोतकनीकी परीक्षण एवं आंकलन
अजंता सचान	सह-प्राध्यापक	टेनेस्सि विवि, 2005	पदार्थों का विशेषीकरण
गौरव एस	सह-प्राध्यापक	मिनेसोटा विवि, 2011	अनिश्चितता को परिमाणित करना
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी			
निपुन बत्रा	सहायक प्राध्यापक	भा.सू.प्रौ.सं. दिल्ली, 2017	सेंसर नेटवर्क्स, मशीन लर्निंग एवं संगणक स्थिरिता
अभिषेक बिच्छावत**	सहायक प्राध्यापक	यूनिवर्सिटेट डेस सालेंडेस, जर्मनी, 2018	भाषा आधारित सुरक्षा
बिरेश्वर दास	सह-प्राध्यापक	गणित विज्ञान संस्थान, चेन्नई, 2010	गणनात्मक जटिलता सिद्धांत एवं एलगोरिदम
अनिर्बन दासगुप्ता	प्राध्यापक	कॉर्नेल विवि, 2005	विशाल डेटा के एलगोरिदम
मनोज डी गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2013	गत्यात्मक आलेख एलगोरिदम
बालगोपाल कोमरथ**	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मद्रास, 2016	सर्किट की जटिलता तथा अन्य कम लागत के संगणक प्रतिमान
समीर जी कुलकर्णी**	सहायक प्राध्यापक	वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुई, संराअ, 2018	नेटवर्क कार्यप्रणाली का आभासी स्वरूप
नीलधारा मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	गणित विज्ञान संस्थान, चेन्नई, 2012	एलगोरिदम की रूपरेखा तथा विश्लेषण
मयंक सिंह	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2019	टेक्स्ट खनन भाषा प्रसंस्करण तथा मशीन लर्निंग
रचनात्मक अधिगम			
मनीश जैन	सह शिक्षण प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं कानपुर, 1993 (बीटेक)	3डी रेखागणित, पॉलीहेड्रा, जियोडेसिक्स, मशीन एवं क्रियाविधि, एवं मनोविनोद गणित
अभिकल्प			
मानसी कानेटकर	सह शिक्षण प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2006 (एम.डीइएस)	अभिकल्पना शिक्षण की पद्धति एवं सेमियोटिक्स और अभिकल्प
भू विज्ञान			
संजय सिंह बोरा	सहायक प्राध्यापक	पोट्सडेम विवि, 2016	स्रोत की वर्णक्रम संबंधी समीक्षा, उसका रास्ता एवं अन्य प्रभाव
विक्रांत जैन	प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2001	धरती की सतही प्रक्रियाएं
मनीश कुमार	सहायक प्राध्यापक	टोक्यो विश्वविद्यालय, 2009	मीठेपानी की प्रणाली में संदूषण के मार्ग
आर एन सिंह	अभ्यागत प्राध्यापक	बनारस हिंदू विवि, 1969	भूभौतिकी तथा पर्यावरणीय प्रसंस्करणों की सतह के प्रतिमान
प्रदीप श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक	पीपल्स फ्रेंडशिप विश्वविद्यालय, मॉस्को, 1983	सैद्धांतिक यांत्रिकी एवं नियंत्रण प्रणालियां
विद्युत अभियांत्रिकी			
अरूप लाल चक्रवर्ती	सह-प्राध्यापक	स्ट्राथक्लाइड विश्वविद्यालय, यूके, 2010	गैस मापन के लिए ट्यूनेबल डायोड लेज़र स्पेक्ट्रोस्कोपी
नितिन वी जॉर्ज	सह-प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, 2012	जीवंत कोलाहल नियंत्रण, अनुकूली संकेत प्रसंस्करण
रवि एस हेगड़े	सहायक प्राध्यापक	मिशीगन विवि, एन्न आरबर, 2008	सूक्ष्मढांचों का ऑप्टिकल गुणधर्म
राघवन के	सह-प्राध्यापक	भा.वि.सं. बेंगलोर, 2006	ट्रांसफोर्म डायग्नोस्टिक
नितिन खन्ना	सहायक प्राध्यापक	पईयू विश्वविद्यालय, संराअ, 2009	मल्टीमीडिया सुरक्षा - सेंसर फोरेंसिक
उत्तमा लाहिड़ी	सह-प्राध्यापक	वांडरबिल्ट विवि, 2011	प्रभावी कंप्यूटिंग में आभासी वास्तविकता आधारित मानव का पारस्परिक संवाद
जॉयसी मेकी	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2009	वी.एल.एस.आई. डिजाइन
निहार रंजन मोहापात्रा	प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2003	सेमीकंडक्टर यंत्र एवं प्रौद्योगिकी
नारण एम पिंडोरिया	सह-प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2009	ऊर्जा प्रणाली का पुनर्निर्माण – तकनीकी एवं व्यापक मसले
एस राजेन्द्रन	सह शिक्षण प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मद्रास (एमटेक), 1988	द्रुत गति पैकेजिंग मशीन - वीएफएफएस एवं एचएफएफएस प्रौद्योगिकी
शंमुगनाथन रमण	सह-प्राध्यापक (सीएसई के साथ)	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2011	संगणक फोटोग्राफी
हिमांशु शेखर	सहायक प्राध्यापक	रॉचेस्टर विवि, 2014	थिरेप्यूटिक अल्ट्रासाउंड एवं नॉनलीनियर चित्रण
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान			
मुहम्मद मुबाशिर एहसान	व्याख्याता	जवाहरलाल नेहरू विवि, नई दिल्ली, 2016	भारत में अरबी एवं इस्लामिक अध्ययन
अंबिका अय्यादुराई	सहायक प्राध्यापक	सिंगापुर राष्ट्रीय विवि, 2015	प्रकृति संरक्षण में मानव जाति विज्ञान एवं स्थानीय समुदायों की भूमिका

* वर्ष के उस भाग के लिए
** वर्ष के दौरान नियुक्त किए गए

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम तिथि	विशेषज्ञता
द्योतना बनर्जी**	व्याख्याता	भा.प्रौ.सं. गांधीनगर, 2020	शहरी रूपांतरण की राजनीति
आर्का चट्टोपाध्याय	सहायक प्राध्यापक	पश्चिमी सिडनी विश्वविद्यालय, 2016	20वीं शताब्दी का साहित्य: आधुनिकतावाद तथा आधुनिकतावाद के पश्चात, आधुनिक नाट्यशाला, यूरोपियन क्षेत्र में अग्रणी कथाएं
निशांत चौकसी	सहायक प्राध्यापक	मिशिगन विवि, एन आर्बर, 2014	सांकेतिकत; भाषीय नृंशविज्ञान; कथानक एवं लेखन प्रणालियां
जूयुंग किम	सह-शिक्षण प्राध्यापक	डेलवेयर विवि, 2018	भाषाई वाक्रयविन्यास एवं अर्थ विज्ञान
शर्मिता लाहिड़ी	सहायक प्राध्यापक	हाउस्टन विश्वविद्यालय, 2008	स्वतंत्रता के पश्चात का साहित्य एवं उसकी रचना
लेसली लाज़र	सह-शिक्षण प्राध्यापक	राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, भारत, 2013	डिजाइन का तंत्रिका विज्ञान, संचार विज्ञान, सांस्कृतिक संज्ञान, व्यवहार परिवर्तन
जयसन ए मंजली	प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2008	अनुभव, ज्ञान एवं तर्कसंगति
एंगस मेकब्लेन	अभ्यागत सहायक प्राध्यापक	कार्डिफ विश्वविद्यालय, 2014	सांस्कृतिक सिद्धांत, एंबोडिमेंट, पर्यावरणीय मानविकी
अचल मेहरा	अभ्यागत प्राध्यापक	दक्षिणी इलीनॉइस विश्वविद्यालय, कार्बोनडेल,1985	ऑनलाइन मीडिया, मीडिया प्रबंधन, खोजी पत्रकारिता, मीडिया कानून, मीडिया आचार विचार
मोना जी मेहता*	सहायक प्राध्यापक	शिकागो विश्वविद्यालय, 2010	लोकतंत्र, संजातीय टकराव, सिविल सोसाइटी, राष्ट्रवाद एवं भारत की पहचान वाली राजनीति
कृष्ण प्रसाद मियापुरम	सह-प्राध्यापक (संयुक्त रूप से संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के साथ)	कैंब्रिज विश्वविद्यालय, 2008	ब्रेन इमेजिंग (एफएमआरआइ) एवं संज्ञानात्मक विज्ञान
विवेक वी नारायण*	सहायक प्राध्यापक	स्टेनफोर्ड विवि, 2019	प्रदर्शन अध्ययन एवं दलित अध्ययन
वी एन प्रभाकर**	सह-प्राध्यापक	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, 2013	प्रोटेऐतिहासिक भारत का पुरातत्व
ए रामनाथन*	अभ्यागत प्राध्यापक	बॉम्बे विश्वविद्यालय, 1981	प्रबंधन अर्थशास्त्र, लागत से लाभ का विश्लेषण, एप्लाइड इकॉनोमेट्रिक्स एवं रुपए का अर्थशास्त्र
अर्नपूर्णा रथ	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2010	दक्षिण-एशियाई साहित्य, आलोचनात्मक सिद्धांत, भक्तिन अध्ययन, रचनात्मक लेखन
तन्निष्ठा सामंत*	सहायक प्राध्यापक	मैरीलैंड विश्वविद्यालय, 2012	सामाजिक जनसांख्यिकी, विकासशील देशों में उम्र बढ़ना
मधुमिता सेनगुप्ता	सहायक प्राध्यापक	कलकत्ता विश्वविद्यालय, 2009	18वीं और 20वीं शताब्दी पूर्व के मध्य औपनिवेशिक भारत तथा असम का समाजिक-राजनीतिक इतिहास
माना अपूर्वा शाह	व्याख्याता	गुजरात विश्वविद्यालय, 2012 (एम.ए.)	संस्कृत एवं प्राकृत व्याकरण, जैन काव्य तथा स्रोत साहित्य, पांडुलिपि
अतुल सिंह*	अभ्यागत प्राध्यापक	दि व्हार्टन स्कूल, पेंसिलवेनिया विवि, 2010	वैश्विक अर्थव्यवस्था, वैश्विक मामले, भौगोलिक राजनीति, राजनीतिक प्रणालियां एवं स्थिरता
मालविका सुब्रमण्यम	सहायक प्राध्यापक	हार्वर्ड विश्वविद्यालय, 2009	सामाजिक आर्थिक संदर्भ तथा पोषण और मधुमेह पर पड़ोसी देश
मीरा मेरी सनी	सह-प्राध्यापक	वॉरविक विश्वविद्यालय, 2011	दृश्य के प्रति आकर्षण, आकर्षण कैद करना
पदार्थ अभियांत्रिकी			
अमित अरोड़ा	सहायक प्राध्यापक	पेंसिलवेनिया राजकीय विश्वविद्यालय, 2011	फ्रिक्शन स्टर वेल्डिंग, ऊष्मा स्थानांतरण और विस्को-प्लास्टिक का बहाव
अभय राज सिंह गौतम	सहायक प्राध्यापक	वर्जीनिया विश्वविद्यालय, वर्जीनिया, 2009	अंतरफेस संरचनाएं तथा गतिशीलता
प्रदीप्ता घोष	सहायक प्राध्यापक	भा.वि.सं. बेंगलोर, 2014	सूक्ष्मक्रिस्टलीय मिश्रधातुओं और समग्र धातुओ का संश्लेषण, सूक्ष्मक्रिस्टलीय सूक्ष्मसंरचनाओं का विशेषीकरण
एस. पी. मेहरोत्रा	अभ्यागत प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 1973	खनिज प्रसंस्करण तथा मेटलर्जी प्रक्रिया
अभिजीत मिश्रा	सह-प्राध्यापक	इलिनॉइस विवि, अर्बाना-शेम्पेन, 2010	एक्स-रे विवर्तन, सतहों की विशेषता
सुपर्ब कुमार मिश्रा	सहायक प्राध्यापक (संयुक्त रूप से यांत्रिक अभियांत्रिकी के साथ)	लंदन इंपीरियल विद्यालय, 2007	जैविकपदार्थ एवं टिशू अभियांत्रिकी
ज्योति मुखोपाध्याय	अभ्यागत प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 1982	संरचना-विशेषता का संबंध
एमिला पाण्डा	सह-प्राध्यापक	मैक्स प्लैंक संस्थान, जर्मनी, 2009	थिन फिल्म्स और सूक्ष्मसरंचनात्मक पदार्थों की जांच
राघवन रंगनाथन	सहायक प्राध्यापक	रेनेस्सीलायर पॉलीटेकनीक संस्थान, 2016	संरचनात्मक-विशेषता संबंधों के आणविक अनुकरण तथा कोमल तत्व की गतिशीलता
श्रीहरिता रोउथू	सहायक प्राध्यापक	इकोल पॉलीटेकनीक फेडराले डे लउसाने, 2016	वेटिंग व डीवेटिंग का तथ्यविषयक
गणित			
संजयकुमार अमृत्य	सहायक प्राध्यापक	हरीष-चंद्र अनुसंधान संस्थान, इलाहाबाद, 2012	तंकियन सामूहिक योजनाएं, मोडुलाई स्पेसेज़, वेक्टर बंडल
फातमा सीसेक**	सहायक अनुसंधान प्राध्यापक	रोचेस्टर विश्वविद्यालय, न्यू यॉर्क, संराअ, 2020	विश्लेषणात्मक अंक सिद्धांत
अतुल अभय दीक्षित	सहायक प्राध्यापक	इलीनॉयस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शेम्पेन, 2012	विश्लेषणात्मक अंक सिद्धांत
मोहन जोशी	अभ्यागत प्राध्यापक	पर्ड्यू विश्वविद्यालय, 1973	नॉनलीनियर जांच
एन लाधवाल*	सहायक प्राध्यापक	पर्ड्यू विवि, 1976	हार्मोनिक समीक्षा
चेतन डी. पहलजानी	सहायक प्राध्यापक	इलिनॉइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शेम्पेन, 2007	संभावना सिद्धांत एवं स्टोकेस्टिक प्रक्रियाएं
सत्यजीत प्रमाणिक**	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. रोपर, 2016	गणितीय प्रतिमान व वैज्ञानिक संगणन

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम तिथि	विशेषज्ञता
अर्नब साहा	सहायक प्राध्यापक	न्यू मेक्सिको विवि, 2012	जेट अंतरों में अंकगणित
बिपुल सौरभ	सहायक प्राध्यापक	भारतीय सांख्यकीय संस्थान, दिल्ली, 2016	ऑपरेटर बीजगणित, नॉनकम्यूटेटिव रेखागणित एवं क्वांटम समूह
इंद्रनाथ सेनगुप्ता	सह-प्राध्यापक	भा.वि.सं. बेंगलोर, 2001	विनिमय बीजगणित, बीजगणितीय रेखागणित
वी. डी. शर्मा	अभ्यागत प्राध्यापक	बनारस हिंदू विवि, 1972	आंशिक अंतर समीकरणों के क्वासिलीनियर प्रणालियां
जगमोहन त्यागी	सह-प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2008	साधारण अंतर संबंधी समीकरण, एलिप्टिक आंशिक अंतर संबंधी समीकरण
अक्षा वटवानी	सहायक प्राध्यापक	क्वीन विवि, 2016	विश्लेषणात्मक संख्या सिद्धांत, सीव पद्धति और बीजीय संख्या सिद्धांत
यांत्रिक अभियांत्रिकी			
रवि शास्त्री अय्यागरी	सहायक प्राध्यापक	इलिनॉइस प्रौद्योगिकी संस्थान, 2013	ठोस यांत्रिकी, क्रमिक मॉडलिंग, गणनात्मक यांत्रिकी, कांटिनम क्षति यांत्रिकी
अतुल भार्गव	सह-प्राध्यापक	मैरीलैंड विश्वविद्यालय, विद्यालय पार्क, 2010	ईंधन कोषिका प्रणाली, अनुकल्पन एवं अनुकरण
उदीप्ता घोष	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2016	लो-रेनॉल्ड्स अंक जल की गतिशीलता, जटिल प्रणालियों की विद्युतबलगतिकी पर विशेष रूप से केंद्रित
जयप्रकाश के. आर.	सहायक प्राध्यापक	इलिनॉइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शेम्पेन, 2013	एक और दो आयामी ग्रेनुलर माध्यम में तरंग बहाव
विनोद नारायण	सह-प्राध्यापक	जे.एन.सी.ए.एस.आर., बेंगलोर, 2006	द्रव्य यांत्रिकी
हरीष जे. पालनथंडलम-मादापुसि	सह-प्राध्यापक	मिशिगन विश्वविद्यालय, एन्न आरबर, 2007	प्रणाली और नियंत्रण सिद्धांत, प्रणालियों की पहचान (डाटा आधारित मॉडलिंग)
एन. रामकृष्णन	अभ्यागत प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 1980	उत्पादन, ऑटोमेशन एवं कॉम्पोज़िट पदार्थ
डी. पी. रॉय	अभ्यागत प्राध्यापक	टेक विश्वविद्यालय, आचेन, 1976	तरल आयाम एवं तरल का यंत्र समूह
जी. के. शर्मा	अभ्यागत प्राध्यापक	मॉस्को ऊर्जा अभियांत्रिकी संस्थान, 1974	ऊष्मा अभियांत्रिकी
दिलीप श्रीनिवास सुंदरम	सहायक प्राध्यापक	जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान, 2013	ऊष्मातरल विज्ञान, दहन और ऊर्जावान पदार्थ
जयचंदर स्वामीनाथन	सहायक प्राध्यापक	मेसेशुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान, 2017	ऊष्मा विज्ञान, जल-ऊर्जा प्रणालियां, औद्योगिक पुन:उपयोग एवं पुन:चक्रण
वेण्कट मधुकांत वडाली	सहायक प्राध्यापक (संयुक्त रूप से विद्युत अभियांत्रिकी के साथ)	विस्कॉसिन विश्वविद्यालय, मेडिसन, 2013	बहुआयामी प्रणालियां, नियंत्रण प्रणालियां, उत्पादन, मेकेट्रोनिक्स, रोबोटिक्स
विनीत वशिष्ट	सहायक प्राध्यापक	कोलंबिया विश्वविद्यालय, 2015	यांत्रिकी प्रणालियों का डिज़ाइन एवं नियंत्रण
भौतिक विज्ञान			
प्रसन्न वेण्कटेश बी.	सहायक प्राध्यापक	मेकमास्टर विवि, 2013	क्वांटम ऑप्टिक्स में सैद्धांतिक अनुसंधान और सूक्ष्मभौतिकी, अल्ट्राकोल्ड अणु भौतिकी
रूपक बनर्जी	सहायक प्राध्यापक	कलकत्ता विश्वविद्यालय (साहा परमाणु भौतिकी संस्थान), 2012	सतह भौतिकी एवं पदार्थ विज्ञान
अर्पण भट्टाचार्य	सहायक प्राध्यापक	भा.वि.सं. बेंगलोर, 2015	विभिन्न प्रणालियों में क्वांटम उलझन
विनोद चंद्र	सह-प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2009	क्वार्क-ग्लूओन-प्लाजमा और संबंधित भारी आयनों का टकराव
भारद्वाज कोलप्पा	सहायक प्राध्यापक	मिशिगन राजकीय विश्वविद्यालय, 2009	सामान्य प्रतिमान के आगे- नए स्वरूपों के प्रतिमान बनाना एवं एलएचसी घटनाएं
कृष्ण कांति डे	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी, 2011	सक्रिय पदार्थ, कोलॉयडल डायनामिक्स, नेनोप्रौद्योगिकी
चंदन कुमार मिश्रा**	सहायक प्राध्यापक	जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलोर, 2017	प्रयोगात्मक मुलायम संघनित पदार्थ भौतिकी
आर. आर. पुरी	अभ्यागत प्राध्यापक	मुंबई विश्वविद्यालय, 1981	प्रमात्रा व्यवस्थाओं की सैद्धांतिक प्रमात्रा ऑप्टिक्स, अनियमित मैट्रिक्स सिद्धांत, छेदों में ऊर्जावान कणों के साथ विकिरण की परस्पर क्रिया
सुतापा रॉय**	सहायक प्राध्यापक	जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलोर, 2013	सैद्धांतिक भौतिक विज्ञान, सांख्यिकी यांत्रिकी, मुलायम पदार्थ
सुदीप्ता सरकार	सह-प्राध्यापक	पुणे विश्वविद्यालय, आइ.यू.सी.ए.ए., 2009	सामान्य सापेक्षता और ब्लैक होल ऊष्मप्रवैगिकी
आनंद सेनगुप्ता	सह-प्राध्यापक	आइ.यू.सी.ए.ए. पुणे, 2005	गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाना, सीएमबी डाटा जांच के आयाम

* वर्ष के उस भाग के लिए
** वर्ष के दौरान नियुक्त किए गए

गैर शैक्षणिक स्टाफ

नियमित पदों के समक्ष

कर्मचारियों के नाम	पदनाम
अक्षय	कनिष्ठ लेखाकार
एम अरमुगम	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
सुगन्या अरुमुगम	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
बबलू	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
विनोद कुमार सिंह बघेल	अधीक्षक अभियंता
पलक आर बगिया	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
सुदीप नारायण बैनर्जी	प्रणाली विश्लेषक
सुवाकान्त बारिक	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
राजू बीरासंत	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
तिमिर याकुंज बेरावाला	कनिष्ठ सहायक
राम बाबू भगत	उप-कुलसचिव
राहुलेन्द्र भास्कर	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
नीरव मदनभाई भट्ट	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
श्री कृष्ण ब्रिहमन*	सहायक कुलसचिव
तुषार एच ब्रम्हभट्ट	प्रयोगशाला परिचारक
बिरेश चौबे	सहायक कुलसचिव
दिव्यांगी एन चौधरी	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
हरेशकुमार चौधरी**	सहायक स्टाफ नर्स
पन्नाबेन चौधरी	सहायक पुस्तकालय सूचना अधिकारी
रोहितकुमार चौधरी	तकनीकी अधीक्षक
कृपेश चौहान	कनिष्ठ लेखाकार
प्रतीककुमार के चावड़ा	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
प्रेम कुमार चोपड़ा	कुलसचिव
तपस कुमार दास	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
दिनेष बी देसाई	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
वाराप्रसाद धानीकेला	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
भावना धाराणी	कनिष्ठ लेखाकार
सुपिन गोपी	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
हेमंत कुमार गुप्ता	कनिष्ठ सहायक
तेज बहादुर गुरुंग	सहायक
लक्ष्मी पी हीरानी	प्रयोगशाला सहायक
योगेष दत्तात्रया जड़े	कनिष्ठ अधीक्षक
एन जयकुमार	सहायक अभियंता
मीना जोशी	सहायक कुलसचिव
विष्णु देथ जे जे	सहायक अभियंता
जितेश वी के	अधीक्षक
पायल कबारिया	कनिष्ठ सहायक
धर्मेशकुमार वी कपाड़िया	प्रयोगशाला परिचारक
हनी एम खमर	कनिष्ठ सहायक
चिराग डी खुहा**	कनिष्ठ लेखा सहायक
टी एस कुंम्बार	पुस्तकालयाध्यक्ष
दीपककुमार के लालपुरा	कनिष्ठ सहायक
पिजूष मजुमदार	सहायक कुलसचिव
प्रशांत जी मकवाना	कनिष्ठ सहायक
सौम्या मालवीय*	कनिष्ठ सहायक
विजय मीना	कनिष्ठ लेखाकार
जय मेहता	कनिष्ठ लेखाकार
पार्थ आर मेहता	कनिष्ठ सहायक
श्रीजित मेनन*	अधीक्षक
लक्ष्मी कांत मिश्रा	सहायक अभियंता
रूपाली एस मोहिते	कनिष्ठ सहायक
नवदीवाला अंकुर के	प्रयोगशाला सहायक
प्रदीपभाई के निनामा	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
धर्मेन्द्रकुमार एस पांचाल	कनिष्ठ अभियंता

कर्मचारियों के नाम	पदनाम
आशीष कुमार पाण्डे	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
संजीव कुमार पाण्डे	लेखा अधिकारी
प्रगनेश पारिख	तकनीकी अधीक्षक
दिनेश एच परमार	शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
स्वीटी रमेशचन्द्र परमार*	कनिष्ठ सहायक
शैलेशकुमार जे पटनी	कनिष्ठ सहायक
आकाश महेन्द्र कुमार पटेल	कनिष्ठ अधीक्षक
अरिका पटेल	वरिष्ठ लेखाकार
भीकाभाई आर पटेल	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
दर्शन सी पटेल	सहायक
हर्षद पटेल	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
जिगनेश एस पटेल	प्रयोगशाला सहायक
कामिनी पटेल	सहायक
सचिन मगनलाल पटेल	वरिष्ठ प्रणाली विश्लेषक
संजय कुमार टी पटेल	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
संकेत पटेल	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
ट्विंकल पटेल	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
जितेन्द्र पुखराज पवार	कनिष्ठ लेखाकार
जयेश प्रजापति	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
प्रजापति रामानंद लालसाहेब	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
नरेन्द्र जे. राबड़िया	कनिष्ठ सहायक
वैभवी राउलजी	कनिष्ठ सहायक
संतोष राउत	अधीक्षक
ईशान रावल*	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
प्रणव रोहित	सहायक कुलसचिव
पवित्र कुमार राउत	कनिष्ठ लेखाकार
सास्वति रॉय	सहायक कुलसचिव
कुमार अंकित साहा**	कनिष्ठ लेखा सहायक
शीबाराम साहू	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
जय हितेश संपत**	कनिष्ठ लेखा सहायक
कोमल संगतानि	सहायक
सूजित कुमार शाह	सहायक
वीरल वाई शाह	अधीक्षक
दीपक शर्मा	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
ह्रदेश कुमार शर्मा	उप-कुलसचिव
मुकेश शर्मा	स्टाफ नर्स
गौरव शुक्ला	अधीक्षक
नितिन शुक्ला	तकनीकी अधीक्षक
गौरव कुमार सिंह	कनिष्ठ सहायक
हरीश सिंह	कनिष्ठ सहायक
रत्नेश कुमार सिंह**	सहायक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
मृगेश आर सोलंकी	कनिष्ठ अधीक्षक
टेनिल्स सोलंकी	अधीक्षक
निलेश सोनी	कनिष्ठ अभियंता
रवि सुभाष सोनी	सहायक अभियंता
हीरल सूचक	कनिष्ठ लेखाकार
रविराज वी सुखाड़िया	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
निशा ताहिलियानी	कनिष्ठ लेखाकार
सचिन एस तावड़े	तकनीकी अधीक्षक
प्रभुजी ठाकोर	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
सुप्रेश थालेश्वरी	प्रयोगशाला परिचारक
सनी थॉमस*	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
राजेन्द्र वैष्णव	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
लक्ष्मीप्रिया जी. वलप्पिल	कनिष्ठ लेखाकार
पियूषभाई पी. वाणकर	सहायक
अंजनाबा आर ज़ाला	कनिष्ठ लेखाकार
देवेन्द्रसिंह दहयाजी ज़ाला	चालक

* वर्ष के उस भाग के लिए
** वर्ष के दौरान नियुक्त किए गए

पूर्व छात्रों के साथ संबंध

पूर्व छात्रों द्वारा दान

पूर्व छात्र संबंध टीम का बीता वर्ष पूर्वछात्र दान और पूर्वछात्र अक्षय अध्यावृत्ति के परिप्रेक्ष्य से घटनाप्रद रहा। दूसरे वर्ष भी पूर्वछात्र दान 50% से अधिक पहुंच गया। वित्तीय वर्ष 2020-2021 के दौरान पूर्वछात्रों के अधिंतकतम 55% दान के कारण संस्थान इस स्तर तक पहुंचने वाले विश्व के कुछ चुनिंदा संस्थानों की श्रेणी में आ गया। करीब 68% ग्रेजुएटिंग छात्रों ने कक्षा 2020 में अपने बैच उपहार की प्रतिज्ञा ली। आज तक, कुल 16 पूर्वछात्र अक्षय अध्येतावृत्तियां स्थापित की जा चुकी हैं, जिसमें से सात वित्त वर्ष 2020-2021 में स्थापित की गई थीं।

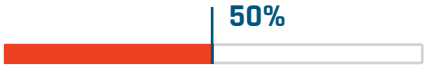

दूसरे वर्ष भी पूर्वछात्र दान 50% से अधिक पहुंच गया

वित्तीय वर्ष 2020-2021 के दौरान पूर्वछात्रों का सर्वाधिक 55% दान संस्थान को प्राप्त हुआ

करीब 68% ग्रेजुएटिंग छात्रों ने कक्षा 2020 में अपने बैच उपहार की प्रतिज्ञा ली

टीएमएल-एफएपी: लाभार्थी पूर्वछात्रों का दान

टाटा मोटर्स लि - वित्त सहायता कार्यक्रम (टीएमएल - एफएपी) भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के अवरस्नातक छात्रों के लिए वर्ष 2016 में शुरू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को वित्तीय मदद पहुंचाना है। लाभार्थी छात्रों को अपनी ग्रेजुएशन के पश्चात भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर को दान के रूप में प्राप्त राशि को लौटाना होता है। यह राशि दूसरे अवरस्तनातक छात्रों को सहयोग प्रदान करने में उपयोग होती है, इस प्रकार वित्तीय सहायता का एक चक्र बन जाता है।

हम लाभार्थी पूर्वछात्रों द्वारा दिए गए दान की अत्यन्त रूप से प्रशंसा करते हैं:

अनुक्रमांक संख्या	पूर्व छात्र का नाम	कार्यक्रम
14110128	विधि सोलंकी	बीटेक/सीई/2018
14110079	मुकुल त्यागी	बीटेक/सीएल/2018
15110015	आनंद यादव	बीटेक/ईई/2019
15110053	हरदीप	बीटेक/ईई/2019
16110105	सोहम पंचपाद	बीटेक/सीएसई/2020
16110040	चवली भरत चंद्र	बीटेक/ईई/2020
16110128	राहुल यादव	बीटेक/ईई/2020
16110124	राहिल सानवाल	बीटेक/एमई/2020
16110135	रातुल चक्रवर्ती	बीटेक/एमएसई/2020

आयोजन

पूर्वछात्र मास्टरक्लास श्रंखला

पूर्वछात्र संबंध टीम ने पूर्वछात्र मास्टरक्लास श्रंखला शुरी की है जिसमें भा०प्रौ०सं० गांधीगनर के पूर्वछात्रों ने अपने-अपने विषय के क्षेत्रों में ऑनलाइन सत्र लिए। अब तक संस्थान द्वारा ऐसे चार मास्टरक्लास सत्र आयोजित किये जा चुके हैं::

दीप्ती

डॉ ऐश्वर्या

यश

डॉ योगेश

- कैसे एक अस्वीकृत ना किया जाने वाला संक्षिप्त विवरण बनाएं, **दीप्ती चोपड़ा**, सह-संस्थापक, एडाफेस, अप्रैल 29, 2020
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ मेरा सफर, **डॉ ऐश्वर्या अग्रवाल**, अनुसंधान वैज्ञानिक, डीपमाइंड, लंडन, जुलाई 11, 2020
- उपभोक्ताओं को लुभाने वाले उत्पाद कैसे बनाएं, **यश कोटक**, वरिष्ठ उत्पाद प्रबंधक, स्विगी, जुलाई 25, 2020
- जैविक अनुसंधान और कैंसर में उभरती रूपावली, **डॉ योगेश गोयल**, पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता, पेंसिलवेनिया विश्वविद्यालय, अगस्त 22, 2020

पूर्वछात्रों के लिए निदेशक का अपडेट

पूर्वछात्र संबंध ने अक्तूबर 31, 2020 को निदेशक, **प्रो सुधीर कुमार जैन** का 'पूर्वछात्रों के लिए निदेशक का अपडेट' नामक एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया। इस सत्र में संस्थान के हाल ही के अभ्यास, कोविड-19 की परिस्थिति में उसकी प्रतिक्रिया और नई परिस्थितियों के अनुसार अनुकूल व्यवहार करने के बारे में पूर्वछात्रों को अवगत कराया गया।

धन एकत्र करने के अभियान

- आने वाले वर्षों में 50 पूर्वछात्रों की धर्मादा अध्येतावृत्ति के 5 अभियानों की ऊर्जा।
- महामारी के समय में पुरानुभूति निधि अभियान चलाया गया, जिसमें भा०प्रौ०सं० गांधीनगर से जुड़े अनेकों महामारी से प्रभावित लोगों को वित्तीय सहायता, आजीविका सहयोग, तथा चिकित्सीय मदद दी गई।
- वित्तीय वर्ष 2020-2021 के दौरान वार्षिक दानकर्ता अभियान चलाय गया जिससे कि पूर्वछात्र दानकर्ताओं की संख्या में वृद्धि हो सके।

पूर्वछात्र उपलब्धियां

1. रेको, दो भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के पूर्व छात्रों द्वारा सह-स्थापित एक फिनटेक स्टार्टअप - **सूर्य प्रकाश सिन्हा** (बीटेक/ईई/2013) और **प्रशांत बोरडे** (बीटेक/ईई/2012) - ने वर्टेक्स वेंचर्स की वेंचर-पूंजी निधि की श्रंखला में $6 मिलियन की राशि जमा की है। वर्ष 2017 में स्थापित रेको एक सॉफ्टवेयर-सेवा आधारित संग्रहण करने वाला उत्पाद है जो संगठनों के वाणिज्यिक अनुबंधों तथा जीवनचक्र का पूरा हिसाब रखने में सहायक है।
2. **मिहिर भालेराव** (बीटेक/एमई/2016) ने इलेक्ट्रिक वाहनों में बैटरी अपशिष्ट ऊर्जा की उगाही पर भारतीय पेटेंट कार्यालय में एक **पेटेंट** दायर किया है। इलेक्ट्रिक वाहनों पर काम कर रहे महिंद्रा में मिहिर और उनकी टीम ने बैटरी अपशिष्ट ऊर्जा की उगाही और अन्य वाहन प्रणालियों में इसके उपयोग के बारे में विचार किया। महिंद्रा में अपने 3.5 वर्षों के दौरान, मिहिर ने इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी पर 5 पेटेंट दायर किए हैं।
3. **उदित रेलान** (बीटेक/एमई/2018) को स्काई क्लब का नेतृत्व करने में उनके असाधारण नेतृत्व के लिए फ्लोरिडा विश्वविद्यालय में **राष्ट्रपति सेवा पुरस्कार** 2020 के लिए चुना गया था। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय का क्लब ध्यान लगाने की प्रथाओं के माध्यम से परिसर में तनाव मुक्त जीवन को बढ़ावा देता है।
4. **प्रेरणा सुब्रमण्यम** (एमए/एचएसएस/2018) ने पीएचडी स्तर के अध्ययन के लिए **2020 हेनरी मंडेलबाम अध्येतावृत्ति** जीती। अध्येतावृत्ति स्नातक छात्रों को प्रदान की जाती है जो अकादमिक उत्कृष्टता प्रदर्शित करते हैं, असाधारण शैक्षणिक कौशल दिखाते हैं, और अपने विश्वविद्यालय के समय के दौरान अपने समुदाय को महत्वपूर्ण सेवा प्रदान करते हैं। सुश्री प्रेरणा को यह अध्येतावृत्ति उनकी विद्वता, सक्रियता और एक सामुदायिक नेता के रूप में काम करने के लिए दी गई है।
5. **डॉ योगेश गोयल** (बीटेक/सीएल/2012) को साइंटिफिक इंटरफेस (सीएएसआई) में **2020 बरोज़ स्वागत निधि के (बीडब्ल्यूएफ) करियर पुरस्कार** से सम्मानित किया गया है। वह यह पुरस्कार पाने वाले आठ प्राप्तकर्ताओं में से एक हैं। 500,000 अमरीकी डालर के इस पुरस्कार का उपयोग एक संकाय पद के पहले तीन वर्षों के माध्यम से उन्नत पोस्टडॉक्टरल प्रशिक्षण से पांच वर्षों में किया जा सकता है।
6. **डॉ अंकिता अरोड़ा** (पीएचडी/एमएसई/2019) को पॉलिमर विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके प्रभावशाली डॉक्टरेट अनुसंधान के लिए **प्रो साबू थॉमस बेस्ट डॉक्टरल थीसिस पुरस्कार 2020** से सम्मानित किया गया है। वर्तमान में, वह

दिल्ली में एक हेल्थकेयर स्टार्ट-अप क्लेंस्टा अंतरराष्ट्रीय में प्रमुख, अनुसंधान व विकास (इनोवेशन एंड आईपी) के रूप में काम कर रही हैं।

7. **डॉ दीपा दीक्षित** (पीएचडी विद्वान, रासायनिक अभियांत्रिकी) ने **सितारे-गांधियन युवा प्रौद्योगिकी नवीनता (जीवाईटीआई) पुरस्कार 2020** प्राप्त किया। उन्हें गैर-इलेक्ट्रिक और किफायती सतह इंजीनियर कण-आधारित बिंदु-उपयोग पानी कीटाणुशोधन के विकास के लिए पुरस्कार मिला।
8. **जितेश मित्तल** (बीटेक/सीई/2020) ने सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट) 2020 में **100 पर्सेंटाइल** हासिल किया। वह उन नौ उम्मीदवारों में शामिल हैं, जिन्होंने शत प्रतिशत हासिल किया है।
9. **जम्मू तरुण कुमार** (बीटेक/एमएसई/2019) का चयन भारतीय वायु सेना में **कमीशन अधिकारी** के पद पर हुआ है। वे भारतीय सुरक्षा सेवा में जाने वाले भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीगनर के प्रथम पूर्व छात्र हैं।
10. हमारे दो पूर्व छात्रों - **अजिंक्या कुलकर्णी** (बीटेक/एमई/2012) और **अभिक पटेल** (बीटेक/एमई/2012) ने अन्य सदस्यों शशांक चिमलादरी और अंशुल गुप्ता के साथ मिलकर प्रारंभिक पूंजी में **$ 2 मिलियन** के साथ जनवरी 2020 में एक वैकल्पिक ऋण मंच, ग्रोफिक्स बनाया है। ग्रोफिक्स खुदरा निवेशकों को परिसंपत्ति-समर्थित निश्चित आय वाले उत्पादों में निवेश करने की अनुमति देता है जो एफडी (सावधि जमा) की तुलना में 2-3% अधिक रिटर्न देते हैं और इक्विटी की तुलना में कम अस्थिर होते हैं।
11. **डॉ राजेंद्र नागर** (पीएचडी/ईई/2019) विद्युत अभियांत्रिकी में सहायक प्राध्यापक के रूप में भा॰प्रौ॰सं॰ जोधपुर में शामिल हुए। उनका शोध क्षेत्र कम्प्यूटर दृष्टि और 3डी आकार विश्लेषण पर केंद्रित है।
12. **डॉ ध्वनिल शुक्ला** (बीटेक/एमई/2014) ने भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे में एयरोस्पेस अभियांत्रिकी में **सहायक प्राध्यापक** के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर से स्नातक होने के बाद, ध्वनिल ने यूएवी और मल्टी-रोटर वायुगतिकी पर केंद्रित एक शोध के साथ जॉर्जिया एयरोस्पेस अभियांत्रिकी प्रौद्योगीक संस्थान से एयरोस्पेस अभियांत्रिकी में एमएस और पीएचडी पूरा किया।
13. **डॉ रवि प्रकाश** (पीएचडी/सीई/2019) भा॰प्रौ॰सं॰ जोधपुर में सिविल अभियांत्रिकी में **सहायक प्राध्यापक** के रूप में शामिल हुए। रवि ने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर से स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी में पीएचडी पूरी की और पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता के रूप में मिन्हो विश्वविद्यालय - कैंपस डी ग्वाल्टर, पुर्तगाल में शामिल हो गए। अपने पोस्ट-डॉक के बाद, उन्होंने राप्रौसं वारंगल में सहायक प्राध्यापक के रूप में काम किया।
14. **डॉ माजिद हुसैन** (पीएचडी/सीई/2020) राप्रौसं श्रीनगर में सिविल अभियांत्रिकी में **सहायक प्राध्यापक** के रूप में शामिल हुए। माजिद ने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर से सिविल अभियांत्रिकी में पीएचडी पूरी की और यूनिवर्सिटी कॉलेज कॉर्क (यूसीसी), आयरलैंड में पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता के रूप में काम किया।

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

10

11

12

13

14

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान गांधीनगर
पालज, गांधीनगर 382 055

Follow us on:

iitgn.official @iitgn @iit_gandhinagar iitgn1